मूल्य ₹5.00, नई दिल्ली, सोमवार , 10 अप्रैल 2017

द्रविज्ञारण

न्यूज गैलरी

सिटी न्यूज ▶ पृष्ट 2

बिहार के लोग दिल्ली के निवासी : नीतीश

नई दिल्ली : नगर निगम चुनाव में जनता दल यूनाइटेड का प्रचार करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के लोगों को प्रवासी समझने की भूल नहीं करनी चाहिए।दिल्ली में बिहारी प्रवासी नहीं, अब निवासी बन गए हैं।बिहार के लोगों को बोझ समझना भूल है। जदयू ने करीब 100 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

राज−नीति ▶ पृष्ट३

बुलेट ट्रेन परियोजना की बड़ी बाधा दूर

नई दिल्ली: भारतीय रेल ने देश की पहली बुलेट ट्रेन दौड़ाने की परियोजना की एक बड़ी बाधा को पार कर लिया है। महाराष्ट्र सरकार इसके लिए बांद्रा-कुर्ला कांप्लेक्स में जमीन देने को राजी हो गई है। अब उम्मीद है कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरीडोर का निर्माण अगले साल 2018 में शुरू हो जाएगा। 2023 तक इसके पूरा हो जाने का अनुमान है।

निर्माता भी चाहे तो नहीं कर सकता ईवीएम से छेडछाड

नई दिल्ली: चुनावों के दौरान ईवीएम में गडबड़ी किए जाने संबंधी विपक्षी पार्टियों की आशंकाओं पर केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने सफाई दी है। उसने कहा है कि वोटिंग मशीनों से छेड़छाड़ करना संभव नहीं है।ये इतनी मजबूत हैं कि यदि उसका निर्माता भी चाहे तो इनमें कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मॉडल वन ईवीएम का उत्पादन 2006 में किया गया है।

नेशनल न्यूज 🕨 पृष्ट ६

शहीद के परिजनों को एक करोड़ से कम न मिले मुआवजा

नई दिल्ली: गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सरकार की कोशिश है कि किसी भी शहीद के परिवार को कम से कम एक करोड़ रुपये मुआवजा मिले। वह एक सरकारी वेबसाइट के उदघाटन के मौके पर बोल रहे थे। उनके साथ अभिनेता अक्षय कुमार भी थे। वेबसाइट के जरिये कोई भी आदमी शहीद के परिवार को अधिकतम 15 लाख रुपये तक की सहायता दे सकता है।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ट 11

मिस्र के चर्चो पर आतकी हमले, 45 मरे, 119 घायल

काइरो : मिस्न के दो शहरों में स्थित गिरजाघरों में हुए बम विस्फोटों में 45 लोग मारे गए और 119 घायल हुए हैं। ये हमले पाम सनडे पर आयोजित प्रार्थना सभा के दौरान हुए। विस्फोटों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। एलेक्जेंड्रिया के सेंट मार्क्स चर्च में कॉप्टिक चर्च के धर्मगरु पोप ट्वाडोस द्वितीय भी मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ।

स्पोटर्स > पुष्ट 13

भारत हॉकी विश्व लीग राउंड–२ के फाइनल में

वेस्ट वेंकृवर (कनाडा) : कप्तान रानी और गरजीत कौर के दो-दो गोलों की बदौलत भारतीय टीम ने बेलारूस को 4-0 से हराते हए महिला हॉकी विश्व लीग राउंड-2 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। फाइनल में भारत का सामना चिली से होगा। भारत ने महिला हॉकी विश्व लीग सेमीफाइनल में जगह बना ली है, जिसका आयोजन इस साल जून या जुलाई में होगा।

गोहत्या अधर्म, पूरे देश में लगे कानूनी प्रतिबंध : भागवत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गोरक्षक दलों की हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि यह गोरक्षा के प्रयासों को बदनाम कर रही है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ पूरे देश में गोहत्या पर प्रतिबंध के लिए एक कानून चाहता है। महावीर जयंती के मौके पर उन्होंने गोहत्या को अधर्म बताया। भागवत ने गोरक्षा के प्रयासों में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान करते हुए कानून और संविधान का 'पूरी' तरह पालन करने पर जोर दिया। मोहन भागवत महावीर जयंती के अवसर पर रविवार को

तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

गौरतलब है कि पिछले दिनों भाजपा शासित राजस्थान के अलवर में कुछ गोरक्षकों द्वारा एक मुस्लिम की पीट-पीटकर हत्या करने की घटना हुई। इसके बाद विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे को लेकर हमलावर हो गई हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि कानून बनाने की दिशा में काम हो रहा है। कई राज्यों में जहां संघ की पृष्ठभूमि वाले लोग सत्ता में हैं, वहां ऐसे कानून बनाए गए हैं। तमाम जटिलताओं के बीच रास्ता निकालकर पूरे देश में इसे लागू करने को लेकर लोग प्रयास कर रहे हैं।

भागवत ने कहा कि एक पशु चिकित्सक

होने के नाते वह देसी गायों, गोमूत्र, गोबर की उपयोगिता जानते हैं। उन्होंने दावा किया कि इनकी उपयोगिता को तो वैज्ञानिक संस्थाओं ने भी स्वीकार किया है।

हिंसा भारतीय संस्कृति नहीं : उन्होंने कहा कि ऐसा कोई कानून नहीं जो आपको हिंसा करने को कहे। किसी भी प्रकार की हिंसा भारतीय सभ्यता-संस्कृति में मान्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म हमें जीवों, प्राणियों और संपूर्ण सुष्टि की रक्षा व उनसे प्यार करना सिखाता है। अहिंसा की सीख देता है। हमें भगवान महावीर के बताए अहिंसा के मार्ग को अपनाना होगा तभी जाकर भारत को विश्व में एक मजबूत राष्ट बनाने में हम सफल होंगे।

ऐसा कुछ नहीं करना है, जो दूसरों के विश्वास को ठेस पहुंचाए। कुछ भी हिंसक नहीं करना है। यह केवल गोरक्षकों के प्रयासों को बदनाम करता है। गायों को बचाने का काम कानून और संविधान का पालन करते हुए हो । यदि समाज

गोहत्या बंद हो जाएगी।' –मोहन भागवत आरएसएस प्रमुख

का व्यवहार बदलता है तो



नई दिल्ली में रविवार को महावीर जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ।

जैन धर्म दिखाता है शांति

का रास्ता : राजनाथ

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जैन धर्म को मानने वाले संख्या में भले ही कम हैं. लेकिन वे समाज और प्रकृति को देने में ज्यादा विश्वास करते हैं। कहा कि आज आतंकवाद से पूरा विश्व परेशान है। अगर इसमें कोई शांति का रास्ता दिखाता है तो वह है जैन धर्म। यह धर्म वैज्ञानिकता पर आधारित है। समारोह को केंद्रीय सूक्ष्म, लघु उद्योग मंत्री कलराज मिश्र, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भी संबोधित किया। र्वोत्तर के कुछ भाजपा शासित समेत कई राज्यों में गोहत्या पर रोक नहीं है। जबकि केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में बीफ) की काफी खपत होती है, जहां भाजपा मजबूत शक्ति बनने के प्रयास में है।

विचार > अंतरराज्यीय परिषद की बैठक में उठा राज्यपालों की भूमिका का मुद्दा

राजनीति से दूर रहें राज्यपाल

गैर भाजपा शासित राज्यों ने दिया सुझाव, विवादों से दूर व्यक्ति ही बने राज्यपाल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राजनीतिक अस्थिरता के दौरान राज्यपाल की भूमिका, कानून-व्यवस्था को लेकर केंद्र-राज्यों के बीच बनते-बिगड़ते संबंध और वित्तीय प्रभाव जैसे विषयों पर अंतरराज्यीय परिषद की स्थायी समिति में विस्तार से विचार किया गया। 11वीं समीक्षा बैठक में गैर भाजपा शासित राज्यों ने सुझाव दिया कि राज्यपालों की नियुक्ति में विवाद से दूर नामों पर ही विचार किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश से लेकर गोवा तक ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनको लेकर विपक्ष का रुख आक्रामक रहा है। मामला कोर्ट तक पहुंचा और राज्यपालों की भूमिका को लेकर राजनीतिक बहस तेज हुई। ऐसे में रविवार को अंतरराज्यीय परिषद की स्थायी समिति की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ख़ुशहाली और संपन्नता तभी आएगी, जब शांति कायम रहेगी। केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग के लिए परस्पर विश्वास ही मूल आधार है। रविवार को हुई यह बैठक अंतरराज्यीय परिषद की 16 जुलाई, 2016 की हुई बैठक से आगे की है।

आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री वाई कृष्णनुडु ने कहा, 'कई राज्यों ने राज्यपाल की योग्यता के बारे में अपना विचार खा। इसके मुताबिक राज्यपाल

बैठक में पुंछी आयोग के दूसरे और तीसरे खंड में उठाए गए विषयों की समीक्षा की गई। रिपोर्ट के दूसरे खंड में केंद्र-राज्य के बीच संवैधानिक प्रावधानों का जिक्र किया गया है। इसमें राज्यपालों की भूमिका के साथ केंद्रीय बलों की तैनाती और संघीय शक्ति संतुलन का ब्योरा दिया गया है। इसके तीसरे खंड में केंद्र व राज्यों के बीच वित्तीय संबंधों को विस्तार से रखा गया है। इसमें राज्यों के लिए राजकोष मुहैया कराना, जीएसटी और अन्य तरह के वित्तीय संबंधों का जिक्र है। जस्टिस मदन मोहन पुंछी आयोग का गठन 2005 में हुआ था। इसकी रिपोर्ट 2010 में पेश कर दी गई थी। आयोग की रिपोर्ट के कुल सात खंड हैं। आयोग की कुल 273 सिफारिशों में से 132 पर विचार किया जा चुका है। बचे खंडों पर स्टैंडिंग कमेटी की अगली बैठक में चर्चा होगी। इसमें जीएसटी से उपजने वाली चुनौतियों, 14वें वित्त आयोग की रिपोर्ट, नीति आयोग के गठन और केंद्र की प्रायोजित योजनाओं पर अमल जैसे मुद्दों को शामिल किया गया है।

राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में वित्त मंत्री अरुण जेटली और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रमन सिंह, ओडिशा के नवीन पटनायक और त्रिपुरा के मख्यमंत्री माणिक सरकार ने भाग लिया। आंध्र प्रदेश, पंजाब और राजस्थान के मंत्रियों ने अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व किया।

योगी आदित्यनाथ ने मांगा बुंदेलखंड और पूर्वांचल के लिए पैसा



नई दिल्ली में रविवार को अंतरराज्यीय परिषद की स्थायी समिति की बैठक के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली और गृह मंत्री राजनाथ सिंह।

राज्यपाल की भूमिका पर सिफारिशें

पंछी आयोग ने राज्यपालों की भूमिका में भारी परिवर्तन के सुझाव दिए हैं। राज्यपाल का कार्यकाल पांच वर्ष निश्चित करने और उसे हटाने के लिए राज्य विधानसभा द्वारा महाभियोग चलाए जाने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा राज्यपाल की नियुक्ति में संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से बात करने की भी सिफारिश की गई <u>है</u>।

पुंछी आयोग की अन्य सिफारिशें संविधान के अनुच्छेद 355 और 366 में संशोधन,

जिससे केंद्र कुछ समय के लिए राज्य को अपने शासन के अंतर्गत ले सकेगा। सांप्रदायिक हिंसा विधेयक में संशोधन, जिससे

केंद्र बिना राज्य सरकार की अनुमति के केंद्रीय सुरक्षा बलों को संबंधित राज्य में तैनात कर सके। राज्य सरकार की इच्छा के बगैर राज्यपाल को

किसी मंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश देने का अधिकार होना चाहिए।

श्रीनगर उपचुनाव में भारी हिंसा, आठ की मौत

श्रीनगर संसदीय सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में रविवार को मतदान के दौरान अलगाववादियों और आतंकियों के चुनाव बहिष्कार का खासा असर रहा। पथराव और आगजनी के बीच इस सीट पर महज 7.14 प्रतिशत मतदाताओं ने ही वोट डाले। इस दौरान हुई हिंसा में एक महिला समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इन घटनाओं में 12 से ज्यादा मतदान कर्मी, डेढ़ सौ से अधिक सुरक्षाकर्मी और 36 प्रदर्शनकारी जख्मी हो गए। उपद्रवियों ने 70 मतदान केंद्रों पर हमले किए, जिसमें दर्जनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और 20 ईवीएम को जलाया, तोड़ा या लूट लिया गया।

दिनभर चली मतदान की प्रक्रिया के दौरान श्रीनगर, बडगाम और गांदरबल में फैले श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में 200 से ज्यादा हिंसा की घटनाएं हुई हैं। गलवानपोरा बडगाम में हिंसक भीड़ ने एक मतदान केंद्र के भीतर मतदान कर्मियों और सुरक्षाकर्मियों को बंधक बना लिया। उन्हें पांच घंटे बाद मुक्त कराया जा सका। बेकाबू स्थिति संभालने के लिए हिंसाग्रस्त इलाकों में सेना को बुलाना पडा। श्रीनगर संसदीय सीट के उपचुनाव में नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस उम्मीदवार फारूक अब्दुल्ला समेत नौ प्रत्याशी भाग्य आजमा रहे हैं। अलगाववादियों और आतंकियों के फरमान का असर हर मतदान केंद्र पर सुबह से ही नजर आया। अधिकांश मतदान केंद्र सुबह पहले दो घंटे तक मतदाताओं का इंतजार करते रहे। पखरपोरा, चाडूरा और मागाम में हिंसक झड़ पों में एक महिला समेत आठ लोगों की मौत हुई है।



श्रीनगर में अलगाववादी समर्थकों द्वारा मतदान केंद्र पर हमले के बाद फेंकी गई ईवीएम। प्रेट्र

दूसरी ओर विस्थापित पंडितों ने जम्मू, ऊधमपु व दिल्ली में मतदान किया। उम्मीद से कम हुए मतदान के मद्देनजर चुनाव अधिकारियों ने श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के छह मतदान केंद्रों मे सीधे प्रसारण की योजना को रद कर दिया।

फारूक ने सरकार पर दोष मढ़ा फारूक अब्दुल्ला ने उपचुनाव में हुई हिंसा की निंदा करते हुए इसके लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चुनाव को रद कराने के इरादे से बाधा डाल रही है। नेकां व कांग्रेस के साझा उम्मीदवार फारूक ने कहा कि सरकार द्वारा चुनाव प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने के कई साक्ष्य यहां उपलब्ध हैं।

दिल्ली समेत आठ राज्यों में शांतिपूर्ण रहा विधान सभा चुनाव

लालू ने माना मॉल की जमीन मेरी

भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी द्वारा लगाए गए मिट्टी एवं जमीन घोटाले के सभी आरोपों को लाल यादव ने मनगढंत बताया और अपनी छवि बिगाडने की साजिश करार दिया। लालू ने दावा किया कि संजय गांधी जैविक उद्यान को एक रुपये की भी मिट्टी नहीं बेची गई है। मिट्टी फुलवारीशरीफ और दानापुर के कब्रिस्तान भेजी गई है। जू में कहां से आई, इसका खुलासा जांच से हो जाएगा। मुख्य सचिव के निर्देश पर वन विभाग इसकी जांच भी कर रहा है। लालू ने यह जरूर माना कि मॉल की जमीन उन्हीं की है, जहां मेरिडियन कंपनी पार्टनरशिप में मॉल बना रही है। रविवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर राजद प्रमुख ने कहा कि आरोप लगाने वाले खुद घोटालेबाज हैं। प्रेस कान्फ्रेंस में राजद सांसद प्रेम गुप्ता भी मौजूद थे।

लालू ने कहा कि मेरे बच्चों एवं पत्नी को बदनाम किया जा रहा है। कई दिनों से सगुना मोड़ स्थित निमार्णाधीन मॉल की मिट्टी 90



पटना में अपने परिवार के ऊपर लगे आरोपों का जवाब देते राजद प्रमुख लालू प्रसाद । जागरण

लाख रुपये में जैविक उद्यान को बेचे जाने का आरोप लगाया जा रहा है। उनके पुत्र पयार्वरण एवं वन मंत्री तेजप्रताप यादव पर भी बगैर निविदा के ही मॉल की मिट्टी को अपने विभाग को बेचने का आरोप लगाया गया है जो मनगढ़ंत है।

होटल कारोबारी को नहीं पहुंचाया फायदा: पुरी एवं रांची के यात्री निवासों को होटल कारोबारी कोचर बंधु को दिए जाने के आरोप को भी लालू ने निराधार बताया। लालू ने कहा कि 1999[°] में वाजपेयी सरकार ने इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टुरिज्म कारपोरेशन (आइआरसीटीसी) का गठन किया था। आइआरसीटीसी ने दिसंबर, 2006 में ऊंची बोली लगाने वाले कोचर बंधु को 15 वर्ष की लीज पर दोनों यात्री निवास दिए थे। इसमें रेल मंत्री की कोई भिमका नहीं होती है।

डिलाइट कंपनी फर्जी नहीं : लालू ने सुशील मोदी के उस आरोप को भी गलत बताया जिसमें डिलाइट कंपनी को फर्जी बताया गया है। लालू ने कहा कि कंपनी का निर्माण 1981 में ही हुआ था। इस कंपनी का कुछ शेयर इनकम टैक्स के प्रावधानों के तहत राबड़ी देवी ने 2014 में खरीदे थे। उस समय वह किसी पद पर नहीं थीं। कंपनी के कुछ शेयर तेजप्रताप एवं तेजस्वी यादव के पास भी हैं, जिन्हें राबड़ी देवी ने गिफ्ट में दिए थे।

चार लाख लगाए और पांच सौ करोड़ के मालिक बन गए लालू : सुशील मोदी पेज>>4

मंत्रियों को बतानी होंगी पांच उपलब्धियां

नई दिल्ली, प्रेट्र : मोदी सरकार ने सत्ता में तीन साल पुरे होने से पहले ही सभी मंत्रालयों से कामकाज का हिसाब मांगा है। सरकार ने सभी मंत्रियों को पांच प्रमुख उपलब्धियों का ब्योरा देने को कहा है। वह उपलब्धियां ऐसी हों जिनसे लोगों को फायदा पहुंचा हो। साथ ही इसमें प्रमुख सुधारवादी कामों का जिक्र हो। इसके अलावा भाजपा के केंद्र की सत्ता में आने के समय से लेकर अब तक के आंकड़ों का तुलनात्मक ब्योरा भी मांगा है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री वेंकैया नायडू ने इसी हफ्ते सभी मंत्रियों को एक पत्र भेजा जिसमें ऐसे सभी आंकडे और विश्लेषण देने को कहा गया है। सभी मंत्रालयों से उपलब्धियां हासिल करके इन सभी जानकारियों को एक सरकारी पस्तिका में प्रकाशित किया जाएगा। केंद्र सरकार की योजना इसे 26 मई से पहले प्रकाशित करने की है। इसी दिन नरेंद्र मोदी सरकार को सत्ता संभाले तीन साल पूरे हो रहे हैं। नायडू के लिखे इस पत्र में उन्होंने सभी मंत्रियों से जानकारियां तीन पन्नों के नोट में मोटे अक्षरों में मांगी हैं। इस नोट में सभी मंत्रालयों को पांच बिंदुओं पर काम करना होगा। 1. अपने यहां की पांच प्रमुख उपलब्धियों



जिनसे जनता को फायदा हुआ हो या लोगों ने जिसे बेहद पसंद किया हो। 2. हरेक मंत्रालय को अपने सबसे बेहतरीन काम का उल्लेख करना होगा। 3. मंत्रालयों को अपनी प्रमुख योजनाओं के तुलनात्मक आंकड़े या ब्योरे देने होंगे। ताकि वर्ष 2014 की स्थिति और अब यानी 2017 की स्थिति स्पष्ट हो सके। ४. मंत्रालय ने प्रक्रिया, नीति, कार्यप्रणाली, कार्यक्रम आदि के स्तर पर त्र्या सुधार किए हैं। 5. सफलता की दो सर्वोच्च कहानियां एक पैरे में देनी होंगी। इससे पहले भी 21 मार्च को लिखे एक पत्र में

नायडू ने मंत्रियों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं

से अपील की थी कि मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार के लाए सकारात्मक बदलावों पर लोगों से बात करें।

नायडू ने अपने पत्र में जोर देकर कहा है कि साफ है कि देश का जनमानस भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में है। हम सभी टीम मोदी का हिस्सा होने पर गौरव का अनुभव करते हैं। इस सरकार ने पिछली सरकारों से इतर करोडों लोगों के भाग्योदय में अपना योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि इसीलिए हम एक ठोस कार्ययोजना तैयार करनी होगी। हमें उन तथ्यों और आंकड़ों के साथ सरकार की उपलब्धियों को लोगों के सामने रखना होगा।

नायडू के इस पत्र के मुताबिक सरकार ने उन मंत्रियों की भी एक सूची बनाई है जो उन्हे दिए गए विशिष्ट विषयों पर अपने नोट लिखेंगे उदाहरण के लिए विदेश राज्यमंत्री एमजे अकबर को प्रधानमंत्री के विदेश दौरों की झलकियों पर नोट लिखने को कहा गया है। इसमें इन दौरों से देश को हुए फायदे, विदेशी निवेश आदि का जिक्र होगा। इसीतरह सांसद स्वप्न दासगुप्ता और चंदन मित्रा को बौद्धिक विषयों पर नोट लिखने

मेगा ड्रा

डिजीधन व्यापारी योजना के मेगा ड्रा में भी किया गया विजेताओं का चयन, अंबेडकर जयंती के दिन होगी विजेताओं के नामों की घोषणा



राष्ट्रपति ने चुना 'लकी' करोड़पति, मोदी करेंगे सम्मानित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नोटबंदी के बाद डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई 'लकी ग्राहक योजना' के एक करोड़ रुपये पुरस्कार वाले मेगा लकी ड्रॉ का विजेता सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का ग्राहक होगा। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने रविवार को राष्ट्रपति भवन में हुए मेगा ड्रॉ में उस लकी ट्रांजेक्शन का चयन किया जिसे करने वाले व्यक्ति को यह विशाल पुरस्कार राशि मिलेगी। इस लकी ग्राहक का नाम फिलहाल उजागर नहीं किया गया है। इसके नाम की घोषणा 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर नागपुर में होगी और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मौके पर विजेताओं को सम्मानित करेंगे।

नीति आयोग ने 25 दिसंबर 2016 को 'लकी ग्राहक योजना' और 'डिजिधन व्यापारी योजना' शुरू की थीं।इन योजनाओं के तहत भीम ऐप, 'रुपे' कार्ड या यूपीआइ से 1000 रुपये से कम का लेन-देन करने वालों में से 16 लाख से अधिक लकी ग्राहकों और व्यापारियों को दैनिक, साप्ताहिक और मासिक ड्रॉ के जरिये अब तक 256 करोड़ रुपये की



पुरस्कार राशि वितरित की जा चुकी है। रविवार को इस योजना का 100वां ड्रा राष्ट्रपति भवन में हुआ। इस मेगा ड्रॉ में राष्ट्रपति ने जिन तीन लकी ग्राहकों का चयन किया उनमें सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रथम विजेता के अलावा द्वितीय विजेता बैंक ऑफ बड़ौदा का ग्राहक है, जिसे 50 लाख रुपये की राशि मिलेगी, जबिक तीसरा विजेता पंजाब नेशनल

को और अधिक कम करना और डिजिटल पेमेंट के सुरक्षित तरीकों को प्रोत्साहित करना आज के समय की सबसे बडी जरूरत है। – प्रणब मुखर्जी, राष्ट्रपति

बैंक का है जिसे 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। इसी तरह डिजिधन व्यापारी योजना के तहत जिन तीन लकी व्यापारियों का चयन किया गया है उसमें पहला परस्कार आइसीआइसीआइ के खाताधारक को मिलेगा जिसे 50 लाख रुपये पुरस्कार राशि मिलेगी। दूसरा पुरस्कार पीएनबी के खाताधारक व्यापारी को मिलेगी और उसे 25 लाख

रुपये पुरस्कार राशि मिलेगी, जबकि तीसरा पुरस्कार नकदी करूर वैश्य बैंक के ग्राहक को मिलेगा और उसे 12 के चलन लाख रुपये की राशि मिलेगी।

इस मौके पर डिजिटल पेमेंट को बढावा देने के सरकार के प्रयासों को साहसिक करार देते हुए राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने देश के सभी नागरिकों से भारत को लैस कैश बनाने के मिशन में सतत सहयोग करने का आग्रह किया। मुखर्जी ने कहा कि भारत को लैस कैश समाज बनने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। फिलहाल व्यक्तिगत उपभोग के 95 प्रतिशत और कुल ट्रांजेक्शन में से 86 प्रतिशत कैश में होते हैं। सरकार ने अच्छी शुरुआत की है और इसे आगे बढाए जाने की जरूरत है।

'आधार' की शुरुआत ऐतिहासिक 'आधार' कार्ड की शुरुआत को ऐतिहासिक बताते हुए मुखर्जी ने कहा कि भारत डिजिटल क्रांति में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक अरब से अधिक भारतीयों के पास आधार नंबर है। विकास की गाथा में आधार एक ऐतिहासिक घटना है। आधार से पेमेंट प्रणाली से ऐसे लोग भी लेन-देन कर सकते हैं जिनके पास फोन भी नहीं है।

सूचना आयोग ने तलब किया

नई दिल्ली, प्रेट : केंद्रीय सूचना आयोग (सीआइसी) ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से नगा उग्रवादी संगठन से हुए शांति समझौते का ब्योरा तलब किया है। सीआइसी का कहना है कि गृह मंत्रालय के आरटीआइ एक्ट के हवाले से जानकारी देने से मना करने के बाद उसे एनएससीएन-आइएम से जुड़े शांति समझौते को उससे साझा करना होगा।

मुख्य सूचना आयुक्त आरके माथुर ने अपने आदेश में कहा कि अगर गृह मंत्रालय यह तय करता है कि जानकारी को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता तो उसे संबंधित फाइलें उसे (सीआइसी) को उपलब्ध करानी होंगी। ताकि इस मामले में सुनवाई की अगली तारीख तय की जा सके। गृह राज्य मंत्री किरण रिजिज़ ने विगत 15 मार्च को संसद में कहा था कि समझौते की रूपरेखा के तहत अंतिम समझौते के ब्योरे पर काम किया जा रहा है। लिहाजा, इस समझौते की रूपरेखा को वक्त से पहले सार्वजनिक करना ठीक नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने विगत 3 अगस्त,

2015 को मीडिया के समक्ष नगा उग्रवादी संगठन एनएससीएन-आइएम से शांति समझौते का ऐलान किया था। इसके बाद एक एनजीओ कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव के वेंकटेश नायक ने आरटीआइ याचिका दायर करके समझौते से जुड़ी जानकारी मांगी थी। लेकिन गृह मंत्रालय ने आरटीआइ अधिनियम की धारा 8(1)(ए) के तहत ऐसी जानकारी देने से मना कर दिया था। नायक के अनुसार गृह मंत्रालय ने अपने जवाब में यह नहीं बताया कि आस्टीआइ की धारा 8(1)(ए) के तहत समझौते के किन हितों को आघात पहुंचेगा याचिकाकर्ता ने आयोग से कहा कि नागरिकों के लिए यह जानना अहम होगा कि एक (उग्रवादी) संगठन से ऐसा क्या अहम समझौता किया कि उसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। आयोग के समक्ष गृह मंत्रालय ने दावा किया कि उसके पास इस समझौते से जुड़ी कोई फाइल नहीं है।

समझौते का सच

आसान रहा जेईई ऑनलाइन, ऊंची जा सकती है कटऑफ

2 सिटी न्यूज

नर्ड दिल्ली: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा आयोजित जेईई मेन ऑनलाइन परीक्षा का रविवार को समापन हो गया है। जेईई मेन ऑनलाइन परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को आयोजित कराई गई परीक्षा को लेकर छात्रों ने गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के पेपर को लेकर मिलीजुली प्रतिक्रिया दी है, लेकिन छात्रों ने कुल मिलाकर पेपर को आसान बताया है। वहीं परीक्षा को लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि पेपर आसान था, इस कारण इस बार जेईई मेन की कटऑफ ऊंची जा सकती है। रविवार को आयोजित जेईई मेन ऑनलाइन परीक्षा को लेकर छात्रों ने बताया कि पेपर में इलेक्टा मैग्नेट इंडक्शन डायमेंसियंस एनालिसिस, करंट इलेक्ट्री सिटी, ग्रैविटेशन और इलेक्ट्रा स्टैटिक्स, जियामेट्रिकल ऑप्शन पर आधारित प्रश्न

गोरक्षा के नाम पर हिंसा के खिलाफ उपवास

नर्ड दिल्ली: गो रक्षा के नाम पर विभिन्न राज्यों में हिंसा की घटनाओं के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर पर एक दिन का उपवास रखा। इसमें संजय राय, दीपिका मित्तल, राममोहन व रवि नितेश शामिल रहे । इस मौके पर रवि नितेश ने कहा कि यह स्वस्थ समाज के लिए निंदनीय है, जहां एक जान बचाने के लिए दसरे की जान ले ली जाए। ऐसी घटनाओं पर तत्काल लगाम लगाने की जरूरत है, जो समाज में दूरी बढ़ा रही है। दीपिका ने कहा कि जिस समाज में यह सब हो रहा है। उस समाज का हिस्सा हम भी है। इसलिए हम भी बराबर के दोषी है। अपने दोष के प्रायश्चित के लिए उपवास रखा है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील और मुंशी को लूटा

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट से लौट रहे एक वकील और उसके मुंशी के साथ लूटपाट करने का मामला सामने आया है।घटना की शिकायत पर एम्स पीसीआर ने एक आरोपी को पकड़ भी लिया है। जबकि, दूसरे की तलाश जारी है। लक्ष्मी नगर निवासी सुधीर शर्मा सुप्रीम कोर्ट के वकील अमित सिंह के यहां बतौर मुंशी काम करता है। सात अप्रैल को वह कोर्ट से अपने मालिक के साथ कहीं जा रहा था। इसी दौरान सिरी फोर्ट के पास दो स्कूटी सवार युवकों ने कहा कि कार से तेल निकल रहा है। उन्होंने दोनो युवकों की बात सुनने के बाद बीआरटी अर्चना रेड लाइट के पास कार खड़ी कर दी। आरोप है कि दोनों युवकों ने कार पंक्चर कर दी थी।

इस सप्ताह भी जारी रहेगा तापमान में उतार चढ़ाव

नर्ड दिल्ली : राजधानी में मौसम का बदलाव और तापमान का उतार चढाव जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले समय में तापमान के स्तर में बहत बढ़ोतरी की संभावना नहीं है और सप्ताह के अंत तक राजधानी में गरज चमक के साथ बौछारें भी पड़ सकती हैं। भोर से ही चल रही ठंडी हवाएं और दिन में धूप खिलने के बाद भी राजधानी के अधिकतम तापमान में सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई।हालांकि न्यूनतम तापमान सामान्य दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि इस सप्ताह अधिकतम तापमान 35-36 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जा सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि सप्ताह के अंत तक राजधानी पर पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव देखा जा सकता है जिससे यहां के मौसम में बदलाव हो सकता है। लेकिन इस बीच तापमान में उतार चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

स्वस्थ जीवन के लिए चिकित्सक भी करें योग

महेंद्रगढ: योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा है कि वह दिन दूर नहीं जब डॉक्टर भी योग करेंगे। रामदेव के अनुसार, आज की जीवनशैली बेहद विकट है। अब तो चिकित्सकों को भी स्वस्थ रहने के लिए योग की शरण में आना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देशवासियों को योग करके मजबत बनना चाहिए. मजबर नहीं।बाबा रामदेव रविवार को सीमा सरक्षा बल के डीआईजी सुमेर सिंह की सेवानिवृति पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। योग गुरु ने कहा कि हर अच्छा काम योग और बुरा काम भोग है। देश का प्रधानमंत्री भी योगी है, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी योगी हैं।

निगम का रण 🕨 बदरपुर में चुनावी जनसभा को बिहार के सीएम ने किया संबोधित

मैदान में ताल

ठोकेंगे 2537

प्रत्याशी

बिहार के लोग दिल्ली में प्रवासी नहीं, निवासी हैं: नीतीश कुमार

कहा, दिल्ली सरकार को भी राजधानी में शराब की बिक्री बंद करा देनी चाहिए

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में तीनों नगर निगम के चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों ने चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। निगम चुनाव में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने भी करीब 100 से अधिक सीटों पर अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बदरपुर इलाके में रविवार को रोड शो किया। बाद में उन्होंने इलाके के हरि नगर में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के लोगों

मुख्यमंत्री नीतीश को 'गुरु प्यारा' उपाधि

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : गुरु गोविंद सिंह की 350 जन्मशती के सफल आयोजन के लिए सिख समुदाय ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमारको 'गुरु प्यारा' की उपाधि से नवाजा है।शनिवार की रात दिल्ली के बिहार निवास मे आयोजित एक समारोह में केश संभाल प्रचार संस्था की ओर से यह उपाधि दी गई। नीतीश ने इसे पूरे बिहार

को प्रवासी समझने की भूल नहीं करना चाहिए। दिल्ली में बिहार के लोग प्रवासी नहीं, बल्कि अब निवासी बन गए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के लोगों को बोझ समझा जाना बहुत बड़ी भूल है। बिहार के लोग किसी पर बोझ नहीं बनते, बल्कि बोझ का सम्मान बताया। देश इस साल चंपारण सत्याग्रह की शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है। नीतीश ने प्रकाशोत्सव और चंपारण सत्याग्रह को जोड़ते हुए कहा कि गुरु गोविंद सिंह और महात्मा गांधी का संदेश एक ही है कि सत्य के मार्ग पर हम सभी बढ़ते जाएं। उन्होंनेकहा कि बिहार इन महान विभूतियों को याद कर धन्य हुआ है।

ढोने का काम करते हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि बिहारी लोग मेहनती है। देश के विकास में सहयोगी बन रहे हैं। निगम चुनाव में जदयू के उम्मीदवारों को जिताने की अपील की।

भाजपा और आम आदमी पार्टी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि एक पार्टी दिल्ली

ां शासन कर रही है, जबकि दूसरी पार्टी का निगम में पिछले 10 सालों से कब्जा है, लेकिन दिल्ली की अंदरुनी गलियां चलने लायक नहीं हैं। अधिकतर सडकें बदहाल स्थिति में हैं।

नई दिल्ली: नामांकन वापस लेने की तारीख खत्म होने के बाद अब नगर निगम के प्रत्याशियों संबंधी तस्वीर साफ हो चुकी है। मैदान में 2537 प्रत्याशी ताल

ठोकेंगे। सबसे ज्यादा उत्तरी दिल्ली नगर निगम में प्रत्याशी सियासी जंग में एक

दूसरे को पटखनी देने की कोशिश करेंगे।

नालियों व सीवर का पानी सडक पर जमा रहता है और दिल्ली को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने की बात की जाती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब हाइवे और राजमार्ग पर शराब की दुकानें बंद कराई जा रही है, जबकि बिहार में एक साल पहले ही शराब बंद करा दी गई है। दिल्ली में भी सरकार को शराब बंद करा देनी चाहिए। उन्होंने यह भी दोहराया कि दिल्ली को पूर्ण राज्य बना दिया जाना चाहिए।

इस चुनावी जनसभा में सांसद अली अनवर, पूर्व सांसद केसी त्यागी, पार्टी के नेता संजय झा, रणवीर नंदन, मणजीत सिंह समेत भारी संख्या में पार्टी के नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा की झुग्गी वाली प्रत्याशी निकली करोड़पति

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कुछ माह पहले टोडापुर इलाके में जिस झुग्गी में रात बिताई थी। इस झुग्गीवासी महिला सुनीता कौशिक को भाजपा ने निगम चुनाव में टिकट दिया है, मगर यह करोडपति निकर्ली। इनके और पित के नाम पर दसघरा में तीन मकान हैं। यह मामला प्रकाश में आने पर आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली संयोजक दिलीप पांडेय ने मनोज तिवारी के झुग्गी में रात बिताने के अभियान को गरीब लोगों के साथ छलावा बताया है।

उन्होंने कहा कि इस मामले से और साफ हो गया है कि किस तरह भाजपा ने झुग्गी वालों के नाम पर भी करोड़पतियों को टिकट दी है। भाजपा के मेहनती कार्यकर्ता को दर्राकनार किया गया है। झुग्गी में रात बिताने का उनका अभियान डामा नहीं था तो क्या था ? दरअसल वह करोड़पतियों के घर रात बिता रहे थे।

सुनीता कौशिक को भाजपा ने वार्ड नंबर 103 से टिकट दी है। सुनीता कौशिक की ओर से दिल्ली राज्य चुनाव आयोग में दिए गए शपथपत्र में ये करोड़पति हैं। गत 3 अप्रैल को

चुनाव आयोग में जमा कराए गए शपथ पत्र से मिली जानकारी

प्रत्याशी के घर भी जा चुके हैं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी

आप ने कहा, भाजपा कर रही छलावा

चनाव आयोग में जमा कराए गए शपथ पत्र के

अनुसार इसके पास 50 हजार और पति के पास 85 हजार नगद है। सुनीता के पास 300 ग्राम के सोने के गहने हैं। जिसकी कीमत 6 लाख है। पति शशि भूषण के पास 50 ग्राम के गहने हैं, जिसकी कीमत एक लाख है। इनके पास तीन मकान हैं। जिसमें से डब्ल्यू जेड 151 दसघरा व डब्ल्यू जेड बी दसघरा हैं। जिनकी कीमत 50 लाख और 32 लाख है। वहीं इनके पति के पास 10 लाख का एक मकान है। जो डब्ल्यू जेड 23 के पते पर है। यानी कुल मिला कर 92 लाख की अचल संपत्ति, 1 लाख 35 हजार का कैश और सोने के 7 लाख के गहने हैं कुल मिलाकर उनके पास एक करोड़ 35 लाख

डीयू में रिसर्च एंड डेवलपमेंट ग्रांट ग्रहण

अभिनव उपाध्याय, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में शोध के लिए इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत चयन के आधार पर शिक्षकों को दी जाने वाली अनुदान राशि (ग्रांट) बंद होने के बाद अब रिसर्च एंड डेवलपमेंट ग्रांट को भी बंद कर दिया गया है। इसके तहत प्रतिवर्ष विज्ञान एवं मानविकी संकाय के शिक्षकों को शोध के लिए अनुदान राशि दी जा रही थी।

डीयू की कार्यकारी समिति के एक सदस्य का कहना है कि इस अनुदान गशि को कुलपति की सैद्धांतिक मंजूरी है, लेकिन अब तक राशि जारी नहीं की गई है। विश्वविद्यालय रिसर्च एंड डेवलपमेंट ग्रांट के तहत शोध हेतु विज्ञान संकाय के शिक्षकों को 3 लाख और मानविकी तथा वाणिज्यिक संकाय के शिक्षकों को 1.5 लाख रुपये दिए जाते थे। विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष अक्टूबर में इस बाबत आवेदन मंगात था, लेकिन इस बार किसी तरह का आवेदन नहीं मंगाया गया है। कार्यकारी समिति के सदस्य जेएल गुप्ता का कहना है कि हमने 28 फरवरी को हुई बैठक में कुलपित का ध्यान इस तरफ आकृष्ट कराया था। विश्वविद्यालय अपने शोध के लिए जाना जाता है, लेकिन यहां निवेदन के बाद भी विश्वविद्यालय ने अब तक अनुदान राशि जारी नहीं की है। यह अनुदान राशि लगभग

महंगी थाली की न्यायिक जांच कराई जाए : विजेंद्र

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर मेहमानों को परोसी गई महंगी थाली पर सियासत तेज हो गई है। नगर निगम चुनाव से पहले हाथ लगे इस मामले को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने में जुट गई है। नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मुख्यमंत्री से इस मामले की न्यायिक जांच कराने और भोज का खर्च आम आदमी पार्टी (आप) से वसूलने की

उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और वित्त सचिव ने जानबूझकर दो महीने तक फाइल को दबाए रखा ताकि यह घोटाला सामने नहीं आ सके। सिसोदिया इस मामले की जांच कराने की बात कहकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्हें लोगों को बताना चाहिए कि उन्होंने कब और किस अधिकारी से जांच कराई है। सच्चाई यह है कि जांच कराने के बजाय भोज की सेवा देने वाले पांच सितारा होटल से डिस्काउंट की मांग की गई थी। इसके लिए विभाग ने पत्र भी लिखा था। अब भाजपा द्वारा घोटाला उजागर करने के बाद घबराई और

16 हजार रुपये में परोसी गई थाली पर तेज हुई सियासत

भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा करने वाली आप का असली चेहरा बेनकाब : भाजपा

भाजपा की मांग, भोज का खर्च आम आदमी पार्टी से वसूला जाए

रही है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर पिछले वर्ष मनाए गए दो दिवसीय जश्न की जांच जरूरी है ताकि सच्चाई

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार खत्म करने और शासन में पारदर्शिता लाने का वादा कर सत्ता में आने वाली आप का असली चेहरा लोगों के सामने आ गया है। पंजाब विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान आप पांच रुपये में जनता को भोजन देने का वादा कर रही थी। वहीं, इस पार्टी के मुख्यमंत्री दिल्ली में जनता द्वारा चुकाए गए कर से मेहमानों को 16 हजार रुपये की थाली परोसते हैं। यह जनता के साथ विश्वासघात है।

15 सालों से दी जा रही है।

नाती का इलाज कराने आई तंजानिया की बुजुर्ग से लूट

नीतीश कुमार को सम्मान

राजधानी में विदेशी पर्यटकों के साथ अपराधिक वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। दो दिनों में दो विदेशियों को अपराधियों ने अपना शिकार बनाकर पुलिस को चुनौती दी है। बता दें कि शुक्रवार की रात लालकिला के पीछे जर्मन नागरिक को चाकू मारकर लूटपाट की गई। उसी रात बदमाशों ने करोलबाग में तंजानिया की बर्जा महिला को भी शिकार बनाया। बदमाशों ने महिला से चार लाख रुपये, गहने व पासपोर्ट से भरा बैग लूट लिए। पुलिस ने रिपोर्ट तो दर्ज कर ली है, लेकिन दो दिन बाद भी पुलिस बदमाशों का सुराग नहीं लगा पाई है।

तंजानिया के शहर दर-ए-सलाम मगोमनी निवासी आरिफ के डेढ़ साल के बेटे जयान को जन्म के समय से ही पेशाब नली में समस्या थी। वहां कई अस्पतालों में इलाज के बाद समस्या दूर नहीं हुई तो आरिफ 9 मार्च को सास फतमा असलम, पत्नी जैबनिसे बेगम असलम के साथ भारत आए थे। आरिफ पत्नी व सास के साथ करोलबाग स्थित सन स्टार होटल में रुके थे। उनके बेटे का इलाज बीएल कपूर अस्पताल में चल रहा है।

आरिफ को 9 अप्रैल को वापस जाना था, लेकिन डॉक्टरों की सलाह पर वापस जाने का प्लान 15 अप्रैल तक टाल दिया। 8 मार्च को वह पत्नी व सास के साथ सरस्वती रोड होते हुए अस्पताल से होटल जा रहे थे। रात करीब साढ़े दस बजे होटल चाइना टाउन के सामने पल्सर बाइक सवार दो बदमाशों ने आरिफ की सास फातमा असलम से पर्स लूट लिया और पूसा रोड

करोलबाग में रुपये, गहने व पासपोर्ट से भरा बैग लेकर बदमाश फरार

गुरु गोविंद सिंह की 350 जन्मशती के सफल आयोजन के लिए सिख समुदाय ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शनिवार की रात

लालाकला के पछि उसा दिन जर्मन नागरिक से हुई थी लूटपाट

रिपोर्ट दर्ज करने के दो दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

की तरफ फरार हो गए। आरिफ ने बताया कि बैग के अंदर 6 हजार अमेरिकी डॉलर (करीब 3.86 लाख रुपये), 7 लाख तंजानिया सीलिंग (करीब 20,186 रुपये) और तीन हजार रुपये, सोने की चेन, सोने का पेंडेंट और तीन मोबाइल फोन थे। इसके अलावा बैग में आरिफ, उनकी पत्नी, सास व बेटे का पासपोर्ट भी था।

शिकायत दर्ज करने के बाद जांच अधिकारी धमैंद्र सिंह ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाले, जिसमें बदमाश कैद हैं। हालांकि वाहन का नंबर साफ नहीं दिखने से अब तक सुराग नहीं लगा। पीड़ित आरिफ का कहना है कि वे दूसरे मुल्क में हैं और पुलिस ने अब तक कुछ नहीं किया। जांच अधिकारी खुद तो संपर्क करते नहीं और फोन करने पर बात तक नहीं करते।

सीसीटीवी फुटेज में मिली तस्वीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही बदमाशों को पकड़कर नकदी व अन्य सामान बरामद किया जाएगा । –मनदीप सिंह रंधावा, डीसीपी मध्य जिला

आलाकमान की सख्ती से पिघले पार्षद, शुरू किया प्रचार संजीव कुमार मिश्र, नई दिल्ली

अब इसे आलाकमान की घुड़की का असर कहें या फिर राजनीतिक करियर के नुकसान का डर। पार्षदबंदी के बाद से ही भाजपा पार्षद प्रचार अभियान से दूरी बनाए हुए थे। कई पार्षद को तो प्रत्याशियों से भी मिलना भी गंवारा नहीं था। नतीजन, निराश प्रत्याशियों ने प्रदेश पदाधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाई। मामला आलाकमान तक पहुंचा तो बैठक कर पार्षदों। की जमकर क्लास ली। जिसके बाद कल तक प्रचार अभियान से नदारद रहने वाले पार्षद अब ना केवल बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं बल्कि

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पार्षदबंदी के बाद से ही पार्षद नाराज थे। हालांकि वो खुले तौर पर विरोध करने से डर रहे थे लेकिन अंदरखाने पार्षदों की कई बैठकें हुई। प्रत्याशियों की घोषणा के बाद तो पार्षदों ने एकदम चुप्पी ही साध ली थी। ऐसे में पार्टी को भितरघात का खतरा सता रहा था। ऊपर से प्रत्याशी भी आलाकमान से पार्षदों से असहयोग की बात बता रहे थे। जिसके बाद आलाकमान ने दो दिन पूर्व पार्षदों संग बैठक की।

कई जगह तो चुनावी रणनीति भी बना रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो प्रचार की धीमी रफ्तार से आलाकमान खासे नाराज थे। उन्होंने सभी वर्तमान पार्षदों को कहा कि वे प्रत्याशियों के प्रचार में जुट जाएं और किसी प्रकार की कोताही न बरतें। उत्तर प्रदेश के चुनाव और वहां से पार्टी को मिली अपार सफलता के बाद पार्षदों ने भी प्रत्याशियों के प्रचार में कमर कस ली है। मध्य दिल्ली में तो कई पार्षद अब प्रत्याशियों की प्रचार रणनीति तय कर रहे हैं।

हरियाणा-उत्तर प्रदेश के अभिभावकों का आक्रोश राजधानी तक पहुंचा



जंतर मंतर पर हरियाणा व उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए अभिभावक संगठनों ने स्कूलों की बढ़ी फीस व मनमानी के खिलाफ प्रदर्शन किया ।

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ हरियाणा के अभिभावकों का आक्रोश दिल्ली पहुंच गया है। ऑल इंडिया पैरेंट फोरम फॉर एजुकेशन के बैनर तले गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत व करनाल के साथ ही नोएडा व गाजियाबाद के अभिभावकों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में जुटे सैकड़ों अभिभावकों ने इस मौके पर आक्रोश मार्च भी निकाला। बैनर व तिख्तयां लेकर राज्य सरकारों के साथ ही केंद्र सरकार से भी हस्तक्षेप की मांग की गई। बाद में अभिभावकों ने हरियाणा भवन जाकर राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अभिभावकों ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर राज्य सरकार बढ़ी हुई स्कूल फीस को वापस कराने का कदम नहीं उठाती तो आंदोलन किया

जंतर-मंतर पर हरियाणा से पहुंचे अभिभावकों ने हरियाणा सरकार पर निजी स्कूलों की तरफदारी करने का आरोप लगाते हए कहा कि उनकी ओर से लगातार आवाज उठाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।इस कारण 10 साल में ही स्कूल की फीस में कई गुना तक की वृद्धि हो चुकी है।

इस वर्ष भी स्कूल प्रबंधन ने 30 से 70 फीसद तक फीस बढ़ा दिए हैं। वहीं, विरोध करने पर उनके बच्चों को स्कूल में प्रवेश करने नहीं दिया जाता है। उन्हें प्रताड़ित किया जाता है।

नई पहल

गृह मंत्रालय से मिली मंजूरी, अब 10 साल में हवलदार, 20 साल में एएसआइ, 30 साल में एसआइ बन सकेंगे पुलिसकर्मी



अब जल्द पदोन्नत होंगे सिपाही, हवलदार व एएसआइ

राकेश कुमार सिंह, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस में अब नए नियम के तहत अस्थायी पदोन्नति (विशेष श्रेणी) दी जाएगी। इसके तहत 10 साल नौकरी के बाद सिपाही को हवलदार, 20 साल बाद हवलदार से एएसआइ (असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर) व 30 साल बाद एएसआइ से एसआइ (सब इंस्पेक्टर) बनाया जाएगा। उपराज्यपाल अनिल बैजल के इस प्रस्ताव को गृह मंत्रालय ने 29 मार्च को मंजूरी दे दी है।

गत वर्ष दिल्ली पुलिस के तत्कालीन मुखिया व वर्तमान सीबीआइ चीफ आलोक कुमार वर्मा के कार्यकाल में ऐतिहासिक रूप से 25,000 पुलिसकर्मी पदोन्नत किए गए थे, वे भी विशेष श्रेणी के ही थे। यानी उनकी भी अस्थायी पदोन्नति हुई थी। उन्होंने 15 साल तक सिपाही पद पर तैनात कर्मियों को हवलदार, 25 साल में हवलदार से एएसआइ व 30 साल में एएसआइ से सब इंस्पेक्टर बनाने की पद्धति बनाई थी, जिसे गृह मंत्रालय की स्वीकृति नहीं मिली थी। सरकार 10 साल सिपाही रहने वाले को हवलदार, 20 साल तक हवलदार रहने वाले को

एएसआइ व 30 साल तक एएसआइ रहने वाले को

एसआइ रैंक के अनुसार वेतन तो दे रही थी, लेकिन पदोन्नत कर रैंक नहीं देती थी।

सूत्रों के अनुसार, अमूल्य पटनायक जब दिल्ली पुलिस के नए मुखिया बने तब आला अधिकारियों ने उन्हें 25,000 कर्मियों को नियमित कराने का सुझाव दिया। अधिकारियों ने कहा कि प्रस्ताव में 15 साल सर्विस वाले सिपाहियों को हवलदार का रैंक तो दे दिया गया है, लेकिन उन्हें नियमित तब माना जाएगा, जब रैंक मिले पांच साल पूरा होगा।

इसी तरह 25 साल सर्विस करने वाले हवलदार को एएसआइ का रैंक तो दे दिया गया, लेकिन रैंक मिलने के 6 साल बाद ही उन्हें नियमित माना जाएगा। इसके बाद इस प्रस्ताव को पुलिस

आयुक्त अमूल्य पटनायक ने दिल्ली सरकार के डिप्टी सेक्रेट्री होम पवन कुमार के पास भेजा। वहां से फाइल उपराज्यपाल को भेजी गई। उन्होंने प्रस्ताव पर मुहर लगा दी, लेकिन बैजल से हरी झंडी मिलने पर अधिकारियों को लगा कि उनसे चूक हो गई है, क्योंकि इस नियम के तहत तब 20 साल में सिपाही हवलदार बन पाएगा और 26 साल में एएसआइ। तब आला अधिकारियों ने दोबारा उपराज्यपाल के पास संशोधित प्रस्ताव भेजा। एलजी को बताया गया कि अगर उक्त नियम को नहीं बदला गया तब आलोक वर्मा के समय पदोन्नत किए 25 हजार कर्मियों का डिमोशन (पदावनित) मामला लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के

लिए भी जा चुका है। किसी भी राज्य में इतनी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की पदोन्नति नहीं हुई है। तब उपराज्यपाल ने संशोधित प्रस्ताव मंगवाकर उसपर अपना निर्णय देते हुए कहा कि अब 10 साल में सिपाही, 20 साल में हवलदार व 30 साल में एएसआइ को पदोन्नत

केरल में बेनकाब होती है वामपंथी विचारधारा

दिल्ली में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई देने वाली वामपंथी विचारधारा का दोहरा चरित्र केरल में नजर आता है। जहां इस विचारधारा की सरकार को दूसरे दलों और विचारों के कार्यकर्ताओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो दूर उनके सांस लेने पर भी एतराज है। इसके चलते केरल में सैकड़ों लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। यह बातें ग्रुप ऑफ इंटलेक्चुअल और एकेडिमशियन की संयोजिका व सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता मोनिका अरोड़ा ने कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित गोष्ठी कम्युनिष्ट हिंसा-केरल में बढती असहिष्णुता में कहीं। उन्होंने कहा कि केरल में बड़े पैमाने पर वामपंथी कार्यकर्ताओं द्वारा संघ और भाजपा के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। इस कारण कई परिवार राज्य छोड़ने तक को मजबूर हुए हैं। गोष्ठी में केरल से 100 से अधिक लोग भी आए थे, जिनके परिवार के सदस्यों को मार्क्सवादी

कार्यकर्ताओं ने मौत के घाट उतार दिया है। उन लोगों ने अपने ऊपर हुई हिंसा की खौफनाक दास्तां बयां की। कार्यक्रम में वामपंथी हिंसा पर डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गई।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए मूल केरल वासियों की संस्था नवोदयम् के अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कैलाश नाथ पिल्लै ने केरल में 1957 से चल रहे लाल आतंक पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि माकपा के कुछ वरिष्ठ नेता दिल्ली में बैठकर मानवाधिकारों और अभिव्यक्ति की आजादी की बात करते हैं, लेकिन उनकी पार्टी का पश्चिम बंगाल और केरल में खूनी इतिहास रहा है। गोष्ठी का संचालन दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ पूनम कुमारिया ने किया। कन्नूर जिले के प्रचारक सोहन लाल ने पीड़ित परिवारों की ओर इंगित करते हुए कहा कि इनमें से किसी ने अपना भाई खोया है तो किसी ने अपना पति। अकेले कन्नूर जिले में 100 से अधिक ऐसे लोग हैं जो वामपंथी हिंसा के शिकार हुए हैं।

भारत विरोधी प्रचार का जवाब देगी प्रसार भारती

नर्ड दिल्ली : विदेशी मीडिया में भारत विरोधी प्रचारका मुकाबला करने और दुनिया को भारतीय नजरिये से वाकिफ कराने के लिए प्रसार भारती डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेने पर विचार कर रही है। प्रसार भारती बोर्ड ने इसके लिए हाल में ही इंटरनेट आधारित एक नया प्लेटफार्म बनाने की मंजूरी दे दी है यह दूरदर्शन और आकाशवाणी के अतिरिक्त होगा. जिनका फोकस मख्य तौर पर घरेल दर्शक और श्रोता होते हैं। इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए सूचना और प्रसारण मंत्री वेंकैया नायड के पास भेजा गया है।प्रसार भारती अध्यक्ष ए सूर्यप्रकाश की अध्यक्षता में बनी समिति ने अपनी रिपोर्ट में राष्ट्रीय हितों की पैरवी करते हुए वैश्विक डिजिटल मंच बनाने की वकालत की है। सूर्यप्रकाश ने एक विशेष भेंट में बताया कि भारत सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था है। प्रशासन के स्तर पर सरकार असाधारण फैसले ले रही है। लेकिन, पश्चिमी मीडिया इसको लेकर दुष्प्रचार करता रहता है, जो पूरी तरह गलत है। हमें इसका जवाब देना होगा।

चार दिवसीय भारत यात्रा पर आए आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री

नई दिल्ली : आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मैल्कम टर्नबल चार दिवसीय भारत यात्रा पर रविवार शाम को यहां पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गोपाल बागले ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ सोमवार को द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इसके बाद दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। सितंबर 2015 में पद संभालने के बाद टर्नबल की यह पहली भारत यात्रा है। उनके पूर्ववर्ती टॉनी एबॉट ने सितंबर 2014 में भारत की यात्रा की थी। इसके बाद उसी वर्ष नवंबर में मोदी ने आस्ट्रेलिया का दौरा

सुप्रीम कोर्ट को बताया,नोटबंदी से 5400 करोड़ का पता चला

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को हलफनामे में बताया है कि जांच एजेंसियों ने दस जनवरी तक 5400 करोड़ के काले धन का पता लगाया है। नवंबर में नोटबंदी लागू होने के बाद लाखों लोगों की इस अघोषित आय का पता चला है। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि नोटबंदी लागू होने के बाद लोगों ने अपने कालेधन को कई गैरकानूनी तरीकों से ठिकाने लगाने की कोशिश की।लोगों ने अपने पुराने नोटों के बदले बड़ी तादाद में सोना भी खरीदा था। जांच एजेंसियों की ओर से छापेमारी और अवैध धन की बरामदगी का ब्योरा देते हुए बताया कि 9 नवंबर से 30 दिसंबर के बीच नोटबंदी के बाद आयकर विभाग के चलाए 'ऑपरेशन क्लीन' के जरिए इस अवधि में बैंकों में जमा कराई गई नकद राशि के आंकड़ों का डाटा एनालिसिस व र्द-वैरीफिकेशन कराया गया । वित्त मंत्रालय ने अपने हलफनामे में कहा है कि 9 नवंबर 2016 से 10 जनवरी 2017 के बीच आयकर विभाग ने विभिन्न लोगों के परिसरे पर 1100 छापे मारे या सर्वे किए। इस दौरान बैंक खातों में जमा कराए गए मोटी नकद राशि के संबंध में 5100 नोटिस जारी किए गए। जांच एजेंसियों को कुल 610 करोड़ रुपये का नकद मिला। इसमें से 513 करोड रुपये पुरानी करेंसी और 110 करोड़ रुपये नई करेंसी के थे।

राम मंदिर के लिए जान दे सकते हैं तो ले भी सकते हैं

नर्ड दिल्ली: जो अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का विरोध करेगा, उसका मै सिर काट दुंगा। यह बात हैदराबाद के घोषमहल क्षेत्र के विधायक टी राजा सिंह ने कही। गौरतलब है कि बीती 5 अप्रैल को एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें राम नवमी समारोह के दौरान विधायक यह बात कह रहे थे। रविवार को उन्होंने फिर से कहा कि मंदिर निर्माण के लिए वह अपनी जान दे भी सकते हैं तो इसका विरोध करने वाले की जान ले भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम उन लोगों को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो रहते इस देश में हैं लेकिन काम करते हैं इसकी बर्बादी के लिए। उधर, कांग्रेस ने इस बात का विरोध करते हुए कहा कि भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर हो गया है। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों में भय व्याप्त है जिसके लिए पार्टी कोई ध्यान नहीं दे रही।कांग्रेस का कहना है कि राजनीतिक साजिश के तहत भाजपा नेता इस तरह के बयान दे रहे हैं।

दावा 🕨 वोटिंग मशीन में गड़बड़ी की शिकायत पर चुनाव आयोग की सफाई

निर्माता भी चाहे तो नहीं कर सकता वोटिंग मशीन में कोई छेड़छाड़

विपक्षी दलों की आशंकाओं का दिया सवाल जवाब के क्रम में दिया उत्तर

नई दिल्ली, प्रेट्र : चुनावों के दौरान इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में गड़बड़ी किए जाने संबंधी विपक्षी दलों की आशंकाओं पर निर्वाचन आयोग ने सफाई दी है। उसने कहा है कि वोटिंग मशीनों से छेड़छाड़ करना संभव नहीं है। ये इतनी मजबत हैं कि यदि निर्माता भी चाहे तो इनमें कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता है। विपक्षी दलों द्वारा ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जाने के मद्देनजर चुनाव आयोग ने सभी आशंकाओं का सवाल-जवाब के क्रम में उत्तर दिया है। जैसे ईवीएम को क्या हैक किया जा सकता है? आयोग ने इसका जवाब 'नहीं' में दिया है।

हैकिंग संभव नहीं : उसने स्पष्ट किया है कि एम1 (मॉडल वन) ईवीएम का उत्पादन 2006 तक किया गया। इसमें वह सभी तकनीकी फीचर थे, जिससे इसे हैक किया जाना संभव नहीं था। 2006 के बाद एम2 (मॉडल टू) ईवीएम तैयार की गईं। 2012 तक इनके 'की कोड की डायनेमिक कोडिंग' कर इन्हें तकनीकी रूप से और भी उन्नत किया गया ताकि बटन दबाने पर संदेश बैलेट यूनिट से कंट्रोल यूनिट तक कूट भाषा (एनक्रिप्टेंड फार्म) में पहुँचना



हेरफेर संभव नहीं

आयोग ने इस आशंका को भी खारिज कर दिया है कि इन मशीनों में निर्माता द्वारा हेरफेर किया जा सकता है। उसने बताया है कि इन मशीनों का निर्माण 2006 से अलग-अलग वर्षों में करा कर विभिन्न राज्यों को भेजा गया। इसी तरह ईवीएम निर्माता कंपनियां इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीआइएल) और भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) वर्षों पहले यह कैसे

जान लेंगी कि किस क्षेत्र से कौन सा उम्मीदवार है और मत पत्र पर उसका क्रमांक क्या होगा ?

सुनिश्चित हो जाता है।

कंप्युटर नियंत्रित नहीं ईवीएम : आयोग ने यह भी साफ किया है कि उसका ईबीएम कंप्यटर नियंत्रित नहीं है। यह इंटरनेट अथवा किसी भी दूसरे नेटवर्क से नहीं जुड़ी हैं। इसे रिमोट से हैक नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा इन मशीनों में फ्रीक्वेंसी रिसीवर या वायरलेस डाटा के लिए डिकोडर नहीं है। लिहाजा इनको किसी भी दूसरे उपकरण से नहीं जोडा जा सकता है। ऐसे में वोटिंग मशीनों से छेड़छाड़ करना संभव ही नहीं है

छेड़छाड़ होते ही मशीन निष्क्रिय : चुनाव आयोग ने इस आशंका को भी निराधार करार दिया है कि मतदान से पूर्व ईवीएम में ट्रोजन हॉर्स (एक हानिकारक कंप्यूटर प्रोग्राम,

जो मशीन के सिस्टम को नियंत्रित कर लेता है) से लैस किया जा सकता है। उसने बताया है कि 2013 के बाद बनीं एम3 (मॉडल थ्री) ईवीएम टेंपर डिटेक्शन (छेड़छाड़ का पता लगाने) और सेल्फ डायग्नोस्टिक (आत्म निदान) सरीखे अतिरिक्त तकनीकी फीचर से लैस हैं। टेंपर डिटेक्शन फीचर के चलते जैसे ही कोई मशीन खोलेगा, ईवीएम पूरी तरह से निष्क्रिय हो जाएगी। ईवीएम को जैसे ही चालू किया जाता है सेल्फ डायग्नोस्टिक फीचर सक्रिय हो जाता

है। यह मशीन को हर समय चेक करता रहता है। देश में ही बनती हैं ईवीएम : आयोग के अनसार, ईवीएम का निर्माण देश में ही किया जाता है। इसका सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग कोड देश में ही लिखा जाता है। फिर उसे मशीन कोड में

तब्दील कर विदेशी चिप निर्माताओं को दिया जाता है। देश में अभी सेमी कंडक्टर माइक्रोचिप बनाने की सुविधा नहीं है।

हर माइक्रोचिप पर निर्माता के हस्ताक्षर: हर माइकोचिप की अलग पहचान संख्या होती है, जो मेमोरी में दर्ज होती है और उन पर निर्माताओं के डिजिटल हस्ताक्षर होते हैं। इसलिए माइक्रोचिप को बदले जाने की आशंका निर्मूल है। माइक्रोचिप बदलने की किसी भी कोशिश को पकड़ने का इंतजाम है और ईवीएम फौरन निष्क्रिय हो जाएगी।

कड़ी सुरक्षा में रखी जाती हैं मशीनें ः आयोग ने बताया है कि जिला मुख्यालय पर इन मशीनों को डबल लॉक सिस्टम के तहत बहुस्तरीय कड़ी सुरक्षा में रखा जाता है। कोई भी अधिकारी स्ट्रांग रूम का ताला नहीं खोल सकता। वे केवल यह सुनिश्चित करते रहते हैं कि ताला ठीक तरीके से लगा और सुरक्षित है

हैकिंग के डर से अमेरिका में ईवीएम नहीं : अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे विकसित देशों में ईवीएम का इस्तेमाल नहीं किए जाने के बारे में भी आयोग ने सफाई दी है। उसका कहना है कि इन देशों में मशीनें पूरी तरह से कंप्यूटर नियंत्रित और नेटवर्क से जुड़ी होती हैं। इससे इनके हैक होने का खतरा बना

कूरियर के जरिये विदेश भेजे जा रहे बंद नोट

रुपये के नोट बदलने का नया तरीका उजागर हुआ है। लोग इन नोटों को कूरियर के जरिये विदेश भेजते हैं ताकि बाद में इन्हें देश में बदलवा लिया जाए। कस्टम विभाग ने ऐसे कई मामले पकडे हैं। अनिवासी भारतीयों (एनआरआइ) के लिए बंद नोट बदलवाने की समय सीमा 30 जून है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कस्टम अधिकारियों ने करियर के जरिये बंद नोट विदेश भेजे जाने के कुछ मामले दर्ज किए हैं और करीब एक लाख रुपये के ऐसे नोट जब्त किए हैं। कुछ लोग पुराने नोट को किताब जैसे सामान बताकर भेजने का प्रयास करते पाए गए। ऐसा इन नोटों को बदलने में विदेश में रह रहे अपने परिजनों या मित्रों की मदद लेने के उद्देश्य से किया जा रहा था। विदेश सेवा वाले डाकघर से भेजे जाने वाले पार्सल पर कस्टम अधिकारी नजर रख रहे थे। इसी क्रम में उन्हें पार्सल में बंद नोट मिले। अधिकारी ने कहा कि कोरिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भेजी जा रही खेप पकड़ी गई। ऐसे मामले देश के कई अन्य विदेश सेवा वाले डाकघर में भी दर्ज किए गए हैं।

गौरतलब है कि पिछले साल आठ नवंबर को 500 और 1,000 रुपये के नोट बंद करने के बाद सरकार ने लोगों को 30 दिसंबर 2016 तक बंद नोट बैंकों में जमा कराने का समय दिया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने नवंबर-दिसंबर 2016 के दौरान विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए 31 मार्च 2017 तक बंद नोट जमा कराने की समय सीमा तय की थी। इसी तरह एनआरआइ 30 जून तक केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और नागपुर के आरबीआइ



डीआरआइ ने जब्त किए 16 करोड़ के पुराने नोट

नई दिल्ली: राजस्व खुफिया निदेशालय ने रविवार को 15.75 करोड़ रुपये के पुराने नोट जब्त किए हैं। अधिकारी ने बताया कि झंडेवालान मेट्रो स्टेशन के नजदीक आवासीय ठिकानों पर छापे में 1,000 और 500 के बंद नोट बरामद किए गए। इस सिलसिले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी रियल एस्टेट, ज्वेलरी और अन्य कारोबार से जुड़े हैं। इसके लिए उन पर 78.75 करोड़ तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। नए कानून के मुताबिक, बंद नोट खना दंडनीय है। इसके लिए 10,000 रुपये या बरामद राशि के मूल्य का पांच गुणा जुर्माना लगाया जा सकता है।

कार्यालयों में बंद नोट जमा कर सकते हैं। ऐसे एनआरआइ को भारत आने पर हवाई अड्डे पर बंद नोटों का ब्योरा कस्टम अधिकारियों को देन होगा। इस संबंध में कस्टम अधिकारियों उन्हें सर्टिफिकेट देंगे जिसे बंद नोट बदलते समय आरबीआइ को देना होगा।

की बड़ी बाधा दूर

नई दिल्ली, प्रेट्टः रेलवे ने देश की पहली बुलेट ट्रेन दौड़ाने की परियोजना की एक बड़ी बाधा को पार कर लिया है। महाराष्ट्र सरकार इसके लिए बांद्रा-कुर्ला कांप्लेक्स (बीकेसी) में जमीन देने को राजी हो गई है। अब उम्मीद है कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरीडोर का निर्माण 2018 में शुरू हो जाएगा। 2023 तक इसके पुरा हो जाने का अनुमान है।

इस हाई स्पीड कॉरीडोर के शुरुआती स्थल बीकेसी को लेकर रेलवे और मुंबई मेट्रोपोलिटन क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के बीच विवाद था।एमएमआरडीए रेलवे को जमीन देने का विरोध कर रहा था। एमएमआरडीए बीकेसी की जमीन प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आइएफएससी) के लिए इस्तेमाल करना चाहता था। राज्य के शहरी विकास विभाग ने भी रेलवे को बांद्रा टर्मिनस और कुर्ला के नजदीक विकल्प तलाशने को कहा था। हालांकि रेलवे ने इसे खारिज कर दिया था। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रेलवे एमएमआरडीए को इस बात पर राजी कराने में सफल हो गया कि बीकेसी में परियोजना के लिए भूमिगत टर्मिनस का निर्माण कराया जाएगा। प्रस्तावित ट्रेन बीकेसी से भूमिगत खाना होगी



बुलेट ट्रेन से जुड़े तथ्य

- बीकेसी में कुल 67 एकड़ जमीन उपलब्ध है। जबकि बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए करीब 10 एकड़ की जरूरत
- परियोजना पर करीब 97,636 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है।
- · बुलेट ट्रेन से मुंबई से अहमदाबाद की 508 किमी की दूरी दो घंटे में तय होगी।
- ट्रेन के रास्ते में 12 स्टेशन पड़ेंगे। इनमें चार महाराष्ट्र और आठ गुजरात में होंगे।

और सुरंग के जिरये समृद्र से होकर ठाणे में जमीन पर आएगी। इसलिए जमीन के ऊपर आइएफएससी का निर्माण किया जा सकेगा।

योगी ने मांगा बुंदेलखंड और पूर्वांचल के लिए पैसा

किसानों को कर्ज माफी की सौगात देने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के पिछड़े क्षेत्रों बुंदेलखंड और पूर्वांचल में विकास के लिए केंद्र सरकार से धन की मांग की है। योगी ने रविवार को अंतरराज्यीय परिषद की स्थायी समिति की बैठक में यह मांग उठाई।

सूत्रों के मुताबिक, योगी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सभी राज्यों को विभिन्न विकास गतिविधियों के लिए अधिक धनराशि मिलनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में योगी ने जिस समय यह बात कही उस समय केंद्रीय वित्त मंत्री भी मौजूद थे। योगी का यह बयान ऐसे समय आया है जब उत्तर प्रदेश सरकार ने कुछ दिन पहले ही प्रदेश के 86 लाख किसानों का 36,359 करोड़ रुपये कर्ज माफ किया है।

बता दें कि पूर्वांचल और बुंदेलखंड विकास की दृष्टि से पिछड़े हुए हैं। प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारें भी समय-समय पर इन क्षेत्रों के विकास के लिए पैकेज की मांग करती रही हैं। पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने बुंदेलखंड के लिए विकास पैकेज दिया भी था, लेकिन उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में इसका क्रियान्वयन ठीक से नहीं हो पाया। वैसे पूर्वांचल के लिए अलग से कोई एकमुश्त पैकेज पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने नहीं दिया था।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात

मोदी और शाह से मिले योगी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्लीः सत्ता में एक पखवाड़ा गुजार चुके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह से मुलाकात कर राजकाज पर चर्चा की। शाम को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी भेंट की। मोदी और शाह ने उप्र मे भाजपा की सरकार बनने पर राज्य कैबिनेट की पहली बैठक में ही फसली ऋण माफी पर फैसला लेने का वादा किया था। योगी ने उसे निभाया बताते हैं कि शाह ने उन्हें संकल्प पत्र के बार्क वादों पर भी तेजी से बढ़ने का सुझाव दिया। यूं तो योगी की दोनों नेताओं के साथ मुलाकात

को औपचारिक शिष्टाचार बैठक बताया जा रहा है। लेकिन सूत्रों का मानना है कि अमित शाह के साथ लगभग आधे घंटे की चर्चा में राजनीतिक घटनाक्रम के साथ-साथ भावी प्रदेश अध्यक्ष तक के मुद्दे पर भी विचार हुआ। केशव प्रसाद मौर्य के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद उप्र में ऐसे फलटाइम अध्यक्ष की जरूरत है, जो केवल संगठन पर ध्यान दे सकें। अगले शनिवार से भुवनेश्वर में भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक है। बताते हैं कि उससे पहले नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति मुश्किल है। बैठक के बाद ही किसी नाम की घोषणा हो सकती है।

उपभोक्ता अधिकारों के मामले में व्यवहारिक रुख अपनाएं अदालतें

नई दिल्ली, प्रेट्रः उपभोक्ता से जुड़े विवादों की सनवाई के दौरान अदालतें व्यवहारिक रुख अपनाएं। यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। सर्वोच्च अदालत का कहना है कि ऐसे विवादों में सर्विस प्रदाता की तुलना में उपभोक्ता हमेशा कमजोर स्थिति में होता है।

जस्टिस मदन बी लोकुर व पीसी पंत की बेंच ने नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लि. की अपील को खारिज कर दिया। यह याचिका राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के अप्रैल 2007 में दिए फैसले के खिलाफ दायर की गई थी। इसमें आयोग ने एक निजी फर्म को 21 लाख 5 हजार रुपये बतौर क्लेम देने का आदेश दिया था। इसमें ब्याज की राशि शामिल है। अदालत ने अपनी टिप्पणी में यह भी कहा कि संसद ने उपभोक्ता सुरक्षा एक्ट 1986 बनाया हुआ है। उपभोक्ता की कमजोर स्थिति का



सप्रीम कोर्ट ने कहा, विवादों में सर्विस प्रदाता की स्थिति होती है ज्यादा मजबत

अनुमान लगाकर ही इस एक्ट का सुजन किया गया, लेकिन अक्सर देखा गया है कि सर्विस प्रदाता क्लेम के निपटारे में देरी करता है।

मामले के अनुसार हिंदुस्तान सेफ्टी ग्लास वर्क्स लि. ने कोलकाता स्थिति कारखाने के लिए इंश्योरेंस कंपनी से दो पालिसी ली थीं। 6 अगस्त 1992 में लगातार व तेज बारिश की वजह से फर्म को काफी नुकसान हुआ। फर्म ने इंश्योरेंस कंपनी से क्लेम के लिए संपर्क साधा तो एक सर्वेयर नुकसान के आंकलन के लिए तैनात किया गया। उसने नवंबर 1993 में रिपोर्ट दी कि फर्म का कुल नुकसान 24 लाख रुपये का है। इंश्योरेंस कंपनी ने रिपोर्ट खारिज करके दूसरा सर्वेयर नियुक्त किया।

नवंबर 1994 में उसने रिपोर्ट दी कि फर्म का नुकसान 26 लाख रुपये का है। फर्म ने एनसीडीआरसी से संपर्क साधा। आयोग ने फर्म के हक में फैसला सुनाते हुए 21 लाख 5 हजार 803 रुपये बतौर क्लेम फर्म को जारी करने के निर्देश दिए। इंश्योरेंस कंपनी ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई थी। बेंच ने इसी तरह की एक अन्य अपील को भी खारिज कर दिया। यह मामला भी एक निजी फर्म के

गुजरात में एनएसजी का नया बना केंद्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : गुजरात में आतंकरोधी बल राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का नया केंद्र (हब) बनाया गया है। केंद्र सरकार ने एनएसजी के कमांडो को स्थायी तौर पर यहां भेजा है। यह देश में एनएसजी का पांचवां हब होगा। 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और चेन्नई में एनएसजी के केंद्र बनाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, हाल ही में गुजरात की राजधानी गांधीनगर के नजदीक नए केंद्र का कामकाज शुरू किया गया। इसे गुजरात से राजस्थान तक पूरे पश्चिमी किनारे की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया है। इस केंद्र में आतंकरोधी और हाइजैकरोधी स्क्वॉड के करीब 100 कमांडो रहेंगे। गुजरात में आतंकी हमले की खुफिया सूचना मिलने पर पिछले साल मार्च में इन्हें राज्य में भेजा गया था। अब ये कमांडो स्थायी तौर पर यहां रहेंगे। इस केंद्र में कमांडो प्रशिक्षण समेत कई अन्य सुविधाएं बढ़ाने के प्रस्ताव पर काम हो रहा है। पाकिस्तान से लगी 512 किमी लंबी सीमा और 1,640 किमी लंबी तटीय सीमा को देखते हुए केंद्र ने राज्य में एनएसजी हब बनाने का फैसला किया था।

20 साल बाद डॉक्टर चिकित्सीय लापरवाही के आरोप से मुक्त

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की एक डॉक्टर को 20 साल बाद चिकित्सीय लापरवाही के आरोप से मुक्त कर दिया है। सड़क दुर्घटना के एक पीड़ित की अस्पताल में मौत के बाद उन पर यह आरोप लगा था।

जस्टिस एमबी लोकुर और जस्टिस दीपक गुप्ता की पीठ ने कहा, 'किसी डॉक्टर के लिए यह कर्तर्इ संभव नहीं है कि वह इलाज को लेकर यह आश्वासन या गारंटी दे सके कि उसका परिणाम सकारात्मक ही होगा।

एक पेशेवर सिर्फ यही आश्वासन दे सकता है कि वह पेशेवर रूप से सक्षम है और उसके पास सौंपे गए कार्य को सावधानी पूर्वक करने की जरूरी कुशलता है।' दरअसल, 29 अगस्त, 1997 को अमरावती के इरविन अस्पताल में एक मरीज को देखने के लिए आरोपी डॉक्टर (सर्जन) को बुलाया गया था। उसकी जांच करने के बाद डॉक्टर ने पाया कि मरीज के पेट में दर्द था। लिहाजा उन्होंने फिजीशियन को बुलाने की सलाह दी, लेकिन कोई भी फिजीशियन

कह के रहेंगे

मरीज को देखने नहीं आया। आरोपी सर्जन पर प्रमुख आरोप यह था कि उन्होंने फिजीशियन के आने का इंतजार नहीं किया, जबकि मरीज हीमोफीलिया से पीडित था। इस बीमारी में मरीज के खून में थक्का जमने की क्षमता प्रभावित हो जाती है। इस वजह से मरीज की अगले ही दिन मौत हो गई थी। मरीज के भाई ने आरोपी सर्जन के अलावा दो और डॉक्टरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महाराष्ट्र हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने आरोपी सर्जन को दोषी पाया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सर्जन को मरीज के शरीर पर खून बहने या चोट का कोई साक्ष्य नहीं मिला था। लिहाजा उन्होंने फिजीशियन को बुलाने का सुझाव दिया था।

वह अस्पताल से इसलिए चलीं गईं क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि फिजीशियन जल्द ही आ जाएगा। अगर अस्पताल स्टॉफ ने देखा कि फिजीशियन नहीं आ सका तो उन्हें सर्जन को फिर बुला लेना चाहिए था, लेकिन ऐसा भी नहीं

माधव जोशी

कवायद

सरकार के गढन के बाद पहली बार राजग की विस्तृत बैटक आज, भाजपा समेत तमिलनाडु, केरल, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के छोटे-बड़े 32 दल होंगे मौजूद



वर्तमान ही नहीं भावी साथियों को भी भाजपा का संकेत

आशुतोष झा, नई दिल्ली

हाल के चुनावों में अभृतपूर्व जीत के बाद अब जबिक भाजपा की नजरें पूर्व और दक्षिण की ओर हैं। इसीलिए वर्तमान सहयोगी दलों के साथ ही भावी साथियों के लिए भी संकेत देने की कवायद शुरू हो गई है। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार सोमवार को होने वाली राजग की विस्तृत बैठक में जहां भाजपा के भौगोलिक, राजनीतिक और वैचारिक विस्तार और स्वीकार्यता का संकेत दिया जाएगा, वहीं यह संदेश भी होगा कि पार्टी भविष्य में भी हर किसी का साथ चाहती है। जाहिर है कि बदले में सबका विकास होगा। बैठक का महत्व इसलिए भी बढ गया है कि क्योंकि अगले कुछ महीनों में ही राष्ट्रपति चुनाव भी होना है।

यूं तो संसद में मौजूद राजग के घटक दलों की बैठके पहले भी एक-दो बार हो चुकी हैं, लेकिन सोमवार की बैठक महज समन्वय तक सीमित नहीं है। इसके विशेष रूप से राजनीतिक निहितार्थ माने जा रहे हैं। बताते हैं कि दिल्ली क प्रवासी भारतीय केंद्र में होने वाली इस बैठक में भाजपा समेत 32 पार्टियां शामिल होंगी जिसमें तमिलनाडु और केरल

भाजपा तैयार करेगी एक हजार प्रतिबद्ध रणनीतिकार

राज्य व्यूरो, लखनऊ : भाजपा 2014 के चुनाव में जिन राज्यों में उपलब्धियों की कहानी नहीं लिख सकी, वहां के लिए बहुत ही अहम कार्ययोजना तैयार कर रही है। मिशन 2019 के लिए उत्तर प्रदेश से एक हजार प्रतिबद्ध रणनीतिकार तैयार किए जाएंगे जिन्हें विस्तारक का नाम मिलेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तर्ज पर तैयार किए जा रहे इन कार्यकर्ताओं को दूसरे राज्यों में लोकसभा चुनाव में विजयश्री हासिल कराने की जिम्मेदारी होगी। जून, 2016 में इलाहाबाद में हुई राष्ट्रीय कार्यसमिति में भाजपा ने भविष्य की दिशा तय की थी। तब भाजपा ने यह तय किया कि उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, मेघालय, पंजाब और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी 2019 के चुनाव में भाजपा को उत्तर

समेत जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के छोटे-बड़े दल

होंगे। ध्यान रहे कि सरकार अपना तीसरा साल पूरा

करने वाली है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड की अभूतपूर्व

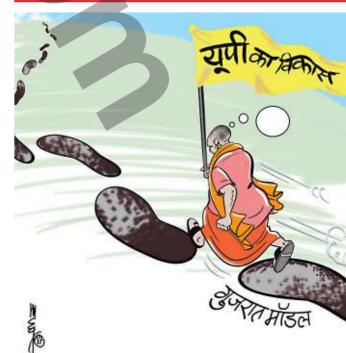
प्रदेश जैसी जीत मिले। विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश को मिली ऐतिहासिक जीत ने सबका ध्यान यहां के चुनाव प्रबंधन पर केंद्रित किया है।इसीलिए उन राज्यों में 'जीत' हासिल करने को भाजपा के संगठन महामंत्री सुनील बंसल ने ब्लू प्रिंट तैयार किया है। भाजपा या उसके अनुषंगिक संगठनों में बेहतर परिणाम देने वाले कार्यकर्ताओं को चयनित कर उन्हें ही जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जेपीएस राठौर बताते हैं कि विस्तारक योजना के तहत चयनित किए गए कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए सीतापुर के नैमिषारण्य को प्रस्तावित किया गया है। वहां एक टीम दौरे पर जाएगी और इसके बाद स्थल चयन को अंतिम रूप देगी।

विजय, मणिपुर और गोवा में सरकार गठन के बाद अब दक्षिण और पूर्व को लेकर रणनीति को धार दी जा रही है। पार्टी अब तक जहां सत्ता से दूर रही है-

ओडिशा, तमिलनाडु, केरल जैसे उन राज्यों में भी राजग और भाजपा को स्थापित करने की कोशिशें

बताते हैं कि बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, गृहमंत्री राजनाथ सिंह, वित्तमंत्री अरुण जेटली व अन्य नेताओं के साथ-साथ घटक दलों के अध्यक्ष व शीर्ष नेताओं को आमंत्रित किया गया है। जाहिर है कि यह सामान्य बैठक नहीं है। राजग की इतनी बड़ी बैठक लोकसभा की जीत के बाद मोदी को बतौर नेता चुने जाने के वक्त संसद के सेंट्रल हाल में ही हुई थी।

एक वरिष्ठ नेता ने माना कि यह भावी साथियों के लिए भी संदेश होगा। उक्त नेता ने कहा, 'राजनीतिक दल देख रहे हैं कि भाजपा का साथ किस तरह उनके विकास में सहायक रहा है। भाजपा की विचारधारा हर वर्ग में स्वीकार्य है क्योंकि हम राष्ट्र और समाज और विकास की बात करते हैं। जो हमारे साथ कदम से कदम से मिलाकर चलना चाहता है हम उनका स्वागत करते हैं।' ध्यान रहे कि अगले तीन महीने में नए राष्ट्रपति का चुनाव भी है। उससे पहले राजग बैठक का तात्कालिक राजनीतिक महत्व भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है।



अमेठी में अब तक था एक परिवार के युवराज का कब्जा

अमेठी: केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को दौरे के दूसरे दिन अमेठी के टीकरमाफ में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की सेटेलाइट शाखा के बेकरी टेक्नालॉजी एवं प्रोडक्शन प्रिपरेशन पखवारे का शुभारंभ किया। स्मृति ने कहा कि मेरा प्रयास है कि अमेठी के युवाओं को बेहतर शिक्षा के साथ स्वरोजगार से जोड़ने वाली शिक्षा मिले जिससे यहां के युवा स्वावलंबी बन सकें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तीन साल पर्व जब में अमेठी आई तो यहां पर एक परिवार के युवराज का कब्जा था।अब धीरे धीरे सब कुछ बदल रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान मेरी मुलाकात एक दलित मजदूर के बेटे से हुई। आज तीन साल बाद वही मजदूर का बेटा प्रदेश की सरकार में राज्यमंत्री है और हम सबके बीच बैठा है। सुरेश पासी को जगदीशपुर की जनता ने अपना विधायक चुना तो भाजपा ने उसे मंत्री बनाया। सुरेश इंटरमीडिएट तक की ही शिक्षा पैसे के अभाव में हासिल कर पाए। राज्यमंत्री सुरेश पासी ने कहा कि दीदी अमेठी के विकास को लेकर फिक्रमंद हैं। मैं प्रदेश का मंत्री बनकर आप लोगों की सेवा में खड़ा हं।

परिसंपत्तियों के बंटवारे को लेकर आज निकल सकता हल

लखनऊ : उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के बीच परिसंपत्तियों के बंटवारे को लेकर सोमवार को कोई हल निकल सकता है।इस मसले पर लंबे समय से कवायद चल रही है लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकल सका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सोमवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत की बैठक प्रस्तावित है, इसलिए उम्मीद बढ़ी है। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के बीच परिसंपत्तियों के बंटवारे का मसले पर दिसंबर, 2016 में एक बड़ी पहल हुई थी। तब नहरों और भूमि भवन को सौंपने का शासनादेश भी जारी हुआ लेकिन, अभी तक उसे भौतिक धरातल पर उतारा नहीं जा सका। और भी कई मसले हैं जिन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री रावत की योगी आदित्यनाथ से चर्चा हो सकती है।

उत्तराखंड से बाहर खर्च नहीं होगा सीएसआर का पैसा

रुद्रपुर: सिडकुल में स्थापित कंपनियां कारपोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी (सीएसआर) का पैसा खर्च करने में मनमानी नहीं कर पाएंगी। सिडकुल प्रबंधन ने कंपनियों पर सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। कंपनियों को पत्र लिखकर इस पैसे को उत्तराखंड में ही खर्च करने के निर्देश दिए हैं। सिडकुल के क्षेत्रीय प्रबंधक जीएन रावत ने कहा कि आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी ।पंतनगर व सितारगंज में सिडकल के माध्यम से उद्योगों की स्थापना के बाद से ही जनपद के रहन-सहन में बड़ा बदलाव आया है। करों में राहत के चलते चार सौ से अधिक कंपनियों ने अपने उद्योग यहां स्थापित किए।इनमें मुख्य रूप से टाटा अशोका लेलेंड, बजाज, नेस्ले, ब्रिटानिया पारले, वोल्टास, एक्मे जैसी नामी-गिरामी कंपनियां शामिल हैं। सीएसआर के तहत कंपनियां अपने शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत पैसा सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में खर्च करती हैं।इसके तहत सरकारी स्कुल में टॉयलेट निर्माण, वाटर कुलर लगाने से लेकर उसकी मरम्मत के साथ ही पर्यावरण संरक्षण आदि कार्यों पर ये धनराशि खर्च की जाती थी। कुछ को छोड़कर अधिकांश कंपनियां यह धनराशि यहां न खर्च कर अन्य प्रदेशों में कर रही थीं। इससे इस योजना का

हरियाणा में भी किसानों का कर्जा माफ हो : यशपाल

लाभ राज्य को नहीं मिल रहा था।

पानीपत: उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी द्वारा किसानों के कर्जे माफ करना सराहनीय है। हरियाणा में भी भाजपा सरकार है, यहां भी किसानों का कर्ज माफ किया जाना चाहिए।अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक ने गांव उग्राखेड़ी की चौपाल में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बात कही। मलिक रविवार को जाट समाज के भंडारे में शामिल होने पहुंचे थे।शांतिपूर्ण धरनों की खशी में आयोजित भंडारे में 36 बिरादरियों को आमंत्रित किया गया। मांगें पूरी होने में लग रहे समय पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सही दिशा में काम कर रही है।

सत्ता का खेल > आयोग की भर्तियों के साथ ही अध्यक्ष पद की नियुक्ति में भी 'व्यक्ति' को दिया गया महत्व

जज-आइएएस दरिकनार, पहली पसंद प्राचार्य

उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष पद पर चयन का मामला

राज्य व्यूरो, इलाहाबाद

उप्र लोकसेवा आयोग की भर्तियों के साथ ही यहां अध्यक्ष पद की नियुक्ति में भी 'व्यक्ति' को ही महत्व दिया गया। ऐसा भी नहीं है कि आयोग के अध्यक्ष जैसे अहम पद के लिए दावेदारों की कमी रही। इस कतार में सेवानिवृत्त न्यायाधीश से लेकर आइएएस व आइपीएस अफसर भी शामिल थे लेकिन, समाजवादी सरकार में प्राचार्य डा.अनिरुद्ध यादव के आगे सब बौने हो गए।

आयोग की भर्तियों में वर्ग विशेष के लोगों को लाभ देने, उनके लिए भर्ती पदों के आरक्षण में बदलाव करने जैसे तमाम आरोप इन दिनों सुर्खियों में हैं। सूबे की नई सरकार के निर्देश पर आयोग में साक्षात्कार व परीक्षा परिणाम जारी करने पर रोक लगी है। कुछ दिन पहले आयोग के अध्यक्ष को मुख्यमंत्री द्वारा तलब करने और दूसरी बार चुपचाप मुलाकात होने पर कयासों का



दौर तेज है। आयोग अध्यक्ष पद पर बने रहने या पद छोड़ने को लेकर भी चर्चा तेज है। इसी बीच प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के अवनीश पांडेय ने आयोग और कार्मिक विभाग से जनसूचना अधिकार के तहत उन दस्तावेजों को हासिल कर लिया है, जिनके आधार पर आयोग अध्यक्ष की नियुक्ति हुई थी। हाई कोर्ट ने आयोग के पूर्व अध्यक्ष डा. अनिल कुमार यादव की नियुक्ति अक्टूबर 2015 में रद कर दी थी। उसके पांच माह बाद 15 मार्च 2016 को नए अध्यक्ष डा. अनिरुद्ध यादव ने काम संभाला। खास बात यह है कि आयोग पर लगने वाले अधिकांश आरोप पूर्व अध्यक्ष के कार्यकाल के ही हैं। इसके बाद भी उसी वर्ग के अध्यक्ष को कुर्सी पर बैठाने से लिए तमाम चर्चित चेहरों ने आवेदन किया था।

यह खास चेहरे रहे दावेदार : उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष आइएएस लाल बिहारी पांडेय, अवकाशप्राप्त न्यायाधीश रविंद्र नाथ मिश्र, पूर्व न्यायाधीश जय प्रकाश, आइएएस मुरलीधर दूबे, आइएएस व मौजूदा माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के अध्यक्ष हीरालाल गुप्त, पूर्व न्यायाधीश प्रमोद कुमार पूर्व न्यायाधीश सत्य नारायण अग्निहोत्री, आइएएस रामबहादुर, आइएएस व उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के वर्तमान अध्यक्ष प्रभात मित्तल, पीसीएस अशोक कुमार सिंह, पूर्व जज राजनारायण पांडेय, पूर्व जज श्याम सुंदर, आइएएस प्रेम नारायण, पूर्व जज अरुण कुमार गुप्ता, आइएएस विष्णु कुमार, डा. भाष्कर उपाध्याय, पूर्व जज डा. राज नारायण सिंह, लोकसेवा आयोग के पूर्व सचिव आइएएस सुरेश कुमार सिंह, पूर्व जज ओम प्रकाश. आइएएस अनिल कुमार जैन, पूर्व जज शमशाद अहमद, पीसीएस विजय बहादुर सिंह, पीसीएस शहाबुद्दीन मोहम्मद समेत दर्जनों अन्य आइएएस व जज दावेदार रहे।

उप्र में शिक्षामित्रों के भाग्य का फैसला कल

राज्य ब्यरो. इलाहाबाद : शिक्षामित्रों व शिक्षकों की नियुक्ति की सुनवाई मंगलवार को होगी।शीर्ष कोर्ट में एक लाख 37 हजार शिक्षामित्रों के समायोजन, 72 हजार शिक्षक भर्ती व टीईटी उत्तीर्ण युवाओं के प्रकरण की सुनवाई होगी। पिछले एक वर्ष से बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की सुनवाई लगातार टल रही है। इससे करीब दो लाख 75 हजार शिक्षकों की तस्वीर साफ नहीं हो पा रही है। उम्मीद है कि इस बार सुनवाई आगे बढ़ेगी। सूबे के बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में एक लाख 37 हजार शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक के पद पर समायोजित किया जा चुका है, लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 12 सितंबर 2015 को समायोजन रद कर दिया था। इस आदेश के बाद करीब 32 हजार शिक्षामित्रों का समायोजन भी रोक दिया गया। सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश को शीर्ष कोर्ट में चुनौती

दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने सात दिसंबर 2015 को समायोजित शिक्षामित्रों को राहत देते हुए हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही 72825 शिक्षकों की भर्ती टीईटी मेरिट व बीटीसी अभ्यर्थियों की भर्ती एकेडमिक मेरिट पर हुई। साथ ही 12091 की नियुक्ति, 1100 याची प्रकरण आदि मामले शीर्ष कोर्ट के अंतिम फैसले के अधीन हैं। इन मामलों की सुनवाई पहले सात अप्रैल को होनी थी, उसे बढ़ाकर 11 अप्रैल कर दिया गया है। शीर्ष कोर्ट के कमरा नंबर 13 में जस्टिस आदर्श गोयल व जस्टिस यूयू ललित की बेंच इन मामलों की सुनवाई करेगी। पहले इस प्रकरण की सुनवाई जस्टिस दीपक मिश्र व जस्टिस खानवेलकर कर रहे थे, लेकिन दोनों ने सनवाई करने से इन्कार कर दिया, तब नई बेंच का गठन किया गया है। अब सभी की निगाहें न्यायालय के आदेश पर टिकी हैं।

तीस्ता पर ममता के रुख से सहमत नहीं विपक्ष

राज्य ब्यूरो, कोलकाताः तीस्ता जल बंटवारे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अपने पुराने रुख पर अडिग रहने से राज्य के विपक्षी दल सहमत नही हैं। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, दूसरी विपक्षी पार्टी माकपा और भाजपा की प्रदेश इकाई ने इस मुहे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की है।

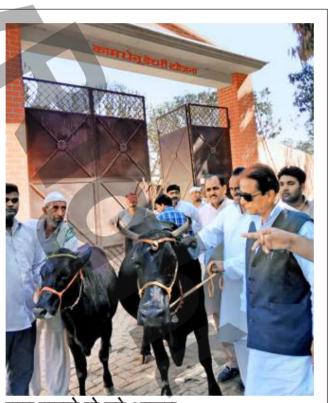
प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी ने कहा है कि तीस्ता का पानी बांग्लादेश को दिया जा सकता है कि नहीं इस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अकेले निर्णय नहीं ले सकतीं। राज्य के नदी से पड़ोसी देश को जल दिया जा सकता है कि नहीं इस पर विशेषज्ञों की टीम गठित होनी चाहिए। दोनों देशों के जल और नदी विशेषज्ञो को लेकर बैठक होनी चाहिए। विशेषज्ञों की राय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बैठक कर संयुक्त रूप आम राय बनानी होगी। केंद्र बांग्लादेश को पानी देने के पक्ष में है और मुख्यमंत्री इसके लिए तैयार नहीं है। इस तरह की स्थिति पैदा होने से इसका गलत संदेश जाएगा। माकपा सांसद मोहम्मद सलीम न कहा कि बनर्जी तीस्ता को सामने रखकर केंद्र के साथ मोल-भाव करना चाहती हैं। वह यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि नारद स्टिंग कांड और सारधा चिटफंड घोटाला में केंद्र कहां तक

उत्तर प्रदेश में गन्ना मूल्य भुगतान पर जोर, ब्याज को भूले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती से गन्ना किसानों में बकाया गन्ना मूल्य भुगतान होने की उम्मीद तो जगी है लेकिन, चीनी मिलों पर पिछले पांच वर्षों के बकाया करीब 3000 करोड़ रुपये ब्याज पर सरकार की चुप्पी किसानों को हैरान करने

मुख्यमंत्री की सख्ती का असर भुगतान में तेजी के रूप में दिखने लगा है। गन्ना मूल्य के बकाये की समीक्षा करने के लिए आगामी 12 अप्रैल को प्रस्तावित बैठक में चीनी मिल मालिक भी उपस्थित रहेंगे। गन्ना आयुक्त विपिन कुमार द्विवेदी ने बताया कि गन्ना राज्यमंत्री सुरेश राणा बैठक की अध्यक्षता करेंगे और 14 दिन पूर्व अवधि के बकाया भुगतान को 23 अप्रैल तक निपटाने की कार्ययोजना भी तय करेंगे। बता दें कि बड़े बकायेदार मिलों में मोदी समूह, सिंभावली, बजाज, बिड्ला, मवाना, आइपीएल, राणा, एरा व उत्तम भी शामिल है। इसमें मोदी समूह पर 394.42 करोड़, सिंभावली पर 399.83 करोड़, बजाज पर 2314.43 करोड़, मवाना की तीन मिलों पर 277.32 करोड़, उत्तम की तीन मिलों पर 110.84 करोड़, राणा ग्रुप की चार मिलों पर 69.53 करोड़, बिड़ला की चार मिलों पर 36.51 करोड़ रुपये के अलावा एकल ग्रुप की ऐरा चीनी मिल पर 109.95 करोड़ रुपये व शामली मिल पर 89.29 करोड़ रुपये बकाया है। बकाया गन्ना मूल्य पर किसानों का ब्याज

माफ करने के समाजवादी सरकार के फैसले को



गाय पालने से डरे आजम

रामपुर : उप्र के पूर्व मंत्री व सपा विधायक आजम खां गाय पालने से डर गए हैं। उन्होंने डेढ़ साल पहले भेंट में मिली गाय और बछिया स्वामी अधोक्षानंद महाराज को वापस कर दी है। वाहन से दोनों को मथुरा भिजवा दिया। साथ ही उन्होंने पत्र भी भेजा है, जिसमें माफी मांगते हुए लिखा है कि राजस्थान के अलवर में हुई घटना से उनके जैसे कमजोर लोगों के लिए जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो गया है।ऐसे में यदि गाय और बछिया के साथ अनहोनी होती है तो मुस्लिम और इंसानियत की दुश्मन ताकतों को बेगुनाहों के कत्लेआम

चार लाख लगाए, 500 करोड़ रुपये के मालिक बन गए लालू: मोदी

लालू प्रसाद की सफाई के बाद पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पांच दिन की चुप्पी के बाद आखिरकार लालू ने स्वीकार कर लिया कि 500 करोड़ का मॉल उनका ही है। मोदी ने कहा बिना टेंडर के अपने मॉल से 90 लाख की मिट्टी संजय गांधी जैविक उद्यान को सप्लाई देने का मामला इसके आगे अब छोटा

मोदी ने रविवार को पत्रकारों को बुलाकर लालू यादव को इसके लिए बधाई दी कि एक चपरासी का बेटा पच्चीस साल में 500 करोड़ का मालिक बन गया।मोदी ने कहा कि डिलाइट मार्केटिंग का इस्तेमाल एक बेनामी संपत्ति को कानूनी रूप देने में किया गया। डिलाइट ने बिहार में सिर्फ यही एक काम किया। 2005 में 90 लाख रुपये में जमीन खरीदी। जिसमें लालू यादव ने मात्र चार लाख 20 हजार रुपये लगाए। इस कंपनी ने 10 साल तक लालू यादव के बेटों के बड़े होने का इंतजार किया। जब दोनों बेटे बड़े हो गए, तो करोड़ों की यह संपत्ति राबड़ी देवी और उनके दोनों बेटे उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और स्वास्थ्य मंत्री तेज प्रताप के नाम कर दी गई। मोदी ने कहा डिलाइट जैसी कंपनियों को ही शेल कंपनी कहा जाता है। ऐसी कंपनियां ब्लैक मनी (कालाधन) जायज करने के लिए ही बनाई जाती हैं, जिनका काम ही बुक ट्रांसफर



भाजपा के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते नित्यानंद राय, साथ हैं सुशील कुमार मोदी ।

नहीं होता। केंद्र ने हाल ही में शेल कंपनियों के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया है।

तेजस्वी और तेजप्रताप को बर्खास्त **करें मुख्यमंत्री**: पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा जब लालू रेल मंत्री बने तो पहले हर्ष कोचर से बेली रोड की दो एकड़ जमीन डिलाइट मार्केटिंग को रजिस्ट्री करवाई।इसके एवज में कुछ महीने बाद उसे रेलवे के रांची और पुरी के दो होटल लीज पर दे दिए। मोदी ने कहा कि मंत्रियों को दिसंबर के आखिर में संपत्ति का ब्योरा देना

ने अपनी घोषित संपत्ति में बेली रोड पर बन रहे मॉल का जिक्र नहीं किया है। इस अघोषित संपत्ति को छिपाने के आरोप में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इन दोनों को अविलंब बर्खास्त कर

लालू पर फिल्म बननी चाहिए भाजपा नेता ने कहा कि लालू यादव पर फिल्म बननी चाहिए। चार लाख की पूंजी लगाकर कोई व्यक्ति कुछ ही वर्षों में कैसे 500 करोड़ से अधिक का मालिक बन जाता है ? फिल्म के लिए इससे अच्छी कोई स्टोरी क्या हो सकती है।

अपराधियों से साठगांठ वाले पुलिसकर्मी जल्द हटेगे

जागरण संवाददाता, आगरा

उत्तर प्रदेश में योगी राज आने के बाद थाने-चौकी की साफ-सफाई के साथ पुलिस महकमे में भी सफाई के लिए अभियान चल रहा है। सबसे पहले दागी पुलिसकर्मी निशाने पर हैं। डीजीपी जावीद अहमद ने खिवार को यहां कहा कि अपराधियों से साठगांठ वाले पुलिस कर्मियों पर व्यापक स्तर पर कार्रवाई होगी। जोन के पुलिस अधिकारियों की बैठक में उन्होंने बिना भेदभाव कानून का राज स्थापित कराने और मानवीयता का पाठ भी पढ़ाया। इससे पहले उन्होंने सुबह सात बजे ही ताज की सुरक्षा का जायजा लिया।

डीजीपी शनिवार को सुबह यहां पहुंचे थे। रविवार को जोन की कानून व्यवस्था की समीक्षा की।इसमें सत्ता परिवर्तन का असर साफ दिखा। बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में बताया कि अपराधियों से साठगांठ रखने वाले पुलिसकर्मी चिन्हित कर लिए गए हैं। पूरे प्रदेश की सूची तैयार करा ली गई है। ऐसे सभी पुलिस कर्मियों को दूरस्थ ट्रांसफर कर भेजा जाएगा। माफिया चाहे खनन वाले हों, वाहन संचालन या दबंगई करने वाले, सभी को चिन्हित किया जा रहा है। इनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि थाने और चौकी में पुलिस का मानवीय

१ १ पुलिसकर्मी हटाए

प्रदेश में नई सरकार आने के बाद कराई गई गोपनीय जांच में आगरा जोन के 118 पुलिसकर्मियों की अपराधियों से साठगांठ सामने आई है। इसके बाद आइजी ने सभी को वर्तमान तैनाती वाले स्थानों से हटा दिया है। इसमें कई थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी शामिल हैं। जल्द ही इन्हें कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने पुलिस की छवि सुधारने को दागी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद शिकायतों और गोपनीय रिपोर्ट के आधार पर सूची तैयार कराई गई। पुलिसकर्मियों की खुफिया विभाग से रिपोर्ट भी ली गई। अपराधियों से साठगांठ पाए जाने पर आइजी सुजीत पांडेय ने इन्हें एक जिले से दूसरे जिले में भेजने का आदेश दिया है।

व्यवहार हो, फरियादियों के बैठने और पानी पीने की उचित व्यवस्था हो, यह भी सुनिश्चित कराया जा रहा है। डायल 100 पर तैनात पुलिस कर्मियों को उन्होंने थानों से पूरा समन्वय रखने को कहा।

पेपरलेस होगी झारखंड विस, विधायकों को मिलेगा ऑनलाइन प्लेटफार्म

अमन कुमार ,रांची : अब विधायकों को सवाल दर्ज कराने के लिए विधानसभा की कतार में अपनी बारी का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। न ही सरकार को जवाब तैयार करने और उसे विधानसभा सचिवालय भेजने के लिए परेशान होना होगा। विधायक सिर्फ एक क्लिक कर सवाल दाखिल करेंगे और आसानी से जवाब भी उन्हें मिल जाएगा। दरअसल राज्य सरकार अपने कार्यालयों में सूचना प्रौद्योगिकी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहती हैं। इस क्रम में कई विभाग को ऑनलाइन किया गया है। इस कड़ी में झारखंड विधानसभा को भी पेपरलेस बनाया जा रहा है।

पुरानी व्यवस्था में कई बार विधायक सदन में जवाब नहीं मिलने की शिकायत करते हैं। विभाग का दावा होता है कि उसने जवाब भेजा था, लेकिन समय पर पुस्तिका में दर्ज नहीं हो सका। पेपरलेस व्यवस्था लागू होने के बाद इन परेशानियों से निजात मिलने की संभावना है। सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग की तरफ से विधानसभा को पेपरलेस बनाने की योजना का प्रस्ताव तैयार किया गया है। स्पीकर दिनेश उरांव को योजना की रुपरेखा से अवगत करा दिया गया है। जिससे स्पीकर संतुष्ट नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है विधानसभा को पेपरलेस करने की योजना पर 65 करोड़ खर्च होंगे।

अनवर के बैंक से सीबीआइ को मिले हेराफेरी के साक्ष्य

नोटबंदी के दौरान कालेधन को सफेद बनाने के चक्कर में आयकर विभाग और अब सीबीआइ के लपेटे में आए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के करीबी व पूर्व विधान पार्षद अनवर अहमद की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। सीबीआइ ने शनिवार को अनवर की अध्यक्षता वाली अवामी को-ऑपरेटिव बैंक तथा सब्जीबाग स्थित आवास के साथ-साथ फुलवारीशरीफ स्थित अल राबिया एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के ठिकानों की तलाशी ली। इसमैं कई ऐसे दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जिनसे स्पष्ट होता है कि नोटबंदी के दौरान अवामी बैंक के माध्यम से करोड़ों रुपये की हेराफेरी की गई है।

सीबीआइ ने इस संबंध में अवामी बैंक के तीन शाखा प्रबंधकों से घंटों पूछताछ की। इन तीनों शाखा प्रबंधकों के खिलाफ भी सीबीआइ ने मुकदमा दर्ज किया है। सूत्र बताते हैं कि नोटबंदी के दौरान प्रतिबंधित 500 और 1000 के नोटों को किस तरह बेनामी बैंक खातों में जमा कराया गया है, इस संबंध में सीबीआइ को पुख्ता साक्ष्य मिले हैं। सीबीआइ ने अनवर अहमद, उनके पुत्र अरशद अहमद के साथ बैंक के पटना के मुरादपुर स्थित मेन ब्रांच के प्रभारी



शाखा प्रबंधक अभय कुमार तथा पटना सिटी ब्रांच के प्रभारी मैनेजर प्रकाश कुमार सिन्हा व राजाबाजार ब्रांच के प्रभारी मैनेजर कौशलेंद्र कुमार शर्मा को भी अभियुक्त बनाया है। अनवर अहमद के बेटे अरशद अहमद बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सदस्य के अलावा अल राबिया ट्रस्ट के डायरेक्टर भी हैं। सूत्रों ने बताया कि नोटबंदी के बाद अवामी बैंक के कुल 41 बेनामी बैंक खाते खुलवाए गए थे। ये सभी बैंक खाते अनवर अहमद के परिचित लोगों के ही हैं। लेकिन जब उनसे बैंक खातों में हुए लाखों रुपये के ट्रांजेक्शन के संबंध में पूछताछ की गई तो उन्हें यह भी पता नहीं था कि उनके नाम अवामी बैंक में कोई खाता भी है।

बताया जाता है कि सीबीआइ ने इन सभी 41 बुँक खातों से संबंधित कई बही-खाते और कैशबुक को जब्त कर लिया है और उसकी पड़ताल की जा रही है।

पप्पू यादव मिट्टी घोटाले की सीबीआइ जाच को करेंगे आमरण अनशन

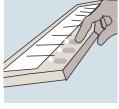
राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार विधानसभा का घेराव मामले में गिरफ्तार जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) के संरक्षक व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव अब जेल में रहकर चरणबद्ध आंदोलन चलाएंगे। पप्पृ यादव ने मॉल-मिट्टी घोटाले की जांच सीबीआइ से कराने की मांग करते हुए जेल में उपवास और आमरण अनशन करने का एलान किया है।

पप्पू यादव ने इस संबंध में राज्यपाल को भी एक पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा है कि यदि सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती है तो वे जेल में रहकर चरणबद्ध आंदोलन करेंगे इसकी शुरुआत 11 अप्रैल को बेउर जेल में 12 घंटे के उपवास से शुरू होगी। यदि फिर भी उनकी मांगे नहीं मानी गई तो 14 अप्रैल को 24 घंटे के उपवास पर बैठेंगे। उसके बाद वे जेल में तबतक उपवास व आमरण अनशन पर बैठे रहेंगे जबतक कि उनकी सभी मांगे पूरी नहीं हो जाती।

पप्पू यादव ने राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में यह भी कहा कि उन्हें हथकड़ी लगाने के जुर्म में पटना पुलिस के जिन 11 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है, वे सभी निर्दोष हैं। उन्हें हथकड़ी लगाकर अपमानित करने की साजिश

जनादेश

राजस्थान की धौलपुर विधानसभा सीट पर 80 फीसदी मतदान, ईवीएम को लेकर एक बार फिर से सवाल उठे, बहुत सारे वोटरों ने की शिकायत



दिल्ली समेत आढ राज्यों में शांतिपूर्ण रहे विस उपचुनाव

जम्म् कश्मीर में लोकसभा की श्रीनगर सीट पर हुए उपचुनाव में जहां भारी हिंसा हुई, वहीं आठ राज्यों में विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव लगभग शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गए। जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान हुआ उनमें दिल्ली की राजौरी गार्डन, असम की धेमाजी, हिमाचल प्रदेश की भोरंज, पश्चिम बंगाल की दक्षिण कांथी, मध्य प्रदेश की अटेर और बांधवगढ़, राजस्थान की धौलपुर, कर्नाटक की नंजनगढ़ और गुंदलूपेट और झारखंड की लिट्टीपाड़ा शामिल हैं। वैसे मप्र की बांधवगढ़ सीट पर हिंसा की छिटपुट

राजस्थान की धौलपुर विधानसभा सीट पर 80 फीसदी मतदान की खबर है। यहां ईवीएम को लेकर एक बार फिर से सवाल उठे। बहुत सारे वोटरों ने शिकायत की कि वह किसी और पार्टी को वोट दे रहे हैं और वोटर पर्ची किसी ओर पार्टी की निकल रही है। जांच करने पर इस तरह की 18 ईवीएम मशीनों को सील कर उसकी जगह दूसरी ईवीएम मशीनें लगाई गईं। वहीं दिल्ली की राजौरी गार्डन



लिट्टीपाड़ा उपचुनाव में मतदान के लिए कतार में खड़ी महिलाएं।

विधानसभा के लिए 46.46 फीसद मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिला अंतर्गत दक्षिण कांथी सीट पर 82 फीसद तो झारखंड की लिट्टीपाड़ा में 72 फीसद मतदान हुआ। हिमाचल प्रदेश की भोरंज सीट के लिए हुए उपचुनाव में 63.33 फीसद वोट पड़े । मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ सीट पर 65 फीसद तो अटेर में 61 प्रतिशत मतदान हुआ। अटेर में दो जगह हवाई फायरिंग हुई और कई मतदान केंद्रों के बाहर हिंसा की घटनाएं सामने आईं। अटेर उपचुनाव में

भाजपा के अरविंद भदौरिया का मुकाबला कांग्रेस के हेमंत कटारे से है, वहीं बांधवगढ़ में भाजपा के शिवनारायण सिंह का मुकाबला कांग्रेस की सावित्री सिंह से है। चुनाव के दौरान हुई घटनाओं में करीब आठ लोग घायल हैं।

जागरण।

महिला मामलों में बेपरवाह रही सपा सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

महिला संबंधी तमाम मामलों में सपा की सरकार बेपरवाह रही। यह तथ्य आरटीआइ के जरिये सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. नूतन ठाकुर ने उजागर किया है। ठाकुर ने महिला कल्याण निदेशालय से

मिली जानकारी से यह दावा किया है। शासन ने दहेज, विधवा पुनर्विवाह, देह व्यापार से उद्धार जैसे कई संवेदनशील विषयों पर सहायता हेतु योजनाएं बनी हैं लेकिन, सपा सरकार के समय सरकार के समय एक तो इन योजनाओं पर बहुत मामूली बजट का प्रावधान किया गया, ऊपर से उस बजट का भी उपयोग नहीं किया जा सका। महिला कल्याण निदेशालय द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार वित्तीय वर्ष 2013-14 में दहेज से पीड़ित महिलाओं की सहायता हेतु मात्र नौ लाख रुपये के बजट का प्रावधान किया गया और उसमें भी मात्र 5.56 लाख रुपये का उपयोग हुआ। इसी प्रकार दहेज प्रथा से पीड़ित महिलाओं की कानूनी सहायता हेतु मात्र

आठ लाख रुपये का बजट था जिसमें 2.95 लाख का उपयोग हुआ। विधवा से विवाह करने पर दंपती को पुरस्कार हेतु 45 लाख का बजट था जिसमें 19.03 लाख का उपयोग हुआ जबकि देह व्यापार से उद्धार में लगे संगठनों हेतु 136 लाख का बजट था जिसमें सिर्फ 79.59 लाख का ही उपयोग हुआ।

वित्तीय वर्ष 2014-15 में दहेज पीड़ित सहायता हेतु नौ बजट में 5.14 लाख, दहेज पीड़ित की कानूनी सहायता हेतु आठ लाख बजट में 3.56 लाख, विधवा विवाह पुरस्कार हेतु 45 लाख बजट में 16.17 लाख और देह व्यापार उद्धार आदि बजट का उपयोग नहीं हुआ वित्तीय वर्ष 2016-17 में दहेज़ पीड़ित सहायता हेतु नौ लाख बजट में मात्र 1.84 लाख, दहेज पीड़ित की कानूनी सहायता हेतु आठ लाख बजट में 0.77 लाख, विधवा विवाह पुरस्कार हेतु 45 लाख बजट में 3.08 लाख और देह व्यापर उद्धार हेतु 75 लाख बजट में 17.36 लाख का उपयोग हुआ है।

10 अप्रैल 2017

दंनिक जागरण

न्यूज गैलरी

वर्दीधारी बना रोमियो, ब्रिगेडियर की पत्नी से की छेड़छाड़

बरेली: एंटी रोमियो टीम सडक से गायब और वर्दीधारी रोमियो बन रहे हैं। रविवार को उप्र के बरेली शहर के सबसे पॉश इलाके सिविल लाइंस में रिटायर्ड ब्रिगेडियर की पत्न ो वर्दीधारी रोमियो की छेड़छाड़ की शिकार हुई।हालांकि, उन्होंने हिम्मत दिखाई।अन्य महिलाएं भी मदद को दौड़ीं और उसे भागना पडा।शिकायत के बाद पुलिसकर्मियों की परेड भी कराई गई, लेकिन आरोपी पकड़ में नहीं आया। रिटायर ब्रिगेडियर पत्नी के साथ खरीददारी करने पहुंचे थे। वह काम से सड़क के दूसरी ओर गए थे। पत्नी खरीदारी कर सड़क पर पहुंचीं, उसी दौरान पीछे आ रहे खाकी वर्दीधारी ने उन पर अश्लील कमेंट पास कर दिया। अफसर की पर्त्न ने विरोध किया तो वर्दीधारी ने बदसलूकी की।अफसरकी पत्नी ने उसका कॉलर पकड़कर शोर मचा दिया। इस पर अन्य महिलाएं मदद के लिए लपकीं तो वर्दीधारी ने धक्का देकर अपना कॉलर छुड़ाया और फरार हो गया। पीड़ित दंपती एसपी सिटी ऑफिस पहुंचा।जिसके बाद एसपी सिटी समीर सौरभ ने इंस्पेक्टर समेत चौकी इंचार्ज को मौके पर भेजा। उन्होंने वर्दीधारी की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फटेज से आरोपी की तलाश में जट गई है। डीजीपी को ट्वीट कर शिकायत की गई तो उन्होंने इसका संज्ञान लिया। उनके पीआरओ ने आइजी को मामले की जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आइजी विजय प्रकाश का कहना है कि एसपी सिटी को पूरा प्रकरण देखने और कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

भारत-नेपाल संबंधों पर चर्चा को जुटेंगे विशेषज्ञ

देहरादून: मंगलवार को नेपाल और भारत के विशेषज्ञ सुरक्षा मसलों पर मंथन को देहरादुन में जुटेंगे।इसमें आतंकी घुसपैठ पर अंकुश और बदले हालात में राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चर्चा होगी। भारत की अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद और नेपाल के नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान संयुक्त रूप से इस दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन करेंगे। अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद के अध्यक्ष राजीव बेरी ने बताया कि भारत-नेपाल मैत्री संबंधों को नया आयाम देने के उद्देश्य से दोनों संस्थाओं ने कुल पांच सेमिनार की शृंखला तय की है। इसके तहत पहला सेमिनार फरवरी में दिल्ली, दूसरा मार्च में वीरगंज नेपाल और तीसरा देहरादून में आयोजित किया जा रहा है। चौथा बनारस और अंतिम नेपाल में होगा। पांचों सेमिनारों की रिपोर्ट दोनों देशों की सरकारों को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि भारतीय वन अनुसंधान संस्थान के सभागार में होने वाले आयोजन का उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत करेंगे। उन्होंने बताया कि इसमें पुर्व विदेश सचिव शशांक शेखर, बीएसएसफ के पूर्व महानिदेशक प्रकाश सिंह, नेपाल में भारत के पूर्व राजदूत केवी रंजन, नेपाल के पूर्व विदेश सचिव मधु रमण आचार्य, नेपाल पूर्व चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ जनरल रुकुमनगुड कटुवाल, जनरल (सेनि) गौरव शमशेर जेबी राणा, जनरल (सेनि) नर बहादर कंडेल जैसी

शख्सियतें शिरकत करेंगी। वीरभद्र के आय से अधिक संपत्ति केस में आज होगी अहम सुनवाई

नई दिल्ली : हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह पर दर्ज आय से अधिक संपत्ति के मामले में सोमवार को पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष सीबीआइ अदालत में अहम सुनवाई होगी। न्यायाधीश विरेंद्र कुमार गोयल सीबीआइ के आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के बाद मुख्यमंत्री, उनकी पत्नी सहित सभी नौ आरोपियों को बतौर आरोपी अदालत में पेश होने का आदेश दे सकते हैं। सीबीआइ ने बीते सप्ताह मुख्यमंत्री व उनकी पत्नी सहित कुल नौ लोगों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। जांच एजेंसी ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री के पास तय आय से 10 करोड़ अधिक संपत्ति पाई गई थी। यह राशि उनकी निर्धारित आय से 192 फीसद अधिक है। सीबीआइ का कहना है कि केंद्र में संप्रग-2 सरकार के दौरान मंत्री रहते हुए वीरभद्र सिंह ने यह अवैध रकम अर्जित की थी।

फील गुड > आर्थिकी के बाद अब पर्यटन भी बढ़ाएगा हिमाचल प्रदेश का सेब

संब के बगीचों की सैर करेंगे पर्यटक

पर्यटन निगम ने ब्लूमिंग सीजन को सैलानियों से जोडने का किया प्रयास

रविंद्र शर्मा, शिमला

हिमाचल प्रदेश की आमदनी की रीढ़ माने जाना वाला सेब अब प्रदेश के पर्यटन उद्योग को भी बढ़ाने में मदद करेगा। पर्यटन निगम ने ब्लूमिंग सीजन यानी सेब के पौधों में फूल आने के समय को पर्यटकों के साथ जोड़ने के लिए नई योजना तैयार की है। इस योजना के तहत पर्यटकों को ब्लूमिंग सीजन के दौरान अपर शिमला में मौजूद सेब के बगीचों की सैर करवाई जाएगी। इसके लिए निगम ने शिमला से 50 से 60 किलोमीटर के दायरे में आने वाले शिलारू, कंडयाली और मत्याणा में मौजूद सेब के बगीचों का चयन किया है। इसके अलावा कोटगढ़ में भी पर्यटकों को घुमाने के लिए ले जाया जाएगा

पर्यटन निगम ने एक हजार और 3500 रुपये कीमत के दो पैकेज तैयार किए हैं। एक हजार के पैकेज में पर्यटकों को बगीचों की सैर करवाने के अलावा दिन का खाना और चाय दी जाएगी, 3500 के पैकेज में शिलारू, कंडयाली और मत्याणा में घुमाने के बाद रात को नारकंडा में होटल में ठहराया जाएग। अगले दिन सुबह कोटगढ स्थिम बगीचों की सैर करवाई जाएगी।

होम स्टे भी चल रहे : पर्यटकों को हिमाचल की संस्कृति और परंपरा से रूबरू करवाने के लिएपर्यटन निगम ने होम स्टे योजना भी चलाई थी। कुछ बागवानों ने अपने सेब के बगीचों में होम स्टे बनाकर पर्यटकों को आकर्षित किया है। ऐसे में कम पर्यटकों को ही ब्लूमिंग सीजन का लुत्फ उठाने का मौका मिलता है। सेब बगीचों की सैर करवाने के लिए पर्यटन निगम की साइट पर ऑनलाइन बुकिंग करवा की जा सकती है। इसके अलावा शिमला में टूरिज्म के होटल व सूचना केंद्र में भी पर्यटक संपर्क कर सकते हैं।

1000 और 3500 रुपये कीमत के दो पैकेज पर्यटन निगम ने तैयार किए हैं।

पहला पैकेज इसी माह

पर्यटकों को सेब के बगीचों में घमाने के लिए निगम की ओर से तैयार किया गया पैकेज 15 से 30 अप्रैल तक लागू रहेगा। पर्यटन निगम के अधिकारियों की मानें तो उन्हें अभी से इस पैकेज लिए पर्यटकों के फोन आने शुरू हो गए हैं। सेब के पौधे के बारे में जानने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए ये अच्छा मौका है।

पर्यटन निगम ने पहली बार इस प्रकार का पैकेज तैयार किया है। ब्लूमिंग सीजन के दौरान पर्यटकों को प्रदेश की ओर आकर्षित करने के लिए इस पैकेज को तैयार किया गया है।

- विजय शर्मा, जीएम पर्यटन निगम।



फिल्मी सितारे खूबसूरत मनाली पर दिल हारे

हिमाचल की वादियां फिल्मी सितारों को अपनी ओर खींच रही हैं। जिंदगी के सुकून भरे पल इन शांत वादियों में गुजारने के लिए फिल्मी सितारे अब यहां आशियाने के लिए जगह तलाश रहे हैं। मनाली इनको खूब भा रही है। हाल ही में मनाली क्षेत्र में अभिनेत्री कंगना रनौत ने घर बनाया है, तो बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल भी यहां आशियाना बनाना चाहते हैं। अपने बेटे को फिल्म 'पल-पल दिल के पास' से लांच करने के लिए उन्होंने शूटिंग के लिए कई लोकेशन देखी तो आशियाने के लिए जगह भी। वह सिमसा, रांगडी, गधेरनी, बुरुआ, शनाग बटाहर, हरिपुर जैसे एकांत क्षेत्रों में आशियाने के लिए जगह भी देख रहे हैं। पर्यटन नगरी मनाली फिल्मी जगत को 60 के

दशक में अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रही थी, लेकिन बॉलीवुड अभिनेताओं के यहां बसने का क्रम 80 के दशक में ही शुरू हुआ था। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार ने 80 के दशक में पर्यटन नगरी मनाली में अपना आशियाना बनाया था। धारावाहिक रामायण के निर्माता रामानंद सागर ने भी कुछ साल बाद 80 के ही दशक रिजॉर्ट का निर्माण किया। 2015 में बॉलीवुड स्टार कंगणा रनौत ने भी अपनी पसंद में विदेश के बजाए मनाली को ही प्राथमिकता दी और अपना आशियाना बनाया

मनाली में फिल्म सिटी को लेकर अभिनेता सनी देओल 2012 में तत्काल भू-राजस्व मंत्री गुलाब सिंह से भी मिले थे और सरकारी भूमि उपलब्ध करवाने का आग्रह किया था, लेकिन औपचारिकताओं की रुकावट से उनकी यह योजना अभी सिरे चढ़ती नहीं दिख रही है। शनाग के पूर्व प्रधान वेद राम ठाकुर ने बताया कि सनी देओल उनके बहुत अच्छे मित्र हैं। वह उनके साथ भी यहां आशियाना बनाने को लेकर उनके साथ चर्चा कर चुके हैं तथा जगह भी देख चुके हैं। सनी के समन्वयक विक्रम सिंह ने भी इस बात की पुष्टि की है।

घर बैठे लीजिए प्रतिबंधित क्षेत्र में सैर की अनुमति

शैलेंद्र गोदियाल, उत्तरकाशी

उत्तरकाशी के बर्फीले बियाबान का रोमांच अब पर्यटकों के लिए रहस्य नहीं रहेगा। हर्षिल से शरू होने वाली इनर लाइन (वह सीमा जिससे आगे जाने के लिए प्रशासन की अनुमति जरूरी है) में प्रवेश के लिए सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम को 'पथिक' नाम से लांच किया है। उत्तराखंड पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर मौजूद 'पथिक' के जरिये पर्यटक घर बैठे ही अनुमित के लिए आवेदन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत ने सात अप्रैल को 'पथिक' सिस्टम लॉच किया है। सैलानी सोमवार से अनुमति के लिए आवेदन

उत्तरकाशी का करीब चालीस फीसद भाग समुद्र तल से साढ़े तीन से चार हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। शुष्क पहाड़ और छोटी-छोटी नदियों वाले इस इलाके में हर्षिल, नेलांग घाटी, कालिंदी पास और गंगोत्री नेशनल पार्क का एक बड़ा भाग है। वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध से पहले यहां देशी-विदेशी सैलानियों का आना-जाना लगा रहता था। युद्ध के बाद विदेशी सैलानियों पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई और देशी पर्यटकों के लिए जिला प्रशासन की अनुमति अनिवार्य कर दी गई।

उत्तरकाशी के जिलाधिकारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 2014 में जिला प्रशासन और गंगोत्री नेशनल पार्क ने यह इलाका पर्यटकों के लिए खोले जाने को संयुक्त पहल शुरू की, जिसके बाद रक्षा मंत्रालय के सहयोग से नियमों में कुछ ढील दी गई। अब देशी और विदेशी सैलानी यहां सैर कर सकते हैं, लेकिन विदेशी सैलानियों को यहां रात्रि विश्राम की अनुमति नहीं है। दिनभर घूमने के बाद उन्हें हर्षिल लौटना

सिंगल विंडो सिस्टम 'पथिक' से यह

गोसेवा के लिए गिरवी रख दी जमीन



में चीन के साथ 1962 युद्ध से पहले इस इलाके में देशी-विदेशी सैलानियों का आना-जाना लगा रहता था।

में जिला प्रशासन 2014 और गंगोत्री नेशनल पार्क ने इलाका पर्यटकों के लिए खोले की पहल की

200 रुपय दशा सलाहा के लिए और 600 रुपये देशी सैलानियों रुपये विदेशियों के लिए रखा गया है

इनर लाइन के पर्यटन स्थल

हर्षिल, नेलांग एवं कालंदी पास, गंगोत्री नेशनल पार्क में गोमुख, तपोवन, नन्दन वन, सुन्दरवन, वासुकीताल, केदारताल के अलावा गोविंद पशु विहार में पड़ने वाले हरकीदून, केदारकांठा, रूपिन पास, चांइसिल बुग्याल, देवक्यारा, स्वर्गारोहणी

अनुमति सिर्फ तीन दिन में मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि देशी सैलानियों के लिए प्रति व्यक्ति शुल्क 200 रुपये और विदेशियों के लिए 600 रुपये रखा गया है। इसके अलावा वाहन शुल्क के तौर पर 250 रुपये लिए जाएंगे। वाहन शुल्क देशी और विदेशी के लिए समान होगा।

1300 करोड़ की हेराफेरी में कुडोज कंपनी पर छापा

जागरण संवाददाता, मोहाली

डेराबस्सी की कडोज कंपनी में रविवार सबह दिल्ली से आई सीबीआइ की टीम ने छापामारी की।टीम में तीन अधिकारी और पंजाब नेशनल बैंक के करीब 6 कर्मचारी शामिल थे, जिन्होंने करीब बीस मिनट तक जांच की। कंपनी के गेट गेट नंबर-1 पर तैनात अरुण कुमार और 2 पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड बंसी ने बताया कि उनसे किसी तरह की पूछताछ नहीं की गई। बीस मिनट के दौरान टीम के कर्मी फोन पर भी जानकारी लेते दिखे। इस दौरान सीबीआइ टीम की फेज-7 स्थित कार्यालय पर भी गई लेकिन वहां अब कंपनी का कार्यालय बंद हो चुका है।

कंपनी प्रबंधन पर पंजाब नेशनल बैंक से लगभग 1,300 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने का आरोप है। कड़ोज केमी लिमिटेड, चंडीगढ और इसके तीन निदेशकों जितेंद्र सिंह, कबीर सोढ़ी और गुरमीत सोढ़ी पर आपराधिक साजिश और हेरफेरी के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीएनबी ने शिकायत की थी कि कंपनी के

जागरण न्यूज नेटवर्क, कोलकाता

बाद पुलिस के हवाले कर दिया।

देवी को ख़ुश करने के लिए एक बेटे ने अपनी

मां की ही बलि चढ़ा दी। स्तब्ध करने वाली यह

खौफनाक घटना पुरुलिया जिले के बड़ाबाजार

थानाक्षेत्र के बामूग्राम में घटी।मां की बलि चढ़ाने

के बाद कलयुगी बेटा मौके से फरार हो गया।

ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और पिटाई करने के

सूत्रों के मुताबिक, बामूग्राम निवासी फुली

महतो (55) के पुत्र नारायण महतो (35) ने

घर में मां काली के मंदिर का निर्माण किया था।

वह दिनभर पजा-अर्चना एवं तंत्र-साधना में मग्न

रहता था। इसे लेकर मां से अक्सर उसका झगड़ा

होता था। नारायण शादी करना चाहता था। इस पर

मां ने उसे कहा था कि शादी करने के लिए उसे

डेढ़ साल से बंद है कंपनी

पिछले डेढ़ से ज्यादा समय से बंद पड़ी है। डेढ़ साल पहले कंपनी की ओर से करीब 900 कर्मचारियों को वित्तीय घाटे के चलते निकाल दिया गया था। हालांकि कंपनी के कर्मचारियों ने निकाले जाने के विरोध में जमकर प्रदर्शन किया था, लेकिन इसके बावजूद कंपनी प्रबंधन ने ताला जड़ दिया था। कंपनी में कॉफी में पड़ने वाली कैफीन और सिगरेट में इस्तेमाल होने वाले पदार्थ बनाए जाते हैं।

तीन निदेशकों के अलावा कई अज्ञात लोगों ने जाली दस्तावेजों से ऋण सुविधा का लाभ उठात हुए बक स 1301 कराड लिए। इसको लेकर टीमों की ओर से रविवार को अलग-अलग जगह पर छापेमारी की गई। लेकिन टीमों के हाथ कुछ नहीं लगा।

तंत्र साधना छोड़नी होगी।इसे लेकर शुक्रवार को

दोनों में काफी झगड़ा हुआ था। शुक्रवार शाम

जब मां घर में स्थित मंदिर की सफाई कर रही थी,

उसी समय नारायण ने खड्ग से उनके सिर पर वार

करके उनकी हत्या कर दी और भाग गया। मृतका

का बड़ा बेटा थोड़ी देर बाद जब घर आया तो मां

की सिरकटी खून से लथपथ लाश देखी। इसके

बाद पूरे गांव में आग की तरह खबर फैल गई।

गांववालों ने नारायण की तलाश शुरू की और थोड़ी देर में उसे धर दबोचा। पिटाई करने के बाद

उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पूछताछ में

उसने बताया कि परिवार की खुशहाली के लिए

ही मां की बलि चढ़ाई। बलि से मां काली खुश

हुई हैं। नारायण को जिला अदालत में पेश किया

गया, जहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत

केदारधाम की महिमा से भी रूबरू होंगे यात्री

संवाद सहयोगी, रुद्रप्रयाग : आगामी यात्रा सीजन में यात्री केदारनाथ की महिमा से भी रूबरू होंगे। केंदारनाथ मंदिर के पीछे बनाई गई त्रिस्तरीय सुरक्षा दीवार पर धाम के इतिहास समेत अन्य पौराणिक जानकारियां अंकित की गई हैं।इसके अलावा केदारनाथ आपदा में हुए नुकसान और वर्ष 2014 से हो रहे पुनर्निर्माण कार्यों की जानकारी भी दीवार पर दर्ज है। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) की ओर से केदारपुरी में वर्ष 2014 से पुनर्निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। निम वहां तीन हेलीपैड, वैली ब्रिज, पैदल रास्ते, हट, मंदिर तक 50 फीट लंबा रास्ता, सरक्षा दीवार, घाटों आदि का निर्माण पुरा कर चुका है। तीर्थ प्रोहितों के लिए भवनों के निर्माण का कार्य भी चल रहा है। सबसे महत्वपूर्ण केदारनाथ मंदिर के पीछे बनी 350 मीटर लंबी त्रिस्तरीय सरक्षा दीवार है। इसमें पहली गेबिन वॉल, दूसरी रॉक नेट वाल और तीसरी आरसी वॉल हैं। यह त्रिस्तरीय सरक्षा दीवार आइआइटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) रुड़की के विशेषज्ञों की देखरेख में तैयार गई है। दीवार के ऊपर दो वॉच टॉवर स्थापित किए गए हैं, ताकि केदारनाथ के ऊपर चौराबाड़ी क्षेत्र में होने वाली मौसमी

गतिविधियों का अवलोकन किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि देश 21वीं सदी में पहुंच

गया है लेकिन कुछ राज्यों में लोग अभी भी तंत्र

मंत्र और दुआ ताबीज के अंधविश्वास से मुक्त

नहीं हो पा रहे हैं। बिहार, झारखंड और पश्चिम

बंगाल जैसे राज्यों में यह समस्या कुछ ज्यादा

ही है।बिहार और उसके पड़ोसी राज्य झारखंड

में तो डायन के शक में महिलाओं की हत्या हो

जाना आम बात है। हालांकि सरकारों की ओर से चलाए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों के

चलते यह घटनाएं अब कम होने लगी हैं, लेकिन

यह पूरी तरह से समाप्त हो गई हैं, ऐसा नहीं है।

शिक्षा के क्षेत्र में दिनों दिन हो रहे विस्तार और

टीवी चैनलों की गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में

बढ़ती पहुंच का भी असर दिखाई देने लगा है।

लोग अब ऐसी घटनाओं की कौतुहल के साथ

चर्चा करने के बजाए उसकी निंदा करने लगे हैं।

भूख और प्यास से तड़पती गायों को देखकर दिल रो देता था। गायों की जिंदगी बचाने को बहुत जतन किए, शासन-प्रशासन के आगे झोली फैलाई लेकिन, कहीं से मदद नहीं मिली तो नहरी गांव के ब्रजिकशोर ने गोशाला चलाने के लिए अपनी 25 बीघा जमीन गिरवी रख दी और अपने कंधों पर गोवंश सेवा का भार उठा लिया। बीते पांच वर्षों से एक समिति रजिस्टर्ड कराकर वह गोवंश की सेवा कर रहे हैं।

मवेशियों का खुले में घूमना बुंदेलखंड की बड़ी समस्या है, जिसमें गोवंश की संख्या सर्वाधिक रहती है। खेत-खलिहानों से लेकर जंगलों में इनके झुंड के झुंड दिखते हैं। सरकारी स्तर पर लाखों रुपये खर्च तो हो गए लेकिन, समस्या का समाधान नहीं निकला। अब ऐसे में मानवीय संवेदनाओं ने काम करना शुरू किया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण बांदा जिले के नरैनी क्षेत्र का नहरी गांव है।

यहां के ब्रजिकशोर ने गोशाला बनाने की ठानी तो शुरुआत में कई साल तक उन्हें संसाधन जुटाने के लिए भटकना पड़ा लेकिन, किसी ने हाथ नहीं बढ़ाया। आखिर मन में जो ांकल्प था, उसे पूरा करना था। लिहाजा उन्होंने

बांदा : नरैनी क्षेत्र के नहरी गांव स्थित गौशाला की देखरेख करते ब्रजिकशोर।

अपनी 25 बीघा जमीन गिरवी रख दी। 2012 में ब्रजिकशोर ने गोशाला समिति रजिस्टर्ड कराई और अपने ही एक एकड खेत में गोशाला बनाकर गोसेवा में लग गए। इस समय वह लगभग एक सैकडा गायों का पालन-पोषण कर रहे हैं।शुरुआत उन्होंने अकेले की लेकिन, अब गांव के ही दयाराम अहिरवार उन्हें एक साथी के रूप में मिल गए हैं। उन्होंने बताया कि मदद मिले या न मिले यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नई सरकार से जगी उम्मीद :

ब्रजिकशोर का कहना है कि गांव से कुछ ही दूरी पर मध्यप्रदेश के पन्ना जिले की सीमा शुरु हो जाती है जो कि जंगली क्षेत्र है। मंशा है कि इस जंगली इलाके में गायों का संरक्षण किया जाए। इसके लिए पन्ना जिलाधिकारी को पत्र लिख चुके हैं। वह नहरी में गोशाला को वृहद रूप देने को जिलाधिकारी बांदा से भी मिले लेकिन अब तक कोई मदद नहीं मिली। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद उनको योगी सरकार से अब काफी उम्मीदें हैं।

कलयुगी बेटे ने दी मां की बलि अब आइआइटियन तैयार करेंगे सुपर 30

धनबाद : अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) व आइएसएम धनबाद के छात्र भी सुपर-30 का कुनबा तैयार करेंगे। इसकी नींव छात्रों ने रख दी है। आइआइटियन 30 सुपर बच्चों का चयन परीक्षा के आधार पर करेंगे। चयनित होनेवाले छात्रों को एक साल तक निशुल्क शिक्षा दी जाएगी। आइआइटी आइएसएम में मिनरल इंजीनियरिंग के छात्र इंद्रजीत वर्मा ने बताया कि जेईई मेन के बाद अब अप्रैल में ही होनेवाले जेईई एडवांस व मई में होनेवाली झारखंड कंबाइंड परीक्षा की तैयारी को लेकर जल्द ही कक्षा शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बिहार के आइआइटीएन आनंद कुमार और आला पुलिस अधिकारी ने मिलकर निर्धन वर्ग के छात्रों को दाखिले की परीक्षा के लिए तैयार करना शुरू किया था।

हकीकत से दूर मोगली गर्ल को बेटी बताने वालों के दावे

उप्र के बहराइच स्थित तर्नियाघाट के जंगलों में मिली मोगली गर्ल को अपनी बेटी बताने वाले परिवार के दावे हकीकत से मेल नहीं खा रहे। शनिवार को जौनपुर का यह परिवार एक इश्तिहार का पर्चा लेकर बहराइच पहुंचा था जिसमें एक बच्ची की तस्वीर है और पहुंचाने के लिए तीन नंबर दिए हैं। परिवार का दावा है कि यह उनकी बेटी है जो पिछले साल 28 मार्च को घर के बाहर खेलते हुए लापता हो

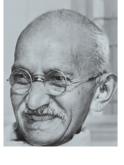
मोगली गर्ल को अपने छोटे भाई की बेटी बताने वाले हामिद अली व खुद को बच्ची का दादा बताने वाले भुल्लन बहराइच पहुंचे थे। रविवार को वे लखनऊ स्थित निर्वाण संस्था भी पहुंचे जहां उनकी बच्ची से मुलाकात कराई गई। देर शाम वे वापस जौनपुर लौट गए। दोनों इस बात का जवाब नहीं दे पाए कि बच्ची को लेने उसके माता पिता क्यों नहीं आए। हामिद का कहना था कि वह बहुत गरीब हैं और बच्ची का पिता बाहर मजदूरी करता है। कहां? यह नहीं बता पाए। जौनपुर से वह



यहां बहराइच के जंगलों तक कैसे पहुंच गई इसका भी कोई जवाब नहीं है जबकि वहां से न कोई सीधी बस सेवा है और न ट्रेन। बहराइच एसपी डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि किसी भी दावेदार को बालिका तभी सौंपी जाएगी जब तक दावा करने वालों की पूरी जांच न करा ली जाए। उन्होंने कहा कि एसपी जौनपुर से वार्ता कर जांच कराई जाएगी। बालिका को लखनऊ के निर्वाण संस्था में भेजा गया है इधर, निर्वाण के अध्यक्ष सुरेश सिंह धपोला ने बताया कि शाम को प्रमुख सचिव रेणुका का भी फोन आया था। उन्होंने भी बच्ची किसी को हैंडओवर करने से स्पष्ट मना किया है।

यादें

शिक्षा का प्रकाश फैलाने के लिए भितिहरवा में पाटशाला के लिए दान मांगी जमीन, भितिहरवा मट के बाबा राम नारायण दास ने बापू के आग्रह पर दी जमीन



महात्मा गांधी ने खोला स्कूल, कस्तूरबा ने पढ़ाया था

सुनील राज, भितिहरवा

मोहनदास करमचंद गांधी को चंपारण में किसानों की दुर्दशा सुनते हुए विद्यालय खोलने का विचार आया था। उनका मानना था कि अत्याचार इसलिए हो रहा, क्योंकि यहां अशिक्षा है। उन्होंने गांव के किसानों से थोड़ी सी जमीन मांगी थी। बेलवा कोठी के निलहे मैनेजर एसी एमन के डर से गांव का कोई भी किसान उन्हें जमीन देने को तैयार नहीं हुआ। तब बापू के आग्रह को देखते हुए भितिहरवा मठ के बाबा राम नारायण दास ने पूछा था, आप बताएं आपको कितनी जमीन और किसलिए चाहिए। बापू ने कहा कि मैं यहां एक पाठशाला बना कर बच्चों को शिक्षा देना चाहता हूं।जितनी भी जमीन आप दे देंगे, मैं उस पर पाठशाला बना लूंगा। चंपारण सत्याग्रह के दौरान बापू पहली बार 27 अप्रैल 1917 को भितिहरवा आए थे।

भितिहरवा आश्रम के सेवक और गांधीवादी अनिरुद्ध प्रसाद चौरसिया कहते हैं कि 27 अप्रैल को गांधीजी ब्रज किशोर बाबू, रामनवमी बाबू, अवधेश प्रसाद सिंह तथा विंध्यवासिनी बाबू के साथ राजकुमार शुक्ल के घर पहुंचे। राजकुमार शुक्ल का घर मुरली भरहवा में था। बापू का कार्यक्रम बेलवा कोठी के मैनेजर से मिलने का था। बापू मैनेजर से बिहार होगा गांधीमय, चर्चा आज से होगी शुरू

राज्य ब्यूरो, पटना : चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष समारोह का सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उद्घाटन करेंगे।इस दौरान गांधी परिवार के सदस्य राजमोहन गांधी, तुषार गांधी और तारा गांधी भी रहेंगी। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।वह स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करेंगे।यह कार्यक्रम 17 अप्रैल को होगा।सोमवार को राज्य सरकार द्वारा आयोजित चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष का शुभारंभ होगा।शताब्दी वर्ष के दौरान पूरे साल कार्यक्रम चलेंगे और गांधी जी की स्मृतियों को ताजा किया जाएगा। उद्घाटन सत्र दो दिनों का होगा।इसमें गांधी और उनके

चंपारण सत्याग्रह के साथ ही बापू के शिक्षा संबंधी दर्शन से लेकर युवाओं के बीच बापू की पहुंच तथा सामाजिक न्याय तक पर चर्चा होगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। फिल्म अभिनेता टॉम ऑल्टर इस दौरान गांधी पर आधारित नाटक 'वॉयस ऑफ डिगनिटी' का मंचन करेंगे। उधर मुजफ्फरपुर और चंपारण में भी शताब्दी वर्ष के मौके पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 11 अप्रैल को मुजफ्फरपुर में गांधी नाटक का मंचन होगा। दूसरी ओर चंपारण में स्मृति यात्रा आयोजित की जा रही है। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी भाग लेंगे और पैदल मार्च करेंगे।यह कार्यक्रम 18 अप्रैल को होगा।

मिले भी और उसी रात वे अमोलवा के संत राउत के घर ठहरे। वे भितिहरवा में महुआ के एक पेड़ के नीचे बैठ जब किसानों की समस्या सुन रहे थे। उसी दौरान उन्होंने यहां पाठशाला स्थापना की इच्छा जाहिर की। बापू ने महसूस किया था कि इलाके में किसानों के शोषण की एक बड़ी वजह अशिक्षा भी है।

अप्रैल महीने के बाद गांधी जी दोबारा भितिहरवा 16 नवंबर 1917 में आए। तब उन्होंने गांव के किसानों के समक्ष पाठशाला स्थापित करने की बात उठाई तथा ग्रामीणों से जमीन का एक टुकड़ा मांगा। राम नारायण दास ने उनकी अर्जी स्वीकार की। चार दिन के अंदर फूस से पाठशाला तथा बापू के रहने के लिए एक कुटी का निर्माण भी कर दिया गया। 28 नवंबर के दिन बापू यहां दोबारा आए। इस बार उनके साथ उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी भी थीं। चौरसिया बताते हैं कि कस्तूरबा ने पाठशाला में बच्चों को पढ़ाने का सारा दारोमदार अपने सिर ले लिया। पहली बार इस पाठशाला में इलाके के बारह वर्ष से कम उम्र के अस्सी बच्चों का नामांकन किया गया । इस पाठशाला में कस्तूरबा के अलावा महाराष्ट्र के सदाशिव लक्ष्मण सोमन, गजराज के बालकृष्ण योगेश्वर और डॉ. शंकर देव ने शिक्षक के रूप में कार्य किया। इन शिक्षकों के अलावा राजकुमार शुक्ल संत राउत तथा प्रह्लाद भगत भी सहयोग देते।

भितिहरवा में बापू द्वारा बनाई गई पाठशाला में बच्चों की पढ़ाई प्रारंभ होने की जानकारी मिलने के बाद बेलवा कोठी के मैनेजर ने बापू की कुटी तथा पाठशाला में आग तक लगवा दी। परन्तु, बापू ने उसे कोई जवाब नहीं दिया। जवाब स्थानीय लोगों ने दिया। उन्होंने पाठशाला का निर्माण नए सिरे से करा दिया। इस बार ईंट से इसका निर्माण हुआ। इसे फूस से नहीं बल्कि ईट से बनाया गया। पाठशाला और कटी दोबारा बनकर तैयार हो गई। आजादी मिलने के साथ ही इस आश्रम से पाठशाला को अलग कर दिया गया।

दावों से अलग है हकीकत

दावा : दावेदारों के मुताबिक बालिका जन्मजात गूंगी व बहरी है।

हकीकत: बालिका को सुनने में परेशानी नहीं।हां, वह अभी शब्द नहीं बोल पाती लेकिन चीखती है।

दावा : निर्वाण संस्था पहुंचे लोगों ने खुद को बच्ची का दादा व ताऊ

हकीकत: जब बच्ची से उनकी मुलाकात कराई गई तो उसका दोनों के प्रति ऐसा कोई रिएक्शन नहीं था जिससे लगे कि वह उन्हें पहले से जानती है।

दावा: बच्ची की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी और इश्तिहार के पर्चे भी बांटे गए थे। हकीकत: जौनपुर में मुंगरा बादशाहपुर

थाने के सीयूजी नंबर 9454403610 पर जानकारी की गई तो थानाध्यक्ष तहसीलदार सिंह ने जांच कर बताया कि इस तरह की कोई गुमशुदगी दर्ज नहीं है। इश्तिहार में दिए नंबरों पर पड़ताल की गई तो दोनों नंबर लगातार बंद बताते रहे। तीसरा नंबर जौनपुर के सराय थाना निवासी राकेश कुमार का पाया गया।जो दावा करने वालों को जानता तक नहीं और उसका घर बालिका के बताए गए घर से तकरीबन 60 किलोमीटर दूर है।

दो से अधिक बच्चे वालों को सरकारी नौकरी नहीं

गवाहाटी: असम सरकार ने रविवार को जनसंख्या नीति का मसौदा घोषित किया। इसमें दो से अधिक बच्चे वाले लोगों को सरकारी नौकरी नहीं देने की बात कही गई है। इसके अलावा राज्य में लड़कियों के लिए विश्वविद्यालय स्तर तक निशुल्क शिक्षा की बात कही गई है। असम के स्वास्थ्य मंत्री हेमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी में प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हमने जनसंख्या नीति के मसौदे में सुझाव दिया है कि जिन लोगों के दो से अधिक बच्चे होंगे उन्हें सरकारी नौकरी के योग्य नहीं माना जाएगा। इस शर्त को पूरा करने के बाद नौकरी पाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सेवा की समाप्ति तक इस नियम का पालन करना होगा। वहीं राज्य चुनाव आयोग द्वारा कराए जाने वाले पंचायत और नगरपालिका चुनाव के उम्मीदवारों पर भी यह नियम लागू होगा।' मंत्री के मुताबिक बाल विवाह करने वाले लोग सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य हो जाएंगे। इस नीति में राज्य जनसंख्या परिषद और राज्य जनसंख्या शोध केंद्र के गठन का भी प्रस्ताव किया गया है।

सेल्फी लेते खाई में गिरी पर्यटक, मौत

चंबा: परिवार के साथ पंजाब से खजियार घूमने आई महिला को सेल्फी के चक्कर में जान से हाथ धोना पड़ा। मृतका की पहचान राजवीर कौर पत्नी जगदीप कौर (37) निवासी बटाला पंजाब के रूप में हुई है। महिला परिवार के साथ खजियार के साथ गेट व ढुगली में घूमने आई थी।इस दौरान सेल्फी लेने के लिए एक बड़े पत्थर पर चढ़ गई। अचानक उसका पांव फिसल गया और वह खाई में जा गिरी। परिजनों ने घायलवस्था में महिला को क्षेत्रीय अस्पताल चंबा पहुंचाया। वहां महिला ने दम तोड़ दिया। मामले में पुलिस मायके पक्ष का भी बयान दर्ज करेगी। इसके बाद पुलिस अगली कार्रवाई करेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद शर्मों का कहना है कि अस्पताल में पहुंचने से कुछ समय पहले ही महिला की मौत हुई है।

बिहार के भागलपुर में दो पक्षों के बीच तनाव, आगजनी

भागलपुर: बिहार के भागलपुर जिले के मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र के बाल्टी कारखाना चौक के पास स्थित एक धार्मिक स्थल पर रविवार सुबह शरारती तत्वों ने एक डिब्बे में अपवित्र सामान और आपत्तिजनक पत्र रख दिया। इसे लेकर दो पक्षों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। लोगों ने मुख्य सड़क पर जाम लगाते हुए आगजनी की और नारे लगाए। प्रशासन ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद लोगों को समझाकर शांत किया।

रायपुर रेलवे स्टेशन की पार्किंग में आग, सैकड़ों वाहन जले

रायपर : छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर रेलवे स्टेशन स्थित दोपहिया पार्किंग में रविवार दोपहर भीषण आग लग गई। गाड़ियों के फ्यूल टैंक लगातार फटते रहे। कुछ लोग बाइक को खींचने दौड़े, लेकिन तेज लपटों के आगे उनकी एक न चली।घटना स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। कछ ही देर में आग बेकाबू हो चुकी थी। दमकल की चार गाड़ियों को आग पर काबू पाने में दो घंटे लग गए। जीआरपी के अनसार, लगभग 230 दोपहिया वाहन खाक हो गए। पार्किंग में दो हजार से अधिक दोपहिया वाहन खड़े थे। घटना की सूचना मिलते ही रेल व पुलिस के अफसर मौके पर पहुंचे।आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शहर के हर कोने से आसमान में गहरा काला धुआं दिखाई दे रहा था। पार्किंग के एक तरफ होटल. धर्मशाला और कॉलोनी है, जबकि दूसरी तरफ रेलवे पार्सल गोदाम। अच्छा रहा कि न आग फैली और न ही कोई जनहानि हुई।

तिरंगे की बेअदबी पर गृह मंत्रालय में शिकायत

अमृतसर: अटारी सीमा पर देश के सबसे ऊंचे 350 फट और अमृत आनंद बाग में 170 फुट ऊंचाई पर लगे तिरंगे का विवाद थमता दिखाई नहीं दे रहा है।बार-बार तिरंगे के फटने का कड़ा संज्ञान लेते हुए आरटीआई एक्टीविस्ट एडवोकेट पीसी शर्मा ने मिनिस्ट्री आफ होम अफेयर के ज्वाइंट सेकेटरी डॉ. आरके मित्रा को इसकी आनलाइन शिकायत भेजी है।

लाल आतंक > झारखंड में पीएलएफआइ की फायरिंग में थाना प्रभारी और सिपाही शहीद

सरेंडर के लिए हाथ उटा झोंक दी गोलियां करोड़ से कमन मिले मुआवजा

डीजीपी ने कहा, झारखंड से उग्रवादियों का नौ माह में करेंगे समूल नाश जागरण संवाददाता, सिमडेगा

झारखंड के सिमडेगा जिले में शनिवार की देर रात पीएलएफआइ (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) उग्रवादियों की फायरिंग में बानो थाना प्रभारी विद्यापित सिंह और सिपाही तुराम बिरूली

सिमडेगा के एसपी राजीव रंजन ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि बानो मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूरी पर स्थित बड़काटोली में बिरसा महतो के घर में पीएलएफआइ कमांडर गुज्जू गोप तथा अन्य बड़े उग्रवादी ठहरे हुए हैं। जानकारी के बाद उन्होंने बानो, कोलेबिरा तथा महाबुआंग थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम का गठन कर छापामारी करने का निर्देश दिया था। इसके बाद पुलिस ने उक्त घर की घेराबंदी

की और उग्रवादियों को सरेंडर करने को कहा। उग्रवादियों ने हथियार गिराकर हाथ खडे कर दिए, इसी क्रम में अचानक उग्रवादी हथिया उठाकर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। इसमें ने घटनास्थल पर और विद्यापित ने अस्पताल उग्रवादी भाग गए। घटना में एक अन्य पुलिस



उग्रवादियों से मुठभेड़ में शहीद हुए थाना प्रभारी विद्यापति सिंह को श्रद्धांजलि देते डीजीपी डीके पांडेय ।

में दम तोड़ दिया। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई विद्यापित और तुराम को गोली लग गई। तुराम की, लेकिन अंधेरा तथा जंगल का लाभ उठाकर

जवान लोरिक सिंह भी घायल हो गया। लोरिक शहीद थाना प्रभारी विद्यापित सिंह का साला है। जिस घर में मुठभेड़ हुई, उसके मालिक बिरसा

भागने के क्रम में गिरकर घायल हो गई है। घटना के बाद पुलिस घर के मालिक समेत दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को दस-दस लाख मुआवजा : झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने माओवादियों से मुठभेड़ में शहीद बानो के थाना प्रभारी विद्यापित सिंह व सिपाही तुराम बिरूली के आश्रितों को 10-10 लाख रुपये देने की घोषणा की है।

शहीद सैनिकों के परिवारों को भी पांच-पांच लाख: जम्मू कश्मीर में शहीद हुए झारखंड के तीन बेटों के परिवारों को राज्य सरकार पांच-पांच लाख रुपये देगी। मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अपने विवेकाधीन कोटे से तीन-तीन लाख रुपये अतिरिक्त देने की घोषणा की है। इससे पर्व राज्य सरकार ने दो-दो लाख रुपये शहीद सैनिकों के परिजनों को देने की घोषणा

दूसरी ओर शहीदों को श्रद्धांजलि देने सिमडेगा पहुंचे झारखंड के डीजीपी डीके पांडेय ने कहा कि 2017 के शेष बचे नौ महीने झारखंड में पीएलएफआइ उग्रवादियों के लिए आखिरी साबित होंगे। उग्रवादियों को समूल नाश करने का अभियान जोर-शोर से जारी रहेगा। पुलिस पर बानो में किए गए हमले से सरकार अथवा पलिस के मनोबल पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

शहीद के परिजनों को एक



नई दिल्ली में शौर्य दिवस समारोह में वेब पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन 'भारत के वीर' लांच किया गया। एक शहीद की मां को सम्मानित करते राजनाथ सिंह, साथ में अभिनेता अक्षय कुमार।

नई दिल्ली, प्रेट्ट: केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सरकार की कोशिश है कि किसी भी शहीद के परिवार को कम से कम एक करोड़ रुपये मुआवजा मिले। रविवार को वह एक सरकारी वेबसाइट के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। उनके साथ अभिनेता अक्षय कुमार भी मौजूद थे। वेबसाइट के जरिए कोई भी आम आदमी शहीद के परिवार को अधिकतम 15 लाख रुपये तक की सहायता दे सकता है।

राजनाथ ने कहा कि इसके लिए वह अपने देश के लोगों के समक्ष हाथ फैलाने को भी तैयार हैं। देश इन जवानों का ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बलों के जवान के शहीद होने पर 50 से 60 लाख रुपये का मुआवजा मिल पाता है। हमारी कोशिश है कि बाकी जो अंतर बचा है उसे पूरा करके इस राशि को एक करोड़ किया जाए। वेबसाइट लांच करने की योजना तब बनी जब लगभग ढाई माह पहले अभिनेता अक्षय कुमार ने उनसे संपर्क किया। उनका इरादा था कि देश की 125 करोड़ की जनता को शहीदे की मदद के लिए तैयार किया जाए। गृह मंत्री ने कहा कि जवानों के अदम्य साहस का ही फल है कि अब पर्वोत्तर के राज्यों के साथ कश्मीर में भी हालात काफी हद तक सुधर रहे हैं। वेबसाइट के जरिए पैसा एकत्र करने में स्टेट बैंक आफ इंडिया भी अपनी सेवा दे रहा है। गृह मंत्री ने इस मौके पर 93 वर्षीय हवलदार बलजीत सिंह व कमांडेंट बीएस त्यागी को सम्मानित किया

उप्र में महिलाओं संग युवा भी ठेकों के विरोध में उत्तरे

शराब ठेकों के खिलाफ आधी आबादी के आक्रोश के समर्थन में अब युवा भी आ गए हैं। रविवार को विभिन्न स्थानों पर उनके साथ युवाओं ने भी ठेकों पर हल्ला बोला। तोड़फोड़ व हंगामा किया। उधर, बीते दिनों हुए बवाल में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कई जगहों पर गिरफ्तारियां की। इसके बावजूद आंदोलन की रफ्तार नहीं थम रही।

लखीमपुर में आमरण अनशन पर बैठे दोनों युवकों की हालत बिगड़ने पर रविवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों महिलाएं के साथ युवा भी समर्थन में घरों से निकले और दो स्थानों पर मार्ग जाम किया। बछरावां में ठेके पर तोड़फोड़ की। फैजाबाद में शराब की पेटियों को फूंकने पर मुकदमा पूर्वांचल के वाराणसी में लोहता और

चोलापुर के अलावा मऊ में विरोध प्रदर्शन हुआ। मीरजापुर के सीखड़गांव में और आजमगढ़ के रानीसराय में ठेके पर तोड़फोड़ की गई। सोनभद्र के अनपरा व बलिया के भोजापुर मोड़, सवंरुबांध में महिलाओं ने ठेकों को जबरन बंद करा दिया। कुशीनगर में गांव रामपुर बरहन में शनिवार को हुई तोड़फोड़ में देर रात पुलिस ने नामजद नौ महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया।

आगरा में पचकुइयां में शराब ठेके पर सैकड़ों महिलाएं और युवकों के हंगामे के बाद पुलिस ने ठेका बंद करा दिया। बदायूं के कबूलपुरा और लोटनपुरा और मूसाझार्ग के खिलाफ आंदोलन जारी है।

जम्मू में हाईवे पर 112 बार पर लगा ताला

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद जम्मू संभाग में नेशनल हाईवे पर स्थित 112 बार पर ताला लग गया है। एक्साइज विभाग ने होटलों व रेस्तरां में चल रहे बार के लाइसैंस रद कर दिए हैं। इससे पूर्व विभाग ने हाईवे पर स्थित करीब 100 शराब की दुकानों को शिफ्ट कर दिया था। लखनपुर से कुंजवानी और वहां से सिद्दड़ा के रास्ते कश्मीर तक तथा दूसरी तरफ जम्मू-अखनूर हाईवे पर 112 होटल व रेस्तरां में बार चल रहे थे। एक्साइज विभाग ने सभी के लाइसेंस रद कर दिए हैं।

थाना क्षेत्र के गांव अहोरामई में ठेकों में तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने 20 महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। अलीगढ़ में ठेके पर तोडफोड की गई।

पुलिस ने चार महिलाओं को हिरासत में ले लिया। हाथरस में सासनी के लटसान में ठेके पर तोड़फोड़ व आगजनी में चार की गिरफ्तारी हुई। बिजनौर के गांव ढक्का में ग्रामीणों ने कोतवाली थाने का घेराव किया। गांव उमरी व राहू नंगली में ठेका बंद करा दिया। लोगों ने चांदपुर में ठेके पर तोड़फोड़ की। अन्य कई जगहों पर भी ठेकों

पंजाब में सड़कों पर ग्रामीण

शराब के नशे के विरोध की आग की लपटें पंजाब भी पहुंच गई हैं। आबादी के निकट खुलने वाले ठेके के खिलाफ रविवार को गुरदासपुर, पटियाला, होशियारपुर, संगरूर, मोगा और नंगल में ग्रामीणों ने ठेकों पर धावा बोल दिया। उन्होंने सडक जाम कर ठेके बंद करने के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर उनके इलाके में ठेके खोले गए तो इससे उत्पन्न होने वाली स्थिति के लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा।

गुरदासपुर के अड्डा रणजीत बाग के निकट ठेका खुलने के विरोध में गांववासियों ने गरदासपर-पठानकोट नेशनल हाईवे जाम कर ठेकेदार व एक्साइज विभाग के खिलाफ प्रदेशन किया। एक्साइज विभाग के अधिकारियों का कहना है कि विभाग ने उक्त जगह पर ठेका खोलने की अनुमति ही

नहीं दी है। इसी तरह समाना (पटियाला) के गांव जोड़ियां घनौड़ में शराब का ठेका खोलने से ग्रामीण भड़क उठे और ठेके का शटर गिरा दिया। कुछ देर बाद ठेकेदार ने फिर बिक्री आरंभ कर दी। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने ठेके पर धावा बोल दिया और जमकर तोड़-फोड़ की। इस दौरान महिलाएं सड़क के बीच बैठ गईं और जाम लगा दिया। वहीं, नंगल (रूपनगर) गांव कथेडा की महिलाओं ने गांव में खोले गए ठेके के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। संगरूर के गांव घोड़ेनब राजपुतां में ठेका गांव से हटाने के लिए दूसरे दिन भी सङ्क पर धरना-प्रदर्शन किया। होशियारपुर में हरियाना-दसूहा राज्य मार्ग और हरियाना-ढोलवाहा मार्ग स्थित लड़िकयों के स्कूल और आइटीआइ के निकट खोले गए ठेके को बंद करवाने के लिए प्रदर्शन किया गया। मोगा के अमृतसर रोड पर बस्ती अलीपुर के पास खुले शराब के ठेके के खिलाफ मोहल्लावासियों ने नारेबाजी की।

राजधानी एक्सप्रेस में लूटपाट, छह जवान निलंबित

जागरण संवाददाता, गाजीपुर

पूर्व मध्य रेलवे दानापुर मंडल के गहमर होम सिग्नल के पास रविवार भोर में नई दिल्ली-राजेंद्रनगर राजधानी एक्सप्रेस की चार बोगियों में डकैतों का कहर बरपा। राजेंद्रनगर जा रही राजधानी एक्सप्रेस के दर्जनभर यात्रियों से हजारों की नकदी, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान लूटकर डकैत आराम से फरार हो गए। ट्रेन की सुरक्षा में तैनात दस्ते को इसकी भनक तक नहीं लगी। ट्रेन जब पटना पहुंची और यात्रियों ने हंगामा करना शुरू किया तब जीआरपी को जानकारी हुई। इसके बाद उच्चाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल के बाद ट्रेन की सुरक्षा में लगे एक उपनिरीक्षक व छह जवानों को निलंबित कर दिया गया। जबकि कोच अटेंडेंट संजय पासवान को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। ए-3, ए-4, बी-7, बी-8 तथा बीई-1 कोच के यात्री लुटेरों के

जीआरपी के अधिकारी लूट से इन्कार कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रेन में लूटपाट नहीं बल्कि चोरी हुई है। नई दिल्ली से राजेंद्र नगर जा रही राजधानी एक्सप्रेस गहमर पहुंची तो भोर के तीन बजकर 24 मिनट पर अचानक सिग्नल लाल हो गया। यह देख चालक ने ट्रेन रोक दी। उसी दौरान बोगी ए-4 व सात के अलावा दो अन्य बोगियों में दर्जनभर बदमाश घुस गए। वे यात्रियों से लूटपाट करने लगे। डर के चलते यात्री इसका विरोध नहीं कर सके। करीब 3.53 बजे ट्रेन खुलने से पहले बदमाश भाग निकले। करीब आधे घंटे तक ट्रेन में यात्रियों से लुटपाट होती रही पर ट्रेन सुरक्षा में तैनात जीआरपी जवानों को इसकी भनक तक नहीं लगी।

ये यात्री हुए शिकार: मनीषा अग्रवाल



पटना में रविवार को पटना जंक्शन पर नई दिल्ली–पटना राजधानी एक्सप्रेस के लूटपाट पीड़ित यात्रियों ने हंगामा किया।

कागजात व एटीएम कार्ड समेत अन्य सामान लेकर चलते बने। बोगी ए-4 में सफर कर रहे वैशाली बिहार के जंदाहा निवासी नीरज कुमार जायसवाल की मां प्रेमशीला से हजारों रुपये लूट लिए। इसी बोगी से डकैतों ने डॉ. नेहा प्रसाद व उनके पति डॉ. अभिषेक कुमार का भी पर्स लूट लिया। गर्दनीबाग पटना की मंजू सिंह से हजारों की नकदी, सोने की अंगूठी व मोबाइल लूट लिया। पाटलिपुत्र कालोनी पटना निवासी प्रज्ञा भारती से लूट का प्रयास ट्रेन खुलने के चलते सफल नहीं हुआ।

पटना के जीआरपी एसपी जितेंद्र मिश्र ने बताया कि जांच में यह बात सामने आई कि बदमाश मुगलसराय स्टेशन से ट्रेन में सवार हुए थे। घटना को अंजाम देने के बाद गहमर स्टेशन पर उतरकर फरार हो गए। यात्रियों द्वारा बताए ्गए हुलिए के आधार पर बदमाशों की तलाश की 👚 चर्चा है कि मुगलसराय से पटना तक सफर के 👚 कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

जा रही है। ट्रेन सुरक्षा में तैनात एक उपनिरीक्षक व छह जीआरपी के जवानों को निलंबित कर

यात्री बोले, पैसे देकर मुगलसराय ं **चढ़े लुटेरे :** राजधानी एक्सप्रेस में योजना बनाकर लूट की गई है। यात्रियों का कहना है कि मुगलसराय में ही छह-सात अपराधी टीटीई को पैसे देकर ए-4, बी-7, बी-8 और दूसरे कोच में सवार हो गए थे। पहले उन लोगों ने रैकी की। उनके कुछ साथी गहमर स्टेशन पर पहले से खड़े थे। ट्रेन के वहां पहुंचने से पहले ही उन लोगों ने सिक्का फंसाकर सिग्नल को लाल कर दिया। मुगलसराय के बाद सारे टीटीई पैंट्रीकार में जाकर चादर तानकर सो जाते हैं। एस्कॉर्ट की टीम भी उनके साथ बगल में सो जाती है। कोच अटेंडेंट ने ही अपराधियों को टीटीई से मिलवाया था।

शामली : कैराना में आतंक का पर्याय

बना फुरकान कभी मुकीम काला के साथ

अपराध करता था। रंजिश में पड़ोसी की

हत्या के बाद वह वारदात करता चला गया।

उसने अपने गुरु मुकीम के सामने कैराना

में ही रंगदारी का साम्राज्य स्थापित कर

लिया। वह रंगदारी की मांग पूरी न करने

पर व्यापारी को सरेआम मौत के घाट उतार

देता था। फरकान ने पहली हत्या मोहल्ला

आलकलां में की। रंजिशन की गई हत्या के

बाद वह जहानपुरा निवासी शातिर गैंगस्टर

मुकीम काला से जुड़ गया। मुकीम के साथ

इससे पहले दो बार हो चुकी है **राजधानी में लूट :** 2015 और 2016 में इसी राजधानी एक्सप्रेस को इलाहाबाद के नजदीक एक छोटे से स्टेशन पर रोककर कई कोच में लूटपाट हुई थी। लुटेरों का तौर-तरीका कुछ ऐसा ही था। लूट के बाद हंगामा हुआ तो सुरक्षा बढ़ा दी गई। अब मुगलसराय और बक्सर के बीच इस

लिए लुटेरों ने 500-500 रुपये दिए थे।

इस तरह की घटना घटी है। रेल मंत्री सक्रिय: रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने ट्वीट कर कहा है कि इस मामले में रेल मंत्रालय गंभीर है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एके मित्तल को उत्तर प्रदेश और बिहार के मख्य सचिव से यात्रियों की सुरक्षा के संबंध में बात कर कड़ी

्रेन को लक्ष्य किया गया है। मुगलसराय-पटना

रेलखंड पर राजधानी एक्सप्रेस में पहली मर्तबा

कैराना के गुनहगार फुरकान को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

जागरण संवाददाता, शामली

उप्र के शामली जिला स्थित कैराना में व्यापारियों के पलायन की बड़ी वजह बने 50 हजारी फुरकान को पुलिस ने शनिवार को मुठभेड़ के बाद दबोच लिया था। चार गोलियां लगने से वह गंभीर रूप से घायल भी है। उसे रविवार को अवकाश के दिन संगीनों के साए में शामली से कैराना कोर्ट में लाया गया। कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। उसे एंबुलेंस में कोर्ट लाया गया। इन हालात में एंबुलेंस में ही उसकी बयान की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान वह कभी आंख खोलता तो कभी बंद कर लेता था। सिविल जज जूनियर डिवीजन कमल सिंह ने फुरकान को 14 दिन न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेज दिया। भीड़ और मीडिया को फुरकान से दूर ही रखा गया।

जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज : शनिवार की सुबह पुलिस ने कुख्यात फुरकान को आल्दी के जंगल में घेर लिया था। फुरकान

दिल्ली हाईकोर्ट

के आदेश में

टाइप संबंधी

था रिहा,

गलती से हो गया

इसी अदालत ने

फैसला बदला तो

सर्वोच्च अदालत

में लगा दी

याचिका



कड़ी सुरक्षा में शामली से कैराना लाया गया कुख्यात, हालत गंभीर होने के कारण एंबुलेंस में पूरी हुई बयान प्रक्रिया

ने पुलिस पर पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी थी। जवाब में पुलिस ने भी कुख्यात पर आठ राउंड फायरिंग की थी। आधे घंटे चली मुठभेड़ में पुलिस की ओर से की गई फायरिंग में फुरकान

को चार गोलियां लगी थीं, जबिक गोली लगने से सिपाही शहजाद अली व अंकित तोमर भी घायल हो गए थे। घटना के संबंध में शनिवार

उसने दर्जनों संगीन वारदातों को अंजाम दिया। रंगदारी नहीं देने पर जिस अंदाज में फुरकान ने व्यापारी विनोद सिंघल की हत्या की थी, उसने पूरे कैराना को हिलाकर रख दिया था। सूत्रों की मानें तो इस वारदात से व्यापारी बेहद खौफजदा हो गए। वर्ष 2014 के बाद तो फुरकान ने कई बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया। सूत्रों की मानें तो पलायन मुद्दे में फुरकान बड़ी वजह रहा। उसके खौफ से अनेक व्यापारियों ने कैराना को अलविदा कहा। फुरकान जेल में रहते हुए भी व्यापारियों से रंगदारी वसूलता रहा।

फुरकान पर मुठभेड़ के दौरान जानलेवा हमले

का मुकदमा दर्ज कराया था। घायल फुरकान की

हालत में मामूली सुधार ही आ पाया है। इसलिए, देर एसपी अजयपाल शर्मा ने अपनी ओर से एंबुलेंस में ही कोर्ट में लाया गया।

मुकीम के साये में फैलाया रंगदारी का कारोबार

राहत नहीं

ट्रायल कोर्ट से दो हत्याओं के मामले में सुनाई सजा के दोषी को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी राहत, डबल बेंच ने कहा कि मौजूदा स्थिति में यह तर्कसंगत नहीं



पहले आत्मसमर्पण करे दोषी, फिर होगी सुनवाई

गिरफ्तार करें। इस फैसले के खिलाफ जितेंद्र ने सुप्रीम

कोर्ट में अपील की। सर्वोच्च अदालत की डबल बेंच

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश की टाइप संबंधी गलती से रिहा हुए एक दोषी को सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी राहत देने से मना कर दिया है। डबल बेंच ने कहा कि पहले दोषी आत्मसमर्पण करे, उसके बाद ही याचिका पर सुनवाई होगी और तभी उसे किसी तरह की राहत देने पर विचार किया जा सकता है।

याचिकाकर्ता जितेंद्र को ट्रायल कोर्ट ने दो मामलों में तीस साल कैद की सजा सुनाई थी। 10 मार्च 1999 को जितेंद्र नार्थ दिल्ली में आयोजित एक विवाह समारोह में जबरन घुसा और सत्यवती कालेज के तत्कालीन अध्यक्ष अनिल भदाना की गोली मारकर हत्या कर दी। अगले दिन उसने एक और हत्या कर दी। इस बार उसका शिकार भदाना मामले में गवाह बने युवक का पिता था। उनकी छाती में जितेंद्र ने तीन गोलियां मारीं। निचली अदालत ने उसे तीस साल कैद की सजा सुनाई। यानि उसे सारी उम्र जेल में ही काटनी थी। वह दिल्ली विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र है।

जितेंद्र की रिहाई दिल्ली हाईकोर्ट के 24 दिसंबर 2016 के आदेश से संभव हो सकी। हालांकि इसी अदालत ने अपनी गलती में सुधार करते हुए 14 फरवरी 2017 को एक नया आदेश दिया, जिसमें जितेंद्र को फिर से गिरफ्तार करने की बात कही गई।



पहले के आदेश में हाईकोर्ट ने कहा था कि जितेंद्र 16 के जस्टिस एके सिकरी व अशोक भूषण ने जितेंद्र के साल 10 माह जेल में काट चुका है। अगर किसी और मामले में उसकी जरूरत नहीं है तो वह रिहा किया जाना चाहिए। तब हाईकोर्ट ने माना था कि जितेंद्र को मिली सजा बहुत ज्यादा है। जितेंद्र एक बार बाहर आया तो हमेशा के लिए गायब हो गया। हाईकोर्ट ने अपने पुराने मौजूदा स्थिति में यह तर्कसंगत नहीं है। फैसले से दो लाईनों को हटाते हुए दिल्ली पुलिस के आयुक्त को आदेश दिया कि वह तत्काल दोषी को

वकीलों को लताड़ ते हुए कहा कि पहले वह पेश हो फिर जमानत या अन्य कोई राहत देने पर विचार किया जाएगा। हाईकोर्ट के 14 फरवरी व 22 मार्च के फैसले पर स्टे देने से इनकार करते हुए डबल बेंच ने कहा कि

सुप्रीम कोर्ट ने इसी मामले के पीड़ित पक्ष की एक अन्य याचिका पर दिल्ली सरकार को नोटिस दिया है। उनकी मांग है कि जितेंद्र को गिरफ्तार करके तत्काल जेल में भेजा जाए।

सर्राफ को कार में बांधकर जिंदा जलाया

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर तेनुआ टोल प्लाजा के पास रविवार दोपहर कार में सवार शहर के सर्राफ नितिन अग्रवाल को अज्ञात लोगों ने जिंदा जला दिया। सड़क के किनारे खड़ी कार से आग की लपट उठती देख राहगीर ने टोल प्लाजा के कर्मचारियों को सूचना दी। दमकल गाड़ी के साथ पहुंचे कर्मचारियों ने आग बुझाई। कार का शीशा तोड़कर अंदर देखा तो अगली सीट पर बुरी तरह झुलसने से सर्राफ की मौत हो चुकी थी। उनका हाथ और पैर तार से बंधा था। वह रविवार की सुबह घर से बकाए धन की वसूली के लिए

दोपहर 12 बजे तेनुआ टोला प्लाजा से 500 मीटर पहले नीले रंग की एक कार रुकी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ ही देर बाद दो युवक कार से उतरे और गोरखपुर शहर की तरफ जा रही एक कार में बैठ गए। इसी बीच, टोल प्लाजा पर पहुंचे बाइक सवार ने कार में आग की लपट उठते देखी। उसने इसकी सूचना टोला प्लाजा के कर्मचारियों को दी। गाड़ी नंबर के आधार पर मृतक की पहचान घंटाघर के सर्राफ नितिन अग्रवाल के रूप में हुई

खेमका ने फिर फोड़ा ट्वीट बम

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

हरियाणा के सीनियर आइएएस अधिकारी डॉ. अशोक खेमका अक्सर चर्चाओं में रहते हैं। तीन भाइयों के बीच जमीनी विवाद में नेपाल बैठे एक भाई को वाट्सएप पर नोटिस भेजकर तकनीक का नया प्रयोग करने वाले खेमका ने अब एडवोकेट जनरल कार्यालय में तैनात कुछ वकीलों की काबिलियत पर सवाल उठाए हैं।

अशोक खेमका ने एक ट्वीट के जरिये कहा है कि एडवोकेट जनरल कार्यालय में कमजोर वकीलों के स्टाफ की वजह से सरकार का गुड गवर्नेंस (सुशासन) का लक्ष्य प्रभावित होता है। उनका यह ट्वीट विभिन्न अदालती मामलों में मजबूत पैरवी पर सवाल खड़े कर रहा है।

हरियाणा के एडवोकेट जनरल कार्यालय में उप महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता काफी संख्या में तैनात हैं। दिल्ली में अलग से अधिवक्ता काम करते हैं। सरकार हालांकि कुछ अधिवक्ताओं की सेवाएं खत्म कर चुकी है, लेकिन राजनीतिक दखलंदाजी ये यह पद भी बचे हुए नहीं हैं। अशोक खेमका ने ट्वीट में वाट्सएप पर नेपाल के काठमांडू में रह रहे एक व्यक्ति को वाट्सएप पर नोटिस भेजने पर भी



ने विभिन्न जांच आयोग बनाने पर भी खड़े

खुद ही प्रतिक्रिया जताई है। उन्होंने कहा कि तकनीक किसी भी समस्या के समाधान के लिए अच्छा साधन हो सकती है, अगर इसे अच्छे के लिए इस्तेमाल किया जाए तब। वाड्रा-डीएलफ लैंड डील का इंतकाल रद कर सुर्खियों में आए खेमका ने लगे हाथ विभिन्न जांच आयोग बनाने पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच आयोग बनाना न्याय में देरी की प्रक्रिया है माना जा रहा कि जस्टिस एसएन ढींगरा आयोग की रिपोर्ट पर अभी तक कोई नतीजा नहीं आने को लेकर खेमका ने यह प्रतिक्रिया जाहिर की है

दैनिक जागरण

प्रस्तावित ग्रेटर नगालिम में शामिल क्षेत्र

डिब्रूगढ्

जोरहत गोलाघाटन

अरुणाचल प्रदेश

उपलब्धि > आशा को मिला एशियन बिजनेस वूमेन ऑफ इयर का खिताब

दुनिया में भारतीय नारी शक्ति का डंका

ब्रिटेन में शिक्षा का अलख जगाने के लिए आशा को दादाभाई नौरोजी सम्मान से ब्रिटेन

2016 में मिल चुका है बिहार की बेटी को एशियन बिजनेस वुमेन ऑफ इयर का खिताब

जागरण सर्वाददाता , मुजफ्फरपुर

बड़ी-बड़ी बाधाओं को पार कर, आशा खेमका आज सफलता की उस ऊंचाई पर हैं, जहां हर



की जा चुकी हैं। शिक्षाविद आशा खेमका को शुक्रवार को लगातार दूसरी बार एशियन बिजनेस वूमेन ऑफ इयर का खिताब दिया गया है। इससे

भाजपा सांसद के कांग्रेसी पुत्र

गोधरा : पंचमहल से भाजपा सांसद प्रभात

चौहान के गोधरा तहसील के मेहलोल गांव

शाम छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने घर से

आइपीएल मैचों पर सट्टा लगाते तीन लोगों

को गिरफ्तार किया। प्रवीण के खिलाफ

पुलिस ने रविवार को मामला दर्ज किया।

पुलिस ने छापे में कुछ मोबाइल फोन, एक

एलसीडी टीवी और एक लैपटॉप बरामद

किया है। इनकी कुल कीमत करीब 1.13

लाख रुपये है। प्रवीण ने 2012 में राज्य

विधानसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर

लड़ा था, लेकिन हार गए।पिछले साल

दिसंबर में वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

स्थानीय अपराध शाखा के एक अधिकारी

ने स्पष्ट किया कि प्रवीण सिंह और उनके

का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, छापे के वक्त प्रवीण सिंह भी

अपने घर पर नहीं थे। लेकिन, अपराध

शाखा के पुलिस इंस्पेक्टर डीजे चावड़ा का

कहना है कि उनके (प्रवीण सिंह) परिसर

का इस्तेमाल सट्टेबाजी के लिए किया जा रहा था इसलिए उन्हें भी अभियुक्त बनाया

आइपीएल मैच में सट्टा लगाते

जयपुर : आइपीएल मैच शुरू होते ही

सट्टेबाज एक बार फिर संक्रिय हो गए

हैं।राजस्थान पुलिस ने मैच में सट्टेबाजी

के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया

है। पलिस ने आरोपियों के पास से काफी

सामान भी जब्त किया है। मामला भरतपुर

का है।पुलिस को मुखबिर के जरिए जुरहा

पीएस इलाके में सट्टा लगाये जाने की

सूचना मिली थी। जांच में सूचना पुख्ता

चलाया और सट्टेबाजी से जुड़े छह लोगों

को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने

आरोपियों के पास से 34 हजार रुपये नकद्

कई मोबाइल व लैपटॉप बरामद किया है।

सर्किल ऑफिसर राय सिंह बेनीवाल ने

बताया कि आरोपी गुजरात लॉयन और

पुलिस गिरफ्त में आए सट्टेबाजों से

पुछताछ कर रही है।

की परिक्रमा शुरू

कोलकाता नाइट राइंडर टीम के बीच होने

वाले मैच में सटटा लगवा रहे थे। फिलहाल

जयपुर में हस्तलिखित रामनाम

जयपुर : जयपुर में रविवर से एक अनठी

महापरिक्रमा शुरू हुई है। गोविंद देव जी

मंदिर में 52 अरब हस्तलिखित राम नाम

लाए गए हैं। भक्त इनकी परिक्रमा लगा रहे हैं।

यहां तीसरी बार ऐसी परिक्रमा का आयोजन

किया गया है। इससे पहले 2007 और

2012 में हस्तलिखित रामनाम महामंत्रों

की परिक्रमा हो चुकी है। अब पांच साल

बाद गोविंददेव जी मंदिर में एक बार फिर

यह आयोजन हो रहा है। त्रिवेणी धाम के

नारायणदास महाराज ने पूजन कर परिक्रमा

का श्रीगणेश किया। परिक्रमा 19 अप्रैल तक

चलेगी, जिसमें रामभक्त परिक्रमा करेंगे।

अजमेर का रामनाम धन संग्रह बैंक 30 वर्ष

से हस्तलिखित रामनाम संग्रहित कर रहा है।

निकली । जिसके बाद पलिस ने

छह गिरफ्तार

सांसद पिता दोनों अपने पैतृक गांव में अलग-अलग रहते हैं और भाजपा सांसद

सिंह चौहान के कांग्रेसी पुत्र प्रवीण सिंह

स्थित घर पर गुजरात पुलिस ने शनिवार

न्यूज गैलरी

के खिलाफ केस

सरकार ने पहली बार पुरस्कृत किया। शिक्षा क्षेत्र में योगदान के लिए ब्रिटिश सरकार उन्हें 'एशियन वुमेन ऑफ एचीवमेंट, ज्वेल ऑफ युके व मिडलैंड बिजनेस वुमन ऑफ द इयर' दे चुकी है। ब्रिटेन की महारानी ने 'आर्डर ऑफ ब्रिटिश एंपायर' से सम्मानित किया था।

कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजी जा चुकी हैं आशा

आशा खेमका कहती हैं कि भारत की महिलाओं में अपार संभावनाएं हैं। जरूरत है, उसे <u>उभारने की। सही दिशा न मिलने की वजह से कई बार प्रतिभाएं दब जाती हैं। आशा ने अपनी</u> चैरिटी भी शुरू की है। भारत में वे युवाओं के लिए स्किल सेंटर खोलना चाहती हैं।

पहले 2016 में भी उन्हें यह खिताब मिला था। इधर, पुरस्कार मिलने की सूचना पर सीतामढ़ी समेत अन्य जगहों पर खुशी की लहर है। आशा खेमका के चाचा रामशरण अग्रवाल कहते हैं कि पिछले 35 सालों से वह सतत कर्मयोगी की तरह कर्मशील है। सीतामढ़ी के सांसद रामकुमार शर्मा कहते हैं कि आशा खेमका मां जानकी की धरती

की बेटी है। ब्रिटेन में अवार्ड हासिल कर उन्होंने सीतामढ़ी और बिहार ही नहीं, पूरे देश का मान बढाया है।

सीतामढ़ी से ब्रिटेन तक का सफर: आशा खेमका मूल रूप से बिहार जिले के सीतामढ़ी जिले के कोट बाजार की निवासी हैं। प्रतिष्ठित व्यवसायी ऊंटवालिया परिवार के स्व

रामचंद्र अग्रवाल की पुत्री आशा की माध्यमिक शिक्षा कमला गर्ल्स स्कूल डुमरा में हुई। पंद्रह साल की उम्र में डॉ. शंकर लाल खेमका के साथ परिणय सूत्र में बंधीं। डॉ. खेमका ब्रिटेन में हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं। 1978 में वह तीन बच्चों और पित के साथ ब्रिटेन चली गई थीं। वह भारत में थोड़ी बहुत अंग्रेजी पढ़ी थीं।ब्रिटेन में उन्हें भाषा की समस्या आई। हालांकि, उन्होंने सोच लिया कि वह इस विषय का गहन अध्ययन करेंगी। इरादा मजबूत था, इसलिए जल्द ही सफलता

शुरुआती दौर में आशा ने सेक्रेटी बनने का कोर्स यह सोचकर किया कि पति की मदद करेंगी। लेकिन, जब उन्हें अन्यत्र नौकरी मिली तो आत्मविश्वास बढ़ा। इसमें बच्चों और पति का भरपुर सहयोग मिला। बेटे ने इतना सहयोग किया कि उनकी थीसीस टाइप कर दी। वर्तमान में वे ब्रिटेन में वेस्ट नॉटिंघमशायर कॉलेज की प्रिंसिपल हैं। आशा ब्रिटेन में एसोसिएशन ऑफ कॉलेजेज की अध्यक्ष भी हैं।

अर्जुन रामपाल ने फोटोग्राफरों से की मारपीट

कनॉट प्लेस के पांच सितारा होटल संगरीला में रविवार तड़के नाइट क्लब में बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल द्वारा डीजे बजाने के दौरान फोटो खींचना एक शख्स को महंगा पड़ा। इससे अर्जुन रामपाल इस कदर नाराज हुए कि उन्होंने कैमरे का फ्लैश लाइट छीनकर हवा में उछाल दिया। फ्लैश लाइट पार्टी में डांस कर रहे शोभित नामक शख्स के सिर पर गिरा और वह घायल हो गया। पीड़ित ने कनॉट प्लेस थाने में अर्जुन रामपाल के खिलाफ शिकायत दी है। हालांकि, पुलिस ने अब तक मामला दर्ज नहीं किया है।

नई दिल्ली जिला के पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पुलिस ने अर्जुन रामपाल से होटल में जाकर पूछताछ की, लेकिन उन्होंने जानबूझकर फ्लैश लाइट फेंकने की बात से इन्कार कर दिया। पुलिस होटल के सीसीटीवी कैमरे व मौके



पर मौजुद लोगों से पूछताछ कर रही है। अगर रामपाल के खिलाफ सुबत मिलता है तब पुलिस केस दर्ज कर कार्रवाई करेगी।

30 वर्षीय शोभित विदेशी कारों के डीलर हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि रविवार तड़के करीब 3.30 बजे नाइट क्लब में मस्ती में सभी डांस कर रहे थे। रामपाल डीजे बजाने लगे, तभी एक शख्स अर्जुन रामपाल उन्हें गुस्सा आ गया और उन्होंने कैमरा छीनकर फ्लैश लाइट निकाल लिया और उसे भीड की ओर हवा में उछाल दिया। फ्लैश उसके सिर पर गिरा। रामपाल ने इस घटना को गलत बताते हुए खंडन किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि उन्हें इसका कोई अंदाजा नहीं था कि इससे शोभित को चोट लग जाएगी। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने किसी पर जानबूझकर हमला नहीं

अर्जुन रामपाल ने यह भी लिखा है कि रविवार सुबह उनकी नींद खुली तो प्रशंसक पर हमला करने के संदेशों की बाढ़ आई हुई थी। न

जाने लोग ऐसी खबर कहां से लाते हैं? किसी पर हमला नहीं किया। गलत व फर्जी खबर है। अर्जुन ने नाइट क्लब में पार्टी से कुछ घंटे पहले दिल्ली पहुंचने के बारे में इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट

गड्ढे में समाई बस और कार

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई की मशहूर अन्ना सलाई (माउंट रोड) का एक हिस्सा रविवार दोपहर डेढ़ बजे धंस गया। इसमें एक कार और बस समा गई। बस में सवार यात्रियों को सकुशल बचा लिया गया।यह सड़क अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास है।इसके पास जेमिनी पुल के करीब चेन्नई मेट्रो के लिए टनल बोरिंग का काम चल रहा है। इसी की खुदाई के दौरान गड़ा बन गया। बस डाइवर ने बताया कि जब अड्डे पर बस रुकी हुई थी, तभी जमीन धंसनी शुरू हो गई। बस और कार के जमीन में समाने के तरत बाद पुलिस ने इलाके को घेर लिया।

पाक ने सात नौकाएं जब्त कर 42 भारतीय मछुआरों को पकड़ा

अहमदाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तानी समुद्री सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) ने सात नौकाओं को जब्त कर उन पर सवार 42 भारतीय मछुआरों को हिरासत में ले लिया है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के नजदीक दो अलग-अलग घटनाओं में इन मछुआरों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि तीन नौकाओं में सवार 18 मछुआरों को पीएमएसए ने शनिवार रात बंदी बनाया। जबकि रविवार को भी चार नौकाओं में सवार 24 मछआरों को पाकिस्तानी बलों ने हिरासत में ले लिया। जब्त की गईं नौकाएं ओखा और मंगरोल से हैं। मार्च में पाक ने 40 नौकाओं को जब्त कर 231 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था। 26 मार्च को पीएमएसए ने 19 नौकाओं को जब्त कर सौ भारतीय मछुआरों को हिरासत में लिया था।वहीं, भारतीय तटरक्षक बल ने भारतीय समुद्र से एक पाकिस्तान नौका को जब्त कर नौ पाकिस्तानी मछुआरों को गिरफ्तार किया था।

पाकिस्तानी सेना का सेवानिवृत कर्नल नेपाल सीमा से लापता

नेपाल में नौकरी की तलाश में आया पाकिस्तान का एक सेवानिवृत्त कर्नल भारत-नेपाल की सोनौली सीमा से सटे लुंबिनी और भैरहवा के बीच से चार दिन से लापता है। नेपाली सुरक्षा एजेंसियां उसको तलाश रही हैं। नेपाल स्थित पाकिस्तानी दूतावास ने भी पूरे प्रकरण की रिपोर्ट नेपाल सरकार से मांगी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नफीस जकारिया ने भी इस खबर की पुष्टि की है। विदेश मंत्रालय काठमांडू स्थित पाकिस्तानी दुतावास और नेपाली अधिकारियों के संपर्क में है।

नेपाल प्रशासन के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल मुहम्मद हबीब जाहिर अक्टूबर 2014 में सेवानिवृत्त हुए। वह फैसलाबाद में



गोरखपुर : नेपाल से लापता पाकिस्तान का कर्नल सेवानिवृत मुहम्मद हबीब । फाइल फोटो

रफहान मिल्स में कार्यरत थे। नौकरी पोर्टल लिंक्ड इन तथा संयुक्त राष्ट्र संघ की वेबसाइट में जाहिर ने अपना बायोडाटा पोस्ट किया था। एक माह पहले मार्क टम्सन नामक व्यक्ति ने जाहिर को ईमेल के जरिये संपर्क करके एक संस्था के क्षेत्रीय निदेशक पद के लिए शार्ट लिस्ट किया। अमेरिकी डालर 35900- 85000 तक वेतन और सुविधा सहित नौकरी के लिए छह अप्रैल

को काठमांडू आकर साक्षात्कार देने की बात का ईमेल में उल्लेख है। इसके बाद जाहिर ने ओमान होते हुए काठमांडू आने के लिए बिजनेस क्लास का टिकट लिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि जावेद अंसारी नामक एक व्यक्ति ने जाहिर से ओमान में मिलकर एक नेपाली मोबाइल फोन नंबर उपलब्ध कराया।

खुफिया सूत्रों के अनुसार, जाहिर छह अप्रैल को काठमांडू आ गए और उसी दिन भैरहवा के लिए उड़ान भरी। तभी से उनका पाकिस्तानी और नेपाली मोबाइल नंबर बंद चल रहा है। जाहिर के परिवार द्वारा पलिस को शिकायती पत्र दिए जाने की खबरें आ रही हैं। इंस्पेक्टर बेलहिया रवींद्र विष्ट ने बताया कि मामला संज्ञान में है। पड़ताल की जा रही है। महराजगंज के एसपी प्रमोद कुमार ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र के थानों को अलर्ट किया गया है।

संघर्ष में पिता-पुत्र व

काटकर लेने गए बाप-बेटे का जंगली भालुओं से अचानक सामना हो गया और अपनी-अपनी जान बचाने के चक्कर में बाप-बेटे तथा भालुओं ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। कुछ देर चले इस संघर्ष में बाप-बेटा और तीन भालुओं को

इस संघर्ष के दौरान मौके पर मौजूद तीसरा व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना ओडिशा के बौद्ध जिले के भागामुंडा जंगल की है। रविवार की सुबह भालियापड़ा गांव निवासी ब्रह्म भोई (50), पुत्र सुकांत (12) और एक अन्य व्यक्ति जोगेंद्र भागामुंडा जंगल से लकड़ी काटने गए थे। जब वे लोग लौट कर नहीं आए तो परिजन उन्हें खोजते हुए जंगल पहुंचे। वहां उन्हें पिता-पुत्र का शव खून से लथपथ पड़ा मिला। पास में ही तीन भालू भी मरे पड़े थे। जोगेंद्र ग्रामीणों को गंभीर अवस्था में कराहता मिला। उसे अस्तपाल में भर्ती करवाया।

समझौते का सच

वनगा समस्या का इतिहास बेहद पुराना है।आजादी के बाद से ही नगा लोग अलग प्रांत नगालिम के गठन की मांग कर रहे हैं। पूर्वोत्तर में शांति बनाए रखने के लिए दो साल पहले सरकार और यहां के प्रमुख अलगाववादी संगठन एनएससीएन के बीच समझौता हुआ। देश की सुरक्षा के मद्देनजर समझौते की शर्तों को गुप्त रखा

आजादी के बाद का मसला : अंग्रेजों ने असम पर 1826 पर कब्जा किया और 1881 में नगा हिल्स भी उनके कब्जे में आ गई। इसके विरोध में 1918 में नगा क्लब का गठन हुआ। 1946 में नगा नेशनल काउंसिल (एनएनसी) का गठन हुआ। इसकी अंगुवाई अंगामी जापो फिजो ने की और 14 अगस्त 1947 को नगालैंड को स्वतंत्र घोषित किया। स्वायत्त प्रांत बनने के लिए 1951 में फिजो ने वहां जनमत संग्रह कराया। इसमें ९९ फीसद लोगों ने अलग नगालैंड की मांग की। सशस्त्र आंदोलन की शुरुआत : 22 मार्च 1952 में फिजो ने गुप्त रूप से नगा फेडरल गवर्नमेंट और नगा फेडरल आर्मी का गठन किया। सशस्त्र आंदोलन की शुरुआत हुई। इस खून खराबे को रोकने के लिए भारत ने 1958 में वहां सेना भेजी।हिंसा के चलते पूर्वोत्तर में सशस्त्र दल विशेषाधिकार कानून (अफस्पा) लागू

शिलांग समझौता : ' 11 नवंबर 1975 में सरकार ने एनएनसी से शिलांग समझौता किया। इसके तहत एनएनसी और एनएफजी के नेताओं ने हथियार न उठाने के लिए समझौता किया।

शाति के प्रयास

पूर्वोत्तर में शांति बनाए रखने के लिए केंद्र ने असम में मौजूद नगा हिल्स को 1963 में अलग राज्य नगालैंड का दर्जा दिया। अगले साल ही जयप्रकाश नारायण और असम के तत्कालीन मुख्यमंत्री बिमला प्रसाद चलिह ने शांति मिशन की शुरुआत की।

एनएससीएन (आइएम) की मांग

नगालैंड के अलावा यह संगठन ग्रेटर नगालिम क्षेत्र के गठन की मांग कर रहा है । इसमें सभी नगा बहुल क्षेत्र शामिल हैं। यह क्षेत्र 1.2 लाख वर्ग किमी का है जिसमें असम, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के कई जिले शामिल हैं। फिलहाल नागालैंड का क्षेत्रफल केवल 16,527 किमी का है।

मोदी की पहल

• अगस्त २०१५ में एनएससीएन और मोदी सरकार के बीच समझौता हुआ। हालांकि दोनों पक्षों ने इसे पर्दे में ही रखा। मणिपुर विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि इस समझौते में मणिपुर के खिलाफ कुछ भी नहीं है।

नकारात्मक

परिणाम 🔻 समझौते के बावजूद एनएनसी हिंसा से बाज नहीं आई। 1967 में शांति समझौता

असलियत तो ये है कि वे अपनी

एक इंच जमीन भी ग्रेटर नगालैंड

के लिए देना नहीं चाहते।

अस्तित्व में आई एनएससीएन

थुइंगलेंग मुझ्वा के नेतृत्व में अलगाववादियों का 140 सदस्यीय दल उस वक्त चीन में था जिसने शिलांग समझौते को मानने से मना कर दिया। 1980 में नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड का गठन हुआ। 1988 में एनएससीएन,(आइएम) और (के) में विभाजित हो गई। तब से एनएससीएन(आइएम) पूर्वोत्तर में हिंसा का केंद्र है ।

शांति प्रक्रिया में शामिल हुआ

शांति प्रक्रिया में एनएससीएन (आइएम) पहली बार 1995 में शामिल हुआ। उसके शीर्ष नेताओं ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव से पेरिस में मुलाकात की थी। 1997 में प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा उनसे ज्युरिख में मिले । 1997 में भारत सरकार ने संगठन के साथ युद्ध विराम पर हस्ताक्षर किए। 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने भी शांति बहाल

करने के लिए इनसे पेरिस में मुलाकात की। कोई नहीं है तैयार 'पिछले महीने एनएससीएन के मुख्य • भले ही अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और असम ग्रेटर नगालिम के मुद्दे पर चुप हों पर

मुइवा के बयान पर विवाद

सचिव थुइंगलेंग मुझ्वा ने ये कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि भारत सरकार ने ग्रेटर नगालैंड की उनकी मांग को मंजूरी दे दी है। इस पर विपक्षी दल समझौते की सच्चाई सार्वजनिक करने की मांग कर रहे हैं।

इंदौर के 1800 डॉक्टर लेंगे बंदूक का लाइसेंस

इंदौर: अस्पतालों में आए दिन होने वाले विवाद व मारपीट की घटनाओं के मद्देनजर अब इंदौर के 1800 डॉक्टर बंदूक रखेंगे। अस्पतालों में बाउंसर भी तैनात किए जाएंगे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की इंदौर ब्रांच व नर्सिंग होम एसोसिएशन की बैठक में यह निर्णय

अस्पताल व नर्सिंग होम के प्रमुख डॉक्टरों की इस बैठक में तय हुआ कि सिर्फ सुरक्षाकर्मियों के भरोसे डॉक्टरों की जान नहीं बच सकती। इसके लिए प्राइवेट एजेंसी से बाउंसरों की सेवाएं भी ली जाएंगी। साथ ही इलाके के लिस्टेड गुंडों की सची अस्पताल में रखी जाएगी। इनके परिवार से किसी भी मरीज के भर्ती होने पर परिजन की विशेष काउंसलिंग की जाएगी, ताकि वे मरीज की अच्छी-बरी स्थिति से परिचित रहें। आइएमए अध्यक्ष डॉ. संजय लोंढे ने बताया कि दो-तीन दिन में सभी डॉक्टर बंदक के लाइसेंस के लिए आवेदन करने कलेक्टर के पास जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले 15 दिनों में शहर के विभिन्न अस्पतालों में तोड़फोड़ और डॉक्टरों से मारपीट की घटनाएं हुई हैं। आईसीय में तोड़फोड़

यूनीटेक के एमडी के खिलाफ एक और गैर जमानती वारंट

माला दीक्षित, नई दिल्ली

कोर्ट के आदेश पर जेल में बंद रीयल इस्टेट कंपनी यूनीटेक के प्रबंध निदेशक संजय चंद्रा और अजय चंद्रा के खिलाफ राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने भी गैर जमानती वारंट (एनबीडब्लू) जारी किया है। आयोग ने इसे आदेश का पालन न करने पर जारी किया है। आयोग ने कंपनी को आदेश दिया था कि वह फ्लैट खरीदार का पैसा ब्याज सहित

एक और गैर जमानती वारंट से चंद्रा बंधुओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्हें अगर पहले मामले अदालत से जमानत मिल भी जाती है तो भी वे जेल से नहीं छुटेंगे। दूसरे मामले में गिरफ्तार हो जाएंगे। उन्हें जेल से बाहर आने के लिए दोनों मामलों में जमानत लेनी होगी। लुधियाना के रहने वाले नवनीत छाबड़ा ने 13 जून, 2006 को ग्रेटर नोएडा की यूनीटेक हैबिटेट योजना में थ्री बेडरूम फ्लैट बुक कराया था। कंपनी ने उन्हें 36 महीने में फ्लैट देने का वादा किया था। छाबड़ा ने फ्लैट की कीमत के 65,36,379 रुपये जमा करा दिए। 95 फीसद कीमत अदा करने के बावजूद जब छह साल बाद भी फ्लैट नहीं मिला तो छाबड़ा ने कंपनी के खिलाफ एनसीडीआरसी में शिकायत की और ब्याज सहित फ्लैट की कीमत के कुल 1,61,53,885 रुपये दिलाने की मांग की। आयोग ने मामला सुनने के बाद



संजय चंदा

पिछले साल 5 मई को कंपनी को 18 फीसद ब्याज सहित फ्लैट की कीमत 65,36,379 अदा करने का आदेश दिया। लापरवाह रवैये के लिए 50,000 रुपये हर्जाने का भी आदेश दिया। आदेश के बावजूद कंपनी ने पैसा नहीं दिया। जिस पर नवनीत ने आयोग में आदेश के अनुपालन की अर्जी दी। अर्जी पर बहस करते हुए वकील सौरभ जैन ने कहा कि आदेश का पालन न करने पर कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट की धारा 27 में कंपनी के चेयरमैन और एमडी को जेल भेजा जाए। पूरी सुनवाई के बाद आयोग ने कहा कि देनदार के असहयोगात्मक रवैये के चलते उसके खिलाफ एनबीडब्लू जारी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

आयोग ने एनबीडब्लू जारी करते हुए संबंधित थानाध्यक्ष को उसे तामील करने का आदेश दिया है। आयोग ने कहा कि अगर एनबीडब्लू तामील नहीं होता तो संबंधित थानाध्यक्ष अगली तारीख 18 अप्रैल को पेश होकर कारण बताएं।

शेख हसीना खाजा की दरगाह में

भारत दौरे पर आई बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को अजमेर में सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में जियारत की। उन्होंने मजार पर अकीदत की चादर पेश कर भारत-बांग्लादेश की खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी। हसीना सुबह करीब दस बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंची और यहां से हेलिकॉप्टर से अजमेर पहुंचीं। निजाम गेट पर दरगाह से जुड़े लोगों ने उनका स्वागत किया। जियारत के बाद शेख हसीना वापस जयपुर होते हुए दिल्ली लौट गई।

बड़ा मुद्दा

तलाक को खत्म किए जाने की मांग को लेकर महिलाओं की जंग नई नहीं है।यह मामल नब्बे के दशक में भी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। शाहबानों मामले में तत्कालीन सरकार ने ढीला रवैया न अपनाया होता तो तस्वीर दूसरी होती

तीन तलाक के मसले पर जहां देश में बहस छिड़ी हुई है, वहीं राजस्थान की राजधानी जयपुर में इस विषय को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड महिला विंग की कांफ्रेंस आयोजित हो रही है। रविवार से शुरू हुई दो दिवसीय कांफ्रेंस में तफहीम-ए-शरिया विषयक सेमिनार में बोर्ड की सदस्यों ने तलाक को सरकार का नहीं समाज का मसला बताया। इनका कहना है कि शौहर अच्छा सुलूक नहीं करता तो बीवी के लिए यही सबसे अच्छा है कि वह रिश्ते से अलग हो जाए। समाज का मसला सरकार के जरिए नहीं समाज के जरिए ही सुलझाया जा सकता है। महिला शाखा की राजस्थान समन्वयक, यास्मीन फारूकी ने कहा कि कांफ्रेंस में महिला उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी दी गई। सेमिनार में शामिल प्रदेशभर से आई करीब 150 महिलाओं को संगठन की टेलीफोन हेल्प लाईन के बारे में भी बताया गया। बोर्ड की सदस्य निकहत खान ने कहा कि असल में अगर काम करने की



तीन तलाक सरकार नहीं समाज का मसला

मस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड महिला विंग की जयपुर में कांफ्रेंस

जरूरत है तो वह समाज सुधार के क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि तलाक के मामले मुस्लिम समाज में अन्य के मुकाबले बेहद कम हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पर्सनल कानून को बेवजह बदनाम किया जा रहा है। कांफ्रेस की चीफ ऑर्गेनाइजर डॉ. अस्मां जहरा ने कहा कि तीन तलाक का मसला शरीयत में है और इंसाफ के साथ है। इसके साथ छेड़छाड़ नहीं होनी

शौहर उसे पसंद नहीं करता, उसके साथ अच्छा सुलुक नहीं करता है तो उसको इस्लाम आजादी देता है कि वह उस रिश्ते से अलग हो जाए। फिर तीन महीने बाद उसकी दूसरी शादी हो सकती है। उल्लेखनीय है कि तीन तलाक को लेकर देश का

राजनीतिक तापमान चरम पर है। देश की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे पर रुख स्पष्ट करते हुए साफ कहा है कि वह इस मामले को मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव और उत्पीड़न का मामला मानती है। सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में भी इस मामले पर अपना रुख हलफनामे के साथ रखा है। वहीं कांग्रेस, सपा और अन्य राजनीतिक दल इस मामले में गोलमाल बात कह रहे हैं। मुसलमानों के अलमबरदार होने का दावा करने वाले राजनीतिक दल और तथाकथित स्वयंसेवी संगठन इसे धर्म पर हमला बता रहे हैं। कुछ धर्मगुरु भी इस मामले को सरकार और आरएसएस की साजिश करार दे रहे हैं। उनका कहना है कि कुछ भगवा संगठन इस मसले की आड में इस्लाम को बदनाम कर रहे हैं।

तीन भालुओं की मौत

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर : जंगल से लकड़ी अपनी जान गंवानी पड़ी।



खामोशी भी अक्सर कई सवालों का जवाब होती है

आस्था का सवाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने यह जो इच्छा प्रकट की कि देश भर में गोहत्या पर प्रतिबंध लगना चाहिए वह नई नहीं है। आरएसएस के साथ-साथ अन्य अनेक धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन इस तरह की मांग एक लंबे अर्से से करते चले आ रहे हैं। ऐसी मांग आजादी के बाद पहले भी की गई और बाद में भी। इससे भी सभी अवगत हैं कि इसके लिए समय-समय पर आंदोलन भी हुए। जो लोग यह समझ रहे हैं कि हिंदू समाज गोहत्या के लिए सहमत हो जाएगा वे एक तरह से जानबुझकर इस तथ्य की अनदेखी कर रहे हैं कि हिंदुओं के लिए गाय सदियों से आस्था का प्रतीक है और ऐसे प्रतीक कभी ओझल नहीं होते। आखिर इस देश में गाय के प्रति व्यापक हिंदू समाज की जो आस्था है उसका सम्मान क्यों नहीं हो सकता? जब अकबर समेत कई अन्य मुगल शासकों ने गोहत्या को निषेध बनाने की जरूरत समझी तो फिर आज कुछ लोग यह समझने से क्यों इन्कार कर रहे हैं कि हिंदू समाज में गाय की क्या महत्ता है? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब कभी हिंदू संगठन अपनी यह इच्छा प्रकट करते हैं कि गाय के प्रति उनकी भावनाओं को सम्मान मिले और उन राज्यों में चोरी-छिपे गोहत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगे जहां ऐसा करना निषेध है तो कुछ लोग तरह-तरह के कुतर्कों के साथ सामने आ जाते हैं। कई लोग तो ऐसे तर्कों के साथ हिंदू समाज को चिढ़ाने पर भी उतर आते हैं कि आखिर अन्य दुधारू पशुओं ने

यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाबंदी वाले राज्यों में गोहत्या की एक वजह हिंदुओं को चिढ़ाना और उन्हें नीचा दिखाना रहता है। बहुत दिन नहीं हुए जब संसद में यह कहा गया था कि गोमांस सेवन पर रोक लगाना लोगों को प्रोटीन युक्त खाद्य सामग्री से वंचित करना है। स्पष्ट है कि ये वहीं लोग हैं जो गाय को केवल आर्थिक दृष्टि से देखते हैं और उसकी धार्मिक-सांस्कृतिक महत्ता की अनदेखी करते हैं। किसी भी वर्ग-समुदाय के लिए गोमांस सेवन आवश्यक नहीं है। निःसंदेह यह भी नहीं कहा जा सकता कि इसके बिना किसी का काम नहीं चल सकता। आज जब मुस्लिम समाज के भी अनेक धार्मिक-राजनीतिक नेता गोहत्या पर प्रतिबंध की मांग के साथ गोमांस से परहेज करने का आग्रह कर रहे हैं तब फिर यह आवश्यक हो जाता है कि सभी लोग ऐसा माहौल बनाने में योगदान दें जिससे गोहत्या पर प्रभावी ढंग से प्रतिबंध लग सके। मोहन भागवत ने गोहत्या पर देशव्यापी प्रतिबंध की अपेक्षा प्रकट करने के साथ यह जो कहा कि गोरक्षा का कार्य अहिंसा का पालन करते हुए किया जाना चाहिए उस पर भी सभी को और विशेष रूप से उन हिंदु संगठनों को अनिवार्य रूप से गौर करना चाहिए जो गोरक्षा को लेकर सक्रिय हैं। गोरक्षा के नाम पर किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं मिल सकती। अलवर की दुर्भाग्पूर्ण घटना के बाद गोरक्षा को लेकर सक्रिय संगठनों को चेत जाना चाहिए। ऐसी घटनाएं गोरक्षा संगठनों के साथ-साथ अन्य अनेक हिंदू संगठनों की बदनामी का कारण बनती हैं। निःसंदेह गायों की देखभाल के तौर-तरीकों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है और इस पर भी विचार करने की कि बूढ़ी-बीमार गायों की

खतरे की आहट

जम्मु के विभिन्न क्षेत्रों में विदेशी मूल के म्यांमार के रोहिंग्या नागरिकों को अवैध रूप से बसाए जाने के मामले में जम्मवासी एकजट होना शुरू हो गए हैं। इतना ही नहीं, इस पर राजनीति भी गरमाने लगी है। रोहिंग्याओं को राज्य से बाहर निकालने को लेकर जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स के बयान के बाद कश्मीर चैंबर ने तो यहां तक कह दिया कि पश्चिम पाकिस्तान के शरणार्थी भी विदेशी मूल के हैं तो फिर उन्हें भी बाहर निकाल देना चाहिए। वैसे तो पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थियों की इनके साथ तुलना करने का कोई औचित्य ही नहीं है। उन्हें हिंदुस्तान के नागरिक होने का अधिकार प्राप्त है। यह दीगर बात है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 होने के कारण उन्हें राज्य की नागरिकता नहीं है। विडंबना यह है कि सरकार भी रोहिंग्याओं और बांग्लादेशी नागरिकों को राज्य से बाहर निकालने के पक्ष में नहीं दिख रही है। यह मुद्दा हालांकि विधानसभा में भी उठ चुका है, लेकिन मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती का कहना है कि राज्य में तेरह हजार के करीब रोहिंग्या और तिब्बती हैं। इतना ही नहीं, सरकार ने यूनाइटेड नेशन रिफ्यूजी कन्वेंशन, 1951 पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत बाहर निकालना उचित नहीं होगा। जम्मू संभाग के लोगों का तर्क है कि रोहिंग्याओं को एक साजिश के तहत यहां बसाया जा रहा और विदेशी मल के नागरिक अपराध और आतंकवादी घटनाओं में संलिप्त हैं। इनके यहां बसाए जाने के पीछे जम्मू की वास्तिवक स्थिति से खिलवाड़ है। रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों से जम्मू क्षेत्र की सुरक्षा को ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र को खतरा है, क्योंकि ये विदेशी नागरिक आतंकवादियों और उनके चहेतों के हाथों में खेल सकते हैं। यहां तक कि कुछ सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों ने एकजुट होकर रोहिंग्याओं के खिलाफ रैली निकाली और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। उनका मानना है कि रोहिंग्या व बांग्लादेशी जम्मू के डोगरों की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक पहचान के लिए खतरा हैं।

बेड़ियां तोड़तीं मुस्लिम औरतें



शहूर शायर फैज अहमद फैज ने

अरसा पहले अपनी एक नज्म के

जरिये औरतों को झकझोरने की

कोशिश की थी। नज्म कुछ यूं है, 'बोल कि

लब आजाद हैं तेरे, बोल जुबा अब तक तेरी

है।' उनकी इस नज्म ने महिलाओं पर गहरा असर

डाला। यह नज्म जगह-जगह गुनगुनाई जाने लगी

और अब इसका असर भी दिखने लगा है। यूं तो

औरतों पर बंदिशों की कमी नहीं, लेकिन मुस्लिम

समुदाय में ये कुछ ज्यादा नजर आती हैं। बहरहाल

औरतें अब बोलने लगी हैं। फैज आज जिंदा होते

तो यकीनन बेहद खुश होते कि औरतों ने अपने

हक में अपनी आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी

है। यह एक खुशनुमा सवेरे की दस्तक है। देश ही

नहीं दुनिया भर में मुसलमान औरतें बदल रही हैं

और सही मायनों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही

हैं। हाल के वर्षों में औरतों ने कई झंडे गाडे हैं जो

किसी नजीर से कम नहीं। इनमें से एक नाम है

इराक में यजीदी समुदाय की 15 साल की लड़की

लाम्या का। नौवीं कक्षा की छात्रा लाम्या को वर्ष

2014 में आइएसआइएस ने बंधक बना लिया

था। पांच मर्तबा उसकी खरीद-फरोख्त की गई।

किसी तरह आतंकियों के चंगुल से निकलकर

छटी यह लड़की आज दुनिया भर में घूम-घूमकर

अपनी दास्तान सुना रही है। वह उम्मीद जताती

है कि एक दिन दुनिया आइएसआइएस नाम के

नासुर से जरूर मुक्ति पा लेगी। पडोसी पाकिस्तान

में पख्तून औरतें भी बगावत पर उतर आई हैं और

वजीरिस्तान में उन्होंने खुद को 'सेक्स स्लेव'

बनाए जाने का तगड़ा विरोध किया। फ्रांस की

अपने अधिकारों के लिए खासी मुखर हुईं मुसलमान औरतों का संदेश साफ है कि अब उन्हें मजहबी खौफ से डराया नहीं जा सकता

> एक नेता मैरीन ली पेन को लेबनान यात्रा के दौरान सिर पर स्कार्फ पहनने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से साफ मना कर दिया। अपने अधिकारों के लिए सऊदी अरब की महिलाओं का संघर्ष भी धीरे-धीरे रंग लाया। नतीजतन 2014 के स्थानीय निकाय चुनाव में उन्हें पहली बार मताधिकार हासिल हुआ। इतना ही नहीं उन्हें चुनाव में उम्मीदवार बनने का अधिकार भी मिला और पहली बार ही 200 महिलाएं चुनावी मैदान में उतर गईं। मतदाता पंजीकरण कराने वाली पहली महिला सलमा अल रशादी ने कहा कि उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है, बदलाव एक बड़ा शब्द है, लेकिन चुनाव ही एक मात्र जरिया है जिससे हमें वास्तव में प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। 43 साल में पहली बार 20 वर्षीय शायमा अब्दर्रहमान मिस इराक चुनी गईं। इस आयोजन के मुख्य द्वार पर एके 47 की चाकचौबंद पहरेदारी में ही सही, चार दशकों में पहली बार किसी ने जंग की नहीं. बल्कि जिंदगी की बात की।ईरान की एक लड़की मसीह अलीनेजाद ने फेसबुक पर हिजाब फ्री कैंपेन चलाया, ईरानी लडकियों से बिना हिजाब वाली फोटो मंगाई और लाखों लड़कियों ने अपनी फोटो अपलोड कर दी। जबकि आज भी ईरान में बिना हिजाब निकलने पर गिरफ्तारी हो सकती है। ये मुसलमान औरतों के मुसलसल संघर्ष की मुकम्मल होती मिसालें हैं। भारत में भी मुस्लिम महिलाएं पितुसत्तात्मक

बेडियों को तोड़कर सफलता के नए प्रतिमान गढ़ रही हैं। हाजी अली दरगाह में अचानक महिलाओं का प्रवेश बंद कर दिया गया। मुस्लिम औरतों ने



इस पर बहस-मुबाहिसा किया। उससे बात नहीं बनी तो उन्होंने अदालत का रुख किया। इस पर अदालत में उन्हें मिली जीत से धर्म के ठेकेदार मुंह ताकते रह गए। शाहबानो मामले से लेकर सायरा बानो मामले तक आते-आते मुस्लिम महिलाएं काफी बदल गईं। उन्होंने तीन तलाक के मुद्दे को भी अदालत में चुनौती दे डाली और किसी भी स्त्री विरोधी मजहबी व्याख्या को मानने से इन्कार कर दिया। हरियाणा में एक साधारण सी लड़की ने सिर्फ इस वजह से निकाह करने से इन्कार कर दिया, क्योंकि वर पक्ष के यहां शौचालय नहीं था।

रोजाना बड़ी संख्या में आ रहे तीन तलाक के मामलों को लेकर महिलाएं मख्यमंत्री से मलाकात कर रही हैं। महिलाएं बाकायदा प्रतिनिधिमंडल गठित कर महिला कल्याण मंत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी के पास चली जाती हैं और उनसे पूछती हैं कि आप की पार्टी के चुनावी संकल्प पत्र में तीन तलाक का मसला भी था तो इस पर अब

उत्तर प्रदेश में नई सरकार बनने के साथ ही

इतिहास में पहली बार किसी राजनीतिक दल के चुनावी घोषणा पत्र में मुस्लिम महिलाओं की पीड़ा का पर्याय बने तीन तलाक के मसले को शामिल किया गया है। इसलिए अब जवाबदेही भी सरकार की बनती है। महिलाएं बहुत उत्साह में हैं, आशान्वित हैं विशेषकर पीडित महिलाएं बार-बार सवाल कर रही हैं।

मुस्लिम महिलाओं से जुड़े मुद्दे पिछले सत्तर सालों के इतिहास में हमेशा हाशिये पर ही रहे। अल्पसंख्यक अधिकारों के नाम पर मुसलमान मर्द अपने लिए तो सब कुछ लेना चाहते हैं, लेकिन औरतों को वे अपनी मर्जी के मुताबिक ही देना चाहते हैं। कौम की आधी आबादी को तवज्जो ही नहीं मिली। उसे अनसुना किया गया। उसी कौम के तथाकथित रहनुमाओं ने उसकी लगातार अनदेखी की। उनकी बदजबानी और मजहबी जकड़बंदी ने भी औरत को पीछे धकेल दिया। स्वयंभू उलमाओं ने खुद की गढ़ी किताबों के जरिये उसकी भूमिका को सीमित करने का काम किया। पितृसत्ता इतना डरती है औरत से ! ये

देख कर हैरानी होती है। बाबा साहेब आंबेडकर ने एक बार कहा था-गुलाम को गुलामी का अहसास करा दो तो वह विद्रोह कर गुलामी की बेड़ियां तोड़ देगा। सदियों की गुलाम मुसलमान औरतों को गुलामी का अहसास हो गया है और अब वे विद्रोह पर उतारू होकर आजाद हवा में सांस लेने पर आमादा हैं। किसी राजनीतिक दल ने मुसलमान औरत का वर्ग तैयार नहीं किया। यह तबका खुद अपनी परेशानियों से आजिज आकर खड़ा हुआ है। उसे लगातार अनसुना करते रहे बेड़ियों में जकड़े रहे, मजहबी खौफ से डराते रहे जन्नत जाने के लिए उसे जमीनी खुदा शौहर की खिदमत करने का सबक देते रहे। इससे औरतो का दम घुटता ही रहा और आखिरकार वह दिन आ ही गया जब वे बिना जंजीरों वाले कैदखाने से खुद ही निकल भागने में कामयाब हो गईं। अब उसे स्त्री विरोधी गढ़ी हुई मजहबी

किताबों से डराया नहीं जा कसता। उन्हें तीन तलाक की मनमानी व्याख्या भी कर्तई नामंजूर है। औरतें सवाल उठा रही हैं। पूछ रही हैं कि इसी देश की धरती पर हिंदू धर्म में प्रचलित 'सती जैसी कुप्रथा को तिलांजिल दी गई। वे यह सवाल भी कर रही हैं कि हिंदू धर्म में तलाक नहीं है, फिर भी धर्म को किनारे रखकर इसी देश ने 1955 में हिंदू स्त्री को तलाक का हक कैसे दिया? अगर ये मुमकिन है तो फिर उसी देश में मुस्लिम मजहबी किताबों को किनारे रखकर मुस्लिम स्त्री को जुबानी तीन तलाक से निजात मिलना क्यो मुमिकन नहीं है? मुस्लिम औरतों के इस जायज सवाल का जवाब भारत सरकार को देना ही होगा उम्मीद से टकटकी लगाए औरतें सरकार की ओ ताक रही हैं कि जिस तरह उत्तर प्रदेश की भाजप सरकार ने अपने संकल्प पत्र में किए अन्य वादो के प्रति दृढ़ता दिखाई है उसी तरह तीन तलाक के मामले में भी जल्द ही जरूरी कदम उठाए जाएंगे (लेखिका रिसर्च स्कॉलर एवं मुस्लिम महिला

response@jagran.com

अधिकार कार्यकर्ता हैं।

ईवीएम पर उतरती हार की खीझ

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवाल उसकी हताशा ही बयान करते हैं

दुनिया के दिग्गज बुद्धिजीवियों में शुमार नोम चोम्स्की ने एक लेख में उन दस रणनीतियों का उल्लेख किया है जिन्हें दुनिया के विभिन्न नेताओं ने जनता को अपनी ओर मोड़ने के लिए धूर्ततापूर्वक इस्तेमाल किया है। इनमें पहली हैं 'बरगलाओ और ध्यान भटकाओ' और दूसरी 'समस्या पैदा करो, समाधान देखा जाएगा।' चोम्स्की की इन रणनीतियों का भारतीय राजनीति में किसी ने सर्वाधिक इस्तेमाल किया है तो वह हैं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। 2015 में दिल्ली की सत्ता संभालने के चंद दिनों बाद से ही केजरीवाल ने जिस तरह के आरोपों एवं मुद्दों से भटकाने और सिर्फ समस्याएं खड़ी करने वाली राजनीति शुरू की है उसकी नवीनतम कड़ी है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से जुड़ा विवाद। केजरीवाल ने एक तरह से चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए ईवीएम में भाजपा द्वारा छेड़छाड़ और गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। उनसे पहले मायावती और फिर कांग्रेस भी यही राग अलाप चुके हैं। यहां कटघरे में भाजपा के साथ-साथ चुनाव आयोग भी है, क्योंकि चुनाव आयोग से बिना मिले भाजपा ईवीएम में अकेले इतने बड़े पैमाने पर गड़बड़ी नहीं कर सकती। आखिर इन आरोपों में कितना दम है?

हालिया विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद किसी भी हद तक जाकर अपनी राजनीतिक लिप्सा पूरी करने में केजरीवाल के साथ-साथ मायावती और काँग्रेस उन लोकतांत्रिक संस्थाओं को भी कुर्बान कर देने पर उतारू हैं जो भारतीय राज्यव्यवस्था की बनियाद हैं। इन संस्थाओं में एक भारतीय चुनाव आयोग आजकल केजरीवाल के निशाने पर है। उन्हीं के सुर में मायावती, कांग्रेस के साथ-साथ समाजवादी पार्टी आदि के नेता भी सर मिला रहे हैं। ये लोग आगामी चुनावों को ईवीएम की जगह मतपत्र वाली पुरानी प्रणाली से कराने की मांग कर रहे हैं जो समय, धन, ऊर्जा और मानव संसाधनों की दृष्टि से न केवल बहुत खर्चीली है, बल्कि उसमें गड़बड़ी की संभावनाएं अपेक्षाकृत ज्यादा हैं। केजरीवाल ने तो सीधे-सीधे आयोग को चनौती देते हुए कहा कि वह 72 घंटों के लिए ईवीएम उनके हवाले कर दे फिर उनके एक्सपर्ट यह दिखा देंगे कि मशीन के साथ छेडछाड कैसे की जाती है। यहां जान लिया जाए कि 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में जब केजरीवाल को कुल 70 सीटों में 67 सीटें मिली थीं तो यह परिणाम इन्हीं ईवीएम द्वारा आया था और उस समय भी केंद्र में भाजपा सरकार थी, लेकिन तब केजरीवाल को ईवीएम में दोष नजर नहीं आ रहा



था। 1982 में पहली बार प्रयोग के बाद से ईवीएम द्वारा देश और 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नीत संप्रग को जब जीत मिली थी तब ईवीएम का ही उपयोग किया गया था। ध्यातव्य है कि 2004 में कांग्रेस की जीत के समय केंद्र में भाजपा नीत राजग की सरकार थी। उसी तरह 2007 में उत्तर प्रदेश के चनाव में माया वती की बहजन समाज पार्टी और 2012 में मुलायम की समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहमत से विजय के दौरान भी इन्हीं ईवीएम का उपयोग हुआ था।

हालांकि इन राजनीतिक पार्टियों के भ्रष्टाचार, गुंडाराज, भाई-भतीजावाद और जाति-मजहब की राजनीति से परेशान अवाम ने चुनावों में उनको माकुल जवाब दिया। केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता ने उन पर बहुत विश्वास व्यक्त किया था, लेकिन केजरीवाल की सतत नकारात्मक राजनीति से उनका लगातार क्षरण हो रहा है। यह अकारण नहीं है कि 2015 के बाद से विभिन्न चुनावों में उन्हें लगातार शिकस्त मिल रही है। हालिया चनावों में दिल्ली के बाद अपने सबसे मजबूत गढ़ पंजाब में केजरीवाल की पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई तो गोवा में वह अपना खाता भी नहीं खोल सकी। दिल्ली में एमसीडी चुनाव से पहले अपनी नाकामियों को छिपाने और जनता का ध्यान

भटकाने के लिए केजरीवाल अब डुगडुगी पीट रहे हैं कि भाजपा सरकार ने ईवीएम में गड़बड़ी की है। इसी तरह कांग्रेसी नेता अपने नेतृत्व की कमजोरी, लचर सांगठनिक ढांचे और वैचारिक शुन्यता आदि को ढंकने के लिए भटकाने वाला आरोप लगा रहे हैं।

इनके आरोप वास्तविकता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। अगर भाजपा ने ईवीएम में गड़बड़ी की तो पंजाब में इसकी सबसे कट्टर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस को अभूतपूर्व बहुमत क्यों मिला और भाजपा-अकाली गठबंधन तीसरे स्थान पर क्यों रहा ? फिर गोवा और मणिपुर में भी कांग्रेस को सबसे ज्यादा सीटें क्यों मिलीं और भाजपा दूसरे स्थान पर क्यों रही ? उसी तरह 2016 के विधानसभा चुनावों में भी भाजपा को केरल में एक सीट तो बंगाल में छह और तमिलनाडु में तो एक भी सीट हासिल न हो सकी। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाइ कुरैशी ने स्पष्ट कहा है कि एकाँध इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन भले कभी-कभार खराब हो जाती है, लेकिन पूर्ण जांच के बाद ही चुनाव आयोग उनका उपयोग करता है। भाजपा ईवीएम में अकेले इतनी बडी गड़बड़ी नहीं कर सकती। इसके लिए उसे चुनाव आयोग और राज्य सरकार के तंत्र से मिलीभगत करनी होगी, लेकिन वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त नसीम जैदी 2012 में कांग्रेस नीत संप्रग सरकार द्वारा नियुक्त किए गए थे न कि भाजपा सरकार द्वारा तो वहीं राज्य में भी अधिकतर सरकारें भाजपा ि विरोधी दलों की ही थीं। चुनाव आयोग ने ईवीएम में गड़बड़ी से इन्कार करते हुए एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में स्पष्ट दिखाया गया है कि वर्तमान में प्रयक्त ईवीएम में त्रिस्तरीय सरक्षा प्रणाली लगी है और राजनीतिक पार्टियों के एजेंटों के सामने तीनों स्तरों की जांच में सही साबित होने पर ही इनका उपयोग किया जाता है। आयोग ने चुनौती दी है कि लोग साबित करें कि मशीनों के साथ छेड़छाड़ की गई है। आयोग ने डेमो के लिए टेक्नोक्रेट, इंजीनियर, वैज्ञानिक और केजरीवाल समेत राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया है, लेकिन आयोग की इस चुनौती का जवाब देने की जगह केजरीवाल वही पुराना राग अलाप रहे हैं। 72 घंटे में छेड़छाड़ और गड़बड़ी सिद्ध करने का दावा करने वाले केजरीवाल अब क्यों टालमटोल कर रहे हैं? क्या वह आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर झूठा विवाद, हंगामा और बरगलाने वाली राजनीति ही कर रहे हैं ? यह बात अन्य राजनीतिक दलों पर भी लागू होती है।

> (लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं) response@jagran.com



इंसान समाज में रहता है। इसलिए समाज ने उसके कुछ दायित्व भी तय किए हैं। मनुष्य को कभी भी यह नहीं भूलना चाहिए कि उसका अस्तित्व समाज से है। जो मनुष्य समाज से अलग-थलग चलते हैं उन्हें जीवनभर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जबिक जो व्यक्ति समाज के साथ चलते हैं उनकी बड़ी समस्या भी मिनटों में हल हो जाती है। इसका कारण यही है कि सामाजिक होने के कारण ही प्रत्येक व्यक्ति हमारी समस्या या चिंता का निदान खोजने की कोशिश करता है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जनहित और लोक-कल्या के बारे में सोचे। जब हम दूसरों के लिए सोचकर कर्म करते हैं तो हमें दोहरा लाभ मिलता है। हमें आत्मसंतष्टि का अहसास होता है।ऐसा कर हम अपने भविष्य के कष्टों को भी कम करते हैं। हमारे जनहित के कार्य से जितने भी लोग प्रभावित-लाभान्वित होते हैं वे बदले में हमें प्यार, स्नेह आशीर्वाद और दुआ देते हैं जिससे हमारे कष्ट अप्रभावी हो जाते हैं या फिर हममें उन्हें सहने की असीम ताकत आ जाती है। इसी तरह यदि हमसे भूतकाल में जाने-अनजाने कोई पाप या गलत कार्य हो गया हो तो भी जनहित से जुड़े कार्य करके मनुष्य पश्चाताप या मुक्ति प्राप्त कर सकता है

धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि यदि किसी मनुष्य ने अपने जीवन का तीन चौथाई हिस्सा गलत कार्यों में खर्च कर दिया है तो भी वह शेष बचे समय में सद्कर्म या जनहित के कार्य करके पश्चाताप कर सकता है। अर्थात अंत भला तो सब भला। जिस बात से मनुष्य अनजान है वह यह है कि जनहित के कार्य करने के लिए मनुष्य को केवल एक छोटा-सा प्रयास करना होता है। इसके बाद बड़े से बड़ा काम भी बहत आसानी से हो जाता है। उदाहरण के लिए यहां पंडित मदन मोहन मालवीय का जिक्र किया जा सकता है जिन्होंने दान के पैसे से काशी जैसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालय का निर्माण कराया। ऐसे बहुत से उदाहरण हमारे आसपास मौजूद हैं। दुख-दर्द सभी के जीवन में हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने दुखों को ही सबसे बड़ा और जटिल मान लेता है उससे जनहित के कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। इसके विपरीत जो व्यक्ति दूसरों के दुखों को महसूस करे और उनके सामने अपने दुख को भूल जाए, वास्तव में वही जनहित के बारे में सोच सकता है।

आचार्य अनिल वत्स

कांग्रेस मुक्त भारत नारा अच्छा है!

मई 2014 के बाद जिस तेजी से देश के अलग-अलग राज्यों से कांग्रेस पार्टी खत्म होती जा रही है वह भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत के नारे को साकार करता दिखाता है, लेकिन क्या भाजपा के लिए सबसे उपयुक्त स्थिति है 'कांग्रेस मुक्त भारत' का होना? मुझे लगता है- इसका जवाब ना में है। दरअसल यह कांग्रेस का होना ही था जिसकी वजह से देश में भाजपा अपनी स्थापना के सिर्फ 37 साल में ही सत्ता के सर्वोच्च

'कांग्रेस मुक्त भारत' की बात करते हुए भाजपा के बड़े नेताओं से लेकर छोटा कार्यकर्ता तक हमेशा इस बात की वकालत करते हैं कि महात्मा गांधी ने भी कांग्रेस को आजादी के बाद खत्म करने की बात की थी, लेकिन कांग्रेस को खत्म करने का महात्मा गांधी का तर्क बडा साफ था। कांग्रेस दरअसल भारत की आजादी के आंदोलन में सर्वजन की एक पार्टी नहीं, बल्कि आंदोलन बढ़ाने का जरिया थी। इसीलिए जब देश आजाद हुआ तो जरूरी था कि देश की आजादी के आंदोलन वाली उच्च आदर्शों वाली पार्टी सत्ता हथियाने के लिए किसी परिवार, किसी एक विचार की पार्टी होकर न रह जाए, लेकिन दुर्भाग्य कि ऐसा न हो सका। जवाहरलाल नेहरू

'कांग्रेस मुक्त भारत' नारा अच्छा है, पर कांग्रेस युक्त भारत' ही है जिसकी वजह से किसी दूसरे विपक्षी गढजोड़ की जमीन तैयार नहीं हो पा रही है

और उसके बाद इंदिरा गांधी ने और मजबूती से उसे महात्मा गांधी का नाम लगाकर गांधी परिवार की पार्टी बना दिया। सिर्फ परिवार की पार्टी ही नहीं बनाया. बल्कि उस परिवार के दायरे से बाहर जाने वालों को कांग्रेस में भी लोकतंत्र का दुश्मन बना दिया गया। आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी को लगा कि वैचारिक तौर पर संघ से निपटने में हो रही मुश्किल का सबसे आसान इलाज है कि वामपंथियों को वैचारिक लड़ाई का जिम्मा दे दिया जाए। वामपंथ की अपनी एक वैचारिक धारा है जो सरोकार से लेकर समाज तक की बात तो करती है, लेकिन दुर्भाग्य देखिए कि भारतीय वामपंथ के पास एक भी अपना नायक नहीं है। अभी भी भारतीय वामपंथ को नायक के तौर पर

मार्क्स-लेनिन और चे-ग्वारा ही मिलते हैं। कांग्रेस हिंदुस्तान की तटस्थ धारा वाली पार्टी के तौर पर बखूबी चल रही थी, लेकिन बाद में भाजपा को किसी हाल में सत्ता के नजदीक न पहुंचने देने की गरज से कांग्रेस ने ही लालू प्रसाद यादव और मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं का साथ लिया। इसने कांग्रेस की तटस्थ छवि पर चोट पहुंचानी शुरू की थी। कांग्रेस ने केंद्र की सत्ता बनाए रखने के लिए हर तरह का तुष्टीकरण किया। वामपंथियों, लालू और मुलायम के साथ कांग्रेस का मेल ही था जो मुसलमानों को उनका हक देने की राजनीति को इस हद तक ले गया कि हिंदुओं को यह अहसास होने लगा कि उनका हक छीना जा रहा है। इसी के चलते हिंदू मतदाता भाजपा के पक्ष में एकजुट हुआ है। इसलिए कार्यकर्ताओं में जोश दिलाने के लिए राजनीतिक नारे के तौर पर तो 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा अच्छा है, लेकिन सही मायने में यह 'कांग्रेस युक्त भारत' ही है जिसकी वजह से कोई भी दूसरी विपक्षी गठजोड़ की जमीन तैयार नहीं हो पा रही है। इसलिए जब तक ये वाली कांग्रेस और इसके नेता हैं, नरेंद्र मोदी वाली भाजपा के उत्थान का मार्ग प्रशस्त (साभार: बतंगड़ ब्लॉग में हर्षवर्धन त्रिपाठी)

मोदी की कूटनीति

विदेश नीति का मजबूत होता मोर्चा शीर्षक से लिखे अपने लेख में संजय गुप्त ने देश की मजबूत होती विदेश नीति का जिस तरह से उल्लेख किया है वह कथित रूप से मजबूत होने के बावजूद पूरी तरह से सुरक्षित नहीं मानी जा सकती, क्योंकि सीरियाई गृह युद्ध की वर्तमान स्थिति में अमेरिका और रूस जिस तरह से आमने-सामने आ गए हैं उससे निकट भविष्य में भारत के लिए दुविधा की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसी तरह पड़ोसी देश चीन जिस तरह से भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का दुःसाहस कर रहा है, वह भी भारत के लिए एक बड़ी समस्या है। कमोबेश यही स्थिति हमेशा भारत का अशुभ सोचने वाले पड़ोसी पाकिस्तान की भी है। यद्यपि इस स्थिति से निपटने के लिए भारत सक्षम है, लेकिन जिस तरह से अपने निहित स्वार्थ की पूर्ति के लिए चीन और पाकिस्तान एक-दूसरे को संबल प्रदान कर रहे हैं वह भारत के लिए चिंताजनक है, क्योंकि शक्तिशाली चीन से स्वार्थपरक मित्रता के कारण पाकिस्तान के हौसले बुलंद हैं और वह भारत के विरुद्ध अपनी बेजा हरकतों से बाज नहीं आ रहा। यही वजह है कि अब भारत अपनी कूटनीति से बांग्लादेश सहित दक्षिण एशियाई देशों पर अपनी मजबूत पकड़ बना रहा है ताकि इन देशों को साथ लेकर वह चीन की अकड़ को ढीला कर सके। यदि भारत अपनी इस मुहिम में कामयाब हो जाता है तो यह मोदी की सबसे बड़ी कुटनीतिक सफलता होगी और वह वैश्विक शक्ति संतुलन में चीन को मात दे सकते हैं।

. पिछले कछ समय में जिस प्रकार की घटनाएं हमारे देश में हुई हैं

डॉ. वीपी पाण्डेय, अलीगढ़

...तो भारत में क्यों नहीं पूर्वाग्रह से ग्रसित सोच

मेलबाक्स

वह हमारी पूर्वाग्रह से ग्रसित सोच का नतीजा ही हैं। दादरी का इकलाख हत्याकांड हो चाहे फिर अभी हाल ही में राजस्थान के अलवर में हुई घटना हो। लोग जांच-पड़ताल किए बिना ही नतीजे पर पहुंच जाते हैं और किसी व्यक्ति विशेष अथवा समुदाय विशेष को घटना के लिए जिम्मेदार ठहरा देते हैं। इतन ही नहीं वे कानून को अपने हाथ में लेकर स्वयं ही न्याय भी कर देते हैं। दरअसल पूर्वाग्रह एक खतरनाक मानसिक रोग है जिसमें बिना किसी तथ्य के जाने ही धारणा बना ली जाती है। ज्यादातर घटनाओं में यही लोग शामिल होते हैं। इन लोगों की वजह से जहां संबंधों में खटास आती है वहीं समाज में समुदाय की भावना को बढ़ावा मिलता है। दादरी शहर के बिसाहड्डा में हुई घटना से हम सभी भली-भांति परिचित हैं। एक अफवाह के आधार पर उग्र भीड़ द्वारा इकलाख की निर्मम हत्या कर दी गई थी। चाहे दादरी मे हुआ अखलाख हत्याकांड हों अथवा अलवर मे हुआ पहलू खान हत्याकांड हों दोनों ही घटनाओं में एक बात तो समान है और वह है पूर्वाग्रह। अगर मुसलमान गाय के साथ दिखता हैं तो इसका तात्पर्य हुआ कि वह जरूर गाय को काटने के लिए ले जा रहा है। परंतु सच्चाई तो यह कि मुसलमान भी खेती करते हैं गाय भैंस पालते हैं। और पहलू खान भी उनमे से एक था परंतु पूर्वाग्रह से ग्रसित लोगों ने यह जानने की कोशिश तक नहीं की और उसकी हत्या कर दी।

akhlaque.1104@gmail.com

तीन तलाक ऐसा शब्द है जो एक खुशहाल परिवार को एक ही झटके में दुखों का पहाड़ खड़ा करने में महारत रखता है,

इस शब्द को सुनने के बाद न जाने कितनी महिलाएं जिंदगी से संघर्ष कर रही हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि तीन तलाक से पीड़ित महिलाएं तो इसका दर्द झेलती ही हैं यदि उनके संतान भी है तो फिर और कष्टमय हो जाता है। बच्चे के भविष्य पर ग्रहण लग जाता है। महिलाओं के इस मर्म को समझना सबके वश की बात भी नहीं। खासकर देश में धर्म के ठेकेदारों को यह दिखाई नहीं देता, ये अपने धर्म का रोना रोते रहते हैं और पर्सनल लॉ बोर्ड की दुहाई देते रहते हैं। पर्सनल लॉ बोर्ड यह मानने को तैयार नहीं है कि तीन तलाक को खत्म किया जाए मौलवी कहते हैं कि कोर्ट इस मामलें मे दखलदांजी नहीं कर सकता, जबकि इन मौलाना लोगों को यह समझ में नहीं आता हैं कि देश के संविधान से ऊपर पर्सनल लॉ बोर्ड नहीं है, और सुप्रीम कोर्ट जो भी आदेश करेगा उसको मानना पड़ेगा, अगर हम तीन तलाक के मामलें पर देखें तो तीन तलाक 22 देशों मे प्रतिबंधित है जो मुस्लिम राष्ट्र हैं, अब सवाल ये है कि जब वहां पर प्रतिबंधित है तो भारत में क्यों नहीं हो सकता?

pathaknirajkumar2013@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी

> अपने पत्र इस पते पर भेजें : दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण, डी–210–211, सेक्टर–63, नोएडा ई-मेल : mailbox@jagran.com

पडोसी को

10 अप्रैल 2017

दंनिक जागरण

प्रमोट भार्गव

भारत और बांग्लादेश के बीच 22 समझौतों के जरिए सहयोग का एक नया अध्याय शुरू हुआ



भारत बांग्लादेश को 29 हजार करोड़ रुपये रियायती ब्याज दर पर कर्ज भी देगा। इसके अलावा बांग्लादेश को रक्षा सामग्री की आपूर्ति के लिए 50 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कर्ज देने की घोषणा की है। भारत की ओर से इतनी उदारता बरती जाने के बावजद पिछले सात वर्ष से अनसलझा पडा तीस्ता जल बंटवारे का मुद्दा लंबित ही रह गया। हालांकि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भरोसा जताया है कि इस मुद्दे का हल जल्दी ही निकलेगा । तात्कालिक परिस्थितियों में भारत की इस उदारता को इसलिए औचित्यपूर्ण ठहराया जा सकता है क्योंकि पड़ोसी देश पाकिस्तान भारत में जहां निरंतर आतंक का निर्यात करने में लगा है, वहीं चीन तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा की

अरुणाचल प्रदेश की यात्रा पर चीन बौखलाया

हुआ है। इन हालातों में भारत सरकार की

इस नीति को बांग्लादेश को अपने पक्ष में बनाए

रखने की कूटनीतिक पहल कही जा सकती है।

बार ममता बनर्जी खुद इस द्विपक्षीय वर्ता के लेकिन यही वह सुनहरा अवसर था, जब तीस्ता अवसर पर मोदी और शेख हसीना के साथ जल बंटवारे पर मुहर लगने की अधिकतम हैदराबाद हाउस में मौजूद थीं। यह विवाद 2011 में ही हल हो गया होता, यदि मुख्यमंत्री मुमता नदियों के बंटवारे का विवाद अंतरराष्ट्रीय बनर्जी ने सहमति जताई होती तो। लेकिन स्तर पर ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी विवाद का मोदी की ढाका यात्रा और अब शेख हसीना की विषय बना रहा है। ब्रह्मपुत्र को लेकर चीन से, भारत यात्रा पर भी यह मुद्दा लटका ही रह गया। तीस्ता का बांग्लादेश से, झेलम, सतलुज और तीस्ता जल बंटवारे पर दोनों देशों के बीच कोई सिंधु का पाकिस्तान से और कोसी को लेकर समझौता नहीं हो पाया है। पश्चिम बंगाल की नेपाल से विरोधाभास कायम है। भारत और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस समझौते का अब भी विरोध कर रही हैं। बांग्लादेश के लिए यह बांग्लादेश के बीच रिश्तों में खटास सीमाई क्षेत्र में कछ भखंडों. मानव-बस्तियों और तीस्ता समझौता नहीं होना निराशाजनक है। तीस्ता नदी नदी के जल बंटवारे को लेकर पैदा होती रही पश्चिम बंगाल से बंग्लादेश की ओर बहती है। है। पिछले साल दोनों देशों के बीच संपन्न हुए इस समझौते में खराब मौसम में दोनों देशों के भू-सीमा समझौते के जरिए इस विवाद पर तो बीच 50:50 जल बंटवारे की बात है। लेकिन कमोबेश विराम लग गया, लेकिन तीस्ता की ममता बनर्जी का मानना है कि इस समझौते उलझन बरकरार है। बीते वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र से उनके राज्य पश्चिम बंगाल के किसानों को मोदी बांग्लादेश यात्रा पर भी गए थे, ढाका नकसान पहंचेगा। में द्विपक्षीय वार्ता भी हुई, लेकिन तीस्ता की वर्ष 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ

मौजूदा केंद्र सरकार से यह उम्मीद इसलिए ज्यादा थी, क्योंकि शेख हसीना दोनों देशों में परस्पर दोस्ती की मजबूत गांठ बांधने के लिए भारत आई थीं। यह उम्मीद इसलिए भी थी क्योंकि पिछले साल नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बांग्लादेश के साथ कुछ बस्तियों और भूक्षेत्रों की अदला-बदली को मंजूरी दी थी। यह समझौता संसद में आम राय से पारित भी हो चुका है। इसलिए उम्मीद की जा रही थी कि तीस्ता नदी से जुड़े जल बंटवारे का मसला भी

उलझन, सुलझ नहीं पाई। अब शेख हसीना की

भारत यात्रा और 22 समझौतों पर हस्ताक्षर होने

के बावजूद तीस्ता का विवाद यथावत बना रह

जाना हमारी कूटनीतिक कमजोरी को दर्शाता है।

माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र सरकार आजकल

के बीच राजनीतिक दूरियों के चलते इस मुद्दे

का हल नहीं निकल पा रहा है। हालांकि इस

मनमोहन सिंह के बांग्लादेश दौरे से पहले तीस्ता

जल बंटवारे पर प्रस्तावित अनुबंध की सभी शर्तें

सुनिश्चित हो गई थीं। लेकिन पानी की मात्रा के

सवाल पर ममता ने आपत्ति जताकर ऐन वक्त पर

डॉ. सिंह के साथ ढाका जाने से इनकार कर दिया

था। माना जाता है कि बारिश के दौरान तीस्ता

का पश्चिम बंगाल को 50 प्रतिशत पानी मिलेगा

लेकिन ममता बनर्जी का कहना था कि भारत

सरकार 80 प्रतिशत पानी पश्चिम बंगाल को

दे, तब इस समझौते को अंतिम रूप दिया जाए।

लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार इस मसौदे में कोई

मगर अब राजग सरकार ने तब के मसौदे को

बदलने के संकेत दिए हैं। लिहाजा उम्मीद की जा

रही थी कि पश्चिम बंगाल को पानी देने की मात्रा

बढ़ाई जा सकती है। हालांकि 80 प्रतिशत पानी

तो अभी भी मिलना मुश्किल है, लेकिन पानी

फेरबदल करने को तैयार नहीं हुई।

बांग्लादेश से दोस्ती का नया अध्याय

मौजुदा हालात में बांग्लादेश के प्रति भारत की उदारता को इसलिए तार्किक टहराया जा सकता है क्योंकि पाकिस्तान अपनी जमीन से आतंकवादी गतिविधियों को निरंतर बढावा दे रहा है जबकि दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा पर चीन बौखलाया हुआ है।ऐसे में भारत सरकार की ऐसी पहल को बांग्लादेश को अपने पक्ष में बनाए रखने का कूटनीतिक दांव कहा जा सकता है। हालांकि तीस्ता जल बंटवारे के मसले पर बात फिर बनते – बनते रह गई

की मात्रा बढाकर 65-70 फीसदी तक पहुंचाई

जा सकती है? तीस्ता जल बंटवारा समझौता

पश्चिम बंगाल के अधिकतम हितों को ध्यान

में रखते हुए होता है तो ममता बंगाल की

जनता में यह संदेश देने में सफल होंगी कि

राज्य का हित उनकी पहली प्राथमिकता हैं।

जल बंटवारे के अलावा ममता की दिलचस्पी

भारत और बांग्लादेश के बीच नई रेल और

बस सेवाएं शुरू करने की थी। इसके लिए

मोदी और हसीना भी सहमत थे। नतीजतन दोनों

दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच एक बंद

पड़ा पराना रेल मार्ग बहाल कर दिया गया। इस

अवसर पर ममता बनर्जी भी मोदी और हसीना

के साथ उपस्थित थीं। अब कोलकाता से

बांग्लादेश के लिए खुलना शहर के बीच रेल

सेवा चलेगी। साथ ही उत्तरी बंगाल के राधिकापुर

और बांग्लादेश के बिरल शहर के बीच बंद हो

चुके रेल मार्ग को भी खोला गया है। यह रेल

सेवा 1965 में भारत पाकिस्तान के बीच हुए

युद्ध के बाद बंद कर दी गई थी। खुलना से होते

हुए कोलकाता और ढाका के बीच नई बस सेवा

कालांतर में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से

व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद

से बांग्लादेश से भी भारत को मदद मिलेगी। वैसे

भी मोदी सरकार का मुख्य मकसद व्यापार को

बढ़ावा देना है। लेकिन इन जरूरी समस्याओं

के निदान के साथ साहित्य और संस्कृति के

आदान-प्रदान की भी जरूरत है। क्योंकि एक

समय बांग्लादेश भारत का ही भूभाग रहाँ है।

इसलिए दोनों देशों के बीच तमाम सांस्कृतिक

समानताएं हैं। ध्यान रहे सांस्कृतिक समानताएं

सांप्रदायिक सद्भाव की पृष्ठभूमि रचने का काम

करती हैं और इसमें साहित्य का प्रमुख योगदान

रहता है। बहरहाल, तीस्ता जल बंटवारे का

समझौता हो गया होता तो दोनों देशों के बीच

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

शांति और समन्वय के नए आयाम खुलते।

शुरू की गई है।



प्राथमिकता से निपटाने होंगे विवादित मुददे

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा से दोनों देशों के रिश्ते मिठास



चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ ऐसे विवादास्पद मसले जस के तस हैं जिन पर अभी तक आम सहमति नहीं बन सकी है और तनाव बना हुआ है। इन विवादास्पद मसलों में तीस्ता नदी जल विवाद सबसे अधिक पेंचीदा है। अगर यह विवाद सुलझ जाता तो निश्चित तौर पर दोनों देशों के तकरीबन 25 करोड़ लोगों का भला होता। चुंकि दोनों देश कुशलतापूर्वक विवादित गंगा नदी के पानी का बंटवारा करने में सफल रहे हैं। ऐसे में सभी को उम्मीद थी कि शेख हसीना की भारत यात्रा से इस विवादित मसले का हल निकलेगा। लेकिन दोनों देशों के बीच इस मसले को सुलझाने का संकल्प भर व्यक्त

्तीस्ता नदी सिक्किम से निकलकर भारत के पश्चिम बंगाल से बहती हुई बांग्लादेश को जाती है। बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी बनने से पहले यह पश्चिम बंगाल और सिक्किम को बांटती है। यह नदी भारत व बांग्लादेश दोनों देशों की समृद्धि के लिए

होती है। दोनों देश सुखे से निपटने के लिए बिना किसी समझौता के ही इस नदी पर बांध बना लिए हैं जिससे तनाव बढ़ा है। भारत ने तीस्ता पर पानी का बहाव नियंत्रित करने के लिए गोजालडोबा बांध निर्मित किया है वहीं बांग्लादेश ने दलिया बांध का निर्माण किया है। भारत चाहता है कि तीस्ता का 52 फीसदी जल उसे मिले और शेष 48 फीसदी बांग्लादेश को। जबकि बांग्लादेश का कहना है कि भारत तीस्ता का 20 फीसदी पानी का प्राकृतिक बहाव उसके लिए छोड़े और उसके बाद बराबर तरीके से बंटवारा करे। भारत को यह मंजर नहीं है।

गौर करें तो तीस्ता नदी जल बंटवारा विवाद 1950 से बना हुआ है जब बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान हुआ करता था। हालांकि दोनों देश अस्सी के दशक से तीस्ता और फेनी निदयों के अंतरिम जल बंटवारें को लेकर प्रयासरत हैं। लेकिन राजनीतिक वजहों से इसे निपटाने में सफलता नहीं मिली है। इसके लिए बांग्लादेश की राजनीतिक परिस्थितियां विशेषकर राजनीतिक उठापटक, तख्तापलट और अव्यवस्था ज्यादा जिम्मेदार है। हालांकि बांग्लादेश इस विवाद का समाधान न होने के लिए भारत को भी जिम्मेदार ठहराता है। वह जब तब इस मसले को अंतरराष्ट्रीय मंच से उठाने की धमकी भी देता है। याद होगा बांग्लादेश ने गंगा के पानी के बंटवारे की समस्या (फरक्का विवाद) को अंतरराष्ट्रीय रूप देकर संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य वैश्विक मंचों पर उछालने की कोशिश की थी। लेकिन

को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं बनाने के लिए मना लिया और ढाका एवं दिल्ली में बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच 26 सितंबर 1977 को एक समझौता हुआ जो फरक्का समझौता के नाम से जाना जाता है। बेहतर होगा कि दोनों देश तीस्ता नदी जल विवाद के निपटारे के लिए आपसी सुझबुझ का परिचय दें। तीस्ता नदी जल विवाद के अलावा दोनों देशों के बीच गंगा-ब्रह्मपुत्र नहर बनाने, नवमूर द्वीप विवाद और सीमा पर बाड़ के मसले पर भी मतभेद बरकरार है। हालांकि इन सभी मतभेदों के बावजूद दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ता बढ़ी है। दोनों देश इस पर सहमत हुए हैं कि वे एकदूसरे की संप्रभूता का सम्मान करेंगे और अपने भू क्षेत्रों का घरेलू अथवा विदेशी आतंकवादी कार्रवाइयों के लिए अनुमति नहीं देंगे। बांग्लादेश ने असम के उग्रवादी नेता राजखोवा को भारत के हवाले कर उदारता का

परिचय दिया है। अच्छे संबंधों के कारण दोनों देशों के बीच आर्थिक कारोबार में वृद्धि हुई है। आज बांग्लादेश भारत की सबसे गतिशील मंडियों में से एक मंडी बन चुका है। भारत ने बंगलादेश के हित के लिए कई सेक्टरों की वस्तुओं के आयात पर टैरिफ रियायतें दी है। दोनों देशों को चाहिए कि वे इस सकारात्मक माहौल का लाभ उठाकर द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं विश्वशांति के वृहद दायरे में अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए अतिशीध्र सभी विवादित मुद्दों को सुलझा लें। यह दोनों के हित में है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

खरी-खरी

अतिम संस्कार का टंटा और वसीयत

ओ भिया चतुर्वेदी, कहां दौड़े जा रहे हो? वकील के यहां जा रहे हैं मियां, तुमको कछु काम हो तो बोलो। अरे नई, एसेइ पूछ रिये थे ! कौनो मुस्किल में तो नई हो ? नहीं तो हम बइटे हैं। हमें बताओ, सब ठीक कर देंगे। अरे नहीं मियां, सब ठीकइ है। सोचा कि वसीयत में एक लाइन और जुड़वा दूं। एं... वसीयत? पंडी जी, सब ठीक

तो है न, अबी तो तुमकू खूब जीना है यार! और अभी से वसीयत। न-न अभी निकलने नहीं देंगे तुम्हें। कइसी बात कर रियो हो भिया ! अरे मियां, कल बेटा परीक्षा देकर आया और हमसे पूछता है कि अंतिम संस्कार जलाकर अच्छा है या दफना कर ? हमने कहा बेटा हिंदू संस्कृति में अग्नि का महत्व है इसलिए हम तो पंचतत्व को प्रधानता देते हैं। तो वो कहने लगा कि कुछ लोग कह रहे हैं दफनाना श्रेष्ट है, पर्यावरण अच्छा रहता है। हम बोले-एक देंगे कान के नीचे। मुरख कहीं का, संस्कृति-परंपरा के लिए उल्टी बात कर रहा है, देखो तो ! पूरी रात हमें नींद न आई सपना आया कि हमारी मृत देह रखी है औ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पर वैसा वाद-विवाद मचा हुआ जैसा समाचार चैनलों पर रोजइ मचता है। उधर, हम पड़े-पड़े कसमसा रहे हैं। मगर हम तो मरे हुए हैं न, बोले तो कइसे ? पड़े हैं सुन्नघुट्ट। पर्यावरण हमारे ही अंतिम संस्कार पर टिका हुआ

आपके प्रश्न ने तो भिन्नटी ला दी पंडी जी। ये हो क्या रिया है देस में यार! बड़े-बड़े मुद्दे पड़े हुवे हैं, पेले उनको निपटाओ नी, ये क्या रोज नया बखेड़ा सामने आ रिया है। कभी बोलते हैं भगवान है तो कभी बोलते हैं कि प्रमाण लाओ। कभी कहेंगे इस धर्मग्रंथ में ऐसा लिखा तो उसमें ऐसा। भिया अब तो इन ग्रंथों को खोलने में भी डर लगने लगा है। कब, क्या अच्छी बात हम बोल दें और पता नहीं का बतंगड बन जाए। हां, मियां! अब तो समझ नी आ रिया कि क्या करें। अब देखियो सब गऊ माता के पीछे लट्ट लेके पड़ा है। उधर धड़ाधड़ दारू के 'ठेके' बंद हो रिये हैं और इधर भाई लोगों ने धर्म को ही 'ठेके' पर उठा लिया है। और रई-सई कसर बेटे ने अंतिम संस्कार की पूछ के पूरी कर दी। हमे तो लगा कि अब तो निपटे रे ! पर पंडी जी, मरने के बाद का चैन लेन देंगे लोग। पता चला कि पर्यावरण, संस्कार के चक्कर में हमारे शव को लथड़ा दें। अब मरा हुआ ते बोलने से रहा, इसलिए अच्छा है ख़ुद ही जीते जी वसीयत में लिख दूं कि जलाकर ही ऊपर पहुंचाना। पंडी जी, बात तो सई है। चलो, मैं भी लिखवा ही लूं के सुपूर्दे-खाक ही करना।

ट्वीट-ट्वीट

परंपरागत रूप से अधिक मतदान वाले बडगाम जैसे इलाकों में अगर ऐसी स्थिति है तो फिर कल्पना कीजिए कि दक्षिण कश्मीर में कैसे हालात होते?

अंक्रर भारद्वाज@Bhayankur चुनावों के चलते श्रीनगर में भारी पत्थरबाजी ही रही है। यह अगले 72 घटो तक जारी रहेगी और फिर अचानक रुक जाएगी। मेजर गौरव आर्या@majorgauravarya



जागरण जनमत

हेलमेट डालो । सडक सुरक्षा हर किसी की प्राथमिकता होनी चाहिए।कृपया हेलमेट के बिना गाडी न चलाएं। सचिन तेंदुलकर@sachin_rt

बडी दिलचस्प दास्तान है। अदन की खाडी

में समुद्री दस्युओं से निपटने में भारत और चीन की नौसेनाओं ने मिलकर अभियान को अंजाम तक पहुंचाया।

विष्णु सोम@VishnuNDTV अल्पसंख्यक हितों की बात करने वालों को भारतीय सेक्युलरिस्ट नायक मानते हैं, मगर मैं उन्हें दुश्मन लगती हूं जबकि मैंने अपने देश में अल्पसंख्यकों के लिए आवाज उटाई तसलीमा नसरीन@taslimanasreen

क्या सीरिया पर अमेरिकी हमले ने रूस और

अमेरिका में युद्ध के हालात पैदा कर दिए हैं?

राज्यनामा

प्रीम कोर्ट के नेशनल और स्टेट हाईवे से शराब की टक्कों आदेश के बाद राज्य की नई भाजपा सरकार के माथे पर बल पड़े हुए हैं। सत्ता संभालते ही नई सरकार को दो अहम चुनौती से जूझना पड़ रहा है। पहले हाईकोर्ट ने राज्य में खनन पर चार महीने के लिए पाबंदी लगा दी। इससे राज्य सरकार हलकान है। चार धाम यात्रा शरू होने में गिने-चुने दिन शेष हैं, ऐसे में सडकों को दुरुस्त करने के साथ ही विकास कार्यों को तेजी से अंजाम देने का दबाव है। ऐसे मौके पर खनन पर पाबंदी लगने से सरकार की हसरतों पर तुषारापात हो गया है। इस परेशानी के समाधान के लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दस्तक दी है। सरकार को उम्मीद है कि उसे राहत मिलेगी। लेकिन खनन

को लेकर सरकार झटका झेल रही सरकार को सुप्रीम कोर्ट के शराब की दुकानों के संबंध में दिए गए आदेश ने सदमा दे डाला है। इस आदेश की वजह से राज्य सरकार को आबकारी राजस्व की बड़ी

धनराशि से हाथ धोना पड़ेगा। फिलहाल राज्य सरकार ने तोड़ ढूंढ निकाला है। इसके लिए सरकार ने नगर निकायों की सीमा तक सभी स्टेट हाईवे को अन्य जिला मार्गों में तब्दील करने का निर्णय लिया है। इससे स्टेट हाईवे से शराब की दुकानों की शिफ्टिंग को लेकर दबाव से सरकार को राहत मिली है। खनन और आबकारी राजस्व से आमदनी कम होने से नए वित्तीय वर्ष में राज्य को करीब 500 करोड़ का नुकसान होने का अंदेशा सता रहा है। पहले से ही सीमित संसाधनों की वजह से राज्य सरकार को कर्मचारियों को वेतन-भत्ते और पेंशन देने में बाजार से कर्ज उठाने को मजबूर होना पड़ रहा है। राज्य सरकार अपने कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का लाभ दे चुकी है। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और आबकारी मंत्री प्रकाश पंत इस समस्या के समाधान के लिए नए रास्ते तलाश करने में जुटे हैं। दरअसल, भारी बहुमत से सत्ता में पहुंची भाजपा सरकार पर जन अपेक्षाओं को पूरा करने का दबाव भी है। ऐसे में विकास



कार्यों की रफ्तार पर असर पड़ा तो सरकार को किरकिरी झेलनी पड़ सकती है।

ओहदेदारों पर गाज

प्रदेश की सत्ता पर काबिज होते ही भाजपा सरकार ने सबसे पहले सरकारी ओहदों पर कब्जा जमाए बैठे कांग्रेसियों को निशाने पर लेना शुरू किया है। हालांकि, सत्ता परिवर्तन के बाद सरकारी ओहदों पर जमे बैठे राजनीतिक कार्यकर्ताओं को नैतिक रूप से ख़ुद ही पद से हट जाना चाहिए था, लेकिन उत्तराखंड में इस परंपरा का पालन अब तक सत्ता पर

काबिज होने वाले किसी भी दल ने नहीं किया। विभिन्न विकास प्राधिकरणों और निकायों में नामित सदस्यों एवं पदाधिकारियों को नई सरकार ने झटके के साथ हटा दिया। इसके साथ ही अब राज्य के विभिन्न आयोगों, निगमों, परिषदों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सलाहकार समेत अन्य पदों पर पिछली सरकार के कार्यकाल में नामित किए गए गैर सरकारी लोगों को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश मुख्य सचिव एस रामास्वामी ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और प्रभारी सचिव को दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव के इस कदम के बाद बड़ी संख्या में अहम ओहदेदारों को अपने पद गंवाने पड़ेंगे। हालांकि, सरकार को अपनी इस मुहिम में मुंह की भी खानी पड़ी है। श्री बदरीनाथ श्री केदारनाथ मंदिर समिति को सरकार ने तत्काल भंग करते हुए धर्मस्व सचिव को प्रशासक नियुक्त किया था। सरकार के इस कदम का विरोध करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की

सत्ता संभालते ही मिलने लगी हैं चुनौतियां

गई। हाईकोर्ट ने सरकार के इस फैसले को रद इन फैसलों पर कांग्रेस हमलावर भी है। ये दीगर बात है कि पार्टी ओहदेदारों को लेकर अपने दामन को भी पाक-साफ दिखाना चाहती है।

मुकदमों पर सियासत

नई सरकार ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर राजनीतिक कारणों से दर्ज मुकदमें वापस लेने की घोषणा कर प्रदेश की सियासत को गर्मा दिया है। पार्टी स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत की इस घोषणा से भाजपा कार्यकर्ता जहां खुशी से लबरेज हैं तो वहीं कांग्रेस इस पर चिंता जता रही है। दरअसल, भाजपा ने यह कदम ऐसे ही नहीं उठाया है। भाजपा के तमाम विधायकों व कार्यकर्ता इस समय मुकदमें झेल रहे हैं। कांग्रेस शासनकाल में तो इन मुकदमों में तीन भाजपा विधायकों को जेल तक जाना पड़ा जबकि एक विधायक के घर की कुर्की हुई। इनमें से विधायक पूरण सिंह फर्त्याल के मामले में तो स्थिति

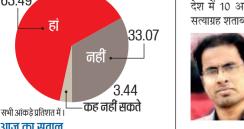
यह रही कि पुलिस ने एक घटना पर भाजपा धारा में मुकदमा दर्ज किया था। कांग्रेसी नेता से तो मुकदमा वापस हो गया जबकि भाजपा विधायक पर यह मुकदमा बरकरार रहा। इसी तरह विधायक राजकुमार ठुकराल के मामले में भाजपा ने सदन तक बाधित किया। मुकदमा वापसी का आश्वासन तो मिला लेकिन उनके घर की कुर्की कर दी गई। इसी तरह अन्य कई भाजपा कार्यकर्ताओं पर भी मुकदमें दर्ज हैं। सरकार का यह कदम कांग्रेस के गले नहीं उतर रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष किशोर उपाध्याय का कहना है कि इसकी आड़ में भाजपा अपराधियों को भी राहत दे सकती है। लगे हाथ कांग्रेस ने यह भी कह डाला है कि राजनीतिक मुकदमें वापस ही लेने हैं तो केवल भाजपा ही क्यों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से भी मुकदमें वापस लिए जाएं। फिलहाल मुकदमें वापसी का दौर शुरू हो चुका है। भाजपा विधायक पूरण सिंह फर्त्याल से दो मुकदमे

वापस ले लिए गए हैं।

सत्याग्रह शताब्दी वर्ष

अफरोज आलम साहिल

देश में 10 अप्रैल यानी आज से चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष का जश्न का आगाज



कल का परिणाम

आज का सवाल भारत–बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी जल बंटवारे का मसला साल के अंत तक सुलझ जाएगा ?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर POLL लिखें, स्पेस देकर Y, N या C लिखकर 57272 पर भेजें Y –हां, N–नहीं, C–कह नहीं सकते

परिणाम एसएमएस से प्राप्त नतीजों के साथ जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

माफी कर्जे से मिली हल्काया कुछ भार, किंतु समस्या से नहीं हुआ पूर्ण निस्तार । हुआ पूर्ण निस्तार कृषक क्या खुशी मनावै, दर-दर खड़े दलाल फसल का भाव न पावै। कर दीजै ऋणमुक्त नहीं है इतना काफी, मिले अगर बाजार न मांगे वह ऋण माफी। – ओमपकाश तिवारी

हो चुका है। आज के ही दिन महात्मा गांधी ने बिहार की धरती पर



को भी याद किया जाना जरूरी है, जिनकी वजह से गांधी बिहार में टिके और आजादी की लड़ाई को अंजाम दिया। उस शख्स का नाम है बैरिस्टर मौलाना मजहरुल हक। 10 अप्रैल 1917 को गांधी चंपारण के राजकुमार शुक्ल के साथ कलकत्ता से पटना पहुंचे। पटना पहुँचने पर राजकमार शुक्ल उन्हें डॉ. राजेंद्र प्रसाद के घर ले गए।डॉ. प्रसाद घर पर नहीं थे। इस दौरान गांधी को टॉयलेट जाने की जरूरत महसुस हुई पर डॉ. प्रसाद के नौकरों ने उन्हें घर

का टॉयलेट इस्तेमाल नहीं करने दिया। इस भेदभाव से आहत गांधी जी वापस जाने की सोचने लगे। लेकिन फिर उन्हें याद आया कि पटना के मौलाना मजहरुल हक लंदन में उनके साथ पढ़ते थे। 1915 में कांग्रेस के बंबई अधिवेशन में हुई उनसे मुलाकात की याद भी गांधी को आई। बस फिर क्या था, गांधी जी

...तो बिहार से लौट जाते गांधी

अपने अपमान से आहत महात्मा गांधी को बैरिस्टर मौलाना मजहरूल हक पटना में अपने घर न ले जाते तो शायद चंपारण सत्यागह को आज हम इस रूप में न याद कर रहे होते

ने फौरन उन्हें सूचना भेजी और मजहरुल हक साहब आए और अपनी गाडी में बैठाकर गांधी जी को अपने घर लेकर गए। उन्होंने गांधी को उचित सम्मान दिया और आगे के मकसद पर बातचीत की। चंपारण जाने के रास्तों से उन्हें रू-ब-रू कराया और इस तरह चंपारण सत्याग्रह की शुरुआत हुई। इसके बाद स्वतंत्रता के संघर्ष में जो कुछ हुआ वह इतिहास है। जरा सोचिए अगर मजहरुल हक उस अहम मोड़ पर गांधी जी का साथ न देते तो शायद देश की तकदीर और खुद गांधी की तकदीर कुछ अलग ही होती।

चंपारण के मोतिहारी में गांधी पर जब मुकदमा हुआ तो इसकी खबर मिलते ही मजहरूल हक वहां पहुंच गए। बल्कि गांधी ने एक बैठक भी आयोजित किया, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि उनके जेल जाने के बाद मजहरूल हक और ब्रज किशोर प्रसाद आंदोलन का नेतृत्व करेंगे। हालांकि बाद में गांधी के खिलाफ दर्ज मुकदमा वापस ले लिया गया। चंपारण के रैयतों पर ब्रिटिश जुल्म के खिलाफ गांधी ने अपनी जांच-पड़ताल शुरू कर दी। इसमें भी मजहरुल हक ने सक्रिय भूमिका निभाई और शान-शौकत की जिंदगी छोडकर सीधा-सादा जीवन बिताने लगे। गांधी ने इसका जिक्र अपनी आत्मकथा में कई जगह किया है। कुछ जगहों पर मजहरुल हक को गांधी ने 'जेंटिल बिहारी' के नाम से याद किया है। मजहरुल हक अपने शान-शौकत के लिए मशहर थे। लेकिन चंपारण सत्याग्रह ने उन पर गहरा प्रभाव डाला और वह पूरी तरह से गांधीवादी हो गए। चंपारण में गांधी की जांच मकम्मल होने के बाद मजहरुल हक गांधी को जनवरी 1918 में मोतिहारी से छपरा ले गए, जहां गांधी ने मुसलमानों की एक सभा में हिंदू-मस्लिम एकता को मजबत करने वाली बातों को रखा। इस सभा में मजहरुल हक ने तकरीर की और सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। चंपारण सत्याग्रह के सुत्रधार और कानपुर

से प्रकाशित होने वाले अखबार 'प्रताप' के संवाददाता पीर मुहम्मद मूनिस ने 16 सितंबर 1920 को मौलाना मजहरुल हक से बातचीत की। यह बातचीत प्रताप के 11 अक्टूबर, 1920 के अंक में 'असहयोग और मजहरुल हक 'शीर्षक से प्रकाशित हुआ था। इस बातचीत की भूमिका में पीर मुहम्मद मूनिस

लिखते हैं कि महात्मा गांधी के असहयोग कार्यक्रम के संबंध में मुझे पटना जाना पड़ा। तारीख 16 सितंबर को सुबह करीब सात बजे मजहरुल हक के सिकंदर मंजिल में पहुंचा। भीतर दाखिल होने पर मैं अवाक रह गया, क्योंकि इस स्थान को कुछ दिन पहले मैंने देखा था, अब वह स्थान उस शानों-शौकत का नहीं रहा।जिन जगहों पर विलायती कुर्सियां रहती थीं, वहां पर कालीन बिछे हुए थे। आराम कुर्सी का काम मसनद से लिया जा रहा था। संपूर्ण हॉल दरी और कालीन से सजा हुआ था। एक दम रंग बदला हुआ था। विलायती चीजों की जगह स्वदेशी चीजों ने ले ली थी। मिस्टर मजहरुल हक स्वदेशी पोशाक मारकीन का कुर्ता और पायजामा पहने बैठे थे। महात्मा गांधी के समान टोपी, सामने कालीन पर रखी हुई थी। बिहार के इस नेता को इस वेश में देखकर देश का भविष्य सामने दिखाई पड़ने लगा। मन में अनेक प्रकार की उमंगें उठने लगीं और मैंने मिस्टर हक से सवाल पूछने शुरू कर दिए....।'एक बातचीत में पीर मुहम्मद मूनिस ने मजहरुल हक से जब पूछा कि असहयोग के लिए आप क्या कर रहे हैं?' तो उनका



का त्याग कर दिया। राजकुमारों जैसी ठाठबाट

वाली जिंदगी को छोड़ अब एक सूफी दरवेश

की जिंदगी गुजारने लगे। वह अपनी कथनी

और करनी में निडर और निष्कपट थे, बेबाक थे। महात्मा गांधी ने मजहरूल हक के लिए ये बातें उनके देहांत पर संवेदना के रूप में 9 जनवरी, 1930 को यंग इंडिया में लिखा था। मौलाना मजहरुल हक आजादी की लडाई के एक समर्पित सेनानी थे। गांधी को हौसला देने से लेकर कदम-कदम पर उनके साथ इस जंग में खड़े रहे। पर इतिहास ने गांधी को तो बखूबी याद रखा, मगर बिहार के मौलाना मजहरुल हक को भूला दिया। उनके वारिस आज भी उसी पटना में गुमनाम जिंदगी जी रहे हैं, जिस पटना में मजहरूल हक सैकड़ों एकड़ जमीन देश के नाम पर कांग्रेस को कुर्बान कर दिया। पर आज हक जैसे सच्चे स्वतंत्रता सेनानी भूला दिए गए हैं मगर सियासत में सौदेबाजी करने वाले अगली कतारों में खड़े हैं।

(लेखक मौलाना मजहरुल हक के जीवन पर शोध कर रहे हैं) नई दिल्ली, प्रेट: देश में कम से कम 826 आवासीय परियोजनाएं तीन से चार साल तक की देरी का शिकार हैं। उद्योग चैंबर एसोचैम की ओर से किए गए अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। इसके चलते घर खरीदने वालों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीते साल दिसंबर के अंत तक देशभर में कुल 2,300 हाउसिंग प्रोजेक्ट विकसित किए जा रहे थे। अध्ययन के अनुसार इनमें से 826 आवासीय और 60 कॉमर्शियल परियोजनाओं में खासी देरी हो चुकी है।

'क्रेडाई ने भारत सरकार के सबको आवास उपलब्ध कराने संबंधी लक्ष्य के साथ रियल एस्टेट उद्योग को जोड़ने के लिए पहल की है। मैं इसके लिए रियल एस्टेट क्षेत्र के इस संगठन को बधाई देता हूं।'

— वेंकैया नायडू, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री



बढते कदम 🕨 बस स्कैन कॉपी या ओटीपी के जरिये हो जाएगा काम

पैन को आधार से जोड़ना हुआ सरल

करदाता ई–फाइलिंग पोर्टल पर जाकर कर सकेंगे ओटीपी के विकल्प का उपयोग

नई दिल्ली, प्रेट्टः नाम की अलग-अलग स्पेलिंग की वजह से पैन (परमानेंट एकाउंट नंबर) को आधार नंबर से जोड़ने में आ रही दिक्कत को दूर कर दिया गया है। आपको सिर्फ अपने पैन की स्कैन कॉपी अपलोड करनी होगी। बस इतने से ही यह काम हो जाएगा। आयकर विभाग ने करदाताओं की सुविधा के लिए यह पहल की है।

इसके अलावा आयकर विभाग पैन को आसानी से आधार के साथ जोड़ने के लिए ओटीपी के जरिये सत्यापन का ऑनलाइन विकल्प देने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत करदाता ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर ऐसा कर पाएंगे। इस विकल्प में करदाता को बिना अपना नाम बदले वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) का विकल्प चुनना होगा। इसके लिए शर्त यही है कि दोनों ही दस्तावेजों में उसकी जन्मतिथि समान



PAN Card Number Verification - Aadhaar Verification

ऐसे तमाम लोग हैं, जो सिर्फ इसी वजह से पैन को आधार से नहीं लिंक कर पा रहे, क्योंकि दोनों तरह के दस्तावेजों में नाम की स्पेलिंग में गलतियां हैं।

होनी चाहिए। दोनों की जन्मतिथि के मिलान होने पर पैन व आधार लिंक हो जाएंगे।

आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए सरकार पहले ही पैन कार्ड को आधार से जोड़ना अनिवार्य बना चुकी है। इसके लिए लोगों को 31 जुलाई तक का समय दिया गया है। मगर ऐसे बहुत से लोग हैं, जो सिर्फ इस कारण पैन को आधार से नहीं जोड़ पा रहे हैं, क्योंकि दोनों दस्तावेजों में नाम की स्पेलिंग में छोटी-मोटी गलतियां हैं। एक अधिकारी ने बताया कि विभाग

, इस बारे में मीडिया के जरिये लोगों को इस हफ्ते से जागरूक बनाने का प्रयास करेगा।

एक करोड़ से ज्यादा लोग आधार को पैन कार्ड से जोड़ चुके हैं। देश में 25 करोड़ पैन कार्ड धारक हैं। इस लिहाज से यह आंकड़ा बहुत कम है। वहीं, भारत में अब तक 111 करोड़ लोगों को आधार नंबर जारी किया जा चुका है। आयकर विभाग के आंकड़ों के मुताबिक फिलहाल सिर्फ छह करोड़ लोग ही इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल

रिटर्न में दिखाना होगा दो

और क्रेडिट कार्ड के बिल चुकाने के लिए नकदी में किए गए सभी भुगतान का ब्योरा नए आयकर रिटर्न (आइटीआर) फॉर्म में देना होगा। इस एक पेज के आइटीआर को कुछ दिन पहले ही विभाग ने रिटर्न दाखिल करने के लिए अधिसूचित किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बताया। इस नए आइटीआइ में ही बीते साल आठ नवंबर से 30 दिसंबर के बीच बैंक खाते में दो लाख से अधिक की नकदी जमाओं के लिए अलग से एक कॉलम दिया गया है इसी कॉलम का इस्तेमाल कैश में किए गए दो लाख से ज्यादा के लोन या क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट की घोषणा करने के

लाख से ज्यादा कैश पेमेंट नई दिल्ली: नोटबंदी के दौरान कर्ज

लिए भी किया जा सकता है।

केयर्न को 10,247

निजी पीएफ ट्रस्टों का हो विशेष ऑडिट

नई दिल्ली, प्रेट्र : श्रम मंत्रालय प्राइवेट पीएफ ट्रस्टों का ऑडिट या विशेष जांच कराए। संसद की श्रम मामलों की स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह सिफारिश की है। ऐसा पाया गया है कि ये निजी ट्रस्ट कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की राशि अपनी कंपनियों में म्यूचुअल फंडों के जरिये निवेश कर रहे हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से रंगलेट होने वाले निजी टस्ट पीएफ खातों और रिटायरमेंट बचत का रखरखाव करते हैं। इन ट्रस्टों को सरकार की ओर से तय निवेश प्रारूप में इस फंड का निवेश करना होता है। ये ट्रस्ट छूट प्राप्त प्रतिष्ठान कहलाते हैं, क्योंकि वे कर्मियों का अंशदान कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के पास जमा नहीं करते।

श्रम पर संसद की स्थायी समिति ने संसद में सात अप्रैल को अपनी रिपोर्ट पेश की थी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी से जुड़े इन ट्रस्टों की ओर से अपने ही कारोबार में निवेश अनुचित है। अपने फायदे के लिए इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि इन निजी पीएफ ट्रस्टों को मिली छूट की निश्चित अवधि के बाद समीक्षा होनी चाहिए। इससे ईपीएफओ को कंपनियों की वास्तविक वित्तीय स्थिति का पता चलेगा। साथ ही कर्मचारियों के हितों को महफूज रखने में

नई दिल्ली, प्रेट्ट : वित्त मंत्रालय पूंजी बाजार

नियामक सेबी से अनुरोध कर सकता है कि

सरकारी बैंकों की खातिर 25 फीसद पब्लिक

होल्डिंग के मानकों को पूरा करने के लिए अगस्त

की समयसीमा आगे बढ़ाई जाए। वजह यह है कि

मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सरकारी

हिस्सेदारी घटाने के लिए विभिन्न विकल्पों पर

विचार कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के ऐसे सात

बैंक हैं, जिनमें सरकार की होल्डिंग 75 फीसद

से ज्यादा है। इनमें यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया,

इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और सेंट्रल

बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं। मार्च में पूंजी लगाने

के दूसरे दौर के बाद कुछ और बैंकों में सरकारी

हिस्सेदारी 75 फीसद से अधिक जा सकती है।

2017 तक सूचीबद्ध पीएसयू में सरकारी

हिस्सेदारी 75 फीसद से कम होनी चाहिए। वित्त

मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि पब्लिक

शेयरहोल्डिंग के सेबी के नियमों को पूरा करने

के प्रयास जारी हैं। लेकिन बाजार की स्थितियों

के कारण जहां बैंक कुछ मामलों में ऐसा करने

में असमर्थ रहते हैं तो नियामक से संपर्क किया

जाएगा। नियामक से उन मामलों में 25 फीसद

सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार अगस्त,

केंद्र सरकार ने लांच किए 350 हाउसिंग प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, प्रेट : केंद्र सरकार ने करीब दो लाख से किफायती आवास बनाने के लिए रविवार को 350 से ज्यादा प्रोजेक्ट लांच किए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले इन मकानों की कीमत 15 लाख से 30 लाख रुपये के बीच होगी। इन परियोजनाओं पर निजी क्षेत्र 38,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। केंद्र की किफायती आवास योजना के तहत कॉरपोरेट जगत की ओर से यह पहली बड़ी पहल है।

यह लांचिंग प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से प्राइवेट बिल्डरों के साथ हुई बैठक के अगले दिन ही की गई है। पीएमओ ने यह बैठक 2022 तक सबको आवास मुहैया कराने के सरकार के महात्वाकांक्षी कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की भागीदारी की राह में आने वाली अड़चनें दूर करने के लिए बुलाई गई थी।

आवास और शहरी गरीबी उन्मलन मंत्री वेंकैय्या नायडु ने गुजरात के गांधीनगर में हुए समारोह में इन आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस समारोह का आयोजन रियल एस्टेट डेवलपरों के संगठन क्रेडाई ने किया था। संगठन के सदस्य इन मकानों को बनाने पर भारी-भरकम निवेश करने जा रहे हैं। प्रत्येक मकान

क्षेत्र घरों की संख्या 1,00,000 से ज्यादा एनसीआः 28,465 गुजरात कर्नाटक 7,037 उत्तर प्रदेश 6,055 को बनाने पर औसतन 18 लाख रुपये का खच

आएगा। सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी क्षेत्र में बन रहे इन मकानों को खरीदने वालों को एक लाख से 2.35 लाख रुपये तक की केंद्रीय सहायता मुहैया कराएगी। जुन, 2015 में लांच होने के बाद से आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय अब तक देश भर में 17.73 लाख किफायती मकानों के निर्माण को मंजूरी दे चुका है। इन्हें बनाने में 95,660 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके तहत केंद्रीय सहायता के रूप में 27,879 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराने को हरी झंडी दी जा चुकी है।

न्यूज गैलरी

रेलिगेयर ने बेचा अपना स्वास्थ्य बीमा कारोबार

नर्ड दिल्ली : रेलिगेयर एंटरप्राइजेज ने

रेलिगेयर हेल्थ इंश्योरेंस में अपनी पूरी 80 फीसद हिस्सेदारी बेचने की घोषणा की है। वह निजी इक्विटी फंड ट्रू नॉर्थ मैनेजर्स की अगुआई वाले निवेशकों के समूह को यह हिस्सेदारी बेचेगी। यह सौदा करीब 1,040 करोड़ रुपये में होने का अनुमान है। सौदे के मुताबिक रेलिगेयर हेल्थ इंश्योरेंस का मूल्यांकन करीब 1,300 करोड़ रुपये होगा। रेलिगेयर हेल्थ इंश्योरेंस में 5-5 फीसद हिस्सेदारी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और कॉरपोरेशन बैंक के पास है।रेलिगेयर हेल्थ इंश्योरेंस को खरीदने वाले कंसोर्टियम में घरेलू निवेशक - गौरव डालमिया और फेयरिंग कैपिटल भी शामिल हैं। यह इस सेक्टर का बड़ा सौदा माना जा रहा है।

30 अप्रैल तक डाटा अधिकारी नियुक्त करें बीमा कंपनियां

नई दिल्ली: बीमा कंपनियों को अनिवार्य रूप से 30 अप्रैल तक एक मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआइएसओ) नियुक्त करना होगा। इसका प्रमुख काम डाटा की सुरक्षा करना होगा। यह बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण यानी इरडा के साइबर सुरक्षा के दिशानिर्देशों का हिस्सा है।इसे सीरीज में लागू किया जाएगा। पहला चरण 30 अप्रैल से शुरू होगा।मार्च 2018 तक यह चक्र पुरा हो जाएगा।हालांकि, जिन कंपनियों की मौजुदगी तीन साल से कम है, उन्हें सीआइएसओं को नियुक्त करने की अनिवार्यता से छूट दी गई है।

2018 तक स्वतंत्र सावेजनिक ऋण प्रबंधन एजेंसी

नई दिल्ली: वित्त मंत्रालय अगले साल के अंत तक एक पूर्ण स्वतंत्र सार्वजनिक ऋण प्रबंधन एजेंसी स्थापित करने की उम्मीद कर रहा है ताकि सरकार के उधार कार्यक्रम का प्रबंधन किया जा सके जो लाखों करोड़ में चला जाता है। वर्तमान में बाजार उधारी सहित सरकार के ऋण का प्रबंधन रिजर्व बैंक करता है। सार्वजनिक ऋण के प्रबंधन के लिए पूर्ण एजेंसी के तौर पर अंतरिम व्यवस्था को सार्वजनिक ऋण प्रबंधन एजेंसी (पीडीएमए) कहा जाएगा। सरकार ने बीते साल राजधानी स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के ऑफिस में सार्वजनिक ऋण प्रबंधन सेल (पीडीएमसी) स्थापित किया था।

रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर कंपनियों का भरोसा : सीआइआइ

नई दिल्ली: कंपनियां आशावान हैं कि इस साल आर्थिक गतिविधियां रफ्तार पकड़ेंगी। इस भरोसे के कारण सीआइआइ बिजनेस कांफिडेंस सूचकांक (बीसीआइ) जनवरी-मार्च तिमाही में अब तक के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। इस दौरान बीसीआइ 64.1 के स्तर पर पहुंचा। इससे पिछली तिमाही में यह 56.5 के स्तर पर था। कुछ तिमाही में नरम रहने के बाद सूचकांक में तेज बढ़त दर्ज की गई है। सूचकांक का बढ़ना दर्शाता है कि कंपनियों का भरोसा बढ़ रहा है।

बिलिंग की सबसे ज्यादा शिकायत इन कंपनियों में

नई दिल्ली: टेलीकॉम कंपनियों एयरटेल, वोडाफोन और आइंडिया की मोबाइल सेवाओं के मामले में अक्टूबर-दिसंबर, 2016 के दौरान उपभोक्ताओं की ओर से बिलिंग की सबसे ज्यादा शिकायतें मिली हैं। दूरसंचार नियामक ट्राई की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सुनील मित्तल की अगुआई वाली भारती एयरटेल के खिलाफ सबसे अधिक शिकायतें तमिलनाडु (चेन्नई सहित), कोलकाता, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के 2जी प्रीपेड ग्राहकों की ओर से आई हैं। इन क्षेत्रों में बेंचमार्क का उल्लंघन 0.11 से 0.12 फीसद के बीच पाया गया है। सेवाओं की गुणवत्ता मानकों के अनुसार, एक तिमाही में प्रति 100 बिलों पर शिकायत का स्तर 0.1 फीसद से अधिक नहीं होना चाहिए।

ग्यारह माह के दौरान 24 फीसद घटा सोना आयात

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में बीते वित्त वर्ष 2016-17 के पहले 11 महीनों के दौरान सोने के आयात में 24 फीसद की कमी आई। अप्रैल-फरवरी की अवधि में आयात का यह आंकड़ा 23.22 अरब डॉलर रह गया। इससे चालू खाते के घाटे (सीएडी) पर अंकुश रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2015-16 की समान अवधि में कुल सोना आयात 30.71 अरब डॉलर रहा था। बीते दिन राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोना 29 हजार 300 रुपये प्रति दस ग्राम पर

अगर मात्रा के लिहाज से तो बीते वित्त वर्ष के पहले दस महीनों में 560.32 टन सोना आयात किया गया। वर्ष 2015-16 के दौरान यह आंकड़ा 968 टन था। भारत सोने का सबसे बड़ा आयातक है। यह आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए किया जाता है। फिलहाल विदेश से सोना मंगाने पर 10 फीसद का आयात शुल्क लगता है। ज्वैलरी इंडस्टी और वाणिज्य मंत्रालय लगातार

नई दिल्ली, प्रेट : बजट प्रक्रिया 31 मार्च तक पूरा

करने और लेखानुदान नहीं लाने के लिए राष्ट्रपति

प्रणब मुखर्जी ने वित्त मंत्री अरुण जेटली की पीठ

थपथपाई है। कई सालों के बाद यह पहला मौका

है जब लेखानुदान लाने की आवश्यकता नहीं

पड़ी। राष्ट्रपति बोले, 'मैं वित्त मंत्री को बजट

प्रक्रिया, सभी व्यय प्रस्ताव और वित्त विधेयक

से जुड़े सभी मामलों को 31 मार्च तक संसद के

दोनों सदनों से मंजूरी दिलाने के लिए बधाई देता

हुं।' प्रणब ने कहा कि कई साल बाद लेखानुदान

पेश नहीं किया गया। याद नहीं आता कि कितने

नए वित्त वर्ष के लिए बजट के पारित न होने

पर लेखानुदान पेश किया जाता है। इस अंतरिम

व्यवस्था के तहत जरूरी खर्च के लिए देश की

संचित निधि से धन निकासी की खातिर संसद

से मंजूरी ली जाती है। मुखर्जी राष्ट्रपति भवन

में लकी ग्राहक योजना और डिजि धन व्यापार

परंपरा को तोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के नेतृत्व वाली सरकार ने इस साल बजट एक

महीने पहले एक फरवरी को पेश किया। अब

तक इसे 28 फरवरी या माह की अंतिम तारीख

को पेश किया जाता था। इस कदम का मकसद

नए वित्त वर्ष की शुरुआत से ही निवेश चक्र शुरू

योजना के 'मेगा ड्रा' के बाद बोल रहे थे।

साल बाद ऐसा हुआ है।

अप्रैल-फरवरी के आंकडे

🕨 इससे चालू खाते के घाटे यानी सीएडी पर

इस शुल्क को हटाने की मांग कर रहे हैं। सोने के आयात में गिरावट के कारण बीते वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों के दौरान व्यापार घाटा (आयात और निर्यात का अंतर) घटकर 95.2 अरब डॉलर रह गया। इससे पूर्व वर्ष की समान अवधि में यह 114.3 अरब डॉलर था। हालांकि वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मासिक आधार पर देखें तो सोने का आयात फरवरी में बढ़कर 3.48 अरब डॉलर हो गया। बीते वित्त वर्ष के समान माह में यह आंकड़ा 1.4 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2015-16 में चालू खाते का घाटा 22.1 अरब डॉलर था। यह आंकड़ा देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.1 फीसद बैठता है। इससे पिछले वित्त वर्ष

राष्ट्रपति ने थपथपाई जेटली की पीट

करोड़ का नया नोटिस

नई दिल्ली, प्रेट्ट : आयकर विभाग ने ब्रिटेन की केयर्न एनर्जी को 10,247 करोड़ रुपये कर बकाये का भगतान करने का नया नोटिस जारी किया है। विभाग ने आयकर अपीलीय ट्रिब्यूनल (आइटीएटी) का फैसला आने के कुछ ही हफ्तों के भीतर उठाया है। ट्रिब्युनल ने अपने आदेश में कहा था कि विभाग कंपनी से पूंजीगत लाभ पर पिछली तारीख से टैक्स की वसूली कर सकता है। केयर्न ने अपने शेयरधारकों को भेजी सूचना में कहा कि आइटीएटी का फैसला आने के बाद 31 मार्च को संशोधित टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। अलबत्ता, ट्रिब्यूनल ने कहा है कि भुगतान में देरी के लिए ब्याज अब फरवरी, 2016 से ही देय होगा। इस फैसले के खिलाफ अपील की जाएगी। पहले आयकर विभाग ने 10,247 करोड़ रुपये के टैक्स पर दस साल के लिए 18,800 करोड़ रुपये का ब्याज मांगा था। यह टैक्स केयर्न द्वारा केयर्न इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने से हुए पूंजीगत लाभ पर बनता है। अपनी पूंजी पर भारी मुनाफा कमाने के बावजूद ब्रिटिश कंपनी ने भारत में टैक्स अदा नहीं किया। केयर्न ने भी अंतराष्ट्रीय आर्बिट्रेशन की कार्यवाही के तहत भारत सरकार से 5.6

की न्यूनतम पब्लिक शेयरहोल्डिंग से छूट की सेल का नहीं होगा निजीकरण

नईदुनिया, दुर्ग: सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी स्टील कंपनी सेल का निजीकरण नहीं होगा। देश भर में स्टील प्लांट की आठ प्रोडक्शन यूनिटें हैं। इसमें छह लाभ में चल रही हैं। इसमें सेल भी शामिल है। इसलिए निजीकरण का सवाल ही नहीं उठता। ये बातें केंद्रीय इस्पात मंत्री बीरेंद्र सिंह ने यहां आयोजित एक प्रेसवार्ता में कही।

इस्पात मंत्री ने कहा कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को पिछले छह महीने से कोई घाटा नहीं हुआ है। स्टील युनिटों से इस बार 57 प्रतिशत ज्यादा उत्पादनों का निर्यात किया गया है। इसमें सेल का बड़ा योगदान है। मुख्य उत्पाद रेल पटरियां हैं। अकेले रेलवे में ही आठ लाख टन पटरियों की सप्लाई की गई थी। अब 12 लाख टन रेल पटरियों की आपूर्ति करेंगे।

राष्ट्रीय इस्पात नीति का मसौदा तैयार : बीरेंद्र ने बताया कि उद्योगों को लेकर राष्ट्रीय इस्पात नीति का मसौदा तैयार हो गया है। यह मसौदा अगले महीने केबिनेट की बैठक में पेश किया जाएगा। इससे देश की औद्यौगिक क्षेत्र को और गति मिलेगी। अर्थव्यवस्था को भी बढावा मिलेगा। केंद्रीय इस्पात मंत्री भिलाई स्टील प्लांट और अन्य सवालों पर यह कहकर बचते रहे कि वे संसद प्रवास योजना के अंतर्गत दौरे पर यहां

Bi SECURITIES & EXCHANGE BOARD OF INDIA

पब्लिक होल्डिंग पर मदद करेगा केंद्र

पीएसयू बैंकों के लिए समयससीमा में ढील की मांग कर सकता है वित्त मंत्रालय

બ બ ન	सरकारा हााल्डग (फीसद में)	
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडि	या 88.72	
इंडियन बैंक	82.10	
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	81.61	
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	81.28	
पंजाब एंड सिंध बैंक	79.62	
इंडियन ओवरसीज बैंक	79.56	
यूको बैंक	76.67	
मांग की जाएगी। अब भी पांच महीने शेष हैं		
और विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा		

है। इनमें पब्लिक ऑफर और एलआइसी को

डिसिमिनेशन बोर्ड में शामिल कंपनियां भी करा सकेंगी लिस्टिंग : सेबी

नर्ड दिल्ली : डिसिमिनेशन बोर्ड में शामिल या गैर-मान्यताप्राप्त एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध कंपनियां राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्टिंग की मांग कर सकती हैं।हालांकि, इसमें कुछ शर्तें जुड़ी हुई हैं। बाजार नियामक सेबी ने यह जानकारी दी है। सिर्फ गैर-मान्यताप्राप्त एक्सचेंज पर सूचीबद्ध या क्षेत्रीय स्टॉक एक्सचेंजों को छोड़ रही कंपनियां जो ऐसे किसी अन्य एक्सचेंज पर लिस्ट होने में विफल हो जाती हैं, उन्हें डिसिमिनेशन बोर्ड में डाल दिया जाता है। नियामक ने इस बोर्ड पर खासतौर पर सूचीबद्ध कंपनियों (ईएलसी) को लेकर स्थिति साफ कर दी है।

हिस्सेदारी बेचने का विकल्प शामिल है। इस तरह के चार बैंक हैं जिनमें सरकारी हिस्सेदारी 80 फीसद से ज्यादा है।

(करोड़ ₹ ने) 2014-15 36.91 तरबूज का नियति

भारत में दस नए मॉडल पेश करेगी जेएलआर

नई दिल्ली, प्रेट्र : टाटा मोटर्स की ब्रिटेन स्थित सहयोगी कंपनी जगआर लैंड रोवर (जेएलआर) भारत में इस साल अपने वाहनों के दस नए मॉडल पेश करेगी। कंपनी लैंड रोवर डिस्कवरी और नई वेलर इस साल के आखिर तक लाएगी। कंपनी यहां अपनी बिक्री बढ़ाने की रणनीति के तहत यह कदम उठाएगी। जेएलआर

निवेश 70,130 करोड़ रुपये रहा था।वित्त वर्ष

2014-15 में फंड प्रबंधकों ने शेयर बाजारों

में लगभग 41,000 करोड़ रुपये का निवेश

किया था। म्यूचुअल फंडों के निवेश पोर्टल

फंड्सइंडिया डॉट कॉम के श्रीकांत मीनाक्षी ने

कहा कि 2015-16 की तुलना में 2016-17 में

इक्विटी बाजार में अधिक उतार-चढ़ाव देखने

को मिला। इक्विटी के अलावा फंड प्रबंधकों

ने डेट मार्केट में भी 3.14 लाख करोड़ रुपये

का निवेश किया। विशेषज्ञों का कहना है कि

म्यूचुअल फंड उद्योग ग्रोथ की उड़ान भरने की

5,074.43 करोड़ रुपये बढ़कर 1,92,876.55

इंडिया के एमडी व प्रेसीडेंट रोहित सुरी ने यह जानकारी दी। भारत में अपने कारोबार का विस्तार करने की रणनीति के तहत कंपनी और अधिक मॉडलों की असेंबलिंग करने पर विचार करेगी। खराब बाजार दशाओं के बावजूद पिछले साल (लक्जरी सेगमेंट में) ग्रोथ दिखाने वाले केवल दो ब्रांडों में जेएलआर भी शामिल थी।

नए वेतन संशोधन को

नवंबर से पहले अंतिम

करने में सरकार की मदद करना है।

व्यापक आर्थिक आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल शेयर समीक्षा

भी संभव हुआ है जिनके पास मोबाइल फोन नहीं

है। भारत को नकदी रहित समाज बनने के लिए

लंबा रास्ता तय करना है। नकदी में कमी लाने की

आवश्यकता है। साथ ही पारदर्शिता सुनिश्चित

करने के लिए सुरक्षित डिजिटल भुगतान के

तरीकों को बढ़ावा देने की जरूरत है। सरकार

ने पिछले साल नवंबर में 500 और 1000 के

पुराने नोटों को बंद करने के बाद देश में डिजिटल

भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए।

चौथी तिमाही के परिणाम, आर्थिक आंकड़े व ग्लोबल रुझान इस हफ्ते कम कारोबारी सत्र वाले बाजार की दिशा तय करेंगे। तिमाही नतीजों का एलान इंफोसिस के साथ शुरू होगा।



नई दिल्ली, प्रेट्र: व्यापक आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों और सीरिया पर अमेरिका के मिसाइल हमले से पैदा हुई भू-राजनीतिक स्थिति से इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल तय होगी। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। बुधवार को फरवरी के लिए औद्योगिक उत्पादन (आइआइपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर के आंकड़े आने हैं।

'ऐतिहासिक घटना' है।

ट्रेड स्मार्ट ऑनलाइन के संस्थापक निदेशक विजय सिंघानिया ने कहा कि चौथी तिमाही के नतीजे, व्यापक आर्थिक आंकड़े और ग्लोबल मार्केट का रुख इस सप्ताह कम कारोबारी सत्र वाले बाजार की दिशा तय करेंगे। चौथी तिमाही के नतीजों की घोषणा की शुरुआत इंफोसिस से होगी। आइटी क्षेत्र की यह दिग्गज कंपनी गुरुवार को नतीजों का एलान करेगी। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने बताया कि सीरिया में किसी तरह के बड़े टकराव से अंतरराष्ट्रीय बाजार प्रभावित हो सकते हैं। सैम्को सिक्योरिटीज के सीईओ जिमित मोदी ने कहा कि बाजार के लिए अगला बड़ा उत्प्रेरक कंपनियों की चौथी तिमाही और सालाना नतीजे होंगे। अंबेडकर जयंती और गुड फ्राइडे के मौके पर शुक्रवार को बाजार बंद रहेंगे।

बीते हफ्ते बंबई शेयर बाजार (बीएसई) के सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में लगातार दूसरे सप्ताह बढ़त दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 86.11 अंक और

चार सत्रों में एफपीआइ ने किया 2.45 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली में लकी ग्राहक और डिजि धन व्यापार योजना के मेगा डॉ पर राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी।

करीब एक सदी से रेल बजट को अलग

से पेश करने की चली आ रही परंपरा को भी

समाप्त किया गया। इसे आम बजट के साथ

मिला दिया गया। राष्ट्रपति ने 12 अंकों वाली

विशिष्ट पहचान संख्या आधार का जिक्र करते

हुए कहा कि यह देश की विकास की कहानी में

राष्ट्रपति ने कहा, 'आधार युक्त भुगतान

प्रणाली से डिजिटल भुगतान उन लोगों के लिए

नई दिल्ली : विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने बीते चार कारोबारी सत्रों के दौरान ही पूंजी बाजार में 2.45 अरब डॉलर का बड़ा निवेश किया है। जीएसटी बिलों के पारित होने और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ से उत्साहित होकर उन्होंने ऐसा किया। मार्च में एफपीआइ ने घरेलू बाजार में 56944 करोड़ रुपये (8.7 अरब डॉलर) का रिकॉर्ड निवेश किया। यह इस उम्मीद के साथ किया गया कि हाल में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत से सुधारों की रफ्तार में तेजी आएगी। फरवरी में एफपीआइ ने इक्विटी और डेट मार्केट में 15,862 करोड़

निफ्टी 24.55 अंक चढ़ा

पिछले सप्ताह इस तेजी के कारण देश की दस सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच का बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) 39112.28 करोड़ रुपये बढ़ा। सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआइएल) को हुआ। शेयर मूल्य में जोरदार तेजी के कारण मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली यह कंपनी बाजार पूंजीकरण के लिहाज से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के करीब पहुंच रही है। बीते सप्ताह आरआइएल के बाजार

इक्विटी में घटा म्यूचुअल फंडों का निवेश

नई दिल्ली, प्रेट्र : शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के कारण म्यूचुअल फंड प्रबंधकों का इक्विटी में निवेश घटा है। वित्त वर्ष 2016-17 में यह 27 फीसद घटकर लगभग 51 हजार करोड़ रुपये रह गया।वैसे, फंड हाउस नए वित्त वर्ष में उद्योग के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं। उन्हें उम्मीद है कि नए निवेशकों का निवेश सेक्टर की ग्रोथ में जान फूंकेगा। बाजार नियामक सेबी की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार म्यूचुअल फंड प्रबंधकों ने 2016-17 के दौरान शेयर बाजारों में 51,352 करोड़ रुपये का निवेश किया। जबकि इससे पूर्व वित्त वर्ष में यह

पूंजीकरण में 28,000 करोड़ रुपये का इजाफा

शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में आरआइएल के अलावा ओएनजीसी, एसबीआइ, एचयूएल और आइओसी के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। इसके उलट टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आइटीसी, एचडीएफसी व इंफोसिस के एम-कैप में इस दौरान गिरावट आई। इन पांच कंपनियों को कुल 23,003.32 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

करोड रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 2,900.23 करोड़ रुपये चढ़कर 1,99,801.94 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह ओएनजीसी का एम-कैप 1,668.32 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 2,39,147.34 करोड़ और एसबीआइ का 1,394.53 करोड़ बढ़कर 2,34,699.27 करोड़ रुपये हो गया। इसके उलट आइटीसी का बाजार पूंजीकरण 9,353.49 करोड़ रुपये घटकर आइओसी का बाजार पूंजीकरण इस दौरान 3,31,319.87 करोड़ रुपये रह गया।

तैयारी में है।

रूप दें सरकारी बैंक नई दिल्ली, प्रेट्ट : वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक

क्षेत्र के बैंकों को नवंबर से नए वेतन संशोधन को लागू करने की खातिर रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए कहा है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) के साथ छह बैंकों के विलय के बाद देश में सार्वजनिक क्षेत्र के 21 बैंक रह गए हैं। इन बैंकों में करीब आठ लाख लोग काम

मंत्रालय ने सरकारी बैंकों के सीईओ व एमडी को पत्र भेजा है। इसमें वेतन संशोधन को लागू करने के संबंध में सलाह दी गई है। बैंकों को कहा गया है कि वेतन संशोधन तय समयसीमा में हो जाना चाहिए। मंत्रालय ने इसके लिए एक नवंबर, 2017 तक की सीमा निर्धारित की है। सरकारी बैंकों में हर पांच साल में वेतन संशोधन होता है। पिछला संशोधन नवंबर 2012 में प्रभावी हुआ था। तब सरकारी बैंको की युनियनें, बैंक प्रबंधन और इंडियन बैंक एसोसिएशन (आइबीए) 15 फीसद वेतन बढ़ोतरी पर सहमत हुए थे।

हाल ही में बैंक्स बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) के चीफ विनोद राय ने वकालत की थी कि सरकारी बैंकों में क्षतिपूर्ति पैकेज को सुधारने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया था कि सरकारी बैंकों के प्रबंध निदेशकों को कम से कम छह साल के लिए नियुक्त किया जाना चाहिए।

अब उत्तर कोरिया को सबक सिखाने की तैयारी में अमेरिका

सीरिया की बशर अल असद सरकार को दनादन मिसाइलें दागकर सबक सिखाने वाला अमेरिका अब उत्तर कोरिया की ओर रुख कर चुका है। आपत्ति के बावजूद एक के बाद एक मिसाइलों का परीक्षण करके अमेरिका समेत अन्य देशों के लिए खतरा बन रहे उत्तर कोरिया की ओर अमेरिका ने अपना समुद्री लड़ाकू बेड़ा भेज दिया है।

अमेरिका का समुद्री लड़ाकू

यह निमित्ज श्रेणी का परमाणु ऊर्जा चालित विमानवाहक युद्धपोत है। इसमें 60 लड़ाकू विमान और पांच हजार कर्मियों की

यूएसएस कार्ल विंसन विध्वंसक और क्रूजर पोत

दो गाइडेड मिसाइल विध्वंसक पोत यएसएस वेन ई मेयर व यएसएस माइकल मंफीं और एक गाइडेड मिसाइल क्रुजर युएसएस लेक चैंपलेन को भी भेजा गया है। इन्हें ऑस्ट्रेलिया भेजा जाना था लेकिन बीच मार्ग से कोरियाई प्रायद्वीप भेजा गया।

एजिस बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस



एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम से लैस

सभी पोत एजिस मिसाइल डिफेंस सिस्टम से लैस हैं। यह बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही मार गिराने में सक्षम हैं। इससे लैस अमेरिकी पोत द . कोरिया संग प्रशिक्षण में हिस्सा ले चुके हैं । इससे उत्तर कोरिया द्वारा दागी गईं बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट भी किया जा चुका है।

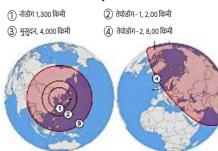
दक्षिण कोरिया में थाड

दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया या अन्य देशों के हमले से बचाने के लिए अमेरिका दक्षिण कोरिया में अपना अत्याधुनिक एंटी मिसाइल सिस्टम थाड लगा रहाँ है। इसका विरोध चीन और उत्तर कोरिया कर चुके हैं।

15 अप्रैल है खास

उत्तर कोरिया १५ अप्रैल को अपने संस्थापक किम द्वितीय सुंग का १०५वां जन्मदिन मनाएगा । इसमें प्योंगयांग में बड़ी सैन्य परेड में अत्याधुनिक मिसाइलों और अन्य हथियारों का परीक्षण किया जाएगा। वह इस दिन मिसाइल भी दाग सकता है।

उत्तर कोरिया की मिसाइल क्षमता



उत्तर कीरिया बना खतरा

2015 से अब तक उत्तर कोरिया कई मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। इनमें से कछ की मारक सीमा में अमेरिका, ब्रिटेन, भारत, चीन समेत कई देश हैं । पिछले साल सितंबर में उसने परमाणु विस्फोटक ले जाने में सक्षम मिसाइल के परीक्षण का भी दावा किया था।

चीन से चर्चा हाल ही में अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति चिनिफंग से मुलाकात की।दोनों में उत्तर कोरिया की बढ़ती सैन्य ताकत पर अंकुश लगाने को लेकर चीन पर दबाव भी बनाया। ट्रंप ने कहा कि अगर चीन उत्तर कोरिया पर दबाव नहीं बनाता है तो उसे हम सधारेंगे। चीन ने इस साल के अंत तक उ . कोरिया से कोयले का आयात बंद कर दी है।

आतंक > मिस्र में पाम सनडे के मौके पर प्रार्थना के समय दो शहरों में हुए बम धमाके

चर्चों पर आतंकी हमले, 45 की मौत

आतंकी संगठन आइएस ने ली जिम्मेदारी, अल-अजहर ने की हमले की कडी निंदा

काइरो, प्रेट्/रायटर : मिस्न के दो शहरों में स्थित कॉप्टिक गिरजाघरों में हुए बम विस्फोटों में 45 लोग मारे गए और 119 घायल हुए हैं। ये हमले पाम सनडे के मौके पर आयोजित प्रार्थना सभा के दौरान हुए। विस्फोटों की जिम्मेदारी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने ली है। एलेक्जेंड्रिया के सेंट मार्क्स चर्च में चल रही प्रार्थना सभा में कॉप्टिक चर्च के धर्मगुरु पोप ट्वाड्रोस द्वितीय भी मौजूद थे लेकिन उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ। वहां पर शक होने पर सुरक्षा बलों ने चर्च के मुख्य द्वार पर ही आत्मघाती हमलावर को रोक लिया था, जहां उसने खुद को उड़ा लिया। वहां पर 18 लोग मारे गए जबकि 69 घायल हुए। दुसरी घटना एक घंटे पहले टांटा के सेंट जॉर्ज चर्च में हुई। वहां पर सभास्थल पर फिट किया गया एक्सप्लोसिव डिवाइस प्रार्थना के दौरान फटा। वहां पर 27 लोग मारे गए और 71 घायल हुए। पोप फ्रांसिस ने दोनों घटनाओं पर दुख जताया है। सुन्नी मुसलमानों की शिक्षा के सबसे बड़े संस्थान अल-अजहर ने इन हमलों को मानवता के खिलाफ जघन्यतम अपराध करार दिया है। सदर इमाम अहमद-अल-तैयब ने मुश्किल वक्त में अल-अजहर के कॉप्टिक

चर्च के साथ होने का एलान किया है। घटना के बाद टांटा के सेंट जॉर्ज चर्च का प्रार्थनास्थल खून से लाल हो गया और जहां-तहां मानव अंग छितरा गए। चीख-पुकार के बीच घायलों को सभागार से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद सैन्य अस्पताल में घायलों के इलाज का आदेश दिया। उन्होंने आतंकियों के खिलाफ अभियान के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई है। सन 2013 में जब सेना ने तख्तापलट करके मुहम्मद मोर्सी को राष्ट्रपति पद से हटाया था. उसके बाद से मिस्न में आतंकी हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं। ज्यादातर हमलों में अल्पसंख्यकों को निशाना

अरब देशों में लोकतंत्र की मांग को लेकर कई सरकारों को सत्ता से बेदखल होना पडा था।

आतंकी हमले का निशाना बने मिस्र के टांटा स्थित कॉप्टिक चर्च में रविवार को बड़ी संख्या में इकट्ढा लोग।

मिस्र के तानाशाह राष्ट्रपति होस्नी मुबारक को भी सत्ता गंवानी पड़ी थी। इसके बाद से ही देश में उथल-पुथल की स्थिति है। एक ओर जहां आतंकी संगठन अपने पैर पसारते जा रहे हैं, तो दूसरी ओर मिस्र की सेना भी लोकतांत्रिक तरीके से होने वाले विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है। दोनों पक्षों के बीच भीषण खूनी संघर्ष में अब तक सैंकड़ों की लोगों की जान जा चुकी है। आतंकी संगठन भी हमले को अंजाम देते रहते हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद मिस्र के सुरक्षाबल आतंकी हमलों को रोकने में नाकाम रह रही है। लेकिन, इन सबमें आमलोग ही पिस रहे हैं। कभी पर्यटन के लिए दुनिया भर में मशहर मिस्र में आए दिन हमले की घटनाएं होती रहती हैं. ऐसे में पर्यटकों के आने की रफ्तार भी बहुत धीमी पड़ गई है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान उठाना

ईस्टर से पहले मनाया जाता है पाम सनडे प्रार्थना

काइरो, एजेंसी : ईसाइयों की पाम सनडे प्रार्थना ईस्टर से पहले पड़ने वाले रविवार को होती है। यह उत्सव ईसा मसीह के येरुशलम पहुंचने की खुशी में मनाया जाता है। मिस्न में दस प्रतिशत ईसाई आबादी है और इसी महीने 28 और 29 तारीख को वहां पर पोप फ्रांसिस के दौरे का कार्यक्रम है। ऐसे में ताबड़तोड़ बम धमाके से सुरक्षा-व्यवस्था पर सवालिया निशान लग गए हैं। मिस्र को पोप की यात्रा को बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न कराने के लिए सरक्षा

को चाक-चौबंद करना होगा। यह है कॉप्टिक चर्च : कॉप्टिक ग्रीक भाषा का शब्द है। इसका अर्थ इजिप्शियन (मिस्न का) चर्च है। यह ऑथोंडॉक्स चर्च की शाखा है जिसका जन्म मिस्र में पहली शताब्दी में हुआ। इसके मानने वाले मिस्न, लीबिया, नूबिया, सूडान, इथोपिया और अन्य अफ्रीकी देशों के निवासी हैं। इस शाखा का सबसे बड़ा चर्च एलेक्जेंड्रिया में है, जहां पर रविवार को आतंकी हमला हुआ।

मिस्र में सेना तैनात करने का दिया फरमान

काइरो, रायटर: चर्चों पर हमले के बाद मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने देश भर में सेना को तैनात करने का फरमान जारी कर दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से रविवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई है। इसका उद्देश्य देश की जनता में सुरक्षा की भावना पैदा करना बताया गया है।

राष्ट्रपति ही सेना के सर्वोच्च कमांडर भी होते हैं। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में कहा गया है, 'राष्ट्रपति फतह अल-सीसी ने सेना की सभी इकाइयों को देश भर में अविलंब तैनात होने का निर्देश दिया है। प्रांतों में स्थित संवेदनशील प्रतिष्ठानों के अलावा स्थानीय पलिस को सरक्षा व्यवस्था कायम करने में सहयोग करने को कहा गया है।' देश में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सेना की तैनाती से आम जनता में संशय का भाव बढ़ना तय है। पर्व में सेना और लोगों के बीच हिंसक टकराव की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इससे जनता का सेना पर कोई ज्यादा भरोसा बचा नहीं है। ऐसे में राष्ट्रपति का नया फरमान सेना-जनता के बीच टकराव को बढ़ाने वाला भी साबित हो सकता है। इससे एक बार फिर



मिस्न के टांटा में रविवार को बम विस्फोट के बाद चर्च के अंदर का दृश्य।

से आमलोगों और सेना के बीच अविश्वास की घटना बढ़ सकती है। हालांकि, सरकार ने कहा कि यह कदम देश में सरक्षा का माहौल बनाने के लिए उठाया गया है। सेना हालात को काबू में रखने में मदद करेंगे। जवान दैनिक जीवन में

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी आलोचना हो चुकी है। कई मौकों पर तो मिस्र पर प्रतिबंध लगाने की भी चर्चाएं हुईं।हालांकि, अतंरराष्ट्रीय समुदाय ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया

हस्तक्षेप नहीं करेंगे। पूर्व में सेना की कार्रवाई का

समुद्री लुटेरों से साथ लड़े भारत-चीन

नई दिल्ली, प्रेट्/आइएएनएस : भारत और चीन के आपसी संबंधों में तनाव के बीच एक अच्छी खबर है। अदन की खाड़ी में सोमालियाई समुद्री लुटेरों के खिलाफ दोनों देशों ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया है।शनिवार की रात दोनों देशों के नौसैनिकों ने अभियान चलाकर लुटेरों को

ुतवालु के व्यापारिक जहाज 'ओएस 35' पर शनिवार की रात अदन की खाड़ी में सोमालियाई लुटेरों ने हमला कर दिया। यह जहाज मलेशिया के केलांग से यमन के अदन बंदरगाह जा रहा था। इस पर चालक दल के 19 सदस्य सवार थे। हमला होते ही चालकों ने खतरे का सायरन बजा दिया। इस पर भारतीय नौसेना ने अपने जंगी जहाजों-आइएनएस मुंबई और आइएनएस तरकश को मदद के लिए रवाना कर दिया। चीन ने भी मिसाइल युद्धपोत यूलिन भेज दिया।विदेशी तैनाती के तहत भारत के दोनों युद्धपोत पहले से ही क्षेत्र में मौजूद थे। अंतरराष्ट्रीय माममालों में यह शायद पहला मौका है जब दोनों मुल्कों ने साथ मिलकर किसी घटना से निपटा है। आमतौर

सहयोग

अदन की खाड़ी में सोमालियाई लुटेरों ने किया था तुवालु के जहाज पर हमला

भारत और चीन के नौसैनिकों ने संयुक्त ऑपरेशन चलाकर लुटेरों को भगाया

पर दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता की भावना ही देखने को मिलती है। कई बार तो तल्खी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, जिसे कम करने के लिए शीर्ष नेतृत्व को हस्तक्षेप करना पड़ता है। समुद्री लुटेरों से निपटने का यह मामला भारत और चीन के लिए नजीर हो सकता है।

भारतीय नौसेना ने जहां हेलीकॉप्टर के जरिये जहाज को वायु सुरक्षा मुहैया कराई, वहीं चीन ने अपने 18 जवानों को समुद्री लुटेरों को भगाने के काम में लगाया। नौसेना के प्रवक्ता के अनुसार, जब लुटेरे भाग गए, तो चालक दल के कुछ सदस्य स्ट्रांग रूम से बाहर निकले। इसके बाद

तो नहीं है। उल्लेखनीय है कि अदन की खाड़ी में पहले समुद्री डाकुओं का बहुत आतंक था, लेकिन बाद में यह शांत हो गया था। अब लगता है लुटेरे फिर से सक्रिय हो रहे हैं।

चीन ने दिया धन्यवाद : समुद्री लुटेरो के खिलाफ सफल ऑपरेशन के बाद चीन ने भारतीय नौसेना को धन्यवाद दिया। भारतीय पक्ष ने भी चीनी नौसैनिकों की प्रशंसा की। इस बीच जहाज के कप्तान ने आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने और हवाई सुरक्षा मुहैया कराने के लिए भारतीय नौसेना को विशेष रूप से धन्यवाद

हाल में बढ़ी है तल्खी : हाल के दिनों में भारत और चीन के बीच कई मुद्दों को लेकर तल्खी बढी है। दलाई लामा की अरुणाचल प्रदेश यात्रा का चीन विरोध कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जैश सरगना मसुद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करवाने की भारत की मुहिम को वह बार-बार विफल कर चुका है। भारत के परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह का सदस्य बनने के प्रयास में भी वह रोड़े अटका रहा है।

गया था ओसामा बिन लादेन का फटा सिर

न्यूयार्क, प्रेट्र : छह वर्ष पहले कुख्यात आतंकी ओसामा बिन लादेन को सिर में तीन गोली मारने का दावा करने वाले अमेरिका के पूर्व नेवी सील कमांडो राबर्ट ओ नील ने अलकायदा प्रमुख की मौत को लेकर नए तथ्य उजागर किए हैं। नील का दावा है कि उसने लादेन के मस्तिष्क में तीन गोलियां मारी थी, जिससे अलकायदा सरगना का सिर फट गया था। बाद में जब पहचान की बारी आई तो उसके फटे हुए सिर को जोड़ा

सील कमांडो ओ नील ने अपनी नई पुस्तक 'द ऑपरेटर : फायरिंग द शॉट्स दैट किल्ड बिन लादेन' में उपरोक्त दावा किया है। उसका कहना है कि लादेन वास्तव में उसके द्वारा चलाई गई गोली से ही मारा गया था। उसने कुछ मीटर के फासले से ही अलकायदा प्रमुख के सिर में तीन गोलियां मारी थी। इस पुस्तक में 2 मई, 2011 की रात को पाकिस्तान के एबटाबाद शहर की एक इमारत में ओसामा बिन लादेन को मार गिराने के ऑपरेशन का सिलसिलेवार ब्योरा दिया गया है। ध्यान रहे कि अमेरिकी नेवी सील कमांडो ने रात के अंधेरे में धावा बोलकर अलकायदा सुप्रीमो का काम तमाम कर दिया था। इस किताब के मुताबिक, लादेन को मार गिराने वाली टीम कुल 6 कमांडो और बाकी सपोर्ट स्टॉफ था। वैसे नील के इस ताजा दावे को लेकर विवाद है। नेवी सील कमांडो के लिए तय नियम के अनुसार, इसके सदस्य अपने कार्यकाल के दौरान हुए ऑपरेशन से जुड़े तथ्य बाद में उजागर नहीं कर सकते हैं। लादेन को मारने के ऑपरेशन पर एक पुस्तक पहले भी बाजार में आ चुकी है। उसे अभियान में शामिल एक दूसरे सील कमांडो मार्क बिसोनेट ने लिखी है।

ए से मारा गया था लादेन: राबर्ट ओ नील की पुस्तक के अनुसार, सील कमांडो जब लादेन को तलाशते हुए एबटाबाद की इमारत के दूसरी मंजिल की सीढियां चढ रहे थे तो उन्हें लादेन का एक बेटा खालिद एके-47 राइफल लिए नजर आया। वह कमांडो पर फायर करता, इसके पहले ही उसे गोली मार दी गई। फिर लादेन की खोज शुरू हुई। ओ नील के मुताबिक, 'हमें शक था कि अलकायदा सरगना तीसरी मंजिल के एक कमरे में होगा।

पहचान के लिए जोड़ा भारत का समर्थन पाने के लिए राजपक्षे ने कराए थे जल्द चुनाव

कोलंबो, प्रेट : मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर आरोप झेल रहे महिंदा राजपक्षे ने 2014 में मध्यावधि चुनाव भारतीय समर्थन पाने की जोड़तोड़ के तहत कराए थे। यह बात श्रीलंका की मैत्रीपाल सिरीसेन सरकार के मंत्री एसबी दिसानायके ने कही है।

सामाजिक सशक्तिकरण एवं कल्याण मंत्री दिसानायके के अनुसार संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के युद्ध अपराध के आरोपी तत्कालीन राष्ट्रपति राजपक्षे ने 2016 में प्रस्तावित आम चुनाव से पूर्व चुनाव कराए थे। वह चुनाव जीतकर भारत का समर्थन प्राप्त करना चाहते थे। दिसानायके ने कहा कि चुनाव में अगर राजपक्षे जीत भी जाते तो श्रीलंका को जल्द ही संयक्त राष्ट्र के प्रतिबंध झेलने पड़ते, क्योंकि राजपक्षे पर लगे आरोप काफी गंभीर थे। राजपक्षे सरकार के खिलाफ लगातार तीन प्रस्ताव पारित हो चुके थे। राजपक्षे इन प्रस्तावों को श्रीलंका की संप्रभुता पर हमला करार देते थे। राजपक्षे के सत्ताकाल के दौरान सुरक्षा बलों पर 40 हजार तमिल नागरिकों की निर्मम हत्या का आरोप था। एलटीटीई (लिट्टे)



श्रीलंका सरकार के मंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति की योजना पर डला पर्दा हटाया

की पराजय के बाद ये हत्याएं की गईं और इसी के साथ श्रीलंका में तीन दशक तक चली जातीय

हिंसा का अंत हुआ। वर्ष 2014 के चुनाव में सिरीसेन ने राजपक्षे को हराया जिससे उनकी करीब एक दशक की सत्ता का अंत हुआ। इसके बाद राष्ट्रपति के तौर पर सिरीसेन अंतरराष्ट्रीय बिरादरी और संयुक्त राष्ट्र का श्रीलंका के प्रति रुख बदलने में काफी हद तक कामयाब रहे। सिरीसेन ने समझाया कि वह पीडित तमिल अल्पसंख्यकों के पनर्वास के लिए प्रभावी प्रयास कर रहे हैं। अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए जवाबदेह व्यवस्था स्थापित की गई है। नया खुलासा से राजपक्षे पर सत्तारूढ़ दल का दबाव बढ़ सकता है। पूर्व राष्ट्रपति के लिए बचाव करना मुश्किल हो सकता है।

भारतीय मूल की महिला लंदन कोर्ट की पहली अश्वेत जज

लंदन, प्रेट: भारतीय मूल की एक महिला लंदन के ओल्ड बेली कोर्ट में पहली अश्वेत जज बनी हैं। अनुजा खींद्र धीर अदालत में सबसे कम उम्र की सर्किट जज भी हैं।

49 वर्षीय धीर ने पिछले हफ्ते ही अपने बचपन की कई घटनाओं को साझा करते हए बताया था कि जब वह हाई स्कूल में थीं तो उन्हें एक बार शिक्षक ने हेयरड्रेसिंग का कॅरियर अपनाने को कहा था। उन्होंने यह भी बताया था कि कानून के पेशे में आने के बाद से वह जब भी कोर्ट जाती थीं, उन्हें गलती से गवाह या बचाव पक्ष का समझ लिया जाता था। एक बार जब वह लंदन के बाहर क्राउन कोर्ट गई थीं, तब गेट पर खड़े व्यक्ति को यह विश्वास नहीं हुआ था कि वह बैरिस्टर हैं। अंत में उन्हें अपना विग और गाउन दिखाना पड़ा था।' धीर के अनुसार, उनसे अक्सर पूछा जाता है कि क्या राह में बाधाएं हैं? एक बाधा तो हमारे मिष्तष्क में है। वह यह कि हम जो सोचते हैं, उसे पा सकते हैं। ऐसा उनके साथ भी कई बार हुआ। ज्यादातर मुवक्किल नहीं चाहते थे कि एक युवा, एशियन, स्कॉटिश महिला उनका प्रतिनिधित्व करे।



अंधकार में नौनिहालों का भविष्य

केकू केकू खुले आकाश के नीचे स्कूल : यह दृश्य अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के बाहरी इलाके में चल रहे प्राइमरी स्कूल का है। यह शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का जीतों-जागता नमूना है। बच्चों को यहां पहाड़ी इलाके में ख़ुले आकाश के नीचे शिक्षा दी जाती हैं। पढ़ने के लिए बच्चों को कई किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। हालांकि शिक्षा की बेहतरी के लिए अफगानिस्तान में अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। युद्ध पीड़ित बच्चों के लिए हॉलीवुड स्टार एंजिलीना जॉली के फाउंडेशन ने भी स्कूल खोला है। फिर काफी कुछ किया जाना बाकी है।

दुखद घटना

खुशी है कि मैं अब भी जिंदा हूं : आलोक मदासानी

कंसास घृणा अपराध के शिकार श्रीनिवास के दोस्त ने सुनाई अपनी दास्तान। उन्होंने कहा कि उनके लिए गोली खाने वाला इंसान अब जीवित नहीं है, लेकिन वह उनकी यादों से बाहर नहीं निकल सकते हैं। मानसिक मजबूती हासिल करने में लंबा वक्त लगेगा ।

ह्यूस्टन, प्रेट्ट : अमेरिका के कंसास में गोलीबारी को घटना में जिंदा बचे भारतीय इंजीनियर आलोक मदासानी को खुशी है कि वह जीवित हैं। लेकिन, अजीज दोस्त श्रीनिवास कुचीभोटला को खोने का दर्द उनके चेहरे पर साफ झलकता है। इस साल 22 फरवरी को कंसास के ऑस्टिन बार एंड ग्रिल में पूर्व अमेरिकी नौसैनिक एडम डब्ल्यू प्यूरिंग्टन ने दोनों भारतीय इंजीनियर को आतंकी बताते हुए ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई थीं। इसमें श्रीनि की मौत हो गई थी, जबकि आलोक घायल हो गए थे। कई दिन तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद उन्होंने फिर से ऑफिस जाना शुरू कर दिया है।

आलोक (32) अब भी इस द्वंद्व में हैं कि उस रात वह और श्रीनि ऑस्टिन बार एंड ग्रिल क्यों गए थे? प्यूरिंग्टन ने उन पर 'आतंकी' और 'मेरे देश से बाहर' जाओ कहते हुए गोलियां बरसाई थीं। घृणा अपराध की घटना से अमेरिका के साथ पूरी दुनिया स्तब्ध हो गई थी। आलोक कहते हैं कि वह अब भी इस पर यकीन नहीं करना चाहते कि क्या हो रहा है? उन्होंने कहा, 'श्रीनि को खोने का दर्द शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। अपने सबसे बेहतरीन दोस्त को आंखों के सामने खोने के सदमे से बाहर आ पाना



श्रीनिवासन की याद में कैंडल मार्च में हिस्सा लेते आलोक मदासानी की फाइल फोटो।

बहुत कठिन है।' दोनों ओलेथ (कंसास राज्य) स्थित जीपीएस निर्माता कंपनी गारमिन में काम

करते थे। बकौल आलोक, 'गारिमन के सहयोगियों और दोस्तों की वजह से मैं शारीरिक तौर पर खुद को

बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन मानसिक मजबूती हासिल करने में लंबा वक्त लगेगा। आज भी उस रात की दुखद घटना मेरी आंखों के सामने घूमने लगती है...जिस व्यक्ति (श्रीनिवासन) ने मेरे लिए गोली खाई वह अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनके साथ बिताए गए नौ वर्षों की यादें हमेशा बनी रहेंगी। श्रीनि जहां काम करते थे, वह हमारे ऑफिस के बगल में ही है, ऐसे में उनके बारे में न सोचना बहुत कठिन है। मैं अपना ज्यादा से ज्यादा ध्यान अपने काम पर दे रहा हूं। परिवार के साथ ज्यादा वक्त बिताता हूं, लेकिन अब पहले वाली बात नहीं है। इसके बावजूद मुझे खुशी है कि मैं जिंदा हूं।' पिता बनने वाले हैं आलोक : आलोक

मदासानी पिता बनने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार के खातिर खुद को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उनकी पत्नी पहली बार मां बनने वाली हैं। आलोक के मुताबिक अमेरिका में भारतीय समुदाय की एकजुटता उन्हें शक्ति प्रदान करती है और एक घटना इस एकता को विभाजित नहीं कर सकती। उन्होंने बताया कि श्रीनिवास की याद में कंसास राज्य ने 16 मार्च को भारतीय-अमेरिकी दिवस के तौर पर मनाने की घोषणा की है।

अमेरिकी मॉल में चली गोलियां, जिम मैनेजर की हुई मौत

मियामी, एपी : अमेरिका में तमाम कोशिशों के बावजुद गोलीबारी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। फायरिंग की ताजा घटना मियामी के द शॉप्स एट मेरिक पार्क मॉल की है। मॉल के एक्वीनॉक्स जिम में हुई गोलीबारी में जिम मैनेजर की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभी रूप से घायल है। हमलावर ने ख़ुद को भी गोली मार ली। बताया जाता है कि गोलियां बरसाने वाला जिम का ही पूर्व कर्मचारी था।

मियामी-डेड पुलिस ने शुरुआती जांच में आपसी विवाद में पूर्व कर्मचारी द्वारा घटना को अंजाम देने की आशंका जताई है। घटनास्थल मियामी विश्वविद्यालय से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोलीबारी की आवाज सुनकर मॉल में अफरातफरी मच गई। घटना के वक्त मियामी बेसबॉल टीम के पूर्व सदस्य जेवी रॉड्रिग्ज जिम में ही मौजूद थे। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा 'एक्वीनॉक्स जिम के कर्मचारियों ने संयम की मिसाल कायम करते हुए वहां फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की।'

ताबडतोड

जेसन राय का . धवन बो . भुवनेश्वर

ब्रेंडन मैकुलम एलबीडब्ल्यू बो . राशिद

सुरेश रैना एलबीडब्ल्यू बो . राशिद

एरोन फिंच एलबीडब्ल्यू बो . राशिद

दिनेश कार्तिक का . ओझा बो . नेहरा

धवल कुलकर्णी रनआउट (राशिद)

अतिरिक्त : (बा-1, लेबा-2) : 03 रन

कुल: 20 ओवर में सात विकेट पर 135 रन

सनराइजर्स हैदराबाद

कुल: 15.3 ओवर में एक विकेट पर 140 रन

शिखर धवन का . मैकुलम बो . प्रवीण

प्रवीण कुमार नाबाद

बासिल थंपी नाबाद

डेविड वार्नर नाबाद

/000

मोइसेस हेनरिक्स नाबाद

अतिरिक्त : (वा-3) : 03 रन

विकेट पतन :1-32 (धवन, 3.1)

रिमथ का . सब (वी शंकर) बो . भूवनेश्वर 37 27 04 01

टॉस : हैदराबाद (फील्डिंग)

रन गेंद चौके छक्के

31 21 05

05 08 00

30 32 02

01 02 00

13 08 00

07 07 00 00

रन गेंद चौके छक्के

76 45 06 04

09 09 00 01

52 39 06 00

सनराइजर्स हैदराबाद

किंग्स इलेवन पंजाब

कोलकाता नाइटराइडर्स

राइजिंग पूणे सुपरजाइंट

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलर

दिल्ली डेयरडेविल्स

मंबई इंडियंस

गुजरात लायंस

03 05 00 00

05 10

135/7 (20 ओवर) विकेट पतन : 1-35 (मैकुलम,

4.5), 2-37 (राय, 5.2), 3-42

(फिंच, 6.2), 4–57 (रैना,

(कुलकर्णी, १७.४)

8.6), 5-113 (स्मिथ, 16.4),

6-114 (कार्तिक, 17.2), 7-115

गेंदबाजी

बिपुल शर्मा ४-0-24-0

आशीष नेहरा 4-0-27-1

राशिद खान ४-०-१९-३

बेन कटिंग 3-0-29-0

हेनरिक्स 1-0-12-0

सुरेश रैना 2-0-24-0

प्रवीण कुमार 2–0–16–1

तेजस बरोका ३ .३-०-३३-०

धवल कुलकर्णी २-०-१७-०

शिविल कौशिक ४-०-२९-०

अंक तालिका

बासिल थंपी 2-0-21-0

मैच जीते हारे अंक

02 02 00 04 +2.100

01 01 00 02 +3.254

01 01 00 02 +0.482

02 01 01 02 -0.136

02 01 01 02 -0.500

01 00 01 00 -0.229

01 00 01 00 -0.750

02 00 02 00 -2.731

140/1 (15 .3 ओवर)

भुवनेश्वर कुमार ४-०-२१-२

शानदार जीत 🕨 सनराइजर्स हैदराबाद ने गुजरात को नौ विकेट से दी करारी शिकस्त

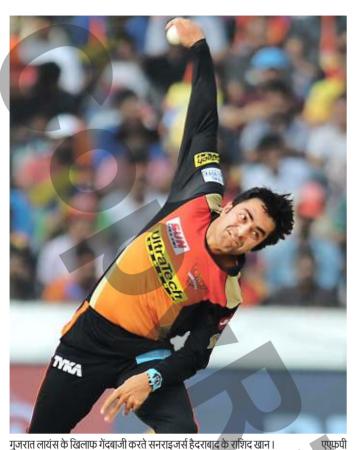
राशिद, वार्नर ने किया लायंस को ढेर

खान ने झटके तीन विकेट, डेविड व हेनरिक्स ने ठोके नाबाद अर्धशतक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

कप्तान सुरेश रैना की गुजरात लायंस इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के दसवें संस्करण में अपना दूसरा मैच भी गंवा बैठी। रविवार को हैदराबाद में डेविड वार्नर की अगुआई वाली सनराइजर्स हैदराबाद ने लायंस को नौ विकेट से रौंद दिया। वार्नर ने छक्का मारकर सनराइजर्स के सिर जीत का सेहरा बांधा। युवा अफगान स्पिनर राशिद खान के शानदार तीन विकेटों की मदद से सनगइजर्स ने लायंस को निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 135 रन पर रोक लिया। राशिद को बेहतरीन खेल के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। जवाब में वार्नर (नाबाद 76) और मोइसेस हेनरिक्स (नाबाद 52) के अर्धशतकों की मदद से सनराइजर्स ने 15.3 ओवर में महज एक विकेट खोकर 140 रन बनाकर इस सत्र का लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मेजबान टीम ने सिर्फ शिखर धवन (09) का विकेट खोया, जिन्हें धवल कुलकर्णी ने

राशिद ने तोड़ी गुजरात की कमर : वार्नर ने टॉस जीतकर लायंस को पहले बल्लेबाजी करने के लिए बुलाया। जेसन राय (31) तो रंग में दिखे, लेकिन विस्फोटक ब्रेंडन मैकुलम (05) लय में आते नहीं दिख रहे हैं। पांचवें ओवर में वार्नर ने राशिद को मौका दिया। राशिद ने मैकुलम को एलबीडब्ल्यू कर दिया। अगले ओवर की दूसरी गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने शिखर धवन के हाथों राय को कैच करा दिया। इसके बाद राशिद ने एरोन फिंच (03) को सातवें ओवर की दूसरी और कप्तान सुरेश रैना (05) को नौवें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट कर गुजरात की कमर तोड़ दी। गुजरात का स्कोर चार विकेट पर 57 रन हो गया।



कार्तिक व स्मिथ ने संभाला : हालांकि इसके बाद दिनेश कार्तिक (30) और डवेन स्मिथ (37) ने पारी को संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 56 रन जोड़े। लेकिन 17वें ओवर की चौथी गेंद पर स्मिथ को भुवनेश्वर कुमार ने सब्सिट्यूट विजय शंकर के हाथों कैच आउट करा दिया। कार्तिक भी अगले ओवर में चलते बने। उन्हें आशीष नेहरा ने उछाल लेती गेंद पर विकेटकीपर नमन

ओझा के हाथों कैच करा दिया। ग्रशिद ने 18वें ओवर की ही चौथी गेंद पर सीधे थ्रो पर नए बल्लेबाज धवल कुलकर्णी (01) को रनआउट

इसके बाद आइपीएल में पदार्पण कर रहे बासिल थांपी (नाबाद 13) और प्रवीण कुमार (नाबाद 07) ने अगले दो ओवर तक विकेट नहीं गिरने दिए, लेकिन दोनों लंबे हाथ

गेंदबाज को वार्नर ने जूता सौंपा



हैदराबाद की पारी के 11वें ओवर की आखिरी गेंद गुजरात के शिविल ने फेंकी। हेनरिक्स ने एक रन के लिए इसे खेला। तभी गेंद को रोकने के लिए कौशिक ने छलांग लगाई तो उनका जुता निकल गया। दूसरे छोर पर खड़े वार्नर दौड़े, लेकिन वह रुके और जूता उठाकर कौशिक को दिया और आराम से अपना रन पूरा कर लिया।

काम न आया रैना का दांव : 136 रन का लक्ष्य हैदराबाद के लिए बहुत बड़ा नहीं था। इसलिए रैना ने विरोधी टीम को अचंभे में डालने के लिए पहला ओवर ख़ुद करने का फैसला किया। वार्नर और धवन के खिलाफ उन्होंने पहले ओवर में तीन रन खर्च किए तो दांव सही साबित होता दिख रहा था। हालांकि उनके अगले और पारी के तीसरे ओवर की पहली गेंद पर धवन ने और चौथी व आखिरी गेंद पर वार्नर ने छक्का

मनीष ने कोलकाता नाइटराइडर्स को उबारा

ऑरेंज कैप

स लिन (कोलकाता)	125 रन
ोव रिमथ (पुणे)	110 रन
इसेस हेनरिक्स (हैदराबा	द) 104 रन



राशिद खान (हैदराबाद)	०५ विकेट
इमरान ताहिर (पुणे)	०५ विकेट
भुवनेश्वर कुमार (हैदराबाद)	०४ विकेट

सिक्सर किंग



ार जाधव (बेंगलूर)	06	रन डावड वानर न टी-20 क्रिकेट में
ड वार्नर (हैदराबाद)	05	टा-20 क्रिकट म पूरेकिए

रन वार्नर ने हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में पुरे किए

हैं. जिनमें से 17 बार उनकी टीम को जीत मिली साल के तेजस बरोका ने आइपीएल में पदार्पण मैच खेला। वह घरेलू क्रिकेट में दिल्ली की अंडर-19 और

अर्धशतक वार्नर ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए लगाए

मारकर रैना के साथ ही लायंस को बैकफुट पर धकेल दिया। अगले ओवर की पहली ही गेंद पर प्रवीण कुमार ने धवन को आउट कर गुजरात को राहत दिलाई। इसके बाद हेनरिक्स ने कप्तान

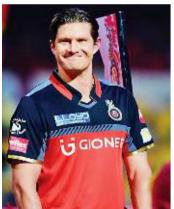
अंडर-22 टीम के लिए खेलते हैं।

12.2 ओवर में 108 रन जोड़कर लायंस को धराशायी कर दिया। वार्नर बेहतरीन लय में थे। उन्होंने 45 गेंदों का सामना कर छह चौके और

वार्नर का बेहतरीन साथ दिया। दोनों ने अगले

चार छक्के लगाए, जबकि हेनरिक्स ने 39 गेंदो का सामना कर छह चौके लगाए। गुजरात का कोई भी गेंदबाज प्रभावित नहीं कर सका। रैना ने छह गेंदबाजों का इस्तेमाल किया।

बेंगलूर के लिए आसान नहीं होगी पंजाब की चुनौती





बेंगलर के कप्तान शेन वॉटसन (बायें) और पंजाब के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ।

फाइल फोटो

इंदौर, प्रेट : स्टार खिलाड़ियों की कमी के बावजद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर ने दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ मनोबल बढ़ाने वाली जीत दर्ज की। ऐसे में अब उसके सामने एक और कड़ी चुनौती होगी, जब आइपीएल-10 के अपने तीसरे मैच में वह सोमवार को यहां किंग्स इलेवन पंजाब का सामना करने उतरेगी।

यह करीब निश्चित है कि कप्तान और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली सोमवार का मैच नहीं खेलेंगे। हालांकि, बीसीसीआइ ने एडवाइजरी जारी कर कहा था कि इस महीने के दूसरे सप्ताह में उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एबी डिविलिसर्स का भी खेलना संदिग्ध है। ऐसे में शेन वॉटसन कार्यवाहक कप्तान बने रहेंगे।

उद्घाटन मैच में गत चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद से मिली हार के बाद बेंगलूर ने घरेलू मैदान पर दिल्ली को 15 रन से मात दी। वॉटसन ने चार ओवर में सिर्फ 21 रन देकर एक विकेट लिया और 24 गेंदों पर 24 रन बनाए। बिली स्टेनलेक और इकबाल अब्दुल्ला ने दो-दो विकेट झटके, लेकिन यह पवन नेगी थे जिन्हें वॉटसन ने अंतिम ओवर में गेंद थमाई और उन्होंने दिल्ली को जीत की ओर ले जा रहे ऋषभ पंत का विकेट झटक लिया। बल्लेबाजी में केदार जाधव ने 37 गेंदों पर 69 रन बनाकर अकेले दम पर स्कोर को आठ विकेट पर 157 रन पर पहुंचाया। हालांकि बेंगलूर के लिए क्रिस गेल का नहीं चलना चिंता की बात है।

दूसरी ओर अपने पहले मैच में राइजिंग पुणे सुपरजाइंट पर जीत दर्ज करने के बाद पंजाब की टीम के हौसले बुलंद हैं। ऑस्ट्रेलियाई ग्लेन मैक्सवेल ने 20 गेंदों पर 44 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिससे पंजाब ने छह गेंद बाकी रहते हुए मैच जीता। पुणे के खिलाफ मैच में मैक्सवेल ने अपनी कप्तानी का शानदार नजारा पेश किया। अब उनकी नजर सोमवार को होल्कर स्टेडियम में होने वाले मैच पर होगी, जो पंजाब का दूसरा

पंजाब अंतिम एकादश में बदलाव नहीं करना चाहेगी, हालांकि उसने आइपीएल नीलामी में आठ खिलाडियों को खरीदा था, जिनमें इयोन मोर्गन, डेरेन सैमी, मार्टिन गुप्टिल और वरुण एरोन जैसे नाम शामिल हैं। टीम करीब दस दिन से होल्कर स्टेडियम में अभ्यास कर रही है और यहां के हालात से अच्छी तरह वाकिफ हो चुकी है। हालांकि टीम को चोटिल होने की वजह से सीनियर बल्लेबाज मुरली विजय को खोना पड़ा है। उनकी जगह की भरपाई तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने की, जो नीलामी में नहीं बिक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

मनीष पांडे की तूफानी पारी की मदद से कोलकाता नाइटराइडर्स ने रविवार को मुंबई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ आइपीएल-10 के अपने दूसरे मुकाबले में खराब शुरुआत से उबरते हुए सात विकेट पर 178 रन बनाए। पांडे ने 47 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 81 रन जड़े। मुंबई की ओर से क्रुणाल पांड्या सबसे सफल

टॉस हारने के बाद कोलकाता को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता मिला। गौतम गंभीर (19) और क्रिस लिन (32) की सलामी जोड़ी ने 44 रन जोड़े। पांचवें ओवर में क्रुणाल पांड्या (3/24) ने गंभीर का विकेट झटका, तो पांचवीं गेंद पर रॉबिन उथप्पा (04) को अपने भाई हार्दिक के हाथों कैच कराया। जल्द ही जसप्रीत बुमराह (1/39) ने लिन को बोल्ड कर स्कोर तीन विकेट पर 67 रन

कर दिया। यूसुफ पठान (०६) ने निराश किया और वह 12वें ओवर में क्रणाल का शिकार बने। हालांकि इसी ओवर की पहली गेंद पर पांडे को जीवनदान मिला, जब विकेटकीपर पार्थिव पटेल उनका कैच नहीं लपक सके।

पांडे और सूर्यकुमार यादव (17) ने पांचवें विकेट के लिए 44 रन जोड़े। 17वें ओवर की पहली गेंद पर यादव को लसित मलिंगा (2/36) ने पोलार्ड के हाथों कैच कराया। अगले में पांडे ने एक रन लेकर 37 गेंदों पर अर्धशतक पुरा किया। 19वें ओवर की पहली गेंद पर क्रिस वोक्स (09) को मिलंगा ने चलता किया। पांचवीं गेंद पर पांडे ने छक्का जडकर स्कोर को 150 रन के पार पहुंचाया। अंतिम ओवर में मैक्लेनाघन ने 23 रन लुटाए, जिसमें पांडे के दो छक्के और एक चौका शामिल रहा। कोलकाता ने अंतिम गेंद पर सुनील नरेन (01) का



पारी के दौरान शॉट लगाते मनीष पांडे।

एएफपी

Mineral RO

Water Purifiers

स्कोर बोर्ड

टॉस: मुंबई इंडियंस (फील्डिंग)

कोलकाता नाइटराइडर्स : 178/7 (20 ओवर) रन गेंद चौके छक्के गौतम गंभीर का. मैक्लेनाघन बो. क्रुणाल 19 13 03 क्रिस लिन एलबीडब्ल्यू बो. बुमराह रॉबिन उथप्पा का. हार्दिक बो. ऋणाल मनीष पांडे नाबाद यूसुफ पठान का. हार्दिक बो. ऋणाल सूर्यकुमार यादव का. पोलार्ड बो. मलिंगा क्रिस वोक्स का. पोलार्ड बो. मलिंगा 09 08 00

अतिरिक्त: (लेबा-1, वा-5, नोबॉ-3): 09 रन कुल : 20 ओवर में सात विकेट पर 178 रन

विकेट पतन: 1-44 (गंभीर, 4.2), 2-48 (उथप्पा, 4.5), 3-67 (लिन, 7.3), 4-87 (युसुफ, 11.4), 5-131 (सूर्यकुमार, 16.1), 6-144 (वोक्स, 18.1), 7-178 (नरेन, 19.6)

सुनील नरेन एलबीडब्ल्यू बो. मैक्लेनाघन 01 02 00 00

गेंदबाजी : लिसत मलिंगा 4-0-36-2, मैक्लेनाघन 4-0-51-1, बुमराह ४-0-39-1, ऋुणाल पांड्या ४-0-24-3, हरभजन ४-0-27-0

साक्षी विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर

जेएनएन, नई दिल्ली : रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारत की महिला पहलवान साक्षी मलिक को युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग की हाल ही में जारी रैंकिंग में शीर्ष दस खिलाड़ियों में स्थान प्राप्त हुआ है। 58 किलो वर्ग में साक्षी पांचवें स्थान पर हैं। वहीं, पुरुषों के 57 किलो के मौजूदा एशियाई चैंपियन संदीप तोमर अपने वजन वर्ग में सातवें स्थान पर हैं। संदीप भी रियो में भाग लेने वाले सात भारतीय पहलवानों के दल में शामिल थे। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बुजभूषण शरण सिंह ने कहा कि साक्षी विवाह की वजह से एशियाई चैंपियनशिप में नहीं उतर रहीं, लेकिन वह कुश्ती को लेकर गंभीर हैं और आने वाले समय में वह रैंकिंग में लम्बी छलांग लगाएंगी। वहीं, तोमर में भी अपनी रैंकिंग को सुधारने को लेकर काफी संभावनाएं हैं। हम ज्यादा जनियर खिलाडियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उम्मीद है कि जूनियर वर्ग के कई खिलाड़ी इस रैंकिंग में जगह बनाने में कामयाब होंगे।

यह स्पष्ट है कि टी नटराजन सोमवार को बेंगलुर के खिलाफ नहीं खेलेंगे। लेकिन अब वह कोई



अनजान चेहरा नहीं हैं। नीलामी में सभी अनकैप्ड भारतीय खिलाडियों में उन्हें सबसे ज्यादा कीमत पर खरीदा गया

था। कंजुसी से भरे

अपने तीन ओवरों

में उन्होंने अजिंक्य रहाणे का विकेट झटका था। लेकिन, इंदौर की धीमी पिच पर शायद किसी अन्य स्पिनर का किंग्स इलेवन पंजाब की लाइनअप में शामिल होना

उचित होगा। नटराजन की अपने आप में एक दिलचस्प कहानी है। पांच साल पहले तक उन्होंने लेदर की

दिहाड़ी मजदूर का बेटा नटराजन टेनिस गेंद से अचक यॉर्कर डालता था, जिस पर बल्लेबाज गच्चा खा जाता था। उन्होंने ऐसा ही स्टीव स्मिथ के साथ भी किया।

रियनरों के मुफीद है इंदौर का विकेट

पंजाब ने पुणे के खिलाफ अक्षर पटेल और स्वप्निल सिंह को मैदान पर उतारा था। यदि वह एक अतिरिक्त स्पिनर को चुनती है तो वह दो लेग स्पिनर राहुल तेवतिया या केसी करियप्पा में से एक को अंतिम ग्यारह में जगह दे सकती है। भारत में बहुत से युवा खिलाड़ी हैं और पंजाब की गेंदबाजी का दारोमदार ज्यादातर भारतीयों पर है।

Kent Deta Hai Sabse Shudh Paani

Call for Free Demo: 1800 100 1000

बायें हाथ के स्पिनर स्विप्नल ने सिर्फ 14 साल की उम्र में बड़ौदा के लिए अपना पदार्पण प्रथम श्रेणी मैच खेला था और इस बात को बीते हए एक दशक से ज्यादा हो चुका है। बेंगलूर के पास भी बेहतरीन स्पिनर हैं। जिनमें युजवेंद्र चहल, इकबाल अब्दुल्ला और पवन नेगी हैं।

यदि गेल और वॉटसन के बल्ले से रन निकलते हैं तो बेंगलुर कोहली के बिना भी अच्छी स्थिति में होगी। पंजाब के स्पिनरों के खिलाफ गेल मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं। दोनों टीमों की कमान ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के हाथों में है। ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई कमान

संभालते समय बेहद खतरनाक होते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। *(टीसीएम)*

अलीगढ के अशु ने जीता वर्ल्ड एमेच्योर चेस में सिल्वर

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : इटली के स्पोलिटो शहर में हुई वर्ल्ड एमेच्योर चेस चैंपियनशिप में अलीगढ़ के अंशु कुमार पाठक ने इतिहास रच दिया है। एक से नौ अप्रैल तक हुई प्रतियोगिता में अंशु ने रजत पदक हासिल किया।

वर्ल्ड चेस फेडरेशन की ओर से आयोजित इस चैंपियनशिप में विश्व के 60 देशों के 723 खिलाडियों ने हिस्सा लिया पिछले साल भी इसी चैंपियनशिप में अंशु ने टॉप टेन में जगह बनाई थी। अंशु को इटर्ल जाने के लिए आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की मदद से वहां जाने का रास्ता साफ हुआ। अंशु ने 2015 मे राजस्थान में हुई राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में रजत पदक जीता था।

साहस

पिछले सप्ताह बुधवार की रात को ऋषभ पंत के पिता का देहांत हो गया। उस पर पहाड़ टूट गया।पिता के निधन के कुछ दिन बाद ही ऋषभ ने खेली साहसिक

पारी।



..इसीलिए इतना महान है क्रिकेट का खेल

एक छोटा सा लड़का रुड़की से दिल्ली आता है। दिल्ली के एक क्लब के स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत यहां क्रिकेट सीखता है। उसकी क्रिकेट की कोचिंग सप्ताह में दो दिन शनिवार और रविवार को होती थी। वह रुड़की से शनिवार सुबह दिल्ली आता और कोचिंग करता। जेब में पैसे नहीं होते इसलिए कभी-कभी गुरुद्वारे में सोता, रविवार सुबह वहीं लंगर चखता और फिर क्लब में क्रिकेट सीखता। इसके बाद वापस चला जाता। मेहनत और लगन से उसने दिल्ली की अंडर-19 टीम और फिर रणजी टीम में जगह बनाई। यह और कोई नहीं दिल्ली के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ खेला था पहला टी-20: घरेलु क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया। 19 साल की उम्र में ही पंत को इस साल फरवरी में भारत की तरफ से इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 मुकाबला खेलने को मिला। इसके बाद वह लाइमलाइट में आ गया और आइपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स की तरफ से उम्दा प्रदर्शन करके टीम इंडिया में स्थायी जगह बनाना उसका लक्ष्य हो गया। सब कुछ सही चल रहा था। वह जहीर खान की कप्तानी वाली टीम के लिए अभ्यास कर रहा था।



अंतिम संस्कार से लौटकर रणजी ट्रॉफी के मैच में 97 रनों की पारी खेली थी

और टुट गया पहाड़ : वह फिर से शानदार प्रदर्शन करने को तैयार था, लेकिन पिछले सप्ताह बुधवार की रात को ऋषभ के पिता का देहांत हो गया। उस पर पहाड़ टूट गया। वह क्रिकेट छोड़कर गुरुवार तड़के रुड़की पहुंचा और पिता के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ। यहां उन्होंने अपने पुत्र होने की जिम्मेदारी पूरी की। शुक्रवार को वह घर का गम भरा माहौल पीछे छोड़कर बेंगलुरु पहुंचा, क्योंकि शनिवार को दिल्ली का सत्र का पहला मैच था। साथी यह उम्मीद नहीं कर रहे थे कि यह युवा क्रिकेटर इतनी जल्दी वापस आएगा, लेकिन वह वापस आया और किसी से कुछ नहीं बोला।

33 गेंदों पर 57 रन: पूरा दिन पंत ने किसी से कोई बात नहीं की। एक दिन बाद उसने रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलूर के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों के साथ 57 रन की पारी खेली। उसने अपनी टीम को जिताने की पूरी कोशिश की, लेकिन 19वें ओवर में वह बोल्ड हो गया। अगर वह टिका रहता तो दिल्ली को जीतने से कोई नहीं रोक सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। भले ही उसकी इस कोशिश के बावजूद दिल्ली 15 रन से हार गई हो, लेकिन पंत की सहासिक पारी ने सभी का दिल जीत लिया।

दिखाई मानसिक मजबूत: जिस तरह इस छोटे से कद के खिलाड़ी ने तेज गेंदबाज टाइमल मिल्स की स्लो बाउंसर पर छक्का जड़ा उससे पता चला कि उसकी तकनीक कितनी मजबूत है। जिस तरह उन्होंने पिता की मौत के कुछ घंटों बाद ही अपनी टीम का साथ दिया उससे पता चलता है कि उसका दिल कितना मजबूत है। जब उसने अर्धशतक जड़कर ऊपर की तरफ देखा तो लगा कि शायद वह अपने पिता से कह रहा हो ये आपके लिए है। उसने इकबाल अब्दुल्ला पर छक्का जमाया और एक छक्का मिड विकेट पर लगाया। जब पंत ऐसा कर रहे थे तो डगआउट में बैठे कोच राहुल द्रविड़ बड़े प्यार से उसे निहार रहे थे। ये वही द्रविड़ हैं जो ब्रिस्टल में तब सचिन तेंदुलकर के साथ भी मौजूद थे, जब उन्होंने पिता के निधन के अगले ही दिन शतक जड़कर भारत को जीत दिलाई थी। निश्चित तौर पर इस छोटे से लड़के ने क्रिकेट को और महान बना दिया। तुम वाकई में बेहतरीन क्रिकेटर हो पंत।

18 साल पहले सचिन : कुछ ऐसा ही दृश्य 18 साल पहले ब्रिस्टल में देखने को मिला था जब क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर अपने पिता रमेश तेंदुलकर की मौत के चंद घंटों बाद ही विश्व कप में केन्या के खिलाफ खेले और शतक जड़ा। उस शतक के बाद जब उन्होंने आसमान में दोनों हाथ उठाकर देखा था तब उनकी आंखों में आंसू थे। दस साल पहले विराट: ऐसा ही कुछ

2007 में रणजी ट्रॉफी के मैच के दौरान हुआ था। दिल्ली और कर्नाटक के बीच मैच चल रहा था और रात को विराट कोहली के पिता प्रेम का निधन हो गया। वह उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए और भंवर में फंसी अपनी टीम के लिए 97 रनों की पारी खेली। निश्चित तौर पर यह बताता है कि क्रिकेट एक धर्म है जिसको क्रिकेटर जीते हैं।

बीसीसीआइ की एसजीएम स्थगित, श्रीनिवासन पहुंचे नई दिल्ली, प्रेट्ट: भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड

(बीसीसीआइ) ने खिवार को अपनी विशेष आम बैठक (एसजीएम) स्थगित कर दी, जिसमें पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन ने शिरकत की। इसको लेकर प्रशासकों की समिति (सीओए) ने कुछ मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट से निर्देश मांगे हैं।

बैठक को स्थगित करने का फैसला तब लिया गया जब पता चला कि सीओए ने सुप्रीम कोर्ट से यह जानने के लिए निर्देश मांगे कि आइसीसी की बैठकों में बीसीसीआइ का प्रतिनिधित्व करने के लिए कौन योग्य है। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई सोमवार को होगी और बोर्ड ने बुधवार को फिर बैठक बुलाई है। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के पूर्व प्रमुख निरंजन शाह ने पत्रकारों से कहा, 'बैठक स्थगित की गयी क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर सोमवार को सुनवाई करेगा। क्योंकि इसमें कानूनी मुद्दे शामिल हैं। इसलिए संयुक्त सचिव अमिताभ चौधरी ने बैठक स्थगित करने

की घोषणा की। बैठक में ज्यादातर उन अनुभवी सदस्यों ने



सीओए ने कुछ मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट से निर्देश मांगे, शीर्ष अदालत में सुनवाई के बाद बुधवार को होगी बैठक

हिस्सा लिया जो लोढा सिफारिशों पर आधारित

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार अयोग्य बताये गए हैं। श्रीनिवासन, निरंजन शाह, टीसी मैथ्य, रंजीब बिस्वाल और जी गंगा राजू (सभी 70 साल की उम्र से अधिक हैं) जैसे अधिकारियो ने शिरकत की जो स्पष्ट रूप से आदेश का उल्लंघन है। लोढ़ा समिति की सिफारिशों को लागू किए जाने के बाद रविवार को बीसीसीआइ की यह पहली एसजीएम थी।



हैमिल्टन ने पांचवीं बार जीता चाइनीज ग्रां प्रि खिताब

शंघाई, एपी : मर्सिडीज टीम के ब्रिटिश चालक लुइस हैमिल्टन ने रविवार को चाइनीज ग्रां प्रि एफ-1 रेस जीत ली। चाइनीज ग्रां प्रि में हैमिल्टन की यह पांचवीं, जबिक कुल 54वीं जीत है। इस सत्र की पहली जीत दर्ज करने वाले हैमिल्टन ने शंघाई इंटरनेशनल सर्किट में पोल पोजीशन से शुरुआत की थी। फेरारी टीम के जर्मन चालक सेबेस्टियन विटेल दूसरे स्थान पर और रेड बुल के डच चालक मैक्स वेर्स्टिपन तीसरा स्थान पर रहे।





न्यूज गैलरी

समय-सीमा से पहले काम पूरा करेगा कोच्चि

नई दिल्ली: अंडर-17 विश्व कप के मैचों के लिए फीफा से चेतावनी मिलने के बाद कोच्चि के स्थानीय प्रबंधकों ने समय सीमा से पहले काम पूरा करने का भरोसा दिलाया है।कोच्चि का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम अक्टूबर में होने वाले विश्व कप के छह मेजबान स्थलों में से एक है। फीफा की एक टीम ने पिछले सप्ताह यहां की तैयारियों को लेकर गहरी चिंता जताई थी। उसने स्थानीय प्रबंधकों को 15 मई तक तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया था। स्टेडियम का निरीक्षण करने वाली टीम के प्रमुख और फीफा के इवेंट हेड जेमी यार्जा ने कहा था कि अगर वे विश्व कप के मैचों की मेजबानी करना चाहते हैं तो उन्हें काम में तेजी लानी होगी।

लिन ने पहली बार जीता मलेशिया ओपन

कुचिंग (मलेशिया) : दो बार के ओलंपिक विजेता चीन के लिन डैन ने उलटफेर करते हुए पहली बार मलेशिया ओपन बैडमिंटन का खिताब जीत लिया। लिन ने पुरुष सिंगल्स के खिताबी मुकाबले में शीर्ष विश्व वरीयता प्राप्त मलेशियाई खिलाड़ी ली चोंग वेई को मात दी।विश्व के सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाडी लिन ने 55 मिनट तक चले इस एकतरफा मुकाबले में इस टूर्नामेंट के पांच बार के विजेता वेई को 21-19, 21-14 से मात देकर खिताब जीता। दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने सधी हुई शुरुआत की, बाद में वेई ने आक्रमण करना शुरू किया हालांकि लिन शांत बने रहे। खिताब जीतने के बाद उन्होंने कहा, 'मेरा मुख्य उद्देश्य मलेशिया ओपन में अपनी बदिकस्मती खत्म करना था। हम दोनों ने उच्च स्तरका प्रदर्शन किया।

लक्ष्य की ओर बढ़ रहा मिशन इलेवन मिलियन

अहमदाबाद: अब तक लगभग 17 लाख बच्चों तक पहुंच चुका मिशन इलेवन मिलियन छह अक्टूबर से शुरू होने वाले फीफा अंडर-17 विश्व कप से पहले एक करोड़, दस लाख बच्चों तक फुटबॉल पहुचांने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इस अभियान के तहत अहमदाबाद में ट्रांसस्टेडिया की ओर से फुटबॉल उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के अध्यक्ष प्रफुल पटेल, भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया और ट्रांसस्टेडिया के संस्थापक-एमडी उदित सेठ मौजूद थे।

विश्व लीग राउंड-2 ▶ बेलारूस को 4-0 से हराया, रानी और गुरजीत ने दागे दो–दो गोल

जाए और हम क्वालीफाई न कर पाएं।

भारतीय महिला हॉकी टीम फाइनल में

अब फाइनल में चिली से होगा मुकाबला, चिली ने उरुग्वे को 2-1 से दी मात

वेस्ट वैंकृवर (कनाडा) प्रेट्ट : कप्तान रानी और गुरजीत कौर के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम ने बेलारूस को 4-0 से हराते हुए महिला हॉकी विश्व लीग राउंड-2 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। खिताब के लिए उसका मुकाबला चिली से होगा, जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में उरुग्वे को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ भारत ने जून-जुलाई में होने वाले महिला हॉकी विश्व लीग के सेमीफाइनल में अपना टिकट पक्का कर लिया है, जो 2018 में होने वाले एफआइएच (इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन) महिला हॉकी विश्व कप का क्वालीफायर होगा।

भारतीय टीम शुरुआत से ही दबाव बनाकर खेल रही थीं, हालांकि बेलारूस ने चौथे और नौंवे मिनट में दो पेनाल्टी कॉर्नर बनाए। इसके बावजुद भारत की मजबृत रक्षापंक्ति ने विपक्षी टीम को शुरुआती बढ़त लेने का मौका नहीं दिया। भारत को पहला पेनाल्टी कॉर्नर 13वें मिनट में मिला, जिसे गुरजीत कौर ने अपने बेहतरीन शॉट से गोल में तब्दील करने में कोई गलती नहीं

रंजना ने जीते दो स्वर्ण

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम : भारतीय

निशानेबाजों ने सीआरपीएफ कैंप गांव कादरपुर

में खेली जा रही दूसरी इंडो-भूटान बिग बोर

गुप्ता ने 589 अंकों के साथ पीला तमगा जीतने

के बाद टीम स्पर्धा में भी सोने पर निशाना साधा।

शूटिंग चैंपियनशिप

के तीसरे दिन भी

अपना दबदबा

महिलाओं की

300 मीटर स्पोर्ट्स

राइफल प्रोन की

व्यक्तिगत स्पर्धा में

कानपुर की रंजना

क्रायम रखा।



शॉट लगातीं भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी।

की। इस तरह भारत को पहले क्वार्टर में 1-0 की बढ़त हासिल हुई। कप्तान रानी ने 20वें मिनट में पैनाल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील

कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। दोनों टीमों ने तीसरे क्वार्टर में पेनाल्टी कार्नर हासिल किए, लेकिन वे इसे गोल में

हम इस जीत से काफी रोमांचित और खुश हैं।हम बेहतर रक्षापंवित के साथ एकजुट होकर खेले और मुझे इस बात की खुशी है कि हमने पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदलने के मौके नहीं गंवाए।हमारा लक्ष्य फाइनल में पहुंचने का था और अब हम चिली को कड़ी चुनौती देने जा रहे हैं।

–रानी (भारतीय कप्तान)

बदलने में नाकाम रहीं। भारत ने 33वें और बेलारूस ने 40वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर से मिला मौका गंवाया। इसके बाद भारतीय टीम ने तेज खेल दिखाया और विपक्षी टीम के सर्किल में कई बार आक्रमण किए। 40वें मिनट में कप्तान रानी ने अकेले प्रयास से बेहतरीन फील्ड गोल कर भारत की बढ़त 3-0 कर दी। 42वें मिनट में बेलारूस को पेनाल्टी के जरिये गोल करने का मौका मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर सविता ने यह उसका प्रयास नाकाम कर दिया।

अंतिम क्वार्टर में मायूस बेलारूस ने मैच में वापसी के प्रयास किए। उसका 49वें मिनट में एक और पेनाल्टी कॉर्नर सविता ने गोल में बदलने से रोक दिया। दूसरी ओर 58वें मिनट में गुरजीत कौर ने शानदार पेनाल्टी स्ट्रोक से गोल कर भारत की बढ़त

भारत ने उज्बेकिस्तान को 4-1 से शिकस्त दी

वेंगलुरु, प्रेट्र: भारत क्लीन स्वीप तो नहीं कर सका, लेकिन उसने एशिया-ओसियाना जोन ग्रुप-1 डेविस कप मुकाबले के तीसरे दिन उज्बेकिस्तान को 4-1 से हराकर अपना दबदबा साबित कर दिया। हालांकि भारत विश्व ग्रुप प्लेऑफ के लिए शनिवार को ही क्वालीफाई कर गया था। उसे विश्व ग्रुप प्लेऑफ मुकाबला अपने घर में सितंबर में खेलना है।

रविवार को रामकुमार रामनाथन ने 67 मिनट तक चले पहले रिवर्स सिंगल्स में संजार फायजीव को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराते हुए भारत को 4-0 की बढ़त दिला दी थी, लेकिन प्रजनेश गुणेश्वरन को दूसरे रिवर्स सिंगल्स में हार मिली। प्रजनेश गुणेश्वरन को उजबेक खिलाड़ी तैमूर इस्माइलोव ने 7-5, 6-3 से हराया। यह मैच 70 मिनट चला। भारतीय खिलाड़ियों ने पांच में चार मैच जीत लिए।

रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने फारुख दुस्तोव और संजार फायजीव को डबल्स वर्ग के मुकाबले में शनिवार को 6-2, 6-4, 6-1 से मात दी थी। इससे पहले शुक्रवार को रामनाथन के अलावा प्रजनेश ने अपने-अपने सिंगल्स मैच में जीत हासिल की थी और भारत को 2-0 से बढ़त दिलाई थी।

रविवार को रामनाथन की जीत ने भारत को 4-0 से बढत दिला दी। फायजीव के खिलाफ जीत के लिए उन्हें अधिक मेहनत नहीं करनी

टाइम तक यही स्कोर रहा। दूसरे हाफ में दोनों

टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई। इस दौरान

बार्सिलोना ने बराबरी के कई मौके बनाए,

लेकिन गोल नहीं कर सके। अंतिम क्षणों

में जॉनी (90वें मिनट) ने गोल दागकर

मलागा को 2-0 से शानदार जीत दिला दी।

बार्सिलोना ला रोसालेडा मैदान में पिछले

दस मैचों से कोई नहीं हारा था। यहां यह

एंटोनी ने रीयल को जीत से रोका

: एंटोनी ग्रीजमैन ने खेल के 85वें मिनट में

गोल दागकर न सिर्फ एटलेटिको मैड्रिड को

एक-एक से बराबरी दिलाई, बल्कि रीयल

मैड्रिड की जीत की उम्मीदों पर पानी भी फेर

दिया। पहला हाफ गोल रहित रहने के बाद

दूसरे हाफ के शुरुआत में ही केप्लर पेप

(52वें मिनट) ने गोल कर रीयल को 1-0

उसकी 2003 के बाद पहली हार है।



सर्विस करते रामकुमार रामनाथन ।

पड़ी। फायजीव के खिलाफ अपना पहला सेट रामनाथन ने 37 मिनट के अंदर जीत लिया था इसके बाद दूसरे सेट में अच्छी शुरुआत करते हुए उन्होंने मुकाबले में 6-2 से जीत हासिल की

बजरंग ने रजत, रितु व दिव्या ने जीता कांसा

अनिल भारद्वाज, गुरुग्रामः भारतीय पहलवानों ने बुल्गारिया में चल रही दान कोलोव एवं निकोला अंतरराष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में एक रजत सहित तीन पदक जीते। हरियाणा के बजरंग पुनिया (61 किग्रा) ने रजत, जबकि हरियाण की ही रितु फोगाट (48 किग्रा) और दिल्ली की दिव्या सेन (69 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते।

बजरंग को फाइनल में करीबी मुकाबले में मेजबान देश के नोवाचकोव के हाथों हारकर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। ग्रेटर नोएडा के दादरी स्थित कालेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन में द्वितीय वर्ष की छात्रा दिव्या ने हंगरी की पूर्व ओलंपिक पदक विजेता पहलवान को पटखर्न देकर कांसा जीता। दिव्या मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की रहने वाली हैं और दिल्ली के पूर्वी गोकुलपुरी में रहती हैं।

चैंपियनशिप का सोमवार को अंतिम दिन है अंतरराष्ट्रीय कुश्ती अंपायर अशोक भनवाला ने बताया कि चैंपियनशिप में 23 से ज्यादा देश भाग ले रहे हैं।

ला लीगा में बार्सिलोना की सनसनीखेज पराजय

मलागा से 0-2 से हारकर खिताब की दौड़ से हुआ बाहर

मैड्रिड, एएफपी : बार्सिलोना को स्पेनिश फुटबॉल लीग 'ला लीगा' में मलागा के हाथों 0-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही बार्सिलोना की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने और खिताब की उम्मीदें भी धराशायी हो गईं। अब बार्सा (69) और शीर्ष पर मौजूद रीयल मैड्रिड (72) के बीच तीन अंकों का अंतर हो गया है, जिसने एक अन्य मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड के साथ एक-एक से ड्रॉ खेला।

रंजना झांसी में तैनात है। हेमा केसी (580) ने बार्सिलोना को नेमार के बाहर होने का रजत और भूटान की लन्चु कुंजांग (579) ने खामियाजा भुगतना पड़ा, जिसके चलते उसे कांसा जीता। भारत की रूबी रानी चौथे स्थान दस खिलाड़ियों से खेलना पड़ा। नेमार को पर रहीं। टीम स्पर्धा में रंजना, हेमा और बलजीत पहली बार रेड कार्ड के चलते बाहर बैठना कौर की तिकड़ी (1739) पहले और रूबी, पड़ा। लियोन मेसी और लुईस सुआरेज जैसे अनुजा जंग व भक्ति भास्कर (1720) दूसरे स्टार फुटबॉलर भी बार्सा की हार नहीं टाल सके। मलागा को सैंड्रो रामिरेज ने मैच के स्थान पर रहीं। भूटान की लंचु, दावा लाहम व कुंजांग चोडेन (1634) तीसरे स्थान पर रहीं। 32वें मिनट में गोलकर बढ़त दिला दी। हाफ



मैच के दौरान बार्सिलोना के लियोन मेसी (बायें) और नेमार (दायें) ।

की बढ़त दिला दी थी।

विविध

बिहार में लाल बत्ती लगी गाड़ी पर फायरिंग, उप्र का अफसर घायल

जागरण संवाददाता, मढौरा (छपरा)

उत्तर प्रदेश के बलिया से अपने रिश्तेदार के यहां छपरा के मढ़ौरा आए चुनाव पदाधिकारी शमशेर अली ताबड़तोड़ फायरिंग में गंभीर रूप से घायल हो गए। फायरिंग में उनके चालक की मौत हो गई। प्राथमिक जांच में पता चला है कि हमलावर स्थानीय मुखिया पर हमला करना चाहते थे। एक जैसी स्कॉर्पियो और एक जैसी लाल बत्ती लगी होने की वजह से उन्होंने बलिया के अधिकारी पर

फायरिंग झोंक दी। मढ़ौरा थाना क्षेत्र के गौरा ओपी अंतर्गत सलीमापुर गांव के पास रविवार की देर अपराधियों ने अत्याधुनिक हथियारों से लाल बत्ती लगी स्कार्पियो पर ताबडतोड फायरिंग

दुस्साहस

वाहन में सवार बलिया के चुनाव पदाधिकारी भी गंभीर रूप से जख्मी

छपरा के सलीमापुर में अपराधियों ने अत्याधुनिक हथियार से बरसाईं गोलियां

की। इसमें यूपी के बलिया जिले के चुनाव पदाधिकारी गेभीर रूप से जख्मी हो गए,जबकि उनके चालक की मौके पर मौत हो गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के बाद डॉक्टरों ने चुनाव पदाधिकारी को छपरा रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन की। बलिया के चुनाव पदाधिकारी शमशेर अली मढौरा में अपने रिश्तेदार से मिलने आए थे। रात्रि में वह लाल बत्ती लगी स्कार्पियो से बलिया लौट रहे थे। तभी सलीमापुर के पास अज्ञात अपराधियों ने उनपर हमला बोल दिया और ताबड़तोड़ फायरिंग की।

वहीं सलीमापुर पंचायत के मुखिया अरुण सिंह का कहना है कि यह फायरिंग उनकी हत्या करने के लिए की गई थी, लेकिन अनजान ड्राइवर को मार डाला। उन्होंने कहा कि उनकी स्कार्पियो पर लालबत्ती लगी है और जिस अधिकारी की गाड़ी (स्कार्पियो) पर हमला किया गया है, उस पर भी लाल बत्ती थी । थोड़ी देर पहले ही वह वहां से लौटे हैं। अपराधियों ने गलतफहमी में दुसरी गाड़ी पर हमला बोल दिया है। एक जैसी गाड़ी होने के कारण वे बच गए।

मिनट पर (इंजन नंबर 21338) पैसेंजर ट्रेन

महुआमिलान स्टेशन पहुंची। तब तक इंजन में

आग बुरी तरह फैल चुकी थी और लंबी-लंबी लपटें उठने लगीं। ट्रेन में आग की खबर पर

यात्री, ट्रेन से उतरकर अपने को सुरक्षित करने

के लिए जान बचाकर डिब्बे से उतरकर भागे।

स्टेशन प्रबंधक व ट्रेन चालक की सूचना पर

अग्निशमन को बुलाया गया। काफी प्रयास के

बाद अग्निशमन कर्मचारी व ग्रामीणों ने धू-धू

कर कर जल रहे इंजन की आग बुझाई। सूत्रों

की मानें तो शॉर्ट-सर्किट के कारण इंजन में आग

लगी। यह भी कयास लगाया जा रहा है कि गर्मी

व घर्षण के कारण आग लगी। लगभग छह माह

पूर्व चेटर रेलवे स्टेशन के नजदीक भी एक इंजन

में आग लग गई थी।

मांस खाने से अल्लाह भी खुश नहीं होता

जागरण संवाददाता, एटाः दुनियाभर में जानी-मानी दरगाह खानकाहे बरकातिया के सज्जादानशीं सैयद नजीब हैदर नूरी ने मुस्लिम समाज से कहा है कि गो मांस इस्लाम में हराम है। इसे न खाएं। उन्होंने कहा कि अल्लाह भी मांस खाने से ख़ुश नहीं होता। वह तो नमाज, रोजे और

जकात चाहता है। उर्से नूरी के दूसरे दिन तकरीर करते हुए सज्जादानशीं नरी ने कहा कि आपका पडोसी जिसकी पूजा करता है, उसका मांस न खाएं उत्तर प्रदेश में अवैध बूचड़खाने बंद करने प उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने ऐसा कर सही काम किया है। उन्होंने सभी जायरीनों से देश के संविधान पर यकीन, कानून में यकीदा रखने और इस्लाम के नियमों पर चलने को कहा। उन्होंने कहा कि आखिर हम इसी वतन की मिट्टी में पैदा हुए हैं, इसी में दफन होंगे। उर्स में दुनिया के कई देशों से मुस्लिम समाज के लोग शामिल हो रहे हैं। दरगाह में मोहम्मद साहब की नौवीं पीढ़ी के वंशज नूरी मियां की मजार यहीं स्थित है। बदाय शरीफ के सज्जादानशीं सालिम मियां कादरी बरकाती, कानपुर के मुफ्ती हनीफ, मो. कामरान बरकाती सहित दूर-दराज से आए उलेमाए किरामों ने लोगों को इस्लामियत का पैगाम दिया

जायरीनों के लिए सिर्फ शाकाहारी खाना

अवैध बूचड़खानों पर सूबे की नई सरकार के फरमान का असर उर्से नूरी में जायरीनों के लिए खाने पर भी साफ नजर आया।पिछले वर्षों में आमतौर पर उर्स के दौरान जायरीनों के लिए मांसाहारी व्यंजनों की व्यवस्था रहती थी। इस बार दरगाह प्रबंधन ने शाकाहारी भोजन का ही बंदोबस्त किया है।

ओडिशा के भद्रक जिले में कर्फ्यू में चार घंटे की ढील तक कर्फ्य में थोडी ढील दी गई। इसके बाद

सचिन ने दी हेलमेट पहनने की सीख

जासं, भुवनेश्वर (ओडिशा)

सोशल मीडिया में हिन्दू देवी-देवताओं के खिलाफ टिप्पणी को लेकर भद्रक में पैदा हुए तनाव और उसके बाद शुक्रवार शाम से लगाए गए कर्फ्यू का असर दिखने लगा है। शहर में शांति बनी हुई है। रविवार को शहर में सुबह चार घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई। इस दौरान कहीं से किसी अप्रिय घटना का समाचार नहीं है।शहर के तमाम संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा बल के जवान अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं। इस बीच सीआरपीएफ की एक कंपनी भद्रक

पहुंच चुकी है। रविवार सुबह 8 बजे से 11 बजे

से दाल व सब्जियां वास्तव में काली हो गई।

हालांकि, सरकार ने इस घटना को गंभीरता से

लेते हुए नमक की सप्लाई तत्काल बंद करा दी

है। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता

मामले विभाग के मंत्री सख्यू राय ने विभागीय

सचिव विनय चौबे को लंबा चौड़ा पत्र लिख

पूरे मामले की जांच कराने का निर्देश दिया है।

लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर इसे 12 बजे तक बढ़ा दिया गया था। चार घंटे के लिए कर्फ्यू हटते ही लोग जरूरी सामान खरीदने के लिए उमड़ पड़े। इसके बाद फिर कर्फ्यू लगा दिया गया, जो कि सोमवार सुबह 7 बजे तक जारी रहेगा। सरकार ने भद्रक की घटना की जांच क्राइम ब्रांच से कराने का आदेश दिया है।

महान क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने हैदराबाद में राह चलते हुए बाइक सवारों से हेलमेट पहनने की गुजारिश कर डाली। दरअसल जब

बाइक सवार प्रशंसकों ने सचिन की कार के समीप आकर सेल्फी लेने की कोशिश की तो उन्होंने बाइक सवार प्रशंसकों को हेलमेट पहनने

की समझाइश दी। इस संबंध में उन्होंने अपने टिवटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह अपनी कार की पिछली सीट पर बैठे हुए हैं

और अपने चिरपरिचित अंदाज में एक बाइक सवार दंपती को समझा रहे हैं कि सड़क पर सुरक्षा के लिहाज से हेलमेट पहनना जरूरी है। 🗖 प्रेट्र

क्राइम ब्रांच के साइबर सेल ने अपनी जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच के स्पेशल डीजी वीके शर्मा ने कहा है कि सोशल मीडिया मामले की जांच साइबर सेल कर रहा है। ग्रुप एडमिन जागरण संवाददाता, चंदवा (लातेहार)

बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड के निद्रा-महुआमिलान रेलवे स्टेशन के बीच गोमो-बरवाडीह अप पैसेंजर ट्रेन के इंजन में रविवार को आग लग गई। घटना के वक्त ट्रेन में सैकड़ों यात्री सवार थे। हालांकि आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फायर ब्रिगेड व ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 53347 निंद्रा से महुआमिलान के लिए खुली थी। इसी क्रम में इंजन के बीच चक्के से धुआं उठने लगा। चालक को जैसे ही आभास हुआ उसने महुआमिलान रेलवे स्टेशन प्रबंधक को इसकी सूचना दी। शाम पांच बजकर आठ



लातेहार जिले के महुमिलान स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेन के इंजन में लगी आग को बुझाते दमकलकर्मी ।

फिल्म 'नाम शबाना' पर पाक में प्रतिबंध

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड ने बॉलीवुड फिल्म 'नाम शबाना' के रिलीज होने के अगले ही दिन इस फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया है। पिछले हफ्ते फिल्म बेबी की प्रीक्विल फिल्म 'नाम शबाना' को पाकिस्तान में रिलीज कर दिया गया था। लेकिन इस्लामाबाद में एक थियेटर ने इस फिल्म को निर्देशित कट के बगैर ही दिखा दिया। इसके बाद पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड ने ताप्सी पन्नू की अभिनीत फिल्म 'नाम शबाना' पर प्रतिबंध लगा दिया। पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि इस फिल्म में दिखाए गए आतंकवाद से जुड़े कुछ दृश्य दिखाए जाने लायक नहीं थे।

सफेद नमक से काली हुई दाल की होगी जांच क्या है मामला दाल में काला होना वैसे तो एक कहावत है उनके द्वारा फोर्टिफिकेशन की प्रक्रिया करने में एनीमिया से ग्रसित बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सेहत सधारने की मंशा से केंद्र सरकार भी भिन्नता हो। निविदा प्रक्रिया में इस पर विचार लेकिन अजब संयोग है कि झारखंड में इस के निर्देश पर राज्य में आयरन और आयोडीन युक्त डबल फोर्टिफाइड नमक की आपूर्ति का कहावत ने मूर्त रूप ले लिया है। सरकार के स्तर हुआ कि नहीं इसकी जानकारी भी उन्हें नहीं निर्णय लिया गया था। राज्य के विभिन्न हिस्सों में डबल फोर्टिफाइड नमक की सप्लाई की गई से बीपीएल परिवारों को सप्लाई किए गए नमक

की। ये शिकायतें दाल और सब्जी दोनों में डाले गए नमक के संबंध में आई।

थी। इस नमक में शिकायत दाल के काले होने तो कहीं दाल की सतह पर काली परत जमने

राय ने कहा है कि नमक का प्रभाव अलग-अलग होने से प्रतीत होता है कि जिलों में आपूर्ति किए गए नमक में आयरन के फोर्टिफिकेशन की

रहा था तब कुछ लोगों ने दाल और सब्जियों के रंग पर इसके प्रभाव के बारे में आशंका जाहिर की थी। उस समय बताया गया था कि इसका गंभीर

असर नहीं होगा। उन्होंने आशंका जताई है कि नमक आपर्ति करने वाली संस्थाएं भी भिन्न हैं।

है। विभिन्न जिलों में आपूर्ति किए गए डबल फोर्टिफाइड नमक के नमूनों की जांच कराई जाए ताकि यह पता चल सके कि आपूर्तिकर्ताओं के फोर्टिफिकेशन प्रक्रिया के दौरान किसी खास मानक का पालन किया गया है कि नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि इस संदर्भ में यदि कोई सरकारी या गैर सरकारी मानक हो तो इसकी जानकारी से भी उन्हें अवगत कराया जाए।

मौसम विशेष जम्मू कश्मीर, हिमाचल तथा उत्तराखंड में मौसम शुष्क रहेगा।

दिन के तापमान में बढ़ोत्तरी तथा रात के तापमान में गिरावट संभव है। पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में दिन के समय मध्यम गति की हवाओं और साफ आसमान के साथ दिन का तापमान सामान्य के आसपास बना रहेगा। भारत के मुख्य शहरों का तापमानः 🚃

सहर मुम्बई अ8/23/अंबा स्वाट्य अ9/20/आंब अन्यस्त्र अ9/20/आंब अंडिया अ9/22/सा बड़िया अ9/22/सा बेह्निया अ9/22/सा बेह्निया अ6/27/अंबा सम्प्राप्त अ7/22/आंबा स्वाट्य अ7/20/सा स्वाट्य अ7/20/सा स्वाट्य अ7/20/सा अर्थाय अ7/22/अंबा अर्थाय अर्य

मात्रा और गुणवत्ता अलग-अलग है। जब डबल

फोर्टिफाइड नमक की आपूर्ति का विचार चल



1955 में आज ही अमेरिकी यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग के फिजीशियन जोनस साल्क द्वारा विकसित किए गए पोलियो के टीके का बड़े स्तर पर फील्ड ट्रायल किया गया। यह परीक्षण वर्जीनिया के फ्रैंकलिन शर्मन एलिमेंट्री स्कुल के चार हजार बच्चों पर हुआ। इसके नतीजे 90 फीसद तक सकारात्मक रहे

राष्ट्रीय संस्करण

डधर उधर की

कूड़ेदान को बना लिया आशियाना

वाशिंगटन, एजेंसी: जिस कूड़ेदान के पास से गुजरने पर लोग नाक बंद कर लेते हैं,

को न्यूयॉर्क निवासी शख्स ने पिछले दस

अपना घर बना रखा है। वह भी सोलर पैनल और यूएसबी पोर्ट से लैस। दरअसल डैमियन कमिंग्स नाम का शख्स पिछले सात साल से बेघर था। एक दिन उसने बेघर होने का अभिनय कर रहे दो लोगों के साथ अपना ठिकाना और खाना बांटा। उसकी इस दयालुता से प्रभावित होकर उन दोनों लोगों ने 1500 डॉलर का एक लकड़ी का छोटा सा घर किमंग्स के लिए बनाया। यह घर देखने में बिलकुल बड़े से कूड़ेदान जैसा दिखता है। इसमें कूड़ा डालने के लिए आने वाले लोग कमिंग्स को देखकर डरकर भाग जाते हैं।

शोध अनुसंधान

हृदय रोग का खतरा बताते हैं पके बाल



सावधान हो जाएं। यह हृदय रोग के खतरे की घंटी हो सकती है।शोधकर्ताओं के अनसार एथेरोसक्लेरोसिस नामक बीमारी जिसमें धमनियां सख्त हो जाती हैं और बाल पकने के बीच आपस में संबंध होता है। इस बीमारी में डीएनए कमजोर या क्षतिग्रस्त होना, संक्रमण व हारमोन संबंधी बदलाव शामिल हैं। यह निष्कर्ष मिस्न के काइरो विवि में 545 वयस्क पुरुषों पर शोध से निकाला गया। शोध में शामिल सभी लोग हृदय तक रक्त पहुंचाने वाली धमनियों(कोरेनरी आर्टरी) में आए ब्लॉकेज से पीड़ित थे। इनका सीटी स्कैन कराया गया। इसके बाद सभी को अलग-अलग दो ग्रुपों में बांटा गया। इसके बाद देखा गया कि इनके बाल कितने पके हैं? फिर शोध करने वालों ने कार्डियोवैस्कुलर खतरे के पारंपरिक मानकों यथा डायबिटीज, धूमपान, बीमारी का पारिवारिक इतिहास आदि पर आंकडे एकत्र किए। आंकडों के विश्लेषण से पता चला कि जिनके बाल ज्यादा पके हुए हैं, उन्हें कोरेनरी आर्टरी बीमारी का खतरा ज्यादा है।

वायु प्रदूषण से बढ़ता है स्तन कैंसर का खतरा



वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर का बड़ा खतरा सामने आया है। ताजा शोध के मुताबिक, बढा हुआ प्रदुषण महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा बढ़ा देता है। अमेरिका की फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 2,80,000 महिलाओं से जुड़े आंकड़ों का अध्ययन किया। इस दौरान उनके रहने के स्थान पर प्रदूषण के स्तर के आंकड़े भी जुटाए गए।शोधकर्ताओं ने बताया कि मैमोग्राफ की मदद से महिलाओं के स्तन का घनत्व मापा जाता है। ज्यादा घनत्व स्तन कैंसर की ज्यादा आशंका व्यक्त करता है। शोध में पता चला कि हवा में प्रदूषण कणों की सांद्रता में एक अंक की बढोत्तरी महिलाओं में स्तन के घनत्व को चार फीसद तक बढ़ा देती है। शोधकर्ता लुसीन यागयान ने कहा, 'हमारे शोध से विभिन्न क्षेत्रों में स्तन कैंसर के मामलों में विविधता के पीछे के कारणों को समझने में सहायता मिलेगी।' नतीजों के आधार पर स्तन कैंसर के बचने के तरीकों पर भी नए शोध की उम्मीद है।

संकेत ▶ 33वें नेशनल स्पेस सिंपोसियम में वायुसेना ने कहा

...तो अंतरिक्ष में भी दादागीरी दिखाएगा अमेरिका

चांद्र पर बसने वाली भावी इंसानी बस्ती पर वायुसेना की तैनाती की योजना

जागरण रिसर्च डेस्क, नई दिल्ली

सीरिया पर शुक्रवार को 59 टॉमहॉक मिसाइलें दागकर विश्व को चौंकाने वाला अमेरिका अब अंतरिक्ष में भी दादागीरी जमाने की योजना बना रहा है। दरअसल अगले 15-20 वर्षों में चांद पर इंसानी बस्ती बसाने की योजना है। अमेरिका वहां बसने वाले लोगों और अंतरिक्ष की सुरक्षा के लिए वायुसेना की तैनात कर सकता है। यह दावा कोलोराडो में हुए 33वें नेशनल स्पेस सिंपोसियम में अमेरिकी वायुसेना ने किया है। अभी 150 देशों में अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

चांद पर इंसानी बस्ती : रूस और जापान 2030 तक चांद पर इंसानी बस्ती बसाने पर काम 3.98 लाख : अमेरिका से बाहर अन्य देशों में तैनात कुल अमेरिकी सैनिक अमेरिकी सैनिक

प्रशांतीय देश 99,538 यूरोपीय देश 99,451 एशियाई देश 63,444 एशियाई देश 99,558 उप सहारा अफ्रीका और हिंद महासागर 2.781

सिस्लूनर स्पेस में भी बसेंगे इंसान : अमेरिका के मुताबिक अगले 20 साल में पृथ्वी और चांद के बीच के अंतरिक्ष क्षेत्र (सिस्लूनर स्पेस) में भी एक हजार इंसान बसेंगे।

34,199

अमेरिका करेगा सुरक्षा : अमेरिकी वायुसेना के मुताबिक चांद पर इंसानी बस्ती बसने के बाद वहां व्यवसाय होगा। चांद पर खदानें बनेंगी। अर्थव्यवस्था विकसित होगी।

- थॉमस शिलिंग, लेफ्टिनेंट कर्नल, अमेरिकी वायुसेना इसलिए अमेरिकी वायुसेना अंतरिक्ष में तैनात होकर लोगों को पुलिस जैसी सुरक्षा मुहैया

अंतरिक्ष में अगले 20 साल में बनने

वाली इंसानी बस्ती में करीब एक

हजार लोग बसेंगे । इससे वहां अर्थव्यवस्था

विकसित होगी। इसलिए लोगों को सुरक्षा

भी चाहिए होगी। वहां पुलिस की जिम्मेदारी

निभाने के अमेरिकी वायुसेना से उपयुक्त

कोई नहीं होगा। इसलिए हम वहां जाएंगे।

पेंटागन भी इस पर शोध कर रहा है।

स्पंस फोर्स: अमेरिका में यूएस स्ट्रैटजिक कमांड और रूस में रिशयन एरोस्पेस डिफेंस फोर्स हैं।इनका काम अंतरिक्ष में देश के उपग्रहों की सुरक्षा और मिसाइलों से होने वाले हमले पर



हौसले की दौड़

स्विट्जरलैंड के पश्चिमी शहर बीयरे में 'बॉरजोट रन' यहां की सबसे लोकप्रिय इवेंट है और इसमें हजारों लोग हिस्सा लेते हैं। इस वर्ष साढ़े सात किलोमीटर की दौड़ में डेढ़ हजार से अधिक लोग शामिल हुए।प्रतिभागी तरह–तरह के कॉस्ट्यूम पहनकर कीचड़युक्त पानी, मिट्टी और अन्य अवरोधों को पार करते हुए फीनिश लाइन तक पहुंचते हैं। यह काफी मुश्किल दौड़ मानी जाती है। मटमैलें पानी से होकर दौड़ता एक प्रतिभागी।

हबल ने भेजी बृहस्पति की नई तस्वीर

लंदन, प्रेट : हबल स्पेस टेलीस्कोप ने बृहस्पति की एक नई तस्वीर पृथ्वी पर भेजी है जिसमे उसका विशाल लाल धब्बा साफ दिखाई देता है। इस धब्बे को खगोल वैज्ञानिक ग्रेट रेड स्पॉट भी कहते हैं। दूरबीन द्वारा प्रेषित तस्वीर में ग्रह की

भूमध्यरेखा के समानांतर अनेक रंगीन धारियां और उसके घने वायुमंडल की दूसरी विशेषताएं भी स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं। इस विशाल गैसीले पिंड की पहले भी अनेक तस्वीरें ली जा चुकी हैं लेकिन इस नवीनतम तस्वीर में बृहस्पति की सारी विशेषताएं ज्यादा अच्छे ढंग से उभर कर आई हैं। खगोल वैज्ञानिक

इन तस्वीरों के आधार पर बृहस्पति के वायुमंडल में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन करते हैं। इस महीने बृहस्पति और दिनों की अपेक्षा पृथ्वी के सबसे नजदीक है और पृथ्वी की तरफ उसके गोलार्ध पर सूरज का पूरा प्रकाश पड़ रहा है। यरोपीय स्पेस एजेंसी के अनुसार, हबल

स्पेस टेलीस्कोप ने इस अवसर का भरपूर लाभ उठाया और गत 3 अप्रैल को सौर मंडल के सबसे बड़े ग्रह का एक सुंदर क्लोज अप ले लिया। इसके लिए उसने अपने च्वाइड फील्ड

कैमरा 3 का उपयोग किया। इस कैमरे की मदद से अल्ट्रावॉयलेट, दृश्य और इंफ्रारेड प्रकाश में पर्यवेक्षण किया जा सकता है। यह ग्रह की सतह के छोटे-छोटे फीचर भी साफ-साफ देख सकता है। ग्रेट रेड स्पॉट बृहस्पति का सबसे आसानी

से पहचाने जाने वाला फीचर है। यह दरअसल एक विशाल तूफान है जो उलटी दिशा में चलता है। यह तूफान लगभग 150 वर्षों से उठा हुआ है। तूफान इतना बड़ा है कि वह एक ही बारी में पृथ्वी के आकार के पूरे ग्रह को निगल सकता है। नई तस्वीर से इस बात की पृष्टि

होती है कि अब इस तूफान का आकार सिकुड़ ग्रेट रेड स्पॉट के पास एक छोटा तूफान भी देखा जा सकता है जिसे रेड स्पॉट जूनियर कहा

जाता है। सात अप्रैल को एक अनोखी खगोलीय घटना जब बृहस्पति आसमान में सूरज के ठीक सामने पहुंच गया और दोनों के बीच पृथ्वी आ गई। इस कतारबंदी के फलस्वरूप बृहस्पति पृथ्वी के सबसे नजदीक पहुंच गया। इसी वजह से बृहस्पति साल के अन्य दिनों की तुलना में रात

बच्चों को बीमारियों से बचाते हैं पालतू जानवर

टोरंटो, प्रेट्र: पालतू जानवर, खासकर कुत्ते हमारी-आपकी हिफाजत और घरों की रखवाली ही नहीं करते बल्कि बच्चों को विभिन्न प्रकार की एलर्जी और मोटापे के खतरों से भी बचाते हैं। एक नए अध्ययन से पता चलता है कि जिन परिवारों ने अपने घरों में पालतू जानवर पाल रखे थे उनके बच्चों में दो तरह के जीवाणुओं का स्तर बहुत अधिक था। यह जीवाणु एलर्जी से उत्पन्न बीमारियों और मोटापे के खतरे को

केनेडा की एल्बर्टा यूनिवर्सिटी में हुए शोध में यह बात सामने आई है। शोधकर्ता एनिटा कोजीरस्कीज और उनकी टीम ने अध्ययन के बाद दावा किया है कि जिन घरों में पालतू जानवर रहते हैं, वहां के बच्चों में आंत की प्रतिरोधी क्षमता व जीवाणु साथ-साथ विकसित होते हैं। इस प्रक्रिया में अवरोध पैदा होने से आंत की प्रतिरोधी क्षमता में भी परिवर्तन होते हैं। विज्ञानियों की नवीनतम खोज शिशुओं के मल से लिए नमूनों पर किए गए अध्ययन

यह बच्चे पिछले अध्ययन में रजिस्टर(शामिल) किए गए थे। उस अध्ययन से यह पता चला था कि जो बच्चे पालतू कुत्तों के साथ बड़े हुए उनमें दमे की दर कम थी। शोधकर्ताओं का कहना है कि बच्चों के

प्रारंभिक जीवन में धूल-मिट्टी और बैक्टीरिया से संपर्क प्रतिरोधी क्षमता पैदा करता है। यह जीवाणु कृत्ते के फर या पंजों में हो सकते हैं, लेकिन यह यकीनी तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि यह प्रभाव कुत्तों की वजह से था या पालत् जानवरो को बार-बार स्पर्श करने की वजह से था। ध्यान रहे अध्ययन में शामिल पालतू जानवरों में कुत्तों की संख्या 70 प्रतिशत थी।

सूंघने की शक्ति से परजीवियों से बचाव करते हैं वानर लंदन, प्रेट्ट : आपने प्राइमेट वर्ग के जीवों की कहे जाने वाला साफ-सफाई का यह व्यवहार

श्रेणी में आने वाले बंदरों (वानर) को एक-दूसरे के शरीर से जुएं निकालते अवश्य देखा होंगा.लेकिन क्या आपको पता है कि इसके जिरये वे अपने समूह के उन सदस्यों से बचते हैं जो आंतो को खराब करने वाले परजीवियों से संक्रमित हैं। गौरतलब है कि वानर परिवार के सभी जीव प्राइमेट ग्रुप के अंतर्गत आते हैं जिनमें मनुष्य भी शामिल है।

असल में प्राइमेट वर्ग के जीव सुंघने की इंद्रिय का प्रयोग कर अपने समूह के उन लोगों की पहचान कर लेते हैं जो आंतो को संक्रमित करने वाले परजीवियों से संक्रमित होते हैं। फ्रेंच नेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च के विज्ञानियों द्वारा मैंड्रिल वानरों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। शोध में पता चला है कि मैंड्रिल वानरों में एक-दूसरे की साफ-सफाई आंतों के परजीवियों से बचने का एक साधन है। इतना ही नहीं, यह परस्पर साफ-सफाई सामाजिक सामंजस्य में भी प्रमुख भूमिका अदा करती है। सोशल ग्रूमिंग

स्क्रीन शॉट

आपसी संघर्ष के बाद उत्पन्न तनावों को शांत करने में भी मदद करता है। शोधकर्ताओं ने परजीवियों से

संक्रमित मैंड्रिल वानरों को पकड़ कर उन्हें एंटीपैरासाइटिक दवा की खुराक दी। इलाज के बाद उन्होंने इन वानरों को पुनः उनके समूह के बीच छोड़ दिया। परजीवियों से मुक्त होने के बाद ये वानर आपसी साफ-सफाई करने लगे। अध्ययनकर्ताओं ने यह पता लगाने की कोशिश की कि क्या सुंघने की शक्ति से संक्रमित वानरों से बचने में मदद मिलती है।

रासायनिक विश्लेषणों से पता चला कि संक्रमित और स्वस्थ मैंड्रिल वानरों की मलीय गंध में काफी अंतर था। अगले चरण में उन्होंने 16 बंदी वानरों के व्यवहार का अध्ययन किया। उन्होंने वानरों के समक्ष बांस की डंडियां रखीं जिन पर मलीय पदार्थ रगड़ा गया था। बंदी वानरो ने इन बांसों को सूंघा और उन डंडियों को नहीं छुआ जिन पर संक्रमित मल

'पत्थर' बनते जा रहे बच्चे की हालत में सुधार

बांग्लादेश में नाओगांव के आठ साल के बच्चे मेहंदी हसन ने दुनिया तो देखी लेकिन अपना बचपन नहीं जी पा रहा। उसकी उम्र के बच्चे गांव में जब खिलौनों से खेलते हैं तो हसन दूर बैठकर उन्हें उम्मीद भरी नजरों से देखता है, क्योंकि वह खेल नहीं सकता। इसका कारण है कि उसका शरीर पत्थर जैसा बनता जा रहा है। दरअसल वह एपिडमींलिटिक हाइपरकेराटोसिस नामक दुर्लभ चर्म रोग से पीड़ित है। इस बीमारी का इलाज संभव नहीं है। हालांकि डॉक्टरों द्वारा किए जा रहे उपचार से उसकी हालत अब सुधर रही है।

बचपन से है पीडित हसन की मां जहांआरा बेगम के अनुसार उसे यह बीमारी

बचपन से है। लिहाजा बचपन से ही उसे घर के अंदर ही रखा गया, क्योंकि उसे देखकर गांववाले बुरा–भला कहते हैं।

असहनीय दर्द हसन की रूखी त्वचा और

उसमें पडे छालों के कारण हाथ या पैर की थोडी सी भी हरकत उसे असहनीय दर्द देती है। इस साल 19 फरवरी को उसे ढाका मेडिकल कॉलेज में भी भर्ती कराया गया।



हम हसन का जो इलाज कर रहे हैं, वो कम से कम चार साल चलेगा। उम्मीद है कि इससे उसकी बीमारी सौ फीसद खत्म हो जाए। डॉ राशिद अहमद, चर्म रोग विभाग,

ढाका मेडिकल कॉलेज

हो रहा सुधार अब हसन की हालत सुधर रही है। उसे रोजाना विटामिन की गोलियां दी जाती हैं। उसकी त्वचा को रूखेपन से बचाने के लिए शरीर

पर बड़ी मात्रा में मॉयश्चराइजिंग क्रीम भी लगाई जाती है। अब वह कभी-कभी अपने हाथों से भोजन कर पाता है और खिलौनों से खेल पाता है। डॉक्टरों के मुताबिक यह सुधार स्वत : हो रहा है ।



लाइलाज बीमारी ढाका मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों

चैरिटी करा रही इलाज एक चैरिटी उसकी मदद के लिए आगे

लाख लोग प्रभावित हैं।

लाइलाज रोग

एपिडमीलिटिक हाइपरकेराटोसिस रोग

केराटिन फिलामेंट के थक्के बनने लगते

हैं। त्वचा का रंग बदलता है और उस पर

छाले या फफोले निकल आते हैं। साथ

ही त्वचा सामान्य से कई गुना रूखी हो

जाती है। इससे अन्य संक्रमण के साथ

पानी की कमी भी हो जाती है। मरीज

की उम्र के साथ सुधार होता है। यह

लाइलाज बीमारी हैं। इसमें विटामिन ए की

गोलियां और मॉयश्चराइजिंग क्रीम और

फिजियोथेरेपीसे शरीर दुरुस्त रखा जाता

है। इस दुर्लभ रोग से विश्व में दो–तीन

में त्वचा को नुकसान से बचाने वाले

ने उसका परीक्षण किया। इसमें उन्हें उसके दुर्लभ चर्म रोग एपिडमीलिटिक हाइपरकेराटोसिस से पीड़ित होने का पता चला। डॉक्टरों के मुताबिक यह बीमारी लाइलाज है ।

इस साल अंतरराष्ट्रीय मीडिया में नाओगांव के मेहंदी हसन के सुर्खियां बनने के बाद आई।एपिडर्मोलिटिक हाइपरकेराटोसिस

से पीड़ित मेंहदी के माता–पिता की

जमापूंजी उसके इलाज में खर्च हो चुकी है।

फरहान और आदित्य में दोस्ती बरकरार अभिनेता और फिल्म निर्माता फरहान अख्तर

और अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के बीच मधुर संबंध कायम हैं, इस बात की तस्दीक करते हुए फरहान अख्तर ने अपने साथ आदित्य राय की मुस्कुराती हुई तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने ऐसा करके उन लोगों का मुंह बंद कर दिया है, जो यह कह रहे थे कि इन दोनों के बीच झगड़ा हुआ है और संबंध खराब हो चुके हैं। फरहान ने उन खबरों को अफवाह बताया है। ऐसी खबरें आ रही थीं कि अभिनेत्री श्रद्धा कपूर से आदित्य की



नजदीकियों को लेकर फरहान नाराज हैं और विशेष फिल्म्स की 30वीं वर्षगांठ समारोह के उन्होंने आदित्य से झगड़ा किया। फरहान ने अपने साथ आदित्य का मुस्कुराते हुए फोटो शेयर करते हुए लिखा है, 'आरआईपी... रेस्ट इन पीस... अफवाहें।' ज्ञातव्य है कि श्रद्धा और आदित्य के बीच डेटिंग की खबरें उनकी फिल्म 'आशिकी 2' की रिलीज के समय पहली बार आई थीं, जबिक 'रॉक ऑन 2' के बाद श्रद्धा की फरहान के साथ नजदीकियों की खबरें आने लगी थीं।

अब चुनिंदा फिल्में ही करती हैं रवीना टंडन



अभिनेत्री रवीना टंडन का कहना है कि अब वह अपने करियर के उस स्टेज में पहुंच गई हैं, जहां वह अपने लिए सही फिल्में चुन सकती हैं। उन्हें लाइमलाइट में रहने की जरूरत नहीं है। रवीना ने कहा, 'फिल्में मेरी जिंदगी नहीं हैं, बल्कि मेरे जीवन का हिस्सा हैं। मेरे बच्चे हैं, पित हैं, घर हैं, पैरेंट्स हैं। मेरे पास ज हैं, विज्ञापन हैं। मैं बहुत कुछ कर रही हूं। मैं फिल्मों में काम करने को उतावली नहीं हूं। मैं नहीं चाहती

कि हर शुक्रवार को रिलीज होने वाली फिल्म में मेरा नाम दिखे।' राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अभिनेत्री की फिल्म 'मात' जल्द ही रिलीज होने वाली है। उनका कहना है कि वह वही रोल करेंगी, जो उन्हें चुनौतीपूर्ण लगेगा। अश्तर सईद द्वारा निर्देशित 'मातृ' एक मां के उस संघर्ष की कहानी है, जो अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती है। मोहरा और गुलाम-ए-मुस्तफा जैसी सुपरहिट फिल्मों की नायिका रहीं रवीना कहती हैं, 'मैंने जो किरदार किया है, उसके दर्द को समझती हूं। जिंदगी सबसे अच्छी टीचर होती है।' ज्ञातव्य है कि रवीना की यह फिल्म 21 अप्रैल को रिलीज होनी है।

आमिर और रजनीकांत की फिल्मों में होगी टक्कर

सुपरस्टार और फिल्मकार आमिर खान की फिल्म 'सीक्रेट सुपरस्टार' की टक्कर इस दिवाली पर सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म '2.0' के साथ होगी। दरअसल, आमिर खान ने अपनी होम प्रोडक्शन फिल्म की रिलीज डेट को टाल दिया है, अब यह दिवाली पर रिलीज होगी। इस खबर की जानकारी फिल्म आलोचक और फिल्म व्यापार विश्लेषक तरण आदर्श ने ट्वीट करके दी। दिवाली पर ही रजनीकांत और अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म '2.0' भी रिलीज हो रही है। ज्ञातव्य है कि पहले खबरें थीं कि आमिर खान अपनी

फिल्म को 4 अगस्त को रिलीज करेंगे, इसी तारीख को संजय दत्त की कमबैक फिल्म 'भिम' भी रिलीज होनी थी। इस पर संजय दत्त ने कहा था कि आमिर खान उनके अच्छे दोस्त हैं, इसलिए वह आमिर की फिल्म वाले दिन अपनी फिल्म रिलीज करना नहीं चाहते। दत्त ने कहा था कि इंडस्ट्री में एक-दूसरे को मदद करनी चाहिए। आमिर की फिल्म 'सीक्रेट सुपरस्टार' में 'दंगल' की अभिनेत्री जायरा वसीम मुख्य भूमिका में हैं। इसमें आमिर खान भी कैमियो रोल कर रहे हैं। फिल्म को द्वैत चंदन ने निर्देशित किया है। -प्रेट्



जंगलों पर अंधाधुंध चलती आरी और बढती बस्तियों के चलते वन्य प्राणियों की रिहायश छिन गई।भोजन के भी लाले पडने लगे। नतीजन वन्य जीव गांव और शहरों की ओर कूच करने लगे हैं। जो भी मिला उसे निवाला बनाना शुरू कर दिया। इसी क्रम में

नरभक्षी हो गए।

उत्तराखंड में छुट्टा घूम रहे 80 नरभक्षी केदार दत्त, देहरादून

सावधान! 71 फीसद वन भूभाग वाले उत्तराखंड में 80 नरभक्षी छुट्टा घूम रहे हैं। इनमें 75 गुलदार और पांच बाघ शामिल हैं। यह कहां हैं, क्या इनकी मौत हो गई, कहीं ये रिवेंज किलिंग (बदले की भावना) का निशाना तो नहीं बने, ऐसे तमाम सवाल भले ही वन्यजीव महकमे के लिए पहेली बने हों, लेकिन इन आदमखोरों का पता न चलने से आमजन के मन से खौफ के बादल छंटने का नाम नहीं ले रहे। वजह यह कि प्रदेश में प्रायः गुलदार और बाघों के हमलों की घटनाएं सुर्खियां बन रही हैं।

उत्तराखंड में मानव-वन्यजीव संघर्ष चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। खासकर गुलदारों ने तो नींद ही उड़ाई हुई है। वन्यजीवों के हमलों की 80 फीसद से अधिक घटनाएं गुलदारों की हैं। मानव के लिए खतरनाक साबित हो रहे गुलदार और बाघों को वन्यजीव महकमा आदमखोर घोषित अवश्य करता है, लेकिन उसकी पहुंच में ये आधे भी नहीं आ पाते। 2006 से अब तक 148 गुलदार और 11 बाघ आदमखोर घोषित किए गए। इनमें सिर्फ 73 गुलदार और छह बाघ ही मारे अथवा पकड़े जा सके। बाकी आदमखोर पहेली बने हुए हैं।

उत्तराखंड के अपर प्रमुख मुख्य वन संरक्षक





(वन्यजीव) डॉ.धनंजय मोहन के अनुसार किसी भी वन्यजीव के मनुष्य के लिए खतरनाक होने की संभावना के मद्देनजर सभी पहलुओं पर विचार के बाद उसे आदमखोर घोषित किया जाता है। कई बार गुलदार-बाघ के नरभक्षी घोषित होने पर वे नजर नहीं आते या फिर स्थान बदल लेते हैं। कई मर्तबा ऐसे जानवर की मौत भी हो जाती है, लेकिन यह बता पाना कि यह नरभक्षी ही था, बेहद कठिन होता है। नरभक्षी घोषित जिन बाघ-गुलदारों का पता नहीं चल रहा, उनके मामले में भी ऐसा संभव है।

घोषित आदमखोर

वर्ष 2006 01 2007 07 00 2008 01 11 03 2009 21 2010 01 2011 16 02 2012 15 00 2013 16 00 2014 15 2015 15 01 2016 13 03

00 (अब तक)

2017 03

स्वरा आगे भी करेंगी लीक से हटकर किरदार लड़के की मां का 'निल बटे सन्नाटा' में और दूसरा



स्वरा भास्कर का आज जन्मदिन है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वह अनारकली और चंदा जैसे ही लीक से हटकर किरदार निभाती रहना चाहती हैं। हाल ही में रिलीज फिल्म 'अनारकली ऑफ आरा' में उन्होंने अनारकली और 'निल बटे सन्नाटा' में 'चंदा' का रोल किया था। हाल ही में 'अनारकली ऑफ आरा' के रोल के लिए स्वरा को समीक्षकों व दर्शकों की सराहना हासिल हुई थी, जिसमें उन्होंने एक देशी ऑर्केस्ट्रा सिंगर की भूमिका निभाई थी। स्वरा को उम्मीद है कि इंडस्ट्री में उनके आने वाले साथ अवसरों से भरे होंगे। उन्होंने कहा, 'इस साल मैं काफी उत्साहित रही। मैंने दो बिल्कुल अलग तरह के रोल किए। पहला 15 साल के

'अनारकली ऑफ आरा' में एक गाने वाली का। दोनों को ही लोगों ने पसंद किया। मैं उम्मीद करती हूं कि मेरा आने वाला साल भी संभावनाओं और अवसरों से भरा होगा। मुझे उम्मीद है कि मुझे अच्छे और अब तक अनसुने लीक से हटकर किरदार निभाने को मिलेंगे।' 29 साल हो गईं स्वरा दिल्ली में अपना जन्मदिन अपनी दादी के साथ मना रही हैं। वह कहती हैं कि उन्हें अपने घर में ही पार्टी करना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ ही घर में पार्टी करना पसंद करती हूं। मेरी जिंदगी में सबसे महत्वपूर्ण मेरी दादी हैं।' -प्रेट्र